वार्षिक प्रतिवेदन

2019-2020

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन, भारत सरकार
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : registrar.sansthan@gmail.com
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यावलोकन**	**5-7**
2.	**प्राधिकरण एवं संरचना**	**8-12**
3.	**छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े**	**13-22**
4.	**2019-20 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के क्रियाकलाप**	
	4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप	**23-50**
	4.1.1 प्रशासन अनुभाग	25
	4.1.2 वित्त एवं लेखा अनुभाग	25
	4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग	26
	4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	27
	4.1.5 परीक्षा अनुभाग	27
	4.1.6 पुस्तकालय	30
	4.1.7 विक्रय इकाई	30
	4.1.8 योजना अनुभाग	31
	4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग	33
	4.1.10 58वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	39
	4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान	40
	4.1.12 परियोजनाएँ	41
	4.1.13 पालि एवं प्राकृत	44
	4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	45
	4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग	48
	4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान)	49
	4.2 परिसरों के क्रियाकलाप	**51-110**
	4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	53
	4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)	56
	4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	61
	4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	66
	4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	70
	4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	75
	4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)	78
	4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)	83
	4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	90
	4.2.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	95

4.2.11 दिल्ली परिसर मुख्यालय (नई दिल्ली) 99
4.2.12 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 100
4.2.13 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 106

5. वर्ष 2019-20 की प्रमुख गतिविधियाँ 111-130

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान (16.08.2019) 113
5.2 संस्कृत सप्ताहोत्सव 113
5.3 स्थापना दिवस 116
5.4 58वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 116
5.5 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 119
5.6 सत्रहवाँअन्तःपरिसरीय संस्कृत नाट्यमहोत्सव 119
5.7 एकादश अन्तः परिसरीय युवा महोत्सव 121
5.8 हिन्दी पखवाड़ा 123
5.9 एकता दिवस 123
5.10 सतर्कता जागरुकता सप्ताह 123
5.11 छठवां दीक्षान्त समारोहः 124
5.12 राष्ट्रपति सम्मान समारोह 126

6. संलग्नक 131-184

क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची 133
ख. विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची 135
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 141
घ. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 142
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 153
च. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएँ 162
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 170
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 173
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 179
ञ. संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 180
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण 180
ठ. आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 182

7. 2019-20 के वार्षिक लेखे 185-247

क. वर्ष 2019-2020 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 187
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2019-20 वर्ष की रिपोर्ट 244

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमें इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्ण रूप से निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के रक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु 1956 में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में संस्थान का योगदान (जिसमें संस्कृत-शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान आदि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं) इसको देखते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से मानितविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया। मानितविश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा और आगे मानितविश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और मानितविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत मानितविश्वविद्यालय

संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने तेरह परिसरों में संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर, जम्मू तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

संस्थान के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान '**संस्कृत विमर्श:**' और '**गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका**' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। सभी परिसर अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 669 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2019 से 31.03.2020 तक **माननीय डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'** मानव संसाधन विकास मंत्री, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति रहे। कुलपति संस्थान के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे संस्थान के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान **प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति के रूप में आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**–संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
4. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2019-20 में संस्थान के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
73वीं बैठक	29.06.2019
74वीं बैठक	23.08.2019
75वीं बैठक	26.09.2019
76वीं बैठक	10.11.2019
77वीं बैठक	13.01.2020
78वीं बैठक	05.02.2020
79वीं बैठक	17.03.2020

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
<u>विद्वत्परिषद्</u>	17.05.2019
वित्त समिति	
42वीं बैठक	27.06.2019
43वीं बैठक	15.02.2020
44वीं बैठक	13.03.2020
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

प्रबन्ध मण्डल, विद्वत्परिषद तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का संगठन एवं संरचना

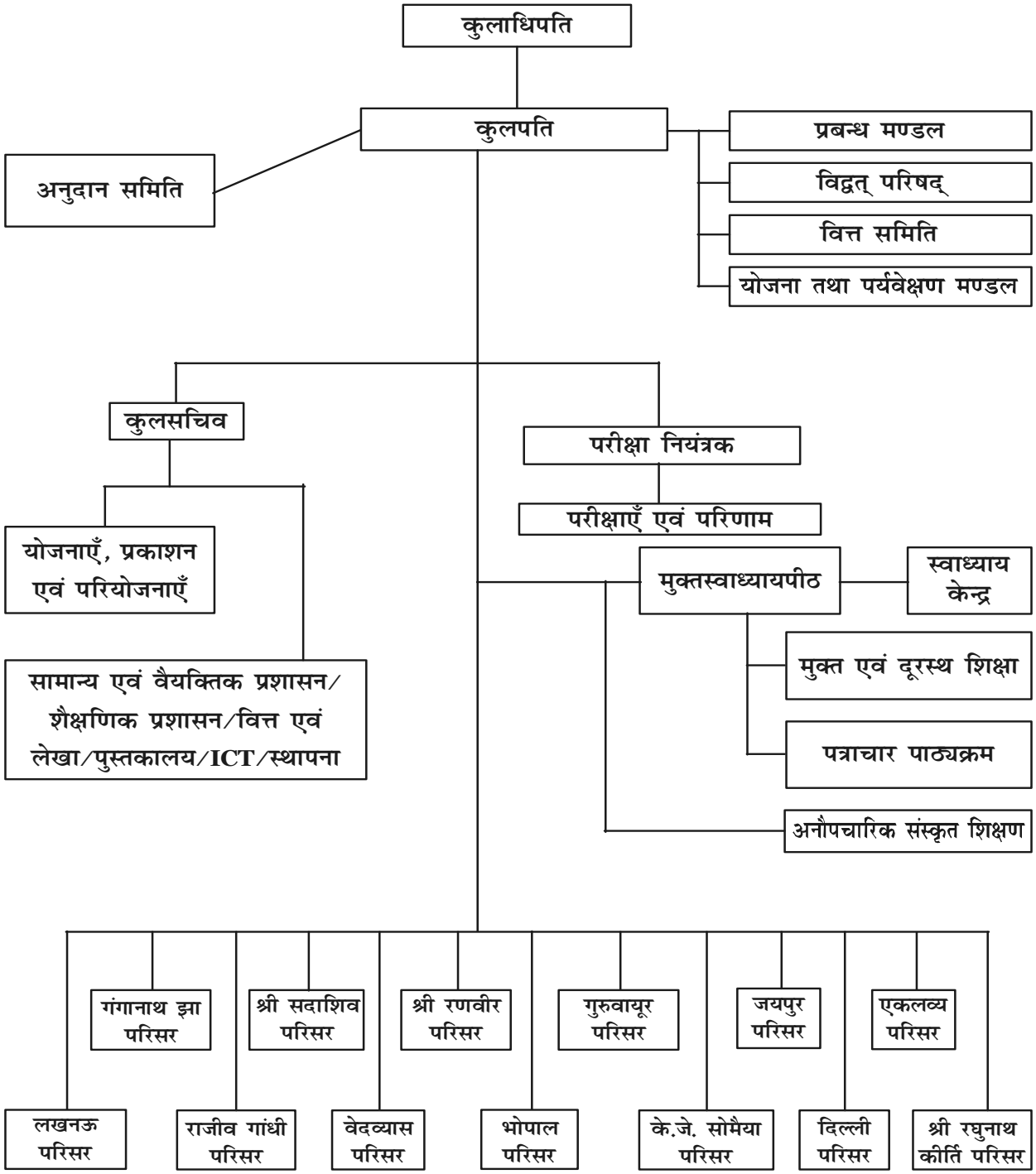

2.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

संस्थान की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली की प्रशासनिक संरचना

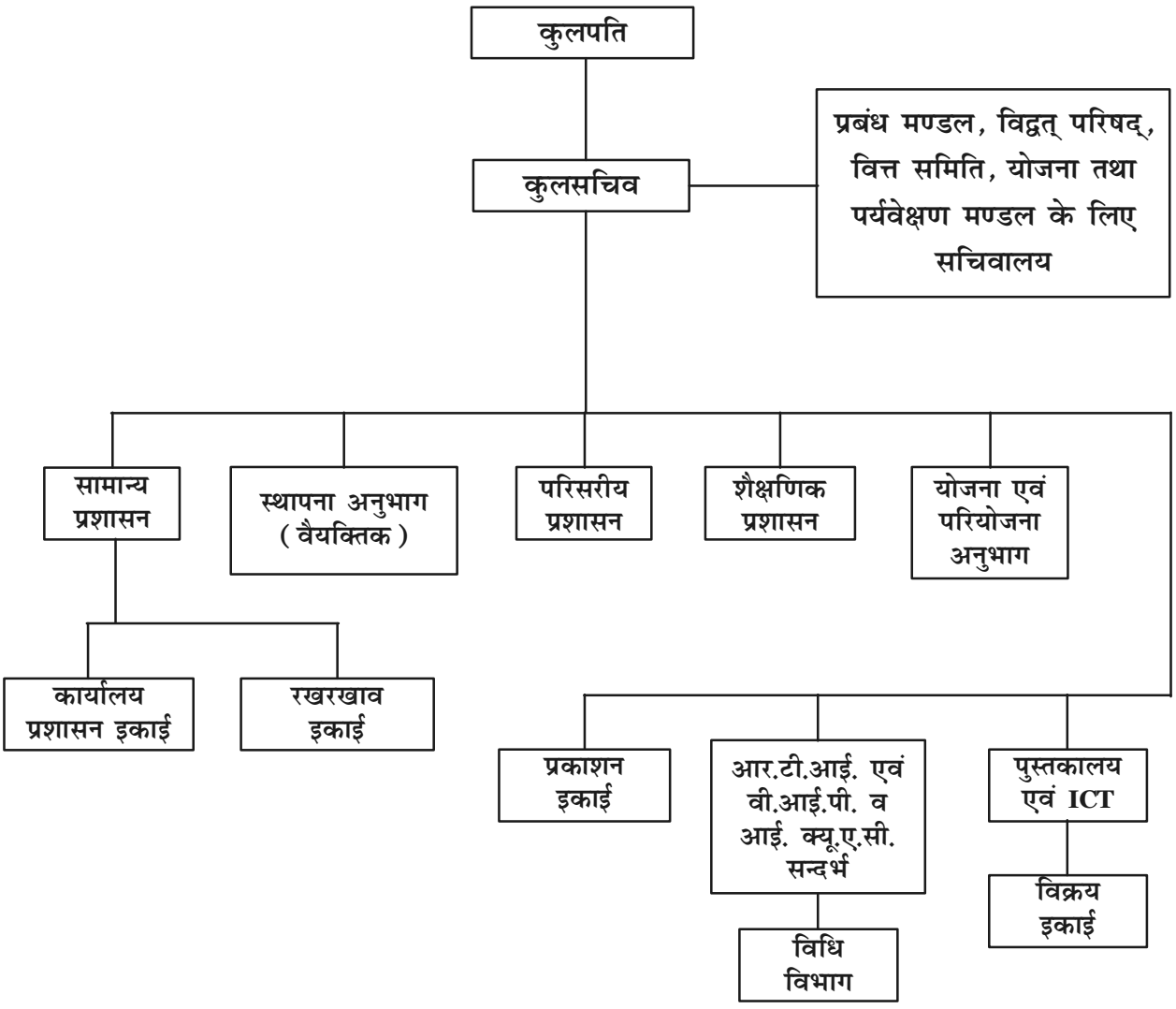

2.2.2 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर (मुख्यालय)	जनकपुरी, नई दिल्ली
12.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
13.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी–+2)
2.	शास्त्री, शास्त्रि प्रतिष्ठा	(बी.ए., बी.ए. प्रतिष्ठा)
3.	आचार्य	(एम.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षा आचार्य	(एम.एड्.)
6.	विद्यावारिधि	(पी–एच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1. 16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **5803** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	48
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	81	92	110	113	117	110	99	347	323	17	20	–
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	35	28	48	50	51	107	98	59	43	–	–	–
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	31	21	68	68	65	55	50	44	41	–	–	–
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	85	49	165	138	91	107	95	75	68	–	–	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	24	21	49	45	52	55	49	28	25	–	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	43	36	61	52	53	55	50	36	45	–	–	–
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	52	34	135	119	91	55	46	77	45	–	–	–
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	38	43	60	59	59	109	98	46	55	06	07	–
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	07	02	08	03	03	55	49	06	05	–	–	–
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	07	16	27	16	16	54	49	37	25	–	–	–
13.	रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	10	05	22	20	20	–	–	11	–	–	–	–
	योग	**413**	**347**	**753**	**683**	**618**	**762**	**683**	**766**	**675**	**23**	**32**	**48**
											कुल योग - 5803		

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
	बिहार																			
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आश्रम संस्कृत विद्यालय	06	29	38	29	20	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	116
2.	देवरहा बाबा भक्त शिवशंकर संस्कृत महाविद्यालय	07	18	11	11	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50
3.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	08	01	01	28	18	21	25	22	21	19	19	-	11	09	15	16	-	-	226
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	10	-	-	51	46	42	45	33	34	32	34	-	15	17	28	30	-	-	407
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	12	05	05	14	13	16	15	08	09	-	-	10	10	10	11	11	-	-	137
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान	13	66	64	70	37	36	35	31	30	43	46	-	18	23	13	13	-	-	525
7.	डॉ. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	14	43	40	20	16	13	13	23	23	-	-	17	-	-	-	-	-	-	208
8.	अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान	15	47	53	51	23	08	08	05	05	-	-	08	07	07	09	09	-	-	240
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्या.	16	37	35	17	21	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	110
10.	दीनानाथ मिथिला सं.विद्यापीठ	18	17	42	05	11	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	75
11.	जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	19	-	-	18	22	46	48	31	33	17	17	-	23	22	31	31	-	-	339
	दिल्ली																			
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	26	17	15	13	19	08	08	11	13	-	-	10	02	02	06	08	-	-	132
13.	ब्रह्मऋषि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद-वेदांग महाविद्यालय	27	07	-	02	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	09
14.	श्री राम ज्यौतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय	28	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	03	04	04	05	-	-	16
15.	वसन्तग्राम आदर्श सं.विद्यालय	29	10	10	08	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	33
16.	रामदल संस्कृत महाविद्यालय	31	-	06	02	12	04	01	05	09	-	-	04	-	-	-	-	-	-	43
17.	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	32	25	30	36	20	21	16	17	-	-	18	-	-	-	-	-	-	-	215
18.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	34	10	17	17	16	27	27	18	18	-	-	07	15	18	12	17	-	-	219

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
19.	श्री हनुमान सं. महाविद्यालय	35	24	12	19	20	02	02	02	02	-	-	05	-	-	-	-	-	-	88
20.	आर्य कन्या गुरुकुल	36	13	11	12	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	46
21.	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	37	12	17	13	17	10	10	11	18	-	-	11	-	-	-	-	-	-	119
22.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली	38	17	16	19	10	07	07	01	01	-	-	03	-	-	-	-	-	-	81
23.	बाल विद्या मन्दिर	39	11	23	05	05	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	44
	गुजरात																			
24.	श्री रघुवर रामानन्द वेदांत म.वि.	47	-	-	-	-	-	-	01	03	-	-	01	02	03	01	01	-	-	12
	हरियाणा																			
25.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	52	-	-	-	-	32	32	34	34	-	-	33	-	-	-	-	-	-	165
26.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	53	-	-	06	06	44	39	31	35	20	23	-	16	15	22	22	-	-	279
27.	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि सं.म.वि.	55	10	08	04	03	03	03	06	06	-	-	09	-	-	-	-	-	-	52
28.	श्री लज्जाराम संस्कृत म.वि.	56	19	20	30	25	60	60	47	49	-	-	57	16	16	13	13	-	-	425
	हिमाचल प्रदेश																			
29.	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर	57	-	-	48	34	157	170	136	148	94	112	-	64	70	52	64	55	46	1250
	जम्मू																			
30.	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, श्रीरणवीर परिसर	61	-	-	34	28	59	80	59	65	52	57	-	60	62	39	39	111	98	843
31.	श्री गुरु गंगादेवजी सं.म.वि.	62	18	31	17	24	08	08	06	06	-	-	11	04	04	-	-	-	-	137
	झारखण्ड																			
32.	लक्ष्मीदेवी श्रॉफ आदर्श सं.म.वि.	09	-	-	32	12	12	13	11	10	10	10	-	21	21	13	13	-	-	178
	केरल																			
33.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	66	-	-	16	14	28	19	09	09	-	-	02	08	08	04	05	-	-	122
34.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	67	-	-	15	10	11	11	10	11	-	-	15	05	05	-	-	-	-	93
35.	श्री शंकर सं.वि. इड्डाकडोम	68	-	-	05	02	13	13	03	03	-	-	07	11	09	04	04	-	-	74
36.	कालीकट आदर्श सं. विद्यापीठ	70	-	-	23	09	72	98	50	52	54	57	-	36	34	26	26	-	-	537
37.	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	71	-	-	10	04	06	06	06	06	-	-	01	02	02	1	1	-	-	45
38.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर	72	-	-	32	23	75	102	71	77	62	64	-	44	50	41	46	55	50	792
39.	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा हेवन	73	-	-	01	04	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	05

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
40	माहेश्वरी संस्कृत कालेज	75	-	-	10	14	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	24
	कर्णाटक																			
41.	केन्द्रीय सं. वि.विद्यालय, राजीवगांधी परिसर	76	-	-	41	36	62	63	51	52	53	54	-	36	37	44	45	55	50	679
	महाराष्ट्र																			
42.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महा.	81	-	-	09	09	10	14	13	15	11	12	-	08	13	09	13	-	-	136
43.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, के.जे. सौमय्या संस्कृत विद्यापीठ	84	-	-	07	02	09	08	04	03	03	03	-	05	06	05	05	57	49	166
	मणिपुर																			
44.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	86	45	42	90	122	36	37	25	27	-	-	27	15	17	08	10	-	-	501
45.	श्री राधामाधव आदर्श सं.महा.	87	194	136	287	268	144	144	81	81	47	51	-	13	13	18	18	-	-	1495
	मध्यप्रदेश																			
46.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर	88	-	-	38	49	61	67	65	64	61	63	-	50	58	49	52	109	98	911
	उड़ीसा																			
47.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर	91	-	-	78	91	109	113	116	125	117	118	-	306	315	303	314	112	98	2387
	पंजाब																			
48.	श्री बाबा हरिदत्त गिरिजी सं.म.वि.	96	-	-	17	07	14	14	05	10	-	-	19	03	03	02	02	-	-	96
49.	श्री सरस्वती संस्कृत कालेज	97	-	-	13	15	25	33	27	37	-	-	14	-	-	-	-	-	-	164
	राजस्थान																			
50.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर	101	-	-	69	50	135	151	136	135	94	104	-	57	61	71	77	109	96	1355
51.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	102	10	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	20
	उत्तर प्रदेश																			
52.	केन्द्रीय संस्कृत महाविद्यालय, लखनऊ परिसर	111	-	-	24	21	60	78	59	63	54	55	-	30	34	25	31	57	49	640
53.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय	113	27	23	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50
54.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महावि.	114	27	14	16	10	31	37	26	40	-	-	26	22	24	09	13	-	-	295
55.	गिन्नीदेवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	115	06	04	05	05	02	02	05	06	-	-	03	-	-	-	-	-	-	38

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	पू.म. -I	पू.म. -II	उ.म./ प्राश-I	उ.म./ प्राश-II	शा- I	शा- II	शा- III	शा- IV	शा- V	शा- VI	शा- III	आ- I	आ- II	आ- III	आ- IV	शि.शा I	शि.शा. II	योग
56.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद सं.म.वि.	118	37	31	20	17	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	105
57.	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	119	-	-	09	13	21	21	07	07	-	-	39	13	13	02	02	-	-	147
58.	अनन्तदेवी संस्कृत महाविद्यालय	120	-	-	17	19	17	22	25	27	-	-	41	11	12	14	15	-	-	220
59.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	123	-	-	33	32	52	51	40	40	15	15	-	30	30	25	24	-	-	387
	उत्तराखण्ड																			
60.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर	02	-	-	10	05	25	25	19	19	20	20	-	12	12	-	-	-	-	167
61.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	112	01	02	05	06	07	07	06	07	-	-	03	-	-	-	-	-	-	44
	पश्चिम बंगाल																			
62.	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	106	11	09	09	09	04	06	02	07	-	-	08	-	-	-	-	-	-	65
63.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय	126	15	27	34	46	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	122
64.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श सं.म.	127	-	-	05	02	27	28	39	37	24	25	-	94	96	124	127	-	-	628
65.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ	128	14	30	12	11	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	66
66.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	129	-	-	02	03	90	72	48	48	33	33	-	45	47	65	65	-	-	551
67.	मदर उषा मेमोरियल ओरियण्टल	130	98	118	81	109	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	406
68.	भारती चतुष्पति संस्कृत महा.	131	-	-	12	05	139	141	107	107	-	-	83	67	67	110	110	-	-	948
	त्रिपुरा																			
69.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर	01	-	-	03	19	27	28	15	16	17	19	-	33	34	25	26	70	49	381
	योग																			**21681**

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय

कक्षावार :- आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	परिसर का नाम	कोड	पू.म. I	उ.म II	उ.म/प्रा.श. I	उ.म./प्रा.श. II	शास्त्री I	शास्त्री II	शास्त्री III	शास्त्री IV	शास्त्री V	शास्त्री VI	आचार्य I	आचार्य II	आचार्य III	आचार्य IV	
1.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरनगर-842001 (बिहार)	08	01	01	18	09	24	33	19	19	12	12	17	16	09	10	200
2.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो.आ.-कोलहन्टा पटौरी जिला-दरभंगा-846003 (बिहार)	10	..	..	54	42	37	37	42	41	15	15	27	28	14	17	369
3.	राम सुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान पो.आ. रमौली बेलौन (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया-बेहरा, जिला-दरभंगा-847201 (बिहार)	13	82	78	39	45	35	37	48	48	17	17	18	17	14	14	509
4.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो.आ. लगमा (आर.बी.पुर), वाया-लोहना रोड जिला-दरभंगा-847407, (बिहार)	19	-	-	21	32	36	38	18	18	16	16	41	42	12	12	302
5.	लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरीशरणम् कुटीर, काली रेखा, बैद्यनाथ धाम, देवधर-814112, झारखण्ड	09	-	-	16	16	13	12	12	11	10	10	18	16	13	13	160
6.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बघौला, तहसील पलवल, जिला-पलवल, पिन-121102, हरियाणा	53	-	-	07	03	38	31	20	17	29	29	21	24	27	27	273

7.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बालुसरी जिला-कालीकट-673612, केरल	70	..	..	10	10	66	80	53	54	50	51	30	28	25	25	482
8.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय राष्ट्रीय विद्या भवन, डॉ. कुलपति मुंशी मार्ग, मुम्बई	81	–	–	05	08	10	10	10	11	06	06	14	15	12	13	120
9.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो.आ. नम्बोल, पिन-795134, मणिपुर	87	160	151	308	299	100	100	53	53	30	30	22	21	13	14	1354
10.	रानी पद्मावती तारायोग तंत्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर) वाराणसी, पिन-221003, उत्तर प्रदेश	123	–	–	41	20	50	51	17	18	22	22	31	28	16	18	334
11.	श्री. सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2, पी.डब्लू.डी. रोड, कोलकता, पिन-700035, पश्चिमी बंगाल	127	–	–	01	02	40	39	26	23	13	13	130	126	129	129	671
12.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव-कालियाचक, पो.आ.-हरिया, जिला-पूर्वी मिदिनापुर, पिन-721430 पश्चिमी बंगाल	129	–	–	04	–	75	72	38	39	38	39	75	76	68	70	594
															कुल		**5368**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2019-20) :

	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	86	–	–
प्राक्शास्त्री	92	59	–
शास्त्री सेतु	252	–	–
शास्त्री	143	124	106
आचार्य सेतु	160	–	–
आचार्य	620	454	–
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	–	–	–
प्रारम्भिक-प्राकृत-ज्ञान पाठ्यक्रम	–	–	–
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	20	–	–
प्राकृत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	04	–	–
संस्कृत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	34	–	–
कुल	**1411**	**637**	**106**
कुल योग	**2154**		

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	–	
2.	बिहार	–	
3.	छत्तीसगढ़	01	
4.	गोवा	06	
5.	गुजरात	06	
6.	हिमाचल प्रदेश	03	
7.	जम्मू-कश्मीर	01	
8.	केरल	03	
9.	महाराष्ट्र	12	7134
10.	मध्यप्रदेश	07	
11.	उड़ीसा	05	
12.	पंजाब	03	
13.	राजस्थान	08	
14.	तमिलनाडु	02	
15.	तेलंगाना	07	
16.	उत्तराखंड	04	
17.	उत्तरप्रदेश	14	
18.	पश्चिमी बंगाल	08	
19.	पूर्वोत्तर राज्य	33	
	कुल	**128**	

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	5923
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	सामान्य	दिव्यांग/ अन्य
प्राक् शास्त्री-I	**413**	268	145	281	15	105	265	0
प्राक् शास्त्री-II	**347**	219	128	24	17	76	230	0
शास्त्री-I	**753**	481	272	66	30	206	446	5
शास्त्री-II	**683**	437	246	61	20	170	429	3
शास्त्री-III	**618**	402	216	51	22	148	396	1
आचार्य-I	**766**	333	433	66	33	207	459	1
आचार्य-II	**675**	292	383	59	30	179	406	1
शिक्षा-शास्त्री-I	**762**	355	407	60	21	244	429	9
शिक्षा-शास्त्री-II	**683**	294	389	72	26	239	344	2
शिक्षा-आचार्य-I	**23**	12	11	00	00	07	21	00
शिक्षा-आचार्य-II	**32**	19	13	04	01	08	14	00
विद्यावारिधि	**48**	28	20	03	01	10	34	00
कुल योग	**5803**	**3140**	**2663**	**494**	**216**	**1599**	**3473**	**22**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

संस्थान की प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा प्रबन्ध मण्डल एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड) 500 लाख रुपये (ख) के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, (महाराष्ट्र) 1332.08 लाख रुपये (ग) गुरुवायूर परिसर, (केरल)-547 लाख रुपये (घ) लखनऊ परिसर, (उत्तरप्रदेश) - 24.97 लाख रुपये (ङ) एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)-1540.00 लाख रुपये (च) मुख्यालय, नई दिल्ली 79.87 लाख रूपये (छ) जयपुर परिसर 1084 लाख रुपये।

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 281 आरटीआई एवं 33 प्रथम अपील आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 229 आरटीआई आवेदनों का उत्तर एवं 25 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया। 30 आवेदन सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

बजट (2019-20) :

वर्ष 2018-19 की रु. 275.28 लाख रूपये (रू. 275. 28 लाख राजस्व निधि हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2019-20 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रू. 24974.56 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:-

क्रमांक	एकक का नाम	निर्गत राशि (रु.की संख्या लाखों में)
1.	नई दिल्ली मुख्यालय	8697.35
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)	2128.50
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं काश्मीर)	978.38
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	886.75
5.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	1763.42
6.	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	1943.52
7.	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	1120.46

8.	राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)	814.75
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	571.40
10.	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	975.06
11.	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम्, मुम्बई परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	685.32
12.	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	2023.74
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	2385.91
	कुल योग	**24974.56**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय की अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2019-20 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- संस्थान के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (पाठ्य बोर्ड) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरुप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग में विद्वत परिषद की एक मीटिंग एवं विद्वत परिषद की उपसमिति की दो बैठकें आयोजित की गईं।
- शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संवर्धन देने के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है, संस्थान की शुरुआत कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था, परन्तु बाद में कुछ निजी शिक्षण संस्थाओं को भी सम्बद्धता प्रदान की गयी। इन संस्थाओं को केवल प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के लिए सम्बद्धता प्रदान की गई है। फिलहाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के तहत नये विद्यालय/महाविद्यालयों को सम्बद्धता नहीं दी जा रही है, पूर्व में सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों को विद्वत परिषद् व प्रबंधन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर इस शैक्षणिक वर्ष भी यथावत् रखने का निर्णय किया गया।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं -

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।
2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

उपरोक्त कार्यों के सञ्चालन हेतु केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 06.07.2020 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 120 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान मुख्यालय सहित विभिन्न परिसरों में विद्यावारिधि में 04 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किये:-

1. सप्तवेणी
2. धोरणी
3. आजकल का संस्कृत साहित्य

इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता पत्रिका एवं संस्कृत-विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित पूर्वमध्यमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित प्राक्शास्त्री सेतु से आचार्य पाठ्यक्रमों तक की परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणाम घोषणा कराना है। ये परीक्षायें शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2019-20 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्ध प्राप्त विद्यालय/महाविद्यालयों से प्राप्त परीक्षा आवेदनपत्रानुसार संस्था/कक्षावार परीक्षार्थीयों की संख्या निम्न लिखित प्रकार से हैं- 'क'

वर्ष 2019-20 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर, आदर्श महाविद्यालय एवं सम्बद्ध प्राप्त विद्यालय/ महाविद्यालयों से प्राप्त परीक्षा आवेदनपत्रानुसार कक्षा/लिंग/ वर्गवार परीक्षार्थियों की संख्या निम्नलिखित प्रकार से हैं- 'ख'

वर्ष 2019-20 में कक्षा/विषयवार अव्वल रहने वाले परीक्षार्थियों का विवरण परीक्षा परिणाम घोषित नहीं है।

कक्षा	छात्र संख्या			सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	Fail	उत्तीर्ण%
	पुरुष	स्त्री	कुल					
पूर्वमध्यमा-I	618	330	948	Home Exam	H.E.	0	0	H.E.-
पूर्वमध्यमा-II	587	359	946	944	944	0	0	100 %
उत्तरमध्यमा-I	283	149	432	Home Exam	H.E.	0	0	H.E.
उत्तरमध्यमा-II	254	99	353	351	351	0	0	100 %
प्राक्शास्त्री-I	747	504	1251	Home Exam	H.E.	0	0	H.E.
प्राक्शास्त्री-II	734	492	1226	1224	1224	0	0	100 %
शास्त्री-I	11	0	11	11	11	0	0	100 %
शास्त्री-II	51	8	59	59	59	0	0	100 %
शास्त्री-III	304	188	492	482	474	1	7	98.34 %
शास्त्री-I सेमेस्टर	1135	612	1747	1635	1424	190	15	87.09 %
शास्त्री-II सेमेस्टर	1223	644	1867	1802	1785	16	1	99.05 %
शास्त्री-III सेमेस्टर	938	561	1499	1458	1321	121	9	90.60 %
शास्त्री-IV सेमेस्टर	958	569	1527	1515	1502	12	1	99.14 %
शास्त्री-V सेमेस्टर	494	255	749	742	716	24	1	96.49 %
शास्त्री-VI सेमेस्टर	537	269	808	804	746	3	55	92.78 %
शास्त्री प्रति. I सेमेस्टर	68	132	200	190	179	9	2	94.21 %
शास्त्री प्रति. II सेमेस्टर	72	131	203	195	190	4	1	97.43 %
शास्त्री प्रति. III सेमेस्टर	37	82	119	118	116	2	0	98.30 %
शास्त्री प्रति. IV सेमेस्टर	41	93	134	134	133	1	0	99.25 %
शास्त्री प्रति. V सेमेस्टर	83	120	203	200	196	4	0	98 %
शास्त्री प्रति. VI सेमेस्टर	83	120	203	203	194	9	0	95.56 %
शिक्षा शास्त्री-I	364	426	790	788	788	0	0	100 %
शिक्षा शास्त्री-II	292	391	683	683	682	0	1	99.85 %
आचार्य-I	2	0	2	2	2	0	0	100 %
आचार्य-II	15	1	16	14	13	1	0	92.85 %
आचार्य-I सेमेस्टर	577	666	1243	1193	1064	101	26	89.18 %
आचार्य-II सेमेस्टर	613	688	1301	1272	1253	4	12	98.50 %
आचार्य-III सेमेस्टर	585	668	1253	1222	1142	65	14	93.45 %
आचार्य-IV सेमेस्टर	610	697	1307	1280	1177	4	99	91.95 %
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	17	12	29	29	29	0	0	100 %
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	16	12	28	28	28	0	0	100 %
शिक्षा आचार्य- III सेमेस्टर	14	12	26	26	26	0	0	100 %
शिक्षा आचार्य-IV सेमेस्टर	14	12	26	25	25	0	0	100 %
योग	12377	9304	21681	18629 + H.E.	17794 + H.E.	571	244	97.07 %

परिसरों के छात्रों ने 2019-20 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

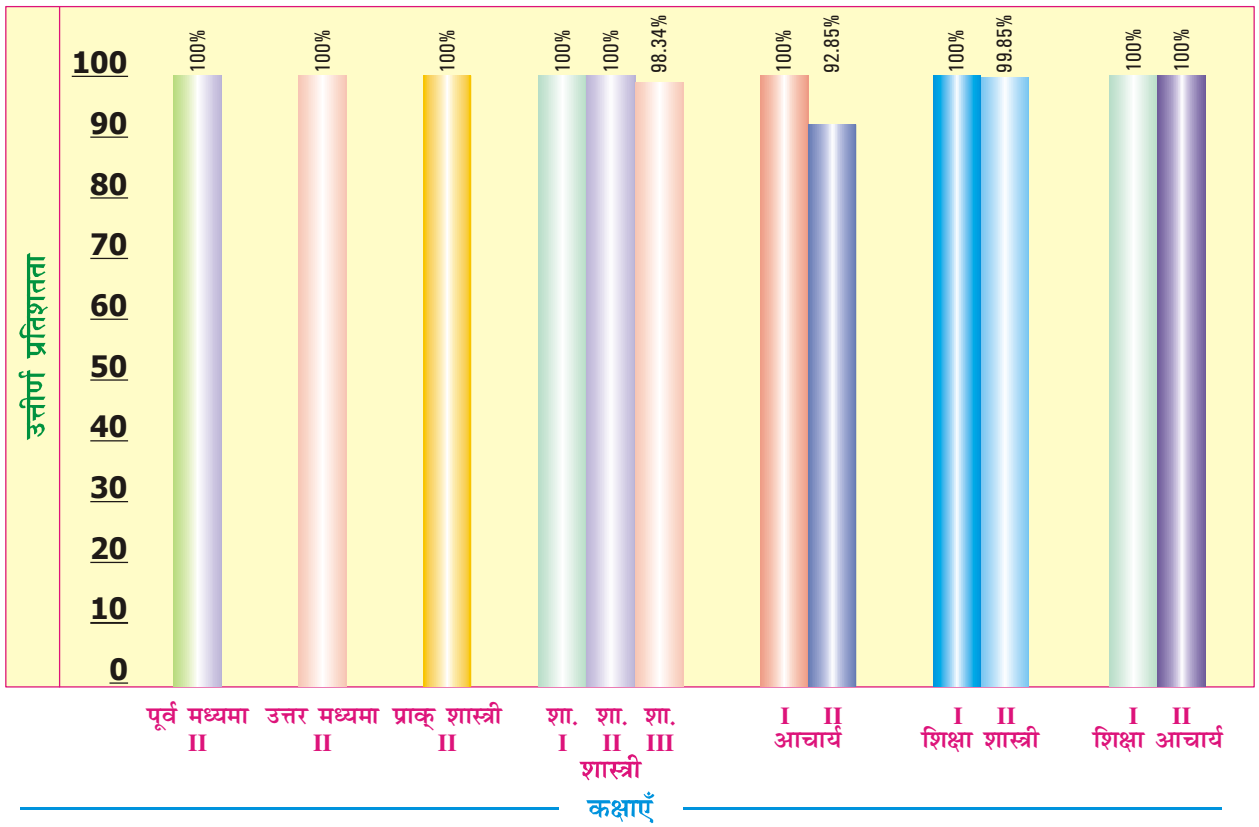

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-घ** में दिया गया है इस वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2019 से 31.03.2020 तक कुल 157 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

संस्थान के संबद्ध विद्यालय महाविद्यालय एवं परीक्षाओं को मान्यता देने वाले सरकारों एव विश्वविद्यालयों विवरण **(संलग्नक च छ ज)** है। इस वर्ष के दौरान वार्षिक परीक्षा 2019-2020 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वालें छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	विषय	परिसर/संस्थान
1.	190524	अमन कुमार गिरि	पूर्वमध्यमा	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ, दरियागंज, दिल्ली
2.	191769	मृत्युंजय द्विवेदी	उत्तरमध्यमा	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ, दरियागंज, दिल्ली
3.	17082	कोण्डि अमृता राममूर्ति	शास्त्री	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
4.	17432	अन्तरिक्ष अग्रवाल	शास्त्री प्रतिष्ठा	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), जयपुर परिसर, जयपुर
5.	29106	ऐश्वर्या	नव्यव्याकरणाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
6.	29118	शरण्य पि.	साहित्याचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
7.	28601	श्रिनिवास	सिद्धान्तज्यौतिषाचार्य	राजकुमारी गणेश शर्मा आ.सं.म., दरभंगा, बिहार
8.	29755	आनन्द कुमार	फलितज्यौतिषाचार्य	रा.सं .सं. (मा.वि.वि.), लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	29576	गौर प्रसाद पण्डा	सर्वदशनाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी

10.	26606	सुभद्रा कर	धर्मशास्त्राचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
11.	29509	प्रियदर्शिनी महापात्र	पुराणेतिहासाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
12.	28950	शशांक शर्मा	वेदाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री रणवीर परिसर, जम्मू
13.	29202	हन्जबम जदुमणि शर्मा	पौरोहित्याचार्य	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर
14.	29276	अनु जैन	जैनदर्शनाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), भोपाल परिसर, भोपाल
15.	29767	काजल	बौद्धदर्शनाचार्य	रा.सं .सं. (मा.वि.वि.), लखनऊ परिसर, लखनऊ
16.	26768	सुशीला चिन्द्रा	सांख्ययोगाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी
17.	29127	नवीन के.आर.	नव्यन्यायाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
18.	29126	आदर्श विनायक भट्ट	मीमांसाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
19.	30041	मोनालिसा दे	अद्वैतवेदान्ताचार्य	कालियाचक बिक्रम किशोर आ.सं.म., प.बंगाल
20.	19013	ज्योति ए.के.	शिक्षाशास्त्र	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), गुरूवायूर परिसर, गुरूवायूर
21.	1077	स्वाति रेखा साहु	शिक्षाचार्य	रा.सं.सं. (मा.वि.वि.), श्री सदाशिव परिसर, पुरी

4.1.6 पुस्तकालय

बारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त संस्थान मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,593 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय स्थापित है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग आरम्भ की गई है। अब तक 20,000 के लगभग प्रविष्टियाँ वर्तमान वर्ष में की जा चुकी हैं।

संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है-

1.	कुल पुस्तकें -	27593
2.	पुस्तकों का मूल्य-	55,85,525/-
3.	उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों का मूल्य	46,107/-

4.1.7 विक्रय इकाई

संस्थान के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है -

- संस्थान के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यता प्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए संस्थान का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं -

1.	संस्थान द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकें	रुपये	3,75,525.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रुपये	41,43,896.00
3.	ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रुपये	750.00
	कुल योग	**रुपये**	**45,20,171.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचूड़ामणि) को सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवाओं के उपभोग हेतु वित्तीय सहायता।

योजना-VI **(व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)**
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण", व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/ महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019-20 में संस्थान द्वारा रुपये 743.11 लाख की राशि व्यय की गई। इस वित्तीय वर्ष के दौरान 454 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को संस्कृत विषयों में चार शिक्षकों तक सीमित किया गया है। **(राज्य वार विवरण संलग्नक - झ)**

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमाह रु. 8000/- प्रति विषय की दर से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2019-20 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 180.52 लाख व्यय किए गए। 171 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) राज्य सरकार से सम्बन्धित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में या ऐसे विद्यालयों विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2019-20 में कुल 28 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 16.92 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

II. अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 36000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 72000/- प्रतिवर्ष से कम है।

III. संस्कृत के स्तर उन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/ गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

IV. संस्कृत शिक्षण के मानकों को समुन्नित करने हेतु विश्वविद्यालयों/ मानित विश्वविद्यालयों/ सी.बी.एस.ई./ एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2019-20 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 24.87 लाख व्यय किए।

V. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2019-2020 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 05.12.2019 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमादन किया गया।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 14 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 12 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान कीगई जिसका विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टय है। इसके अतिरिक्त 15

संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या – 147

प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या – 549

कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या – 236

VI. सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों को रुपये 10,000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 18 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2019-20 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 40.18 लाख व्यय किये गये।

VII. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019-20 में रु. 52 लाख व्यय किए गए।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि संस्थान के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च-माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1, 2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को संस्थान के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन संस्थान मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2019-20 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	–	–	–	–	–	–	–	–		05
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	36	36	36	36	36	126	163	163	36	27
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	19	16	36	33	11	126	46	31	–	13
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	30	19	37	39	46	68	44	36	–	09
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	36	36	72	72	72	120	38	54	05	13
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	15	15	36	27	36	63	24	20	–	33
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	36	36	36	35	36	63	36	39	–	07
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	52	34	71	68	49	63	54	35	–	09
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	34	36	36	36	34	120	41	36	13	21
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	7	2	8	2	2	66	6	2	–	01
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	02
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	02	11	21	7	15	63	30	23	–	07
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	10	05	22	20	20	–	11	–	–	09
	योग	266	246	411	375	357	878	493	439	54	156
							कुल योग - 3675				

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	सामान्य	अन्य
प्राक् शास्त्री-I	**266**	158	108	21	09	63	168	00
प्राक् शास्त्री-II	**246**	148	88	18	15	53	160	00
शास्त्री-I	**411**	255	156	41	17	116	237	00
शास्त्री-II	**375**	225	150	36	11	101	227	00
शास्त्री-III	**357**	217	140	39	17	98	203	00
आचार्य-I	**493**	234	259	33	23	139	298	00
आचार्य-II	**439**	193	246	22	21	123	273	00
शिक्षा शास्त्री	**878**	383	495	65	24	283	505	01
शिक्षा आचार्य	**54**	26	24	00	01	07	39	00
विद्यावारिधि	**156**	108	46	10	02	26	116	00
कुल योग	**3675**	**1947**	**1712**	**285**	**140**	**1009**	**2226**	**01**

2. आधुनिक और पारंपरिक धाराओं में अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/ उच्च/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/कॉलेजों के छात्रों को छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए वित्तीय सहायता।

परिचय: -

संस्कृत/पाली/प्राकृत में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृत/पाली/प्राकृत शिक्षा की योजना के तहत राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा एक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जो संस्कृत/पाली/प्राकृत को मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में नियमित रूप से पढ़ाती है। किसी भी मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/पारंपरिक धारा में संस्कृत विश्वविद्यालय में/पूर्व-मध्यमा (प्रथम वर्ष)/9 वीं कक्षा, पूर्व-मध्यमा (द्वितीय वर्ष)/10 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा में आधुनिक धारा, प्राक्शास्त्री (प्रथम वर्ष) /11 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा/ प्राक्शास्त्रि (2 वर्ष)/12 वीं कक्षा, शास्त्री/बी.ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष), विद्यावरिधि/पीएच.डी. या समकक्ष हो। छात्रवृत्ति की दर अधोनिर्दिष्ट प्रकार से है:-

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ (प्रकार 2)

पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
* 9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु.250/-प्रतिमाह (10 माह)
* 11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 300/- प्रतिमाह (10 माह)
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 400/- प्रतिमाह (10 माह)
* एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 500/- प्रतिमाह (10 माह)
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/ प्राकृत समकक्ष	रु. 1500/- प्रतिमाह रु. 2000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान। (24 माह)

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की वरीयता क्रम से कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2019-20 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 31153 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत संस्थान को प्राप्त हुए है जिनमें से 16740 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। धन की उपलब्धता के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2019-20 की प्रस्तावित छात्रवृत्ति का कक्षावार विवरण निम्न प्रकार से है :

(क) परम्परागत धारा

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	143	43	18	144	oo	04	352x5000	17,60,500
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	168	68	18	245	o1	06	506x5000	25,30,000
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री	395	112	19	448	o2	09	985x6000	59,10,000
प्रथम वर्ष/11वीं								
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री	492	135	57	709	o2	13	1408x6000	84,48,000
द्वितीय वर्ष/12वीं								
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	359	112	07	156	o1	06	641x8000	51,28,000
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	326	163	06	168	o4	05	672x8000	53,76,000
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	256	87	07	151	o1	02	504x8000	40,32,000
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	220	64	09	100	o2	20	415x10000	41,50,000
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	151	67	06	81	oo	14	319x10000	31,90,000
विद्यावारिधि	76	13	01	29	oo	05	124x35000	43,40,000
कुल	**2586**	**864**	**148**	**2231**	**13**	**84**	**5926**	**4,48,64,000**

(ख) परम्परागत धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
पूर्व मध्यमा–प्रथम/9वीं	02	00	00	00	00	00	02x5000	10000
पूर्व मध्यमा–द्वितीय 10वीं	00	01	00	00	00	00	01x5000	5000
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री	05	01	00	00	00	00	06x6000	36000
प्रथम वर्ष/11वीं								
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री	04	00	00	01	00	00	05x6000	30000
द्वितीय वर्ष/12वीं								
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	07	00	00	00	00	01	08x8000	64000
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	05	01	00	03	00	00	09x8000	72000
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	03	00	00	00	00	00	03x8000	24000
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	01	01	00	01	00	00	03x10000	30000
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	02	00	00	01	00	00	03x10000	30000
विद्यावारिधि	02	00	00	00	00	00	02x35000	70000
कुल	**31**	**04**	**00**	**06**	**00**	**01**	**42**	**3,71,000**

(ग) आधुनिक धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
9वीं	15	01	00	02	00	00	18x5000	90,000
10वीं	20	00	00	08	00	00	28x5000	1,40,000
11वीं	141	10	03	15	00	00	169x6000	10,14,000
12वीं	07	06	00	01	00	00	14x6000	84,000
बी.ए.-प्रथम	43	01	00	07	00	00	51x8000	4,08,000
बी.ए.-द्वितीय	10	00	00	03	00	00	13x8000	1,04,000
बी.ए.-तृतीय	16	02	00	03	00	00	21x8000	1,68,000
एम.ए.-प्रथम	05	01	00	01	00	00	7x10000	70,000
एम.ए.-द्वितीय	06	00	00	03	00	00	9x10000	90,000
पी.एच.डी.	00	00	00	00	00	00	--	—
कुल	**263**	**21**	**03**	**43**	**00**	**00**	**330**	**21,68,000**

(घ) आधुनिक धारा

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	आर्थिक कमजोर वर्ग	छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
9वीं	730	210	67	378	02	13	1400x5000	70,00,000
10वीं	741	210	59	378	02	10	1400x5000	70,00,000
11वीं	669	218	109	392	04	58	1450x6000	87,00,000
12वीं	523	230	115	414	10	244	1536x6000	92,16,000
बी.ए.-प्रथम वर्ष	440	129	23	232	01	34	859x8000	68,72,000
बी.ए.-द्वितीय वर्ष	304	84	07	152	02	13	562x8000	44,96,000
बी.ए.-तृतीय वर्ष	172	48	03	86	00	10	319x8000	25,52,000
एम.ए.-प्रथम वर्ष	264	78	11	141	01	28	523x10000	52,30,000
एम.ए.-द्वितीय वर्ष	139	45	10	81	01	23	299x10000	29,90,000
पी.एच.डी.	38	09	03	20	00	05	75x35000	26,25,000
कुल	**4020**	**1261**	**407**	**2274**	**23**	**438**	**8423**	**5,66,81,000**

(च) आधुनिक धारा

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	**सामान्य**	**अनु. जाति**	**अनु.जन. जाति**	**पिछड़ा वर्ग**	**दिव्यांग श्रेणी**	**आर्थिक कमजोर वर्ग**	**छात्र संख्या छात्रवृत्ति दर**	**कुल राशि**
बी.ए. प्रथम वर्ष	445	200	11	251	00	11	918x8000	73,44,000
बी.ए. द्वितीय वर्ष	111	126	19	292	01	10	559x8000	44,72,000
बी.ए. तृतीय वर्ष	272	98	11	151	00	10	542x8000	43,36,000
कुल	**828**	**424**	**41**	**694**	**01**	**31**	**2019**	**1,61,52,000**

कुल योग - (क), (ख), (ग), (घ) एवं (च)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	**सामान्य**	**अनु. जाति**	**अनु.जन. जाति**	**पिछड़ा वर्ग**	**दिव्यांग श्रेणी**	**आर्थिक कमजोर वर्ग**	**कुल छात्र**	**कुल राशि**
परम्परागत	2586	864	148	2231	13	84	5926	4,48,64,000
आधुनिक (संस्कृत/पालि/प्राकृत)+(आनर्स)	4847	1685	448	2968	24	469	10441	7,28,33,000
पूर्वोत्तर (परम्परागत+आधुनिक)	294	25	03	49	00	01	372	25,39,000
कुल योग	**7727**	**2574**	**599**	**5248**	**37**	**554**	**16740**	**12,02,36,000**

4.1.10 58वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

58वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृतविश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2019-20 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर : रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश : वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली : श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड : श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, उत्तराखण्ड
5. ओडिशा : सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड : दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल : सीताराम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान : जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश : लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ : भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात : दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा : के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश : रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल : गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक : कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : एकलव्य परिसर, अगरतला

राष्ट्रीय स्तर की 58वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 09.01.2020 से 12.01.2020 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 400 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 35 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

श्री असीम साह, जिलाधिकारी, अगरतला, त्रिपुरा सरकार, कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. श्रीपादसुब्रह्मण्यम्, सेवानिवृत्त आचार्य, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद तथा सारस्वत अतिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्त स्वाध्याय पीठ के निदेशक, प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति जी उपस्थित थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर के प्राचार्य प्रो. आर.के.बर्मन भी उद्घाटन सत्र उपस्थित थे।

इस आयोजन का संपूर्ति समारोह दिनांक 12.01.2020 को अपराह्न में सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य की उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय अरिंदम लोध तथा विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. के.सी. पाढ़ी, पूर्व कुलपति, श्रीजगन्नाथविश्वविद्यालय, पुरी समुपस्थित थे।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम-आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

परिचय

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना वर्ष 1978 में भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत शिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरु की गयी थी। इस योजना को समय-समय पर परिवर्तित/समीक्षित किया गया। इस योजना को प्रथम बार 1983 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 80-7/88-Skt-I दिनांक 06 अक्टूबर 1983 के माध्यम से संशोधित किया गया। पुनः इस योजना को 1993 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 30-19/88-Skt-I दिनांक 06 जुलाई 1993 के माध्यम से संशोधित किया गया। बाद में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 8-3/94-Skt-I दिनांक 16.06.1995 के माध्यम से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को स्थानान्तरित किया गया। मानव ससाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.N. 31-4/2009 Skt-I दिनांक 29 जून, 2012 के माध्यम से इस योजना को पुनः संशोधित किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित हो रही हैं एवं इस योजना हेतु वित्त का बड़ा भाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है। इसके अन्तर्गत 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 04 आदर्श शोध संस्थान सम्मिलित हैं। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएँ स्वीकृत आवर्ती मद का 95 प्रतिशत एवं स्वीकृत अनावर्ती मद का 75 प्रतिशत (अधिकतम रुपये पाँच लाख) प्राप्त करती हैं।

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इसी प्रयोजन से इस योजना के अन्तर्गत, संस्कृत महाविद्यालयों को शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी.एच.डी. एवं पी.एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन और शोध आधारित प्रकाशन व शोध पत्रिका हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2019-20 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण-

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2019-20 में निर्गत राशि का विवरण
1.	तेलंगाना	01	83,46,181.00
2.	बिहार	05	12,44,47,390.00
3.	हरियाणा	02	03,01,68,559.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	04,19,40,033.00
5.	झारखण्ड	01	01,14,93,791.00
6.	कर्नाटक	01	01,31,74,068.00
7.	केरल	02	02,96,60,878.00
8.	महाराष्ट्र	02	01,49,22,778.00

9.	मणिपुर	01	59,42,383.00
10.	तमिलनाडु	02	02,92,93,847.00
11.	उत्तराखण्ड	01	01,32,99,393.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	05,35,81,926.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	05,04,15,898.00
14.	राजस्थान	01	54,70,657.00
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**43,21,57,782.00**

4.1.12 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं। इसका अग्रिम कार्य अभी प्रगति पर है।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 120 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको निःशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में

जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11,487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी

के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

संस्थान के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप संस्थान के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। संस्थान के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में संस्थान विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

मूक्स परियोजना

मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (Mooc) के अन्तर्गत राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के परिसरों में कार्यरत सभी विभाग के अध्यापकों को Moocs पाठ्यक्रम निर्माण पद्धति के ऊपर एक कार्यशाला मार्च 22-28, 2018 को एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित किया गया जिसमें संसाधकों के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. से प्राध्यापक आए।

राजभाषा

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में संस्थान के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 32 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए नि:शुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतदर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर upload किया गया।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में प्रारंभ की गई 'पालि-प्राकृत योजना' पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) के बाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) दिल्ली द्वारा संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019-2020 में दिल्ली, लखनऊ एवं जयपुर केन्द्रों में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं –

लखनऊ परिसरः - पालि अध्ययन केन्द्र

1. कार्यशाला-पालि-संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद का संशोधन एवं सम्पादन 10 दिवसीय कार्यशाला (दि. 10-19 दिसंबर 2019)
2. प्रकाशित शोध पत्रिका - पालि प्राकृत अनुशीलनम् (संयुक्त अंक : मार्च-अक्तूबर 2019) ISSN : 2349-3097
3. प्रकाशित ग्रन्थ-
   1. महावंस एवं अनागतवंस
   2. धम्मसंगणि
   3. सद्नीति
   4. मिलिंदपञ्ह एवं धम्मपद

जयपुर परिसरः - प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र

1. कार्यशाला-प्राकृत-संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद का संशोधन एवं सम्पादन 15 दिवसीय कार्यशाला (दि. 14-28 फरवरी 2020)
2. प्रकाशित ग्रन्थ-
   1. अक्खाणकमणिकोस-द्वितीयाधिकार
   2. प्राच्या, पैशाची एवं आवंती प्राकृत
   3. प्राकृत भाषाओं की नाट्य साहित्य में प्रयुक्तियां

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2019-20 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. अभिविन्यास कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (IIT) अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों मे संस्थान प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षक को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारू सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2019-20 में पूर्वोत्तर राज्यों, पश्चिम बंगाल, आन्ध्रप्रदेश, बिहार, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, कर्णाटक, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, तथा उत्तरप्रदेश में कुल 92 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के विविध क्रियाकलापों तथा शिक्षकों का मासिक प्रगति विवरण इस विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा सञ्चालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 5,492 अध्येता इस शैक्षिक सत्र में नामाङ्कन कराए।

राज्यानुसार 2019-20 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	बिहार	01
3.	छत्तीसगढ़	01
4.	गोवा	04
5.	गुजरात	04
6.	जम्मू कश्मीर	01
7.	महाराष्ट्र	13
8.	मध्यप्रदेश	07
9.	उड़ीसा	04
10.	पंजाब	03
11.	राजस्थान	01
12.	तमिलनाडु	01
13.	तेलंगाना	05
14.	उत्तराखण्ड	03
15.	उत्तरप्रदेश	11
16.	पश्चिम बंगाल	06
17.	पूर्वोत्तर राज्य	23
	कुल	**92**

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में किया गया अपितु सुदूरवर्ती छोटे कस्बों, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North-East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने

अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया जाता है। अध्येताओं ने इस पाठ्यक्रम की भूरिशः प्रशंसा की है। संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृतेतर क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता बतायी। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु संस्थान को निवेदन किया है।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2019-20 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, लेक्चरर इन संस्कृत, शिवाराय स्ट्रीट, सत्यनारायणपुर, विजयवाडा-520011, आन्ध्रप्रदेश
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डा. ताराकान्त शुक्ल, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	डॉ. हरिप्रसाद के., राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	प्रो. सीएच्.एल्.एन्.शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत-प्रगत-अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)
12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपालपरिसरः, संस्कृतमार्गः, बागसेवनिया, भोपालम्-462043 (मध्यप्रदेश)

13.	ओड़िसा	प्रो. हरेकृष्ण माहापात्र, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	छत्तीसगढ़	डॉ.मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवडा, नीयर कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
15.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. धरणी डुगल, जिला-बारतीगुड़ी, पोस्ट-गमीरी, डिस्ट्रिक-विश्वनाथ, असम-784172
16.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब)
17.	राजस्थान	प्रो. वाई.एस. रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
18.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
19.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
20.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
21.	पश्चिम बंगाल	डॉ. दीपा वन्द्योपाध्याय, डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत, आशुतोष कालेज, कोलकाता
22.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, करूषनेई हाउस नं. 214, दीमानी, कानकोलिम, सालसेट, गोवा-403703

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु दस दिवसीय आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
सिक्किम स्टेट कॉपरेटिव यूनियन सेंटर, असम लिंग्जे, सिक्किम	20.05.2019 से 29.05.2019	100	**प्रशिक्षका** प्रो. पी.एन. शास्त्री श्री जनार्दन हेगड़े श्री दिनेश कामत श्री वेङ्कटेश मूर्ति डॉ. रत्नमोहन झा **प्रबन्धक** श्री कमल शर्मा सुश्री कविता देवी

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन वर्ष 1970 से दो स्तरों पर करता रहा है, अर्थात्

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

सत्र 2019-20 में पत्राचार पाठ्यक्रम में संस्कृत सीखने के लिए 847 छात्रों एवं 03 विदेशी छात्रों ने पंजीकरण कराया। वर्तमान में पत्राचार पाठ्यक्रम में कुल 6,721 छात्र नामांकित हैं। सत्र 2019-20 में 63 छात्रों ने पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किए गए।

सत्र 2019-20 में शैक्षिक गतिविधियाँ

दिनांक 05.08.2019 से 07.08.2019 तक संस्थान मुख्यालय में त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत 'संस्कृत सुबोध पाठ्यक्रम' के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के पंद्रह-पंद्रह पाठों को संशोधन तथा समीक्षा विषय विशेषज्ञों प्रो. वाई.एस. रमेश, डॉ. एच.आर. विश्वास, डॉ. सुधीष्ठ कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन 05.08.2019 को माननीय कुलपति प्रो. पी.एन्. शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा किया गया। डॉ. अनीता शर्मा, अनुदेशक, डॉ. रानी दाधीच, अनुदेशक, पत्राचार विभाग द्वारा सभी विद्वानों का स्वागत किया गया। डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. सचिन, डॉ. पवन व्यास एवं डॉ. उदयन हेगड़े आदि विभिन्न परिसरों/संस्थाओं से कार्यशाला में उपस्थित रहे।

दिनांक 07.08.2019 को श्री कृष्ण कुमार के.टी., सहायक निदेशक, पत्राचार द्वारा समापन भाषण दिया गया तथा त्रिदिवसीय कार्यशाला में सम्पादित कार्य का अवलोकन किया गया।

दिनांक 05.12.2019 से 06.12.2019 तक संस्थान मुख्यालय में 'संस्कृत सुबोध पत्राचार पाठ्यक्रम' के प्रथम वर्ष हिन्दी के पंद्रह लिखित पाठों का अन्तिम संशोधन कार्य का सम्पादन डॉ. पवन व्यास (सहायकाचार्य) के द्वारा किया गया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अधीन संचालित मुक्त-स्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के डिग्री एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद् (इग्नू) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)।
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
7. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)।
8. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)।
9. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।
10. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।

शैक्षिक सत्र 2019-20 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2019-20 में लगभग 2154 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

प्रवेश समिति

प्रवेश समिति (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) की बैठक दिनांक 17.05.2019 को संस्थान मुख्यालय (नई दिल्ली) में आयोजित की गई।

अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठम् की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 01.07.2019 को आयोजित की गई।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र की (CIQA) बैठक

प्रवेश समिति (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) की बैठक दिनांक 11.09.2019 को संस्थान मुख्यालय (नई दिल्ली) में आयोजित की गई।

स्वाध्यायकेन्द्र समन्वयकों का उपवेशन

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) समन्वयकों की बैठक दिनांक 11.09.2019 को संस्थान मुख्यालय (नई दिल्ली) में आयोजित की गई।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा आयोजित कार्यशाला/सेमिनार वर्ष 2019-20 के मध्य आयोजित तिथियों का विवरण-

क्र.सं.	दिनांक	कार्यशाला/कार्यक्रम का नाम
1.	12.05.2019 से 16.05.2019	शास्त्री (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष), आधुनिक विषय अंग्रेजी एवं इतिहास ग्रन्थों का अद्योपान्त अवलोकन एवं संशोधन हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली।
2.	28.09.2019 से 04.10.2019	शास्त्री, तृतीय वर्ष, षष्ठ पत्र, ग्रन्थ-उत्तररामचरितम् के पाठ्यसामग्री सम्पादन हेतु कार्यशाला, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी।

3.	02.11.2019 से 03.11.2019		सरल-संस्कृत-सम्भाषण-पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु बैठक, संस्कृत-संवर्धन-प्रतिष्ठानम्, करोलबाग, दिल्ली।
4.	18.11.2019 से 01.12.2019		सरल-संस्कृत-सम्भाषण-पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली।
5.	20.01.2020 से 24.01.2020		दर्शनशास्त्र पर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु पाठ्यसामग्री निर्माण कार्यशाला, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.), श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी।
6.	14.02.2020 से 15.02.2020		आधुनिक-संस्कृत-विद्वत्समवाय विषयक राष्ट्रिय संगोष्ठी, एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)।
7.	15.02.2020 से 21.02.2020		शिक्षण कौशल संवर्धनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम, एकलव्य परिसर, अगरतला।
8.	15.03.2020 से 21.03.2020		शास्त्री, तृतीय वर्ष, इतिहास के पाठ्यसामग्री सम्पादन हेतु कार्यशाला, संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली।

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श/सम्पर्क-कक्षाएँ निर्धारित अवधि पर 15-15 दिनों के लिए चलायी जाती हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

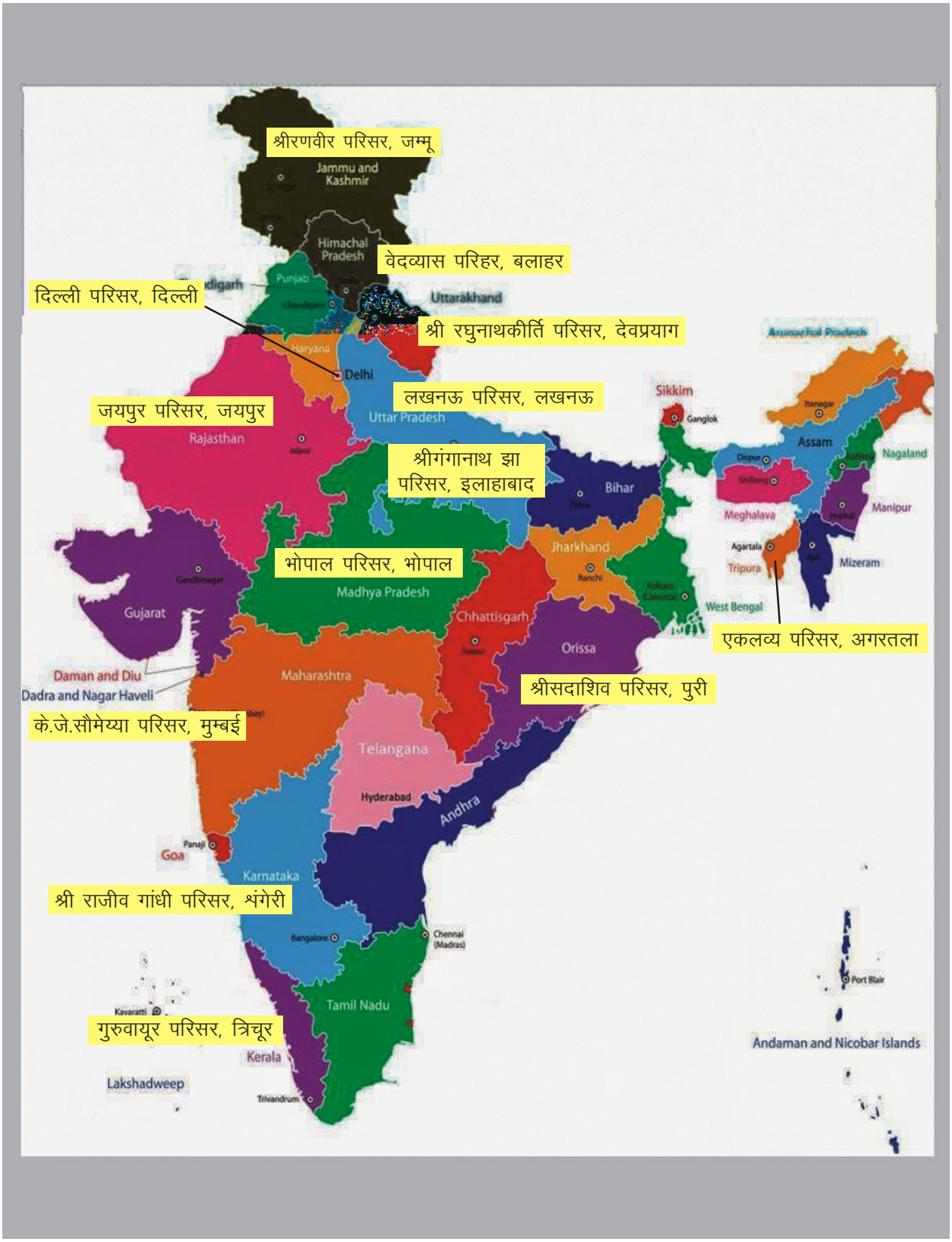

श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
Jammu and Kashmir
Himachal Pradesh
वेदव्यास परिहर, बलाहर
दिल्ली परिसर, दिल्ली
Punjab
Uttarakhand
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
Haryana
Delhi
लखनऊ परिसर, लखनऊ
Uttar Pradesh
जयपुर परिसर, जयपुर
Rajasthan
श्रीगंगानाथ झा
परिसर, इलाहाबाद
Bihar
Sikkim
Gangtok
Arunachal Pradesh
Itanagar
Assam
Dispur
Nagaland
Meghalaya
Manipur
Agartala
Tripura
Mizeram
Gujarat
Gandhinagar
भोपाल परिसर, भोपाल
Madhya Pradesh
Jharkhand
Ranchi
West Bengal
Chhattisgarh
Orissa
एकलव्य परिसर, अगरतला
Daman and Diu
Dadra and Nagar Haveli
Maharashtra
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
Telangana
Hyderabad
Andhra
Panaji
Goa
Karnataka
श्री राजीव गांधी परिसर, श्रंगेरी
Bangalore
Chennai
(Madras)
Port Blair
Kavaratti
Tamil Nadu
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
Kerala
Andaman and Nicobar Islands
Lakshadweep
Trivandrum

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

1. परिसर परिचय

गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के ऐतिहासिक चन्द्रशेखर आजादोद्यान के सुरम्य भूभाग पर गंगानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर की गयी थी।

शोध संस्थान के भवन की योजना को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत 12 जनवरी, 1945 ई. को पंजीकृत करा लिया गया था। म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उत्तर प्रदेश सरकार से कम्पनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पार्श्व में, डेढ़ एकड़ भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 03 फरवरी, 1945 ई. में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

संस्थान के प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉक्टर भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉक्टर बाबूराम सक्सेना इस संस्थान की श्रीवृद्धि में अपना योगदान करते रहे।

01 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तब से यह शोध संस्थान 'गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से जाना गया। 2002 ई. में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण 'गंगानाथ झा परिसर' हुआ। 2020 ई. में भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित करने के पश्चात् सम्प्रति 29 अप्रैल, 2020 से इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को अङ्भूत गङ्गानाथ झा परिसर के रूप में जाना जाता है। यह परिसर उच्च अध्ययन के क्षेत्र में एक ऐसा प्रतिष्ठित शोधकेन्द्र है जो देश और दुनियाँ में संस्कृत विद्या की विभिन्न विधाओं के शोधकार्य हेतु समर्पित है।

2. परिसर की स्थिति

गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क कम्पनी बाग के अन्दर इण्डियन प्रेस चौराहा के नजदीक चन्द्रशेखर आजाद शहीद स्थल के पास अवस्थित है। परिसर के सम्मुख

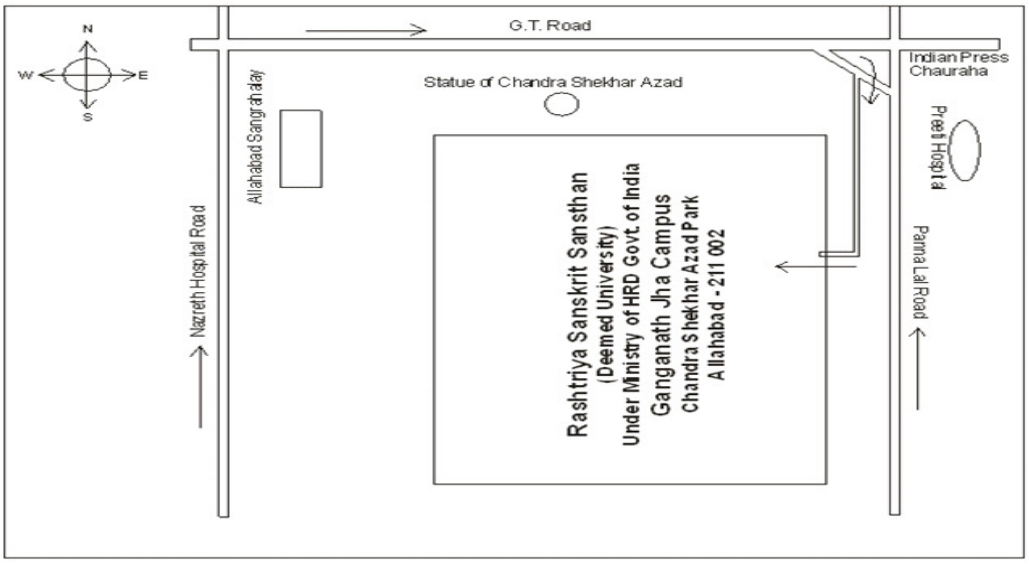

पन्नालाल रोड है, उत्तर की ओर जवाहर लाल नेहरु रोड (जी.टी. रोड), परिसर के पीछे इलाहाबाद संग्रहालय कमला नेहरु रोड पर स्थित है। परिसर सिविल लाइंस बस अड्डा से 3 किमी., इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 5 किमी. एवं एअर पोर्ट बमरौली से 15 किमी की दूरी पर स्थित है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण ब्यौरे के साथ)

परिसर में मुख्यतया विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) शोधकार्य होता है। इसके अतिरिक्त मुक्तस्वाध्याय केन्द्र द्वारा प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य व्याकरण ज्यौतिष) एवं प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्यौतिष) संचालित हैं। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के माध्यम से संस्कृत भाषा शिक्षण की कक्षाओं का संचालन भी होता है।

4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/विशिष्टव्याख्यानमालाओं एवं विविध क्रियाकलापों का संक्षिप्त विवरण

प्राक्शोधपाठ्यक्रम के अन्तर्गत

- "संस्कृत संगणक कार्यशाला" 09.05.2019 से 19.05.2019 तक
- काव्यव्युत्पत्तिसम्पादनम् (प्रयोगशाला) 20.05.2019 से 25.05.2019 तक
- शास्त्रप्रशिक्षण कार्यक्रम 26.05.2019 से 23.06.2019 तक
- संगणक प्रयोगशाला-I 24.06.2019 से 09.07.2019 तक
- विशिष्ट व्याख्यानमाला 19.07.2019 से 22.07.2019 तक
- संगणक प्रयोगशाला-II का आयोजन - 01.08.2019 से 12.08.2019 तक
- संस्कृतोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 13.08.2019 से 14.08.2019 तक
- संगणक प्रयोगशाला-III 16.08.2019 से 20.08.2019 तक
- भट्टिकाव्यस्वाध्यायसामग्री परिष्करण संगोष्ठी का आयोजन 21.08.2019 से 27.08.2019 तक
- प्राक्शोधपाठ्यक्रम 2018-2019 के परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्यक्रम 10.10.2019 से 18.11.2019 तक
- अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन
- संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन
- स्वतंत्रता दिवस का आयोजन
- जागरूकता सप्ताह का आयोजन
- राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन
- हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
- अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आयोजन
- स्वच्छता का आयोजन
- गणतन्त्रता दिवस का आयोजन
- मातृभाषा दिवस का आयोजन
- स्वाध्याय केन्द्र की वार्षिक परीक्षा का आयोजन

गंगानाथ झा परिसर एक शोध-संस्थान है। इस परिसर का प्रमुख कार्य है-शोध एवं प्रकाशन। वर्तमान में यहाँ 4 आचार्य एवं 3 सहायकाचार्य शोधछात्रों को विद्यावारिधि (पी.-एच.डी.) उपाधि हेतु मार्ग-निर्देशन करते हैं एवं परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध अप्रकाशित दुर्लभ महत्त्वपूर्ण हस्तलेखों का सम्पादन करते हैं। सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के लिए परिसर कराता है। इनके अतिरिक्त संस्थान द्वारा अनुमोदित शोध योजनाओं पर भी विद्वानों द्वारा कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

5. शैक्षिक विभाग के परिसरीय सम्पादन कार्यों का विवरण

- ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृत -परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या चित्प्रभा - प्रकाशनाधीन
- लघुविभक्त्यर्थनिर्णयः का समीक्षात्मक सम्पादन - प्रकाशनाधीन
- वृत्तिदीपिका - समीक्षात्मकसम्पादन- प्रकाशनाधीन
- वैयाकरणमतोन्मज्जनटीका का समीक्षात्मक सम्पादन- प्रकाशनाधीन
- रामचन्द्रचरितमहाकाव्यम् - प्रकाशनाधीन
- सुश्लोकलाघव (चित्रबन्ध) - प्रकाशनाधीन
- दुष्करचित्रप्रकाशिका (सरस्वतीकण्ठाभरणटीका) - प्रकाशनाधीन
- श्यामाभक्तिसुधार्णवः - प्रकाशनाधीन

- सुदामाशतकम्- प्रकाशनाधीन
- कारक खण्डनमण्डन-प्रकाशनाधीन
- काशीतत्त्व विमर्श:-प्रकाशनाधीन
- तुलसीतत्वभास्कर: (सम्पादनाधीन)
- गीतगोपीपतिकाव्यम् 'भावदीपक' टीकोपेतम् - प्रकाशनाधीन
- जर्नल आफ दी गंगानाथ झा कैम्पस अंक 73-सम्पादन कार्य पूर्ण
- उशती का सम्पादन (अंक षोडशाङ्क सप्तदशांक) सम्पाद्यमान

6. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा स्वीकृत परियोजना का विवरण-

भट्टिकाव्यस्वाध्यायपरियोजना कार्य पूर्ण हो चुका है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	02
उत्तर प्रेषित	-	02

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

परिसर परिचय

भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के समस्त द्वादश परिसरो में श्री सदाशिव परिसर, पुरी वृहत्तम एवं महत्त्वपूर्ण परिसर है।

1865 से ही नित्यनूतन परिस्थितियों के साथ पारंपरिक संस्कृतशिक्षा में सन्नद्ध श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ (SKSV), पुरी अपने गौरवपूर्ण विकास के साथ 15/8/1971 को उडिशा के पूर्ववर्ती श्री सदाशिव महाविद्यालय के प्रबन्धन को स्थानान्तरित होने के बाद नूतन उपलब्धियों एवं आदर्श गुणवत्ता को स्थापित करता रहा है। तत्कालीन मूर्धन्य विद्वानों में विख्यात स्वर्गीय पण्डित हरिहर दास के संकल्प एवं बलरामपुर-उत्तरप्रदेश रियासत के मुखिया श्री दिग्विजयसिंह बहादुर के आर्थिक सहयोग से एक संस्कृत टोल की शुरुआत हुई। जो श्री सदाशिव मिश्र के भगीरथ प्रयासों एवं सन् 1888 में जिलाधीस-पुरी द्वारा गठित समिति के पर्यवेक्षण में टोल विद्यालय के रूप में परिणत हुआ। इसी क्रम में 1918 में उडीसा एवं बिहार की संयुक्त सरकार द्वारा उपहार स्वरूप प्रदत्त भाटक मुक्त वर्तमान भूमि पर वह विद्यालय महाविद्यालय के रूप में संवर्धित हुआ। महाविद्यालय की सेवाओं को राज्य सरकार द्वारा मान्यता दिए जाने के वाद सन 1951 में महाविद्यालय श्री सदाशिव परिसर, पुरी के नाम से अस्तित्व में आया। दिनांक 15.08.1971 को सदाशिव महाविद्यालय को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अधीग्रहण किया तब से सदाशिव संस्कृत केन्द्रिय विद्यापीठ नाम से जाना जाता था। दिनांक 07.05.2002 से जब राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय हुआ तब से श्री सदाशिव परिसर पूरी नाम से जाना जाता है।

परिसर की स्थिति

अब इस परिसर में गांधीघाट मौजा एवं बालूखण्ड मौजा नाम से दो भूखण्ड हैं। शैक्षिक परिसर गांधीघाट मौजा की 4.7 एकड भूमि पर तथा आवासीय परिसर बालूखण्ड मौजा में 10.5 एकड भूमि पर स्थित है, अर्थात् शहर के महत्त्वपूर्ण स्थान पर परिसर के पास 15.2 एकड जमीन है। परिसर के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति एवं मुक्त छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। वर्तमान में परिसर के विभिन्न कक्षाओं में 2500 छात्र नामांकित हैं तथा संयुक्त से शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या 100 है।

परिसर संस्कृत भाषा एवं संस्कृत की शिक्षा के प्रचार-प्रसार एवं जनप्रिय बनाने की दिशा में समर्पण भाव से योगदान दे रहा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

इस परिसर में प्राक्-शास्त्री (+ 2 संस्कृत) से लेकर शास्त्री (+ 3 संस्कृत) आचार्य (P.G. संस्कृत) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.), शिक्षाचार्य (M.Ed.) एवं विद्यावारिधि (Ph.D.) तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। यह परिसर छात्रों को बहु-आयामी प्रतिभा से युक्त करने के लिए आधुनिक विषयों जैसे इतिहास, अंग्रेजी, कंप्यूटर विज्ञान की शिक्षा भी प्रदान करता है। भारतीय ज्योतिष में लघ्ववधि सर्टिफिकेट कोर्स भी परिसर में संचालित किए जा रहे हैं।

पाठ्यसहगामी पाठ्यचर्या संबन्धी गतिविधियाँ (मुख्यकार्यक्रम एवं संगोष्ठी)

अंतर्राष्ट्रीय योग-दिवस -

प्रत्येकवर्ष की तरह इस वर्ष 21.06.2019 को चौथा अंतर्राष्ट्रीय योग-दिवस मनाया गया, जिसमें प्राचार्य (प्रभारी) प्रो. हरेकृष्ण महापात्र मुख्य अतिथि के रूप में तथा सुश्री स्नेहानंद (सेवानिवृत्त) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर परिसर का गौरव वर्धन किया एवं उक्त गणमान्यों के अतिरिक्त योग शिक्षक एवं अन्य प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपनी स्वानुशासित उपस्थिति दर्ज कराई।

संस्कृत सप्ताह समारोह -

परिसर में 11.08.2019 से 18.08.2019 तक संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर

मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. एच. के. शतपथी (पूर्व कुलपति, आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति) सम्मानित अतिथि के रूप में पंडित प्रबोध कुमार मिश्र एवं शशि भूषण रथ जी सारस्वत अतिथि के रूप में सभा का मानवर्धन किया। प्रो. हरेकृष्णा महापात्र, (प्राचार्य) ने सभा की अध्यक्षता की। इस समारोह में परिसर के विद्वत आचार्यों के अतिरिक्त शहर के संस्कृत प्रेमीजन, पंडित और विद्वान शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस

परिसर में 73 वां स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। परिसर के सभी विद्वद्गण, कर्मचारी एवं सभी छात्रों ने अपने अन्तस्थल में रचित राष्ट्रिय स्वाभिमान को प्रकट किया।

शिक्षक-दिवस समारोह

इस परिसर में 05.09.2019 को सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षक-दिवस समारोह मनाया गया तथा शिक्षक-दिवस समारोह के उपलक्ष्य में प्रत्येक विभाग में विविध कार्यक्रमादि आयोजित किये गये।

हिंदी-पखवाड़ा

परिसर में 14.09.2019 को हिंदी-पखवाड़ा का आयोजन किया गया। श्री बिजय कुमार परीजा, भारतीय रेल विभाग के स्टेशन मास्टर, पुरी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में डॉ. उदय नाथ झा, श्री पूर्ण चंद्र महापात्र और डॉ. रेखा मिश्रा उपस्थित रहीं। इस अवसर पर हिन्दीभाषासंबन्धी प्रतियोगिता में सफल छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

"स्वच्छता ही सेवा" अभियान

महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2019 को परिसर द्वारा "स्वच्छता ही सेवा" नामक अभियान चलाया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अन्य महापुरुषों द्वारा बताये गये सफाई सम्बन्धी बातों का इमानदारी के साथ पालन किया गया। प्राचार्य स्वयं इस अभियान में तत्परता के साथ भाग लिए। प्राचार्य ने अपने प्रबोधन में बताया कि जहां स्वच्छता होती है वहां ईश्वर का वास होता है। इस वर्ष इस अभियान के अन्तर्गत परिसर को "प्लास्टिक कचरे से मुक्त" बनाने में परिसर के अन्दर प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ ली। परिसर के छात्रों और कर्मचारियों को प्राचार्य एवं अन्य विद्वज्जनों द्वारा पर्यावरण संकट के बारे में बताया गया कि, हमारी पृथ्वी प्लास्टिक और प्लास्टिक कचरे के बोझ का सामना कर रही है, फिर पूरे स्टाफ और छात्रों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया और परिसर के हर नुक्कड़ और कोने को साफ किया गया। परिसर के छात्रावास कर्मियों सहित सभी कर्मचारियों, छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने इस "स्वच्छता ही सेवा" अभियान में भाग लिया और परिसर को प्लास्टिक से विशेष रूप से एकाकी प्लास्टिक प्रयोग से मुक्त करने का संकल्प लिया गया।

फिट इंडिया प्लॉगिंग रन

महात्मा गांधी अपने जीवन काल में कभी किसी बीमारी से पीड़ित नहीं हुए। वे शारीरिक स्वास्थ के लिए बहुत उत्सुक रहते थे और मृत्यु पर्यन्त निरोगी बने रहे। उनका भारत के लिए एक सुसंस्कृत एवं स्वस्थ राष्ट्र का सपना था। गान्धीजी के 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में हमारे परिसर द्वारा **"फिट इंडिया मूवमेंट"** कार्यक्रम आयोजित किया गया।

छात्रों एवं शिक्षकों ने अभियान के उद्देश्य और गुणों के विषय में आम जनता को समझाया। इस सार्थक प्रयास पर शहरवासियों नें हमारे परिसर की भागीदारी और इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रशंसा की।

राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर के अन्तःवासी, शिक्षक, कर्मचारियों और अधिकारियों नें राष्ट्र के प्रति सम्मानपूर्ण मनोभाव को प्रकट किया। इस अवसर पर सभी प्रतिज्ञा समारोह में हिस्सा लिए और "राष्ट्रीय एकता दिवस" का पूरे उत्साह के साथ पालन किए। 'परिसर द्वारा आयोजित प्रथागत मार्च पास्ट' देश के महानतम नेता एवं लौह पुरुष श्री सरदारवल्लभाई पटेल को श्रद्धांजलि का एक हिस्सा रहा। जिसमें युवाओं ने सरदार पटेल अमर रहें। हिंदुस्तान जिंदाबाद।

जैसे जयघोष से वातावरण को गुंजायमान किया।

श्रीमद्भागवत गीता अध्ययन कार्यक्रम

श्री सदाशिव परिसर में 18.10.2019 से 01.12.2019 तक **ओम फंडेशन, पुरी** के सहयोग पर श्रीमद्भागवत गीता अध्ययन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 179 छात्र शामिल हुए थे। परिसर प्राचार्य के मौजूदगी में 01.12.2019 को छात्रों के लिए लिखित एवं मौखिक रस प्रश्नो की प्रतियोगिता और संपन्न करायी गयी।

मानकीकृत अनुसंधान उपकरण और एसपीएसएस के निर्माण पर तीन-दिवसीय कार्यशाला

शिक्षाशास्त्र विभाग श्री सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा तीन-दिवसीय कार्यशाला मानकीकृत अनुसंधान उपकरण और एसपीएसएस के निर्माण विषय पर 18.11.2019 से 20.11. 2019 तक आयेजित किया गया। प्रो. मिनाती रथ (एच.ओ. डी.- पुराणेतिहास) के आतिथ्य एवं संसाधक डॉ. परशुराम मिश्रा (इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी इन एजुकेशन, संबलपुर) और सुशीला रानी बडपंडा की उपस्थिति में कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। कार्यशाला की आवश्यकता एवं महत्त्व को प्रो. एच.के. महापात्र, प्राचार्य द्वारा व्याख्यायित किया गया। यह प्रतिभागियों के लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। शिक्षाशास्त्र-विभागाध्यक्ष आचार्य विजयपाल कछवाह एवं संयोजक डा. पद्ममित्र श्रीनीवास के नेतृत्व में विभाग संसाधकों के साथ छात्रों को यथोचित सहयोग प्रदान किया।

58वीं राज्य स्तरीय शास्त्री-प्रतियोगिता

राज्य स्तरीय शास्त्रीय-प्रतियोगिता 16.11.2019 को आयोजित की गई। जिसमें परिसर के कई छात्रों नें उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न पुरस्कार हासिल किए।

17 वां नाट्य महोत्सव कार्यक्रम

नाटक **भीष्मायन** के मंचन हेतु 29.11.2019 से 01.12.2019 तक एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा में भाग लिया। जिसमें हमारे परिसर को सर्वश्रेष्ठ "प्रकाश पुरस्कार" प्रदान किया गया।

केंद्रीय-विद्यालय टीजीटी (Skt I) के लिए सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम

केंद्रीय-विद्यालय TGT संस्कृत शिक्षकों का प्रथम प्रशिक्षण इन-सर्विस ट्रेनिंग प्रोग्राम केंद्रीय-विद्यालय संगठन, नई दिल्ली द्वारा श्री सदाशिव कैंपस, पुरी में दिनांक 23.12.2019 से 01. 01.2020 के तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के सहयोग से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 23.12. 2019 को आयोजित उद्घाटन समारोह, मुक्त स्वाध्याय पीठम् के निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति के मुख्यातिथ्य में संपन्न हुआ। प्रो. एच.के. महापात्र प्राचार्य, ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कार्यक्रम के समन्वयक डॉ एस. के. राय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों को विस्तार से बताया। 01. 01.2020 को उद्यापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. हरिहर होता, कुलपति, एस.जे.एस.वी., पुरी, उपस्थित हुए तथा प्रो. एच.के. महापात्र, (प्राचार्य-श्रीसदाशिव, पुरी) ने समारोह की अध्यक्षता की।

गौरव महोत्सव (ग्लोरी फेस्ट)

राष्ट्रीय युवा एकीकृत केंद्र में 06.01.2020 से 12.01. 2020 के मध्य एक "गौरव महोत्सव" आयोजित किया गया। इस आयोजन में परिसर की ओर से जिसमें डॉ. पीताम्बर मिश्र के मार्गदर्शन में 18 छात्रों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा पुरस्कार ग्रहण कर परिसर के सम्मान में वृद्धि की।

स्काउट और गाइड प्रशिक्षण -

श्री सदाशिव परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा डॉ. रमाकांत मिश्र के समन्वयन में 06.01.2020 से 12.01.2020 तक शिक्षा शास्त्री छात्रों के लिए स्काउट एंड गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 210 छात्र, स्काउट और गाइड के रूप में भाग लिए। स्काउट एंड गाइड ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष डॉ. कालीप्रसाद मिश्र समापन समारोह में उपस्थित हुए एवं प्रो.एच.के. महापात्र, प्राचार्य, ने समारोह की अध्यक्षता की।

58 वीं अखिल भारतीय शास्त्री प्रतियोगिता:

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अगरतला परिसर में 09.01. 2020 से 12.01.2020 तक आयोजित अखिल भारतीय शास्त्री प्रतियोगिता में कुल 08 छात्रों ने सोत्साह भाग लिया।

26 जनवरी को प्रात: काल लगभग 6.30 पर "प्राभात-फेरी", निकाली गयी! प्रभातफेरी का मुख्याकर्षण ध्वनियन्त्रो के साथ छात्रों के जयघोष समूह का नेताजी सुभाष बोस की प्रतिमा, गांधी-घाट और आसपास के क्षेत्र से होते हुए पुन: प्रत्यावर्तन था।

गणतन्त्र दिवस के इस पावन अवसर पर हमारे सुखद जीवन के लिए आपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों का श्रद्धापुर्वक सम्मान किया गया एवं राष्ट्रीय ध्वज को विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में प्राचार्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्र ने अभिवादन किया।

प्राचार्य महोदय ने देशभक्ति की मूल भावना और भारतीय गणतंत्र का ऐतिहासिक सार बताया। गणतन्त्र दिवस के

उपलक्ष्य में परिसर के मुख्य सभा भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा परिसर में कई आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये यथा –

1. युवा संसदीय बहस
2. संगीत के साथ योग
3. देशभक्ति गीत
4. नाटक
5. गणतंत्र दिवस पर समूह नृत्य

युवा महोत्सव

इस परिसर में 11 वाँ अन्त: परिसरीय युवा महोत्सव 07.02.2020 से 10.02.2020 तक मनाया गया।

इस अवसर पर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) श्री सदाशिव परिसर के प्राचार्य ने इस वृहत्तम खेल आयोजन के शुभारम्भ के साथ सभी छात्रों, संपूर्ण शिक्षकों और गैर-शिक्षण स्टाफ के सदस्यों, पूर्वाधीत छात्रों सेवानिवृत्त संकायों, शुभचिंतकों और पुरी शहर के नागरिकों, खेल एव संस्कृत प्रेमियों का परिसर की ओर से ईमानदारीपूर्वक अभिनन्दन किया।

जयदेव सभाघर के नए भवन का उद्घाटन

08.02.2020 को "जयदेव सभागार" का उद्घाटन प्रो. पी.एन. शास्त्री माननीय कुलपति महोदय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) नई दिल्ली के करकमलों द्वारा परिसर प्राचार्य प्रो. एच.के. महापात्र एवं सभी संकाय सदस्यों, छात्रों की उपस्थिति में किया गया। सभागार के उद्घाटन में यज्ञ एवं होम जैसे मांगलिक कार्य माननीय कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री, परिसर प्राचार्य एवं सभी विद्वद्गणों एवं छात्रों की सहभागिता के साथ किया गया।

मातृभाषा दिवस

एक शैक्षिक संस्थान होने के कारण २० फरवरी को प्रतिवर्ष मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। परिसर के प्राचार्य प्रो. हरेकृष्ण महापात्र की अध्यक्षता में आयोजित मातृभाषा दिवस की संध्या प्रो. नित्यानंद सतपथी, मुख्य अतिथि, डॉ. हरप्रिया दास, सम्मानित अतिथि एव अन्य कई विद्वानों की उपस्थिति से आनन्ददायक रही।

वार्षिक खेल

वार्षिक खेल 15 मार्च 2019 को महाप्रभु श्री जगन्नाथ के कमल चरणों में प्रणाम के साथ शुरू हुआ। परिसर के माननीय प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागियों, छात्रों, कर्मचारियों और अन्य लोगों का कार्यक्रम में सहृदय स्वागत किया। उन्होंने अपने प्रबोधन में खेल, शारीरिक शिक्षा, भारतीय संस्कृति के महत्व को समझाया और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए वार्षिक खेल का शुभारम्भ किया।

स्वागत और विदाई समारोह

श्री सदाशिव परिसर परिवार ने नए प्राचार्य प्रो. खगेश्वर मिश्रा का स्वागत किया। श्री सदाशिव परिवार, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के नए सदस्यों जैसे कि, प्रो. देवदत्त सरोदे (एस.एस), प्रो. हरिप्रसाद के. (एस.एस), प्रो. मखलेश कुमार उपाध्याय, (पी.आई), डॉ. ऋषि राज (एसो. प्रो. एस.एस), डॉ. रमाकांत मिश्र, सहायकाचार्य, कि प्रोन्नति एवं आगमन का स्वागत किया। डॉ. सुशान्त कुमार राय, (सहायकाचार्य एस.एस), डॉ. ओम नारायण मिश्रा, (सहायकाचार्य एस.एस), डॉ. सागरिका नंदा, (सहायकाचार्य एस.एस), डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर, (सहायकाचार्य एस.एस), डॉ. रमाकांत सा, (सहायकाचार्य एस.एस), डॉ. नंदीघोष महापात्र, (सहायकाचार्य एस.डी), श्रीमती डा. बिजयालक्ष्मी महापात्र, (सहायकाचार्य ज्योतिष), श्री नेपाल दास, (सहायकाचार्य ए.वि.), सुश्री मोनिका वर्मा, सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा (गैर शिक्षण), सुश्री सरिता मुर्मू, लाइब्रेरी अटेंडेंट (गैर शिक्षण) नें नूतन पदभार ग्रहण कर परिसर की गरिमा को संवर्धित कर रहे हैं।

हमारे कुछ सहयोगी यथा- श्री पूर्णचंद्र महापात्र, (असिस्टेंट प्रो.) सेवानिवृत्त हुए तथा (स्वेच्छिक सेवानीवृत्ति के तहत प्रो. हरेकृष्णा महापात्र, प्राचार्य सेवानिवृत्त हुए। प्रो.गौरंगा बाग, (एस.एस.) प्रो. नीलाभ तिवारी, (एस.एस.) डॉ. रामरूप, लाइब्रेरियन (गैर शिक्षण) इत्यादि का विविध परिसरों को स्थानान्तरण हुआ तथा उनके लिए विदाई बैठकों का परिसर की ओर से आयोजन किया गया।

व्यायामशाला

छात्रों के शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए योग और शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। इस उद्देश्य से, मशीनों से युक्त एक दक्ष व्यायामशाला परिसर में स्थापित किया गया है।

खेल का मैदान

परिसर में खेल गतिविधियों के लिए एक सुंदर एवं हरा भरा खेल का मैदान है, इसके अलावा हम परिसर के अंदर एक ओपन एयर ऑडिटोरियम भी प्रदान करते हैं।

हम राष्ट्रीय लेबल प्रतियोगिताओं को आयोजित करने के लिए बुनियादी ढांचा भी प्रदान करते हैं। जैसे इंटरनेशनल स्टैंडर्ड कबड्डी मैट, रेसलिंग मैट, सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट, खो-खो फील्ड, वॉली बॉल फील्ड, शतरंज और योग भवन आदि।

छात्रों की भागीदारी और उपलब्धि

- इस वर्ष तीन छात्रों नें राष्ट्रीय योग-प्रतियोगिता में भाग लिया और उनमें से एक छात्र, दो कांस्य पदक प्राप्त करने मे सफल रहा।
- तीन छात्रों ने जूनियर स्टेंट कबड्डी चौम्पियनशिप में भाग लिया।
- दो छात्रो नें जूनियर नेशनल कुश्ती चौम्पियनशिप में भाग लिया।
- हमारे छात्रों में से एक मेधावी छात्र नें राष्ट्रीय उत्थान प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वाग्वर्धिनी परिषद

परिसर द्वारा पारंपरिक संस्कृत में व्याप्त ज्ञान-निधि के प्रसार के साथ-साथ छात्रों के बीच संस्कृत बोलने कि क्षमता में सुधार लाने के लिए वाग्वर्धिनी परिषद का गठन किया।

प्रमुख सामाजिक गतिविधियाँ

1. भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने के लिए ली गई शपथ के साथ-साथ परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
2. रक्तदान शिविर का आयोजन।
3. पशुपालकों को पशु चारे का वितरण।
4. अनाथ केंद्रो को सूखे भोजन का वितरण।
5. स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि विभिन्न अवसरों पर अस्पतालों में भर्ती रोगियों के लिए स्वास्थ्यप्रद भोजन का वितरण।
6. वृक्षारोपण कार्यक्रम
7. मैराथन के माध्यम से जागरूकता
   - खेलेगा इंडिया तो खिलेगी इंडिया,
   - बेटी बचाओ बेटी पढाओ
   - महिला सशक्तिकरण
   - पारिस्थितिकी संवर्धन
8. स्वच्छता कार्यक्रम (सार्वजनिक स्थान, परिसर और छात्रावास परिसर आदि)
9. परिसर, महिला जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता रहता है जैसे कि, इस वर्ष महिला सशक्तिकरण पर इंटरैक्टिव चर्चा आयोजित की गई थी।

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम

- छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शाम के समय में विभिन्न गैर शैक्षणिक गतिविधियाँ नियमित रूप से सञ्चालित की जाती हैं यथा -
- खेल
- समसामयिक मुद्दो पर छात्रों के मध्य चर्चा
- भाषा स्पर्धा
- सुलेख कौशल प्रतियोगिता

छात्रावास

परिसर में दो छात्रावास की स्थापना की गई है -

क) "सुभद्रा महिला छात्रावास" में 300 छात्राओं के आवास एवं भोजन की व्यवस्था है।

ख) "वाल्मीकि पुरुष छात्रावास" में 200 छात्रों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था है।

जलपान गृह

शिक्षकों, छात्रों एवं परिसर के सभी कर्मचारीयो को स्वास्थ्यवर्धक और पौष्टिक स्नैक्स/भोजन इत्यादि उचित दर पर उपलब्ध हो सके इसके लिए परिसर के अन्दर एक जलपान गृह कार्यरत है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

परिसर परिचय

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणवीर सिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवं अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मूप्रान्त में सन् 1857 में श्रीरघुनाथसंस्कृतमहाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्रीरणवीरकेन्द्रीयसंस्कृतविद्यापीठ" का नाम दिया। दिनांक 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को बृहत्तम बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित किया गया। तब से श्रीरणवीरपरिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात है। जम्मू स्थित श्रीरणवीर परिसर उन्हीं तेरह परिसरों में से एक है। यह परिसर 10.5 एकड़ भूमि पर निर्मित है।

1.1 विषय एवं विभाग

श्रीरणवीर परिसर में अध्ययन विषयानुरूप आठ विभाग हैं -

(1) व्याकरणविभाग (2) साहित्यविभाग
(3) सर्वदर्शनविभाग (4) ज्योतिषविभाग
(5) वेदविभाग (6) आधुनिकविषयविभाग
(7) शिक्षाशास्त्रविभाग (8) मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

1.2 अध्ययन-अध्यापन एवं शोधकार्य

श्रीरणवीरपरिसर में पारम्परिक शिक्षाप्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। मुख्यालय के निर्देशानुसार सत्रार्द्धपरीक्षाप्रणाली चल रही है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

(i) पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्रीरणवीर परिसर में प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट 10+2), शास्त्री (बी.ए.) तथा आचार्य (एम.ए.) के शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में वेद, व्याकरणशास्त्र, साहित्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिविज्ञान, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

(ii) व्यावसायिकशिक्षा

श्रीरणवीरपरिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्रविभाग में शिक्षाशास्त्री(बी.एड.)का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iii) शोध कार्य

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहु आयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीरपरिसर में विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। वर्तमान सत्र में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 13 है।

1.3 मुक्त स्वाध्याय केन्द्र

श्रीरणवीरपरिसर में भी 2010-2011 से मुक्त स्वाध्याय केन्द्र प्रारम्भ हो चुका है। वर्तमान सत्र में 41 विद्यार्थी हैं।

इसमें प्राकशास्त्री(10+2) से आचार्य (एम.ए.) कक्षा पर्यन्त अध्ययन-अध्यापन वार्षिक परीक्षा प्रणाली द्वारा चल रहा है। मुक्त स्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवं आकर्षण यह है कि इसमें संस्कृतेतर विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासु जनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के लिये विविध स्तरों पर सेतु पाठ्यक्रमों को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्य-श्रव्य सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है ताकि संस्कृत से अनभिज्ञ लोग भी अत्यल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सकें।

केन्द्र में साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों के साथ संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चल रहा है। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की भी सुचारु व्यवस्था किये जाने की योजना सुनिश्चित है। इनके अतिरिक्त नाट्यशास्त्र, पालि, प्राकृत आदि विविध विषयों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जायेंगे। इसके लिए संस्कृत के क्षेत्र में संस्थान मुख्यालय,

मुक्त स्वाध्यायपीठ एवं सभी संस्कृतानुरागी बधाई के पात्र हैं। विविध पाठ्यक्रमों में समाज का प्रबुद्धवर्ग भी जुड़ा है जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, प्राध्यापक आदि हैं।

1.4 प्रकाशन

विविधज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीर शैवदर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा पूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक शोधपत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। परिसर प्राध्यापकों के प्रयासों से इस पत्रिका को प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जा रहा है।

सत्र 2011-12 से परिसर के शिक्षाशास्त्रविभाग द्वारा भी **शिक्षामृतम्** नामक शिक्षाशास्त्रपत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

वर्तमान सत्र से परिसरीय विभागीय छात्रों के गतिविधियों को प्रकाशित करने वाली **वैखरी** नाम की पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया जा रहा है।

1.5 पुस्तकालय

श्रीरणवीरपरिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

कश्मीर शैव दर्शन जम्मूकश्मीरप्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्रीरणवीरपरिसर में कश्मीर शैवदर्शनपरियोजना के अन्तर्गत स्वर्गीय डॉ. बलजिन्नाथपण्डित एवं शैव दर्शनकोश से सम्बद्ध शोध सहायकों के अथक प्रयास से कश्मीर-शैव दर्शनकोश का प्रकाशन दो भागों में हो चुका है। ये दोनों भाग विक्रय के लिये सर्वजनसुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही हैं। इस विषय से संबंधित लगभग 72 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदा लिपि एवं देवनागरी लिपि में लिपिबद्ध हैं।

1.6 ई-पुस्तकालय

श्रीरणवीरपरिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का अंकनात्मक उपक्रम चल रहा है।

1.7 वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिषशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्रीरणवीरपरिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघुतारामण्डल, दूरवीक्षणयन्त्र, ग्रहकक्षाक्रमयन्त्र, चन्द्रकला-यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहणयन्त्र तथा गोलयन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

1.8 सम्मेलन कक्ष

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार भी उपलब्ध है, जो कि आधुनिक एवं उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

1.9 वाणीविलाससभागार

विद्वद्व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीकी युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

1.10 संगणक प्रयोगशाला

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 17 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से युक्त है।

1.11 प्रति विभाग कम्प्यूटर

विभागीय कार्यों को सुचारु गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं।

1.12 विभागीय पुस्तकालय

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढने के प्रति रुचि जगाने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

1.13 भाषा प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग में सत्र 2016-17 में भाषा प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इसमें 01 अनुदेशक संगणक एवं 10 अधिगम संगणक व्यवस्थित हैं।

1.14 मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई है, जिसमें अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

1.15 प्राध्यापक वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी

परिसर में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 42 शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं। परिसर में 18 कार्यालयीय सदस्य, 19 आउट सोर्सिंग तथा 05 CPWD कर्मचारी कार्यरत हैं।

1.16 छात्रावास

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्रीरणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधा सम्पन्न पुरुष छात्रावास तथा महिला छात्रावास हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में गीजर एवं शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था भी है। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधायुक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

1.17 कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधा के लिये परिसर में शिक्षकावास बनाये गए हैं।

1.18 व्यायामशाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए एक व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायामशाला में विविध आधुनिक व्यायाम उपकरण उपलब्ध हैं।

1.19 क्रीडाक्षेत्र

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है जिस में सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

2. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

2.1 सरस्वतीपरिषद् एवं विभागीय गोष्ठी

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में सन् 1971 से प्रतिमास सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है। सन् 2006 से साहित्य व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं आधुनिक विषयों की भी विभागीयपरिषद् (गोष्ठी) प्रत्येक मास के तृतीय सप्ताह में अपने-अपने विषय में भाषण, कण्ठस्थग्रन्थपाठ, श्लोकपाठ, उच्चारण आदि का अभ्यास करवाती है। इन सभी विभागीय परिषदों को मिलाकर प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में सरस्वतीपरिषद् का आयोजन किया जाता है, जिसके अन्तर्गत सम्मिलित रूप से सभी विषयों की शैक्षणिक, शास्त्रीय आदि विविध प्रतियोगिताएँ करवाई जाती हैं।

2.2 शास्त्राभ्यास

शास्त्र में विशेष रुचि रखने वाले जिज्ञासु विद्यार्थियों को नियमित कक्षा के पश्चात् विविध शास्त्रों का अभ्यास करवाया जाता है। स्वावलम्बन हेतु विद्यार्थियों को रुद्राष्टाध्यायी एवं विविध वैदिक मन्त्रों का भी विधि-विधान सहित पाठ कण्ठस्थ करवाया जाता है। एतदर्थ परिसर में शास्त्राभ्यास कक्ष की विशेष व्यवस्था की गई है।

2.3 युवमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा पुरी परिसर में दिनांक 07.02.2020 से दिनांक 10.02.2020 तक आयोजित "युवमहोत्सव 2019-20" में भाग ग्रहण किया गया।

2.4 संस्कृत सप्ताह महोत्सव

श्री रणवीर परिसर में दिनांक 14.08.2019 से दिनांक 20.08.2019 तक "संस्कृत सप्ताह महोत्सव 2019-20 का आयोजन किया गया।

2.5 नाट्यमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के एकलव्य परिसर, अगरतला में दिनांक 30.11.2019 से दिनांक 02.12.2019 तक "नाट्यमहोत्सव 2019-20" के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर द्वारा नाट्यप्रस्तुति 'कारगिलविजयम्' का मंचन किया गया।

2.6 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 09.01.2010 से 12.01.2020 तक 57तमी अखिल भारतीय शास्त्रीयस्पर्धा का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला में किया गया, जिसमें परीसरीय छात्रों ने विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं में भाग ग्रहण किया।

2.7 अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह 2020

राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में 4.02.2020 से 07.02.2020 तक अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह आयोजित किया गया जिसमें परिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण किया।

2.8 वार्षिक शैक्षिक क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

परिसर में प्रतिवर्ष भाषण, वाद विवाद, श्लोकपाठ, काव्यपाठ, अन्त्याक्षरी एवं प्रश्नमंच आदि शैक्षिक प्रतियोगिताओं तथा खेलकूद की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

2.9 पर्यावरण एवं शैक्षिक भ्रमण

परिसर में प्रतिवर्ष प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य एवं शिक्षाशास्त्री के विद्यार्थियों को पर्यावरण भ्रमण, शैक्षिक भ्रमण तथा ऐतिहासिक भ्रमण के लिए विविध स्थानों पर ले जाया जाता है।

2.10 विभागीयराष्ट्रीयसंगोष्ठी

- वेद एवं दर्शन विभाग, के.स.वि.वि., जम्मू परिसर द्वारा दिनांक 27-28 फरवरी को 'वैदिकवाघ्मये काश्मीरशैव-दर्शनपरम्परायाञ्च शिवतत्त्वम्' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- शिक्षा शास्त्र विभाग, के..स.वि.वि., जम्मू परिसर द्वारा दिनांक 18-20 फरवरी 2020 को 'संस्कृतशिक्षणे संगणकीयसंसाधानानि समस्या संभावना च' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

3. शैक्षिणिक सत्र 2019-20 में सम्पन्न वार्षिक गतिविधियों का विवरण

- दिनांक 21.06.2019 **अन्तर्राष्ट्रीययोगदिवस** का आयोजन किया गया।
- दिनांक 20.07.2019 को परिसर में **सत्रारम्भ** के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन परिसर के वेदविभागीय प्राध्यापकों द्वारा किया गया।
- दिनांक 30.08.2019 को परिसर में **गणेशचतुर्थी** की पूजा का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन डॉ. तेजनाथपौडेल एवं डॉ. धनेशकुमारपाण्डेय एवं डॉ. दीपककुमारशर्मा द्वारा किया गया।
- 15.08.2019 को परिसर में स्वतन्त्रतादिवस मनाया गया। ध्वजारोहण परिसर प्राचार्य द्वारा किया गया।
- दिनांक 05.09.2019 को परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया।
- दिनांक 06.09.2019 से 20.09.2019 तक **हिन्दी पखवाड़ा समारोह** का आयोजन किया गया।
- दिनांक 01.10.2019 से 02.10.2019 तक परिसर में राष्ट्रपिता **महात्मागान्धी की 151 वीं जयन्ती** के अवसर पर परिसर में स्वच्छता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लॉक भलवाल की ओर से परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में ब्लॉक भलवाल एवं परिसर के अध्यापक और कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ- मदन सिंह, डॉ. योगेन्द्र दीक्षित, डॉ. दे. दयानाथ एवं श्री विशाल महाजन ने किया।
- दिनांक 31.10.2019 को परिसर में **श्री सरदार वल्ल्भभाई पटेल की 145वीं जयन्ती** के अवसर पर **राष्ट्रीय एकता दिवस** का आयोजन किया गया।
- दिनांक 04.11.2019 को **राज्य स्तरीय शास्त्रीयस्पर्धा (जम्मू व कश्मीर)** का आयोजन किया गया, जिसमें जम्मूकश्मीरप्रान्त के विभिन्न महाविद्यालयों एवं

विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने विविध स्पर्धाओं में भाग लिया।

- दिनांक 12.11.2019 को परिसर में **शिक्षादिवस** का आयोजन किया गया।
- दिनांक 26.01.2020 को परिसर में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया।
- दिनांक 26.01.2020 को परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वीथीनाटकम् का आयोजन किया गया।
- दिनांक 18-20 फरवरी 2020 को परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा त्रिदिवसीय **राष्ट्रिय प्राविधिक संस्कृत कार्यशाला एवं संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संयोजन शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मदनमोहन झा द्वारा किया गया।
- दिनांक 18.02.2020 को **वसन्तपंचमी** के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया।
- दिनांक 29-31 मई 2020 को शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसके संयोजक शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मदनमोहन झा रहे।

3.1 प्रशिक्षण शिविरादि

- दिनांक 19.08.2019 से 19.10.2019 तक शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष का शिक्षणाभ्यास प्रशिक्षण।
- दिनांक 02.12.2019 से 08.12.2019 तक शिक्षाशास्त्री के विद्यार्थियों के लिए बालचर प्रशिक्षण शिविरका आयोजन किया गया।

3.2 परीक्षा आयोजन

- मई 2019 में प्राक् शास्त्री प्रथम एवं शास्त्री प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिसम्बर 2019 में शास्त्री प्रथम, तृतीय, पंचम सत्रार्द्ध एवं आचार्य प्रथम एवं तृतीय सत्रार्द्ध की परीक्षाएं मुख्यालय के आदेशानुसार आयोजित की गई।

3.3 परिसरीय भावी योजनाएँ

- पुरुष व महिला छात्रावास का विस्तार।
- शास्त्र और शास्त्र शिक्षण संर्वधन के लिए विविध नूतन परियोजनाएँ।
- ज्योतिष विभाग में तारामण्डल का निर्माण।
- अतिथि आवास व क्रीडा स्टेडियम का निर्माण।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

1. परिचय

श्री शङ्कराचार्यजी के जन्म से पवित्रीभूत ईश्वरीय भूमि केरल आदि शङ्कराचार्यजी के वेदान्त दर्शन से प्रभावित पुण्य भूमि है, जहाँ जाति, धर्म, लिंग, और संप्रदाय के भेद बिना लोग आपसी प्रेम भाव से रहते हैं।

सन् 1990 में **संस्कृत प्रणय भाजनम** श्री पी.टी. कुरियॉकोस मास्टर ने पावरटी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की थी। पी.टि. कुरियॉकोस मास्टर सचमुच में एक दिव्य आत्मा थे जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तथा सारी संपत्ति संस्कृत की सेवा एवं संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार में समर्पित की थी। सन् 1934 में विद्यापीठ में उन्होंने संस्कृत में बी.ए. और एम.ए. की कोर्सेस प्रारंभ की थी। उस समय ये कोर्सेस मद्रास विश्व विद्यालय के अधीन में चलायी जा रही थीं। बाद में सन् 1972 में इस विद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपना हिस्सा बनाया उसके बाद यह साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जानने लगे।

सन् 1979 जुलाई 16 को इस विद्यापीठ को भारत सरकार के मानव संसाधन विभाग ने अपने हाथों में ले लिया। और इस का नाम गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। बाद में सन् 1989 में अधिक आधारित संरचना एवं शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इस विद्यापीठ को पावरटी से पुरनाट्टुकरा में स्थानान्तरित कर दिया। पुरनाट्टुकरा के इस नये इमारत का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री आदरणीय श्री मुरली मनोहर जोशी जी ने 16 अगस्त सन् 1999 को किया।

दिल्ली स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को जब बहु परिसर युक्त मानित विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा प्राप्त हुई तब से, याने कि सन् 2002 मई 7 से यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर के नाम से जानने लगा।

2. परिसर स्थान

गुरुवायूर परिसर केरल के त्रिश्शूर जिले के अडाट पंचायत के पुरनाट्टुकरा में स्थित है। अमला मेडिक्कल कोलेज, श्री रामकृष्ण आश्रम, एस.आर.के.जी.वी.एम. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शारदा महिलाउच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, आई.ई.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय आदि गुरुवायूर परिसर के चारों ओर की विभिन्न दिशाओं में स्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

इस परिसर में प्राक्-शास्त्री (+ 2 संस्कृत) से लेकर शास्त्री (+ 3 संस्कृत) आचार्य (P.G. संस्कृत) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) , शिक्षाचार्य (M.Ed.) एवं विद्यावारिधि (Ph.D.) तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। तथा एकवर्षीय योगा एवं आयुर्वेद साहित्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाता है।

4. परिसर की अन्य गतिविधियाँ

वाग्वर्धिनी सभा

सभी कक्षाओं के लिए हर बुधवार को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक वाग्वर्धिनी सभा का अयोजन किया जाता है। इसका लगभग 30 सम्मेलन हो चुके हैं। इस के अन्तर्गत वाक्यार्थ विचार:, शास्त्र परिचय, समकालीन विषय, प्रश्नोत्तरी एवं कलाविनोद का आयोजन किया जाता है।

वाक्यार्थ परिषद्

इसके अंतर्गत परिसर अध्यापकों द्वारा वाक्यार्थों का नमूना प्रस्तुत किया जाता है और फिर बच्चों के लिए स्पर्धाएँ चलायी जाती हैं।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- परिसर में जून 21, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया गया। परिसर योग अध्यापक श्री. धनेश पि.वि. एवं योग-आयुर्वेद छात्रों द्वारा योगासनों का प्रदर्शन हुआ। परिसर अध्यापक गण एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर एवं ऐ.जि.एन.

सि.ए. तृश्शूर् द्वारा शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 'सैलन्ट फीचेर्स ऑफ तैत्तिरीय ब्राह्मणा' विषय पर जुलाई 26, 2019, दोपहर 2.30 बजे का परिसर सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य प्रवक्ता प्रो. एन.के. सुन्दरेश्वरन् एवं डॉ. नीलकण्ठन रहे।

- परिसर में एक दिवसीय कार्यशाला 'संस्कृत कक्ष्या' विषय पर 31 जुलाई 2019 को पद्मश्री श्री. चम्पुकृष्ण शास्त्री (मानवसंसाधन विकास मन्त्रालय) के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।
- भारत के 73वॉ स्वतन्त्रता दिवस वार्षिक समारोह के अवसर पर परिसर द्वारा स्वतन्त्रता दिवस एवं स्वतन्त्रता पक्ष का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर फुट्बोल एवं वोलीबोल प्रतियोगिताएँ 22 अगस्त 2019 को परिसर में चलाई गयी।

- इस अध्ययन वर्ष का संस्कृत सप्ताह समारोह सन् 2019 16 अगस्त से 21 अगस्त 2019 तक विविध संस्कृत कार्यक्रमों के साथ मनाये गये। समारोह का उद्घाटन् प्रो. पि.सी.मुरलीमाधवन (राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं सेवानिवृत्त आचार्य, संस्कृत साहित्य विभाग, गुरुवायूर् परिसर) ने किया था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षा प्रो. सि. एल.सिसिली (विभागाध्यक्षा, व्याकरण) रही थी। कार्यक्रम का समापन समारोह 21 अगस्त 2019 को हुआ था। प्रो. रामकृष्णाचार्यलु (राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय जयपूर) महोदय के करकमलों से समारोह के समापन कार्यक्रम का उद्घाटन संपन्न हुआ। प्रो. गंगाधरन नायर (राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं सेवानिवृत्त आचार्य, श्रीशंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालटि) इस कार्यक्रम के सम्माननीय अतिथि रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल.एन. शर्मा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे।
- **राष्ट्रीय खेल दिवस**– मेजर ध्यान चन्द जयन्ती राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में 29 अगस्त 2019 को परिसर में मनाया गया। परिसर शारीरिक शिक्षा अध्यापक श्री. राजेन्द्रकुमार शर्मा कार्यक्रम के आयोजक रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा कार्यक्रम के उद्घाटक रहे। इस अवसर पर परिसर की टीम और अमला मेडिक कॉलेज के बीच वोली बोल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- इस साल परिसर द्वारा ओणम समारोह का आयोजन 4, 5 सितम्बर 2019 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए कला-खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन जैसे ओणम् गीत, तिरुवातिरक्कलि, फूलों की रंगोली, वंडवली, लेमण स्पूण दौड आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये था।
- अध्ययन वर्ष का हिन्दी पखवाडा समारोह का आयोजन 14 सितम्बर 2019 से 27 सितम्बर 2019 तक किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम 14 सितंबर का परिसर प्राचार्य प्रो.सि.एच.एल.एन. शर्माजी के करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के समापन समारोह 27, सितम्बर को सम्पन्न हुआ। डॉ. प्रमीला एन.के. (सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, श्री. केरलवर्मा कॉलेज तृश्शूर) कार्यक्रम की मुख्यातिथि रही। छात्रों के लिए विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं अयोजित की गयीं। विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र समारोह कार्यक्रम में वितरण किये गये। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुनिता (विभागाध्यक्षा, ज्योतिष) रही। डॉ. रम्या पि.आर. (हिन्दी अतिथि अध्यापिका, कार्यक्रम की संचालिका रही।)
- 21 दिवस की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन "मानुस्क्रिप्टोलजी एवं पालियोग्रफी" विषय पर नेशनल मानुस्क्रिप्टमिशन एवं राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर के तत्वावधान में 2019, अक्टूबर 11 से 31 तक परिसर में चलायी गईं। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. पि.सी. मुरलीमाधवन (राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं सेवानिवृत्त आचार्य, साहित्य विभाग, गुरुवायूर परिसर) ने किया था। प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा, आदरणीय कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, कार्यशाला के समापन कार्यक्रम के उद्घाटक रहे। प्रो. एन.पि.उण्णी, प्रो. एम.आर.राघव वार्यर, प्रो. पि. विशालाक्षी, प्रो. के.पि.केशवन, प्रो.एन. नीलकण्ठन्, डॉ. उत्तम सिंग इस शैक्षिणिक कार्यक्रम को अपनी कक्षाओं द्वारा प्रौढ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. के विश्वनाथन, साहित्यविभाग इस कार्यशाला के संयोजक रहे।
- श्री. सरदार वल्लभभाई पट्टेल के जन्म दिवस की स्मृति में 31 अक्टूबर 2019, राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप मे मनाया गया। प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा, आदरणीय कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान इस कार्यक्रम के उद्घाटक रहे। परिसर प्राचार्य प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा इस कार्यक्रम

के अध्यख रहे। प्रो. सि.एल. सिसिली कार्यक्रम में सबका स्वागत किया। श्री. एम.के.रवीन्द्रन, परिसर कार्यालय अधिकारी का महनीय सान्निध्य इस कार्यक्रम में रहे। डॉ. दिलीप कुमार राणा, निदेशक, चिन्मय शोध संस्थान, एरणाकुलम् इस कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि रहे। डॉ. ओ.आर.विजयराघवन ने कृतज्ञता ज्ञापित किये।

इस अवसर पर परिसर छात्र-छात्राओं के लिए एक दौड प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ था। इस का फ्लाग ओफ प्रो. एस.सुब्रह्मण्य शर्मा (आदरणीय कुलसचिव, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान) ने किया था। प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं ट्रोफी दिये गये। बालकों में सलमान फारिश, शास्त्री तृतीय वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किये। बालिकाओं में गोपिका, शास्त्री तृतीय वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किये। परिसर शारीरिक शिक्षा अध्यापक श्री. राजेन्द्रकुमार शर्मा कार्यक्रम के आयोजक रहे।

- परिसर की छात्र कल्याण परिषद् का उद्घाटन 1 नवम्बर सन् 2019 को संपन्न हुआ। श्री. जयराज वार्यर, फिल्म अभिनेता कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। इस अध्ययन वर्ष के छात्र कल्याण परिषद् के पदाधिकारी रहे- कुमारी थेरेसा टि.जे. (अध्यक्षा), कुमारी आतिरा बाबु (सचिवा), और प्रो. के.पि. केशवन (छात्रकल्याण परिषद् अधिकारी)।
- श्री स्वामी विवेकानन्द जी के 157वॉ जन्म वार्षिक 13 जनवरी 2020 को युव दिवस के रूप में विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग एवं विद्यार्थियों द्वारा एक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक रहे शिक्षा शास्त्रि विभाग अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार कच्छुवा। इस कार्यक्रम के संचालक रहे डॉ. सि. श्यामराज और श्री. ललित मोहन पंडोला।
- 26 जनवरी सन् 2020 को भारत का 71 वॉ गणतन्त्र दिवस मनाया गया।
- 25 जनवरी सन् 2020 को परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि श्री.मुरली पुरनाट्टुकरा कविसम्मेलन का उद्घाटक रहे। इस अवसर पर परिसर छात्र, छात्राओं एवं अध्यापकों का स्वरचित कविताओं की प्रस्तुति भी हुई।
- परिसर की वार्षिक कला-साहित्यिक-प्रतियोगिताएँ सन् 2020 फरवरी 25, 26, 27 तारीखों में चलायी गयीं।
- 26 फरवरी सन् 2020 को मुक्तस्वाध्यायपीठ श्री पी.टी. कुरियाकोस मास्टर पावरट्टी केन्द्र में पी.टी. कुरियाकोस मास्टर अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति भाषण का आयोजन किया गया था। प्रो. पि.सी. मुरलीमाधवन (राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं सेवानिवृत्त आचार्य, साहित्य विभाग, गुरुवायूर् परिसर) ने स्मृतिभाषण प्रस्तुत किया। प्रो. सि.एल. सिसिली प्राचार्य प्रभारी, उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षा रही।
- परिसर की वार्षिक खेल क्रीडा प्रतियोगिताएँ "परम्वीराः" सन् 2020 मार्च 5, 6 तारीखों में चलायी गयीं। श्री. माथ्यु जॉर्ज (क्रीडा अध्यापक एवं प्रशासन अधिकारी), अमला मेडिकल कॉलेज कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। प्रो. सि.एल. सिसिली प्राचार्या प्रभारी, उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षा रही। छात्रकल्याण परिषद् अधिकारी प्रो. के.पी. केशवन ने इस कार्यक्रम को आशिर्वचन दिये। परिसर शारीरिक शिक्षा अध्यापक श्री. राजेन्द्रकुमार शर्मा कार्यक्रम में कृतज्ञता ज्ञापन किये। डॉ. रम्या पि.आर. कार्यक्रम में सबका स्वागत किया।
- वाक्यार्थसभा का आयोजन मार्च 1, 2020 में किया गया।

अन्य गतिविधियों में भागग्रहण

अखिल भारतीय नाट्यमहोत्सवम् 2019-20

अखिल भारतीय नाट्यमहोत्सव 30 नवंबर से 2 दिसम्बर 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान एकलव्य परिसर, अगर्तला में चलाई गई। इस प्रतियोगिता में गुरुवायूर परिसर तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. ई.पी. श्रीदेवी, सहाचार्य, साहित्य विभाग, श्री. पि.वि. धनेश (योग अध्यापक) बच्चों को अनुगमन किया।

अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा संगम 2019-20

13वीं अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा संगम का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान तिरुपति विद्यापीठ में सन् 2020 जनवरी 28 तारीख से 31 तारीख तक किया गया। संस्कृत साहित्य एवं संस्कृत शास्त्रीय अध्ययन के प्रचार प्रसार में समर्पित वाग्वर्द्धिनी परिषद् संगठन के नेतृत्व में हर साल इसका आयोजन, विद्यार्थी विकास आयोजन के तहत किया जाता है। गुरुवायूर परिसर से 14 विद्यार्थीयों का दल विभिन्न संस्कृत प्रतियोगिताओं में भाग लिये। परिसर के अध्यापक- डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन (सहायक अध्यापिका, व्याकरण

विभाग) पूरे कार्यक्रम की संयोजिका रही। डॉ. षिन्डे मनोज (वेदान्त विभाग) और डॉ. के. सुब्रह्मण्यम् भट्ट (व्याकरण विभाग) बच्चों का अनुगमन किया। एकपात्राभिनय प्रतियोगिता में परिसर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता 2019-20

59वॉ अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता सन् 2020 जनवरी 9 से जनवरी 12 दिनांक तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगर्तला में चलाई गयी। इस के राज्य स्तरीय स्पर्धाओं का आयोजन गुरुवायूर परिसर में 11 नवंबर सन् 2019 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री. के. सुरेन्द्रन ने (मातृभूमि टेलिविशन वार्ता विभाग अध्यक्ष) किया था। विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं हमारे परिसर के कई छात्र-छात्राओं ने संस्कृत के विभिन्न स्पर्द्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन स्पर्द्धाओं में से योग्य 12 बच्चों को चुने गये और ये बच्चे शास्त्र विषयें में अखिलभारतीय स्तर पर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। डॉ. ई.पि. श्रीदेवी (सहाचार्या, साहित्य विभाग), डॉ. राजीव लोचन शर्मा (अतिथि अध्यापक, न्याय) बच्चों के साथ अनुगमन किये।

इस समिति के संयोजक रहे डॉ. के.विश्वनाथन (सहायक आचार्य, साहित्य विभाग), अन्य समिति सदस्य डॉ. ललिता चन्द्रन, डॉ. विजयानन्द अडिगा, डॉ. राजीव लोचन शर्मा और डॉ. रम्या पी.आर. रहे।

युवमहोत्सव 2019-20

11ीं अन्तर परिसरीय युवमहोत्सव का आयोजन फरवरी 7, 2020 से फरवरी 10 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पुरी परिसर में आयोजित किया गया। 48 विद्यार्थियाँ विभिन्न साहित्य/कला/खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और पुरस्कार प्राप्त किये-

कला प्रतियोगिताओं में संघनृत्य - स्वर्ण पदक, एकक नृत्य - रजत पदक, समूह गीतं - काँसा पदक, एकक गीतं बालकानां - रजत, बालिका - काँस, शास्त्रीय गीतं - काँस, रंगोली - स्वर्ण, शास्त्रीय वादनं - रजत, ह्रस्व चित्र - रजत, चित्ररचना - रजत।

साहित्य प्रतियोगिता - संस्कृत कण्ठ पाठं - रजत

खेल प्रतियोगिता - बेटमिन्टन - एकक - बालिका - सुवर्ण पदक, बालिका युगल - रजत, बालक युगल - रजत। दीर्घ कूदनं - बालक - सुवर्ण, उच्च कूदनम् - बालक - सुवर्ण। 200 मी. दौड़ - बालक - रजत, 100 मी. दौड़ - बालिका - रजत। 800 मी. दौड़ बालक - रजत। चक्रविक्षेपण - बालिका - काँसा।

पूरी प्रतियोगिताओं में गुरुवायूर परिसर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पूरी टीम का मार्ग निर्देशन किया था श्री. राजेन्द्र कुमार शर्मा, श्री. के. एम. भास्करन, श्री. पि.ए. मोहनन, डॉ. रम्या पि.आर।

रिफ्रेशर कोर्सेस एवं / ओरिएन्टेशन कार्यक्रम

डॉ. आर. प्रतिभा (वेदान्तविभाग), डॉ. ललिता चन्द्रन, डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन (व्याकरण विभाग), श्रीमती जेस्सी के.ए. (आधुनिक विभाग) गुरुवायूर परिसर में आयोगित किये गये 21 दिवस की कार्यशाला में भाग लिये।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय स्व. श्री शिवचरण माथुर जी के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र (पूर्वनिदेशक) के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05. 1983 को परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। कालान्तर में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। संसद अधिनियम से पारित होकर दिनांक 30 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के नाम से जाना जाता है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर इस वर्ष अपनी स्थापना के 37 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण कर रहा है। सत्रारम्भ से सत्रावसान तक परिसर ने अनेक शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उत्कृष्ट शिक्षण, छात्र संख्या एवं सौविध्य की दृष्टि से जयपुर परिसर अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में अग्रगण्य है।

परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा भारत सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से राजस्थान की राजधानी जयपुर में नगर के केन्द्रीय क्षेत्र में 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का यह विशाल भवन अध्यापन कक्षों, प्रशासन खण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृत शोध अध्ययन केन्द्र, मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडांगण, बाग-बगीचे युक्त वातावरण जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त है। इस वर्ष भवन में पुनरुद्धार, सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य भी किये गये हैं। छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु नूतन अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया। दिनांक 27 जनवरी 2020 को 34,4950276 करोड की लागत से बन रहे बहु-उद्देश्यीय भवन का शिलान्यास कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री महोदय के साथ माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के कर कमलों से किया गया। परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने परिसर के गौरवशाली इतिहास का परिचय देते हुए भावी योजनाओं से अवगत करवाया।

सत्र 2019-20 में भौतिक विकास कार्य

परिसर में बहूद्देश्यीय भवन के निर्माण हेतु संस्थान मुख्यालय द्वारा वित्तवर्ष 2019-20 में 5,24,64,718 रूपये स्वीकृत किये गये, जिसमें से 5,24,64,718 रूपये की राशि निर्गत की जा चुकी है। उक्त कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाना प्रक्रियाधीन है।

परिसर में सत्र 2019-20 में क्रय प्रणाली

Government e market (GEM) के माध्यम से खरीद प्रक्रिया एवं P.F.M.S. (Public Finance Management System) के माध्यम से सभी प्रकार के भुगतान अनिवार्य रूप से किये जा रहे हैं।

परिसर में संचालित विभाग

परिसर में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष), धर्मशास्त्र, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, वेद, शिक्षाशास्त्र (शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य), शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि सभी शास्त्रों में, योग एवं आयुर्वेद, शोधादि 10 विभाग संचालित हैं।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्याशालाओं सहित पूर्ण विवरण-

- राष्ट्रीय सेवा योजना-परिसर में सत्र 2019-20 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत कुल 114 स्वयं सेवकों का पंजीकरण किया गया। जिनमें 76 छात्र 38 छात्राएँ है। राष्ट्रीय सेवा योजना का अनुदान युवा कल्याण एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार के युवा कल्याण विभाग, रा.से. यो. के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा जारी किया जा रहा है तथा परिसर के छात्रकोष से भी विशेष गतिविधियों के अन्तर्गत सहयोग प्रदान किया जाता है।

  सत्र 2019-20 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा

निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया-

- 1.08.2019 से 15.08.2019 : स्वच्छता पखवाड़ा
- 31.10.2019 : राष्ट्रीय एकता दिवस Run for Unity
- 11.11.2019 : राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
- 26.11.2019 : संविधान दिवस (प्रस्तावना एवं मौलिक कर्त्तव्यों की जानकारी)
- 10.01.2020 : नि:शुल्क चिकित्सा शिविर एवं जनचेतना यात्रा S.Dentz Charitable Dental clinic, Mansrowar, Jaipur
- 23.01.2020 से 26.01.2020 : मेरा परिसर : स्वच्छ परिसर
- 24.01.2020 : राष्ट्रीय बालिका दिवस 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' डॉ. मीना राठौड़ प्राचार्य श्री भवानी निकेतन द्वारा विशिष्ट व्याख्यान
- 28.02.2020 : योग प्रदर्शन- डॉ. नवनीत कुमार
- 17.03.2020 युवा कल्याण एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशों की अनुपालना में माह मार्च 2020 से जून 2020 तक की सभी सामूहिक गतिविधियाँ स्थगित की गई। विशेष शिविर- स्थगित

  लॉक डाउन के दौरान कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शीशराम एवं इकाई के सदस्य डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी, डॉ. अमृता कौर, डॉ. हरिओम शर्मा एवं श्री रामजीलाल मीना (अनुभाग अधिकारी) के मार्गदर्शन में स्वयं सेवको के द्वारा स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के सहयाग से राशन वितरण, भोजन वितरण, मास्क, क्वारंटीन सेन्टरों पर सेवा आदि कार्य किये गये।

प्रमुख गतिविधियों का विवरण

- **व्याकरणशास्त्र प्रशिक्षण कार्यक्रम**- दिनांक 25 मई 2019 से 23 जून 2019 तक परिसर में व्याकरणशास्त्रार्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशिक्षक के रूप में जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के.सी. पाढी, जयनारायणव्यास विश्वविद्यालय के पूर्व व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. श्रीधर मिश्र, प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय आदि विद्वानों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम के माध्यम से विविध परिसरों के 11 छात्रों को शास्त्रार्थ के लिए प्रशिक्षित किया गया।
- **अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस**- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के जयपुर परिसर में योग एवं आयुर्वेद विभाग के शिक्षक डॉ. नवनीत कुमार के निर्देशन में दिनांक 21.06.2019 को प्रात:कालीन योग सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में आयुष मन्त्रालय के दिशा निर्देशानुसार प्रत्येक योगासन का विधिवत् अभ्यास किया गया। कार्यक्रम में परिसरीय शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के साथ साथ बडी संख्या में परिसर के निकट के जन सामान्य ने बडे ही उत्साह से भाग लिया।
- **सरस्वती पूजन से सत्रारम्भ**- दिनांक 4.7.2019 को सत्रारम्भ में परिसर प्राचार्य प्रोफेसर अर्कनाथ चौधरी, समस्त प्राध्यापक, कार्यालय कर्मचारी एवं छात्रों की उपस्थिति में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया।
- **संस्कृत सम्भाषण शिविर**- परिसर में प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 18 जुलाई 2019 से 15 अगस्त 2019 तक संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. वाई.एस.रमेश, प्रो. श्रीधर मिश्र, डॉ. पवन व्यास एवं डॉ. राकेश कुमार जैन के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया तथा डॉ. नमिता मित्तल एवं डॉ. अंकित दाधीच ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन किया।
- **अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला का उद्घाटन**- दिनांक 4.7.2019 को परिसर में संगणक प्रयोगशाला का लोकार्पण परिसर प्राचार्य प्रोफेसर अर्कनाथ चौधरी के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। प्रयोगशाला में कुल 50 संगणक यन्त्र लगाएँ गये है। कार्यक्रम में परिसर के अन्य विभागाध्यक्ष तथा संगणक विभाग प्रमुख डॉ. नमिता मित्तल, प्राध्यापिका सुश्री शैली प्रकाश, कार्यालय कर्मचारी एवं बडी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।
- **एक दिवसीय विचार गोष्ठी**- दिनांक 02 अगस्त 2019 को 'संस्कृतकक्ष्या' इस विषय पर आचार्य चमूकृष्णशास्त्री द्वारा विशिष्ट व्याख्यान प्रदान किया गया।
- **स्वतन्त्रता दिवस**- 15 अगस्त, 2019 को 73वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह सोल्लास मनाया गया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य ने राष्ट्र ध्वजारोहरण किया। तत्पश्चात् प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा के संयोजन में परिसर के विद्यार्थियों

द्वारा सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें परिसर के सभी आचार्य, प्राध्यापक कर्मचारी एवं छात्रों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।

- **संस्कृत सप्ताह महोत्सव**- अगस्त 13 से 19 तक परिसर में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में श्रीरघुनाथ कीर्तिपरिषद रूद्र प्रयाग से प्रोफेसर के.बी. सुब्बारायुडु मुख्य अतिथि एवं प्रो. अर्कनाथ चौधरी अध्यक्ष थे। तथा सम्पूर्ति सत्र में जगद्गुरूरामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक तिवाडी मुख्य अतिथि एवं परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी अध्यक्ष थे। इस महोत्सव में कुल 07 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा भारी सांख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. श्रीधर मिश्र थे।
- **राष्ट्रीय खेल दिवस**- दिनांक 29 अगस्त 2019 को परिसर में खेल दिवस का आयोजन किया। जिसमें पूर्व विभागाध्यक्ष आधुनिक विभाग प्रो. ओमप्रकाश भड़ाना जी ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया।
- **भाषा बोधन प्रशिक्षण कार्यक्रम**- दिनांक 27.08. 2019 से 23.09.2019 तक परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा भाषा बोधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **शिक्षक दिवस**- 05 सितम्बर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन् के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में परिसर के हिन्द केसरी सभागार में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी के अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. फतहसिंह, प्रो. सोहन लाल पाण्डेय, प्रो. वाई.एस.रमेश एवं प्रो. सन्तोष मित्तल वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शीशराम ने किया।
- **हिन्दी दिवस**- 14 सितम्बर 2019 को शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में समुपस्थित विद्वानों ने हिन्दी की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए।
- **हिन्दी पखवाडा**- 16 सितम्बर, 2019 से 01. 10.2019 तक परिसर में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विविध शैक्षणिक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर आईपीएस अधिकारी एवं लेखक श्री हरिराम मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेखा पाण्डेय, डॉ. सुभाष द्वारा किया गया। तथा पखवाडे का समापन 15 अक्टूबर को परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में किया गया। एवं विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।
- **सतर्कता सप्ताह**- परिसर में केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के सौजन्य से सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन दिनांक 30. 10.2019 से 04.11.2019 तक किया गया।
- **राष्ट्रीय एकता दिवस**- 31.10.2019 को मनाया गया। भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर में राष्ट्रिय एकता दिवस मनाया गया। जिसके अन्तर्गत 'एकता के लिए दौड़' Run for Unity रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलायी। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा किया गया। इसमें सभी प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रगण उपस्थित रहे।
- **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस**- 11 नवम्बर 2019 को शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा मनाया गया। इस कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी एवं शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. फतह सिंह ने अपने विचार अभिव्यक्त किए।
- **राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता**- दिनांक 13 नवम्बर 2019 से 15 नवम्बर 2019 तक परिसर में राज्यस्तरीय चयन प्रतियोगिता का चयन किया गया। जिसमें आर्यकन्या गुरूकुल संस्कृत महाविद्यालय, शिवगंज सिरोही, राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय सविना खेडा, उदयपुर से, सेठ सूरजमल तापडिया संस्कृत महाविद्यालय जसवन्तगढ़ नागौर, श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय एवं जगद्गुरूरामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।
- **परीक्षा पर चर्चा**- 20 जनवरी, 2020 को हिन्द केसरी

सभागार में भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गये छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इसके बाद परिसर प्राचार्य प्रो. चौधरी ने परीक्षा की तैयारी की दृष्टि से छात्रों का मार्गनिर्देशन किया।

- **बहु-उद्देश्यीय भवन कार्यारम्भ समारोह**- दिनांक 27 जनवरी 2020 को परिसर में बहु-उद्देश्यीय भवन कार्यारम्भ समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, सम्मनित अतिथि राजस्थान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक श्री सतीश पूनिया, विशिष्ट-अतिथि माननीय सांसद श्री रामचरणबोहरा, अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वरनारायण शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति रही। परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने परिसर के गौरवमयी इतिहास को बताते हुए भावी निर्माण कार्यों से अवगत कराया।
- **युव महोत्सव**- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के श्रीसदाशिव परिसर, पुरी में दिनांक 07.02.2020 से 10.02.2020 तक 11वें युवमहोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्णपदक, 06 रजतपदक तथा 10 कॉस्यपदक जीते। परिसर की छात्रा अंकिता मीणा को बेस्ट ऐथेलेटिक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।
- परिसर के छात्र ख्याली राम सैनी ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ (A.I.U.) द्वारा दिनांक 14.11.2019 से 18.1.2019 तक गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में 55 किलोग्राम भार वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा दिनांक 22.02.2020 से 01.03.2020 तक उड़ीसा में आयोजित खेलों इण्डिया विश्वविद्यालय खेलों में 55 किलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में भाग ग्रहण कर परिसर का नाम गौरवान्वित किया।
- **सत्र 2018-19 के दौरान राजस्थान**- प्रदेश तथा देश के अन्य राज्यों के स्थानीय लोक सेवा आयोग, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं विद्यालय शिक्षा में शिक्षक के रूप में लगभग 200 छात्र-छात्राओं का चयन सेवा के लिए किया गया है। अनेक विद्यार्थियों ने यू.जी.सी. नेट एवं जे.आर.एफ्. की परीक्षा भी उत्तीर्ण की है।
- **अखिल भारतीय संस्कृत भाषण एवं शलाका प्रतियोगिताओं में प्राप्त पुरस्कार**- एकलव्य परिसर अगरतला में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत भाषण एवं शलाका प्रतियोगीता में परिसर के छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रो. श्रीधर मिश्र, प्रो. रामकुमार शर्मा एवं प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय के मार्गदर्शन में छात्रों ने कुल 7 पुरस्कार प्राप्त किए जिसमें 3 स्वर्णपदक, 03कॉस्यपदक व 01 विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त किया।
- **माघ महोत्सव साहित्य संगोष्ठी**- दिनांक 10-11 फरवरी 2020 को राजस्थान संस्कृत अकादमी तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'माघमहाकाव्ये लोकजीवनं राजनीतिः लोकप्रशासनं च' इस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला, सभा अध्यक्ष मुख्य सचिव डी.बी. गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रमुख शासन सचिव श्रीमती श्रेया गुहा, सारस्वत अतिथि पद्मश्री प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, मुख्य वक्ता के रूप में श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के कुलपति प्रो. रमेशकुमार पाण्डेय एवं सम्मानित अतिथि परिसर प्राचार्य प्रो. अर्कनाथ चौधरी उपस्थित थे। संगोष्ठी के विविध सत्रों में 28 शोधपत्र पढे गये।
- **पण्डित परिषद्**- दिनांक 11 फरवरी 2020 को राजस्थान संस्कृत अकादमी तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'ध्वनितत्त्वम्' विषय पर पण्डित परिषद् का आयोजन किया गया। जिसमें अपने परिसर के विद्वानों के साथ-साथ पूरे भारतवर्ष से मूर्धन्य विद्वानों ने शास्त्रपरिचर्चा की। इसके संयोजक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय एवं संचालक डॉ. पवन व्यास थे।
- **द्विदिवसीय व्याकरण विभागीय संगोष्ठी**- 24 एवं 25 फरवरी, 2020 को व्याकरण विभाग द्वारा 'महाभाष्यस्य प्रथमद्वितीयाध्यायस्थसिद्धान्तविमर्शः' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विशिष्ट आमन्त्रित विद्वानों में जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.सी.पाढी, कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शशिनाथ झा, श्रीलालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के प्रो. रामसलाही द्विवेदी, राष्ट्रपति सम्मानित डॉ. रामकिशोर शुक्ल, राष्ट्रिय संस्कृत

संस्थान के उपपरीक्षा नियन्त्रक डॉ. मधुकेश्वर भट्ट आदि विद्वानों की गौरवमीय उपस्थिति रही।

संकाय सदस्यों द्वारा रिफ्रेसर कोर्स/ ओरियण्टेशन कोर्स

डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा, ज्योतिष विभाग तथा डॉ. सीमा अग्रवाल, राजनीति विज्ञान ने सत्र 2019-20 में राजस्थान विश्वविद्यालय से रिफ्रेशन कोर्स किया।

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एवं कनिष्ठ अध्येतावृत्ति प्राप्त छात्र-

दीपक कुमार चौधरी, धीरज कुमार चौधरी, चन्द्रकान्ता शर्मा, नन्दिनी स्वर्णकार, पंकज सैनी, मन्थन गाला, रामकेश, जयकिशन नैनानी।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	06
उत्तर प्रेषित	-	06

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन तथा विकास मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा वर्ष 1986 में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में लखनऊ में स्थापित हुई। वर्ष 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। वर्ष 2012 में संस्थान को राष्ट्रिय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन संस्थान (नैक) द्वारा 'ए' श्रेणी से सुशोभित किया गया। संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था है। लखनऊ परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्ध दर्शन, शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक-पृथक आवास की व्यवस्था है। लखनऊ परिसर अन्य शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य विद्या का भी केन्द्र है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्मसमन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र के इस नगर में इस तरह के संस्कृत संस्थान का होना अपने आपमें एक विशिष्ट महत्व रखता है। परिसर का विस्तार 10 एकड़ भूमि पर है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)।

शास्त्रीय विषय-

नव्यव्याकरण, प्राचीन व्याकरण, साहित्य, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, वेद, शिक्षाशास्त्र।

आधुनिक विषय-

हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर।

मुक्तस्वाध्याय पीठ के पाठ्यक्रम-

1. प्राकशास्त्री सेतु
2. प्राकशास्त्री
3. शास्त्री सेतु
4. शास्त्री
5. आचार्य सेतु, साहित्य, व्याकारण, ज्योतिष
6. आचार्य, साहित्य, व्याकारण, ज्योतिष

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम-

पाली, प्राकृत, भोट, ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम।

- 2 अध्येता भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद से पी. डी.एफ. प्राप्त कर रहे हैं एवं 13 छात्र जूनियर रिसर्च फेलोसिप/नेशनल फेलोशिप प्राप्त कर रहे हैं।

परिसर के वर्तमान सत्र का सत्रारम्भ कार्यक्रम-

दिनांक 20.06.2019 से परिसर के वर्तमान सत्र का आरम्भ हुआ।

परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, जो कि निम्नलिखित हैं-

1 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस- दिनांक 21.06.2019 को भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् के संयुक्त तत्वावधाान में परिसरीय छात्र-छात्राओं, कर्मचारीगण तथा प्राध्यापकों ने भाग लिया।

2 संस्कृत सप्ताह समारोह-14 से 19 अगस्त 2019 तक संस्कृत सप्ताह के अवसर पर संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण शिविर एवं विविध कार्यक्रम हुए। संस्कृत सप्ताह समारोह 14 अगस्त को उद्घाटन के साथ साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, वेद, बौद्धदर्शन एवं शिक्षाशास्त्र विषय की प्रतियोगिता आयोजित की गई। परिसरीय प्राचार्य प्रो. विजय कुमार जैन की अध्यक्षा में सम्पन्न हुआ। संस्कृत

सप्ताह के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो. अशोक कुमार कालिया जी के विशिष्ठ व्याख्यान से शुभारम्भ किया गया। इसमें भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र एवं प्रो. सुरेन्द्र पाठक, पुरी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गंगाधर पण्डा, प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, प्रो. रामसुमेर यादव ने अपना-अपना व्याख्यान दिया। अंत में संस्कृत सप्ताह का समापन उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री शबीहुलहसनैन जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

3 हिन्दी दिवस एवं पखवाड़ा- 13 से 29 सितम्बर, 2019, अध्यक्षता- प्रो. आजाद मिश्र, पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर।

4 सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2019- दिनांक 30.10. 2019 से 4.11.2019 तक मनाया गया।

5 एकता दिवस समारोह- 31 अक्टूबर, 2019 को भारत सरकार एवं यू.जी.सी. के निर्देशानुसार सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मोत्सव पर "एकता दौड़" (Run for Unity) का आयोजन किया गया। इसमें परिसरीय कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा दौड़, शपथ, मार्च पास्ट, क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लिया।

6 संविधान दिवस- 26 नवम्बर, 2019 को आयोजन किया गया। आयोजन सभा की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. विजय कुमार जैन द्वारा की गई, प्रो. जैन जी ने संविधान सभा के सातत्व्य में शक्ति-संतुलन के सिद्धान्त को बड़े ही वृहद, गम्भीर एवं सरलतम शब्दों में समझाया। इसमें वक्ताओं के प्रो. लोकमान्य मिश्र, प्रो. अवनीश अग्रवाल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. गुरुचरणसिंह नेगी एवं डॉ. एस.पी. सिंह मुख्य रहे। धन्यवाद् ज्ञापन श्रीमती कविता बिसारिया द्वारा किया गया।

7 सुशासन दिवस, 25 दिसम्बर, 2019 को मनाया गया।

8 विश्व हिन्दी दिवस- 10 जनवरी 2020 को परिसर में मनाया गया।

9 26 जनवरी, 2020 गणतन्त्र दिवस का आयोजन एवं शोभा यात्रा सम्पन्न हुई।

10 शहीद दिवस- 30.1.2020 को आयोजन किया गया।

11 अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी 2020 को मनाया गया।

12 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस- (06 मार्च, 2020) को मनाया गया।

13 युव महोत्सव- 07 फरवरी से 10 फरवरी, 2020 तक लखनऊ परिसर के छात्रों द्वारा सदाशिव परिसर, पुरी में भाग लिया एवं 10 पदक प्राप्त हुए।

14 राज्य स्तरीय स्पर्धा वार्षिक क्रीडा एवं राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान एवं संगोष्ठी- स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर सम्पन्न हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 01 तथा 02 फरवरी, 2020 को 'संस्कृतवाङ्मयस्य विकासे जैनबौद्धाचार्याणामवदानम्' विषयक द्विदिवसीय राष्ट्रिय-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी प्रसंग में 01 फरवरी, 2020 को उक्त संगोष्ठी का उद्घाटन-कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. ब्रजेश शुक्ला, प्रो. अभय कुमार जैन एवं वाचस्पति मिश्र रहे। विशिष्टातिथि के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् की विदुषी निदेशिका डॉ. पूजा व्यास ने संस्कृत वाङ्मय के विकास में बौद्ध आचार्यों तथा विद्वानों के योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री जी ने की। 02 फरवरी, 2020 को उक्त संगोष्ठी का सम्पूर्ति-सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में जयपुर से पधारे प्रो. श्रीयांशसिंघई ने अध्यक्षता करते हुए संस्कृत के कौमी-एकता के सन्देश पर विशेष बल दिया। बौद्धविद्या तथा संस्कृत-व्याकरण के प्रख्यात विद्वान् प्रो. जानकीप्रसादद्विवेदी ने बौद्ध तथा जैन विद्वानों का संस्कृत व्याकरण तथा ज्योतिष के क्षेत्र में योगदान का बहुत ही सुन्दर तरीके से प्रस्तुत किया।

कार्यशाला- पालि संस्कृत संशोधन सम्पादन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 10-19 दिसम्बर, 2019 तकं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ विद्वानों ने भाग लिया।

प्रकाशन-

1 साहित्य समाख्या

2 पालि प्राकृत अनुशीलनम् वर्ष 6 अंक-1-2, मार्च-अक्टूबर संयुक्तांक

3 गोमती 2019-20 अंक

4 स्वर्ण जयन्ती स्मारिका, 2019-20

पालि अध्ययन केन्द्र प्रकाशन-

1 धम्मपद एवं मिलिन्दपञ्हो

2 सद्दनीति (पालि व्याकरण)

3 महावंस एवं अनागतवंस

4 धम्मसंगगिणी पालि

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर की गतिविधियाँ

1. दिनांक 13.07.2019 एवं 15.07.2019 को संस्थान परिसर, लखनऊ में वृक्षारोपण किया गया, इसमें परिसर के प्राचार्य प्रो. विजय कुमार जैन, पूर्व छात्र पर्यावरणविद् श्री चन्द्रभूषण तिवारी एवं सैनी इण्डस्ट्रीज़ इण्डिया (प्रा०) लि० तथा ऋषिक ऑटोमोवाल के निदेशक श्री राजीव दीक्षित एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मीना दीक्षित उपस्थित रहे। वृक्षारोपण कार्यक्रम में परिसरीय रा.से.यो. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एस.पी. सिंह, छात्रावास अधिष्ठाता श्रीमती कविता बिसारिया, डॉ. कृष्णा कुमारी, डॉ. यदुवीर शास्त्री एवं डॉ. बिचित्र पण्डा आदि उपस्थित रहे।

2. **स्वच्छता अभियान**- 02 अक्टूबर, 2019 को मनाया गया। महात्मा गाँधी जी की जयन्ती के अवसर पर "स्वच्छता ही सेवा" एवं ''फिट भारत अभियान'' का आयोजन किया गया। इसमें परिसरीय अधिकारियों/कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

3. **पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ**- 02 दिसम्बर, 2019 को महामहिम राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार ''पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ'' का आयोजन किया गया। इस चरण में बढ़ते पर्यावरणीय प्रदूषण के कारणों एवं निवाराणार्थ उपायों पर परिसर के समस्त कर्मचारीगण, शोधार्थियों तथा छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

4. **फिट इण्डिया साइक्लाथॉन**- 18.01.2020 को परिसर में "फिट इण्डिया साइक्लाथॉन" के सातत्व से साईकिल रैली का आयोजन किया गया। इसमें परिसर से 2 कि. मी. तक का चक्कर लगाते हुए पुनः परिसर में वापस आये। इसका मुख्य उद्देश्य कम से कम पेट्रोल व डीजल पर निर्भर रहने पर बल दिया गया। रैली में प्राचार्य प्रो. विजय कुमार जैन एवं अन्य अध्यापकगण, कर्मचारी तथा छात्रों ने काफी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस रैली में नेहरू युवा केन्द्र, लखनऊ की संयोजिका सुश्री पुष्पा सिंह व उनकी टीम ने भाग लिया।

5. **मतदाता दिवस**- 25.1.2020। राष्ट्रिय सेवा योजना के स्वयं सेवकों तथा परिसरीय सदस्यों द्वारा दिनांक 25.1. 2020 को- भारत निर्वाचनआयोग द्वारा जारी शपथ पत्र को परिसर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को शपथ ग्रहण कराया गया।

दूरदर्शन लखनऊ में परिसर की प्रस्तुति-

लखनऊ दूरदर्शन में भारतीय एकता पर आधारित 'ए वतन है हमारा की प्रस्तुति'।

विशेष- वासंतिकस्वप्नम् नाट्य प्रस्तुति

इस वर्ष नाट्योत्सव में लखनऊ परिसर द्वारा मंचित 'वासंतिकस्वप्नम्' नाटक जिसका मूल लेखन शेक्सपीयर का है। मंचित नाटक का स्क्रिप्ट व तैयारी प्रो. धनीन्द्र कुमार झा ने की है। इस नाटक को तृतीय पुरस्कार मिला । सह-संयोजन- डॉ. विचित्ररंजन पण्डा, डॉ. रुद्रनारायण व डॉ. चन्द्रश्री ने किया।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त /उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना पत्र प्राप्त - 07

उत्तर प्रेषित - 07

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अपनी अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीव गाँधी केंद्रीय संस्कृत विद्ध्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरामन् के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मा.वि) राजीव गाँधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केंद्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड़ की लागत से किया गया। अभी मुख्य भवन का विस्तार, छात्रावास का विस्तार तथा क्रीडांगण निर्माण रु. 8.05 करोड़ की लागत से किया गया। जिस का उद्घाटन संस्थान के माननीय कुलपति जी के द्वारा किया गया है।

2. परिसर में वर्तमान सत्र

2019-20 में कुल 446 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है। यह परिसर, श्रद्धेय श्री जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी और आदरणीय पद्मश्री. डा. वी आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी, एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गाँधी परिसर शृंगेरी, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। जिनकी महान उदारता से हमारे परिसर के छात्र-छात्राओं को दोपहर का भोजन शारदा प्रसाद के रूप में उपलब्ध कराया जाता है।

3. परिसर की स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी., और शिवमोग्गा जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है। शिवमोग्गा (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

4. उपलब्ध पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए) शास्त्री (बी.ए) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात, विद्यावारिधी (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है।

साथ ही वास्तुशास्त्र के डिप्लोमा कोर्स एवं शास्त्री प्रतिष्ठा वर्ग का भी आरंभ किया गया है।

विविध परिषद एवं व्याख्यानमाला

छात्र–छात्राओं के शास्त्र कौशल, विविध शैक्षिक सांस्कृतिक प्रतिभा के विकास, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विविध परिषदों का गठन हुआ जिस में वाग्वर्धिनी परिषद, स्पर्धिष्णु परिषद, वाक्यार्थ परिषद और श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला प्रमुख हैं जिनका उद्घाटन कार्यक्रम 30 जुलाई 2019 को आचार्य रवीन्द्र मूले, दर्शन विभागाध्यक्ष, पुणे विश्वविद्यालय द्वारा संपन्न हुआ। जिस के विवरण अधोलिखित हैं

1. वाग्वर्धिनी परिषद– वाग्वर्धिनी परिषद का गठन छात्र-छात्राओं के संस्कृत संभाषण में प्रवीणता और शास्त्र में अध्ययन की निपुणता का अवलोकन करने के लिये किया जाता है। इससे उन्हें स्वतन्त्र रूप में चिन्तन मनन की प्रेरणा मिलती है। सत्र 2019 -2020 परिषद के समन्वयक के रूप में व्याकरण विभाग के डॉ. कृष्णानन्त पद्मनाभ एवं वेदान्त विभाग के डॉ.विश्वनाथ हेगड़े को दायित्व दिया गया है। श्री शरण्य पि. (आचार्य-II) एवं कु. सुजना वाल्ताजे (आचार्य-II) को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। प्रत्येक कक्षा प्रतिनिधि

को भी सहयोग हेतु लगाया है।

2. स्पर्धिष्णु परिषद – इस परिसर का गठन राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय स्तर की विविध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद की प्रतियोगिताओं में स्मृति, मेधा, विविध कलाओं एवं शारीरिक शक्ति के प्रशिक्षणार्थ छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। शैक्षिक सत्र 2019-2020 के लिए व्याकरण विभाग के श्री. अरुण भट्ट एवं वास्तुशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. रामानन्द भट्ट को मार्गदर्शक बनाया गया। आचार्य द्वितीय वर्ष के श्री गणेश, महेश, आचार्य प्रथम वर्ष की कुमारी. त्रिदला. ई.जि., शास्त्री तृतीय वर्ष के सुदर्शन एम.एस., को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। इस सत्र में विविध स्पर्धाओं का संचालन हुआ। बाह्य संस्थाओं की अनेक प्रतियोगिताओं में परिसर के श्रेष्ठ छात्रों को भेजा गया और परिसर ने विजय वैजयन्ती सहित विविध पुरस्कार अर्जित किये। जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

1. दिनांक 8 सितंबर 2019 को शिवमोग्गा नगर में तरुणोदय संस्कृत सेवा संस्था के द्वारा संस्कृत भारती द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में परिसर के छात्रों ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।
2. शृंगेरी के गौरी शंकर सभागार में दिनांक 23 सितंबर 2019 को आयोजित जेसिस् स्पर्धा में परिसर के छात्रों ने प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए।
3. 21 एवं 22 नवंबर 2029 मैसूर नगर की महाराज संस्कृत पाठशाला में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण एवं शलाका स्पर्धा में परिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण किया तथा 7 प्रथम पुरस्कार, 10 द्वितीय पुरस्कार एवं 9 तृतीय पुरस्कार के साथ विजय वैजयन्ती प्राप्त की।
4. दिनांक 24, 25 नवंबर 2019 को श्री राजराजेश्वरी संस्कृत महासंस्थानम् स्वर्णवल्ली द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय स्पर्धा में हमारे छात्रों ने सहभागिता कर 8 प्रथम पुरस्कार, 2 द्वितीय पुरस्कार और 4 तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए।
5. दिनांक 28 से 30 नवंबर 2019 तक आयोजित सत्रहवें कौमुदी महोत्सव में हमारे परिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।
6. 29 नवम्बर 2019 को जे.सी.बी.एम् कलाशाला में आयोजित कनिष्ठ स्तर की स्पर्धाओं में परिसर के प्राक्-शास्त्री कक्षा के छात्रों में भाग लेकर 3 स्पर्धाओं में प्रथम पुरस्कार, 2 स्पर्धाएं में द्वितीय पुरस्कार और एक स्पर्धा में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
7. दिनांक 9 से 12 जनवरी 2020 तक अगरतला स्थित एकलव्य परिसर में आयोजित राष्ट्र स्तर की शास्त्रीय प्रतियोगिता में परिसर के छात्रों ने सहभगिता कर तीन प्रथम पुरस्कार, दो द्वितीय पुरस्कार और दो तृतीय पुरस्कार एवं एक विशेष सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त कर परिसर की यशोवृद्धि की है।
8. तिरुपतिस्थ राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में 28 से 30 जनवरी 2020 तक आयोजित अखिल भारतीय प्रतिभा समारोह में परिसर छात्रों ने भाग ग्रहण करते हुए चार स्वर्ण पदक पाँच रजत पदक तीन कांस्य पदक और तीन सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किए।
9. दिनांक 7 से 10 फरवरी 2020 तक जगन्नाथ पुरी में आयोजित युवा महोत्सव में हमारे छात्रों ने सहभागिता ग्रहण कर चार प्रथम पुरस्कार, नौ द्वितीय पुरस्कार एवं छः तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर परिसर की यशोवृद्धि की है।

3. वाक्यार्थ परिषद– इसमें छात्रों, प्राध्यापकों एवं विद्वानों में शास्त्रीय तेजस्विता के प्रचार -प्रसार एवं संवर्धन हेतु विविध शास्त्रों के निष्णात प्राध्यापक, आचार्य अपने-अपने शास्त्र से सम्बन्धित परम्परागत शैली में वाक्यार्थ प्रस्तुत कर शास्त्र चर्चा करते हैं। इस शैक्षिक सत्र में डॉ. श्रीकर वी. को इस का समन्वयक बनाया गया। इस सत्र में हुए वाक्यार्थ परिषद के अधिवेशनों का विवरण निम्नलिखित है–

1. वाक्यार्थ परिषद का प्रथम अधिवेशन दिनांक 31 जुलाई 2019 को सम्पन्न हुआ जिस की अध्यक्षता व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. हरिनारायण तिवारी ने की। वाक्यार्थ कर्ता विद्वान एवं उनके विषय का विवरण निम्नवत है–

i. प्रो. हरिनारायण तिवारी – व्याकरण शास्त्र
ii. डॉ. नवीन होल्ला – न्याय शास्त्र
iii. प्रो. सूर्यनारायण भट्ट – मीमांसा शास्त्र
iv. डॉ.चन्द्रशेखर भट्ट – व्याकरण शास्त्र

2. वाक्यार्थ परिषद का द्वितीय अधिवेशन दिनांक 28 अगस्त 2019 को सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता डॉ. राघवेन्द्र भट्ट ने की। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है–

i. डॉ . राघवेन्द्र भट्ट – साहित्य शास्त्र

ii. डॉ. चन्द्रकला आर्. कोण्डि – साहित्य शास्त्र

iii. डॉ. विनय कुमार कोम्पेल्लि – साहित्य शास्त्र

iv. डॉ. निरंजन भट्ट - वेदान्त शास्त्र

3. वाक्यार्थ परिषद का तृतीय अधिवेशन दिनांक 18 सितंबर 2019 को सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता विद्वान डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट ने की। विद्वान एवं विषय विवरण इस प्रकार है –

i. डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट - वेदान्त शास्त्र

ii. डॉ. कृष्णानन्त पद्मनाभ - व्याकरण शास्त्र

iii. डॉ. वेंकटेश ताताचार्य - मीमांसा शास्त्र

iv. डॉ. प्रमोद भट्ट - व्याकरण शास्त्र

v. डॉ. अरुण भट्ट - व्याकरण शास्त्र

4. वाक्यार्थ परिषद का चतुर्थ अधिवेशन 15 अक्टूबर 2019 को परिसर प्राचार्य प्रो.ए.पि. सच्चिदानन्द की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है–

i. प्रो. ए.पि. सच्चिदानन्द – शिक्षाशास्त्र

ii. डॉ. गणेश टि. पण्डित – शिक्षाशास्त्र

iii. डॉ. आर. नवीन – न्याय शास्त्र

iv. डॉ. रामानन्द भट्ट – वास्तु शास्त्र

v. डॉ. प्रदीप शर्मा – ज्योतिष शास्त्र

5. वाक्यार्थ परिषद का पाँचवाँ अधिवेशन 19 नवम्बर 2019 को प्रो. का.ई.इ मधुसूदन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है –

i. प्रो. प्रो. का. ई. मधुसूदन - न्याय शास्त्र

ii. डॉ. सुधांशु कुमार नन्द - ज्योतिष शास्त्र

iii. डॉ. पि. अरविन्द कुमार - शिक्षाशास्त्र

iv. डॉ. श्रीकर. वी – साहित्य शास्त्र

v. डॉ. मुरली कृष्णा – ज्योतिष शास्त्र

6. वाक्यार्थ परिषद का षष्ठ अधिवेशन 24 जनवरी 2020 को संपन्न हुआ। जिस की अध्यक्षता प्रो. सुब्राय वि. भट्ट ने की। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है –

i. प्रो. सुब्राय वि. भट्ट - मीमांसा शास्त्र

ii. डॉ. रतन कुमार पाण्डेय – ज्योतिष शास्त्र

iii. डॉ. नारायण वैद्य – शिक्षाशास्त्र

iv. डॉ. दयानिधि शर्मा – शिक्षाशास्त्र

7. वाक्यार्थ परिषद का सातवाँ अधिवेशन 19 फरवरी 2020 को डॉ. चन्द्रकांत भट्ट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विद्वान एवं विषय इस प्रकार है –

i. डॉ. चन्द्रकांत – शिक्षाशास्त्र

ii. डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी – शिक्षाशास्त्र

iii. प्रो. गौरांग बाघ – शिक्षाशास्त्र

iv. डॉ. श्यामसुन्दर ए. – न्याय शास्त्र

v. डॉ. श्रीनिवास मूर्ति – साहित्य शास्त्र

vi. डॉ. विश्वनाथ हेगड़े – वेदान्त शास्त्र

4. श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यान माला :– इस शैक्षिक सत्र में श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के समन्वयक का दायित्व डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट एवं डॉ. नारायण वैद्य को दिया गया। जिसका विवरण इस प्रकार है –

i. प्रथम व्याख्यान माला का उद्घाटन दिनांक 30 जुलाई 2019 को हुआ, जिसमें पुणे विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. रवीन्द्र मूले द्वारा मीमांसा शास्त्र पर व्याख्यान दिया गया।

ii. द्वितीय व्याख्यान दिनांक 27 अगस्त 2019 सम्पन्न हुआ। इसमें श्री माता संस्कृत महाविद्यालय के डॉ. के.सि. नागेश द्वारा ज्यौतिष शास्त्र विषय में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

iii. व्याख्यानमाला का तृतीय व्याख्यान दिनांक 25 सितम्बर 2019 को सम्पन्न हुआ जिसमें श्रीमध्व सिद्धान्त प्रबोधिनी संस्कृत महापाठशाला के प्राचार्य महोदय द्वारा व्याख्यान दिया गया।

iv. चतुर्थ व्याख्यान दिनांक 17 जनवरी 2020 को सम्पन्न हुआ जिसमें जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के पूर्व कुलपति प्रो. गंगाधर पण्डा द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

v. पाँचवाँ व्याख्यान दिनांक 30 जनवरी 2020 को सम्पन्न हुआ। इसमें प्रयागराज स्थित गंगानाथ झा परिसर के व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी द्वारा न्याय शास्त्र विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

vi. शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला का छठा व्याख्यान दिनांक

13 फरवरी 2020 को वेदान्त शास्त्र विषय पर सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में संस्कृत महाविद्यालय चेन्नई के प्राचार्य प्रो कृष्णमूर्ति शास्त्री द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

परिसरीय अन्य गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम–

i. 21 जून 2019 को परिसर में अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। उस अवसर पर प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में डॉ. हरिप्रसाद ने विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में परिसर के न्याय विभाग के डॉ. नवीन होल्ला ने "अधीतिसिद्धौ योगस्य पात्रम्" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

ii. **स्वतन्त्रता दिवस** - 15 आगस्त 2019 को स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में झंडा रोहण परिसर प्राचार्य प्रो. ए.पी.सच्चिदानन्द जी द्वारा किया गया। प्राचार्य की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई। इस अवसर पर कई प्राध्यापकों एवं छात्रों ने अपने विचार सभा में प्रस्तुत किए। राष्ट्रप्रेम से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्तम रीति से छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजकत्व का दायित्व डॉ. हरिप्रसाद और श्री. रामचन्द्र. एच.डी को दिया गया।

iii. **संस्कृत उत्सव:–** परिसर में दिनांक 16 एवं 17 अगस्त 2019 को संस्कृत उत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इस का उद्घाटन परमश्रद्धेय जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी के करकमलों द्वारा एवं जगद्गुरू श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी के दिव्य सान्निध्य में हुआ। दोनों जगद्गुरुओं के चरण-कमलों एवं उनके अनुग्रह भाषण से परिसर धन्य हो गया। इस उपलक्ष्य में परिसरीय प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा विविध स्पर्धाओं संभाषण शिविरों का आयोजन हुआ। सभी विद्यालयों में संस्कृत भाषा के व्याख्यान आयोजित कर संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को गति प्रदान की गई और विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाहूत भुवनेन्द्र प्रौढशाला के प्रो. श्रीधर महोदय ने छात्रों का उद्बोधन किया कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. सुब्राय वि.भट्ट एवं डॉ. गणेश टि. पण्डित ने किया।

iv. **शिक्षक दिवस**- 5 सितम्बर 2019 को परिसर में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में परिसर के प्राचार्य महोदय ने श्री मध्वसिद्धान्त प्रबोधिनी संस्कृत पाठशाला उडुपि के आचार्य श्री हरिप्रसाद एवं अभिनव विद्यातीर्थ प्रौढशाला के प्राध्यापक टि.आ.कृष्णमूर्ति को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. राघवेन्द्र भट्ट एवं डॉ. वेंकटरमण भट्ट ने किया।

v. **जलशक्ति अभियान कार्यक्रम**- 5 सितम्बर 2019 को परिसर में जल शक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान श्री के. सुब्रह्मण्य मंजा ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

vi. **हिन्दी दिवस**- परिसर में 14 सितम्बर 2019 को हिन्दी दिवस कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर जे.सि.बि. एम कलाशाला की हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती ज्योति काकत्कर महोदया ने हिन्दी भाषा के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डाला। प्रो. हरिनारायण तिवारी एवं श्रीमती बबीता बहुगुणा ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

vii. **स्वच्छ भारत सप्ताह कार्यक्रम**- इस सत्र में 01-10-2019 से 07-10-2019 तक स्वच्छ भारत सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। डॉ. श्रीकर. जि.एन एवं डॉ. प्रसाद भट्ट ने कार्यक्रम का संयोजन किया। गणों में समूह बनाकर छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता सप्ताह में भाग लिया।

viii. **राष्ट्रीय एकता दिवस**- परिसर में 31 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में तोरेहड्लु विद्यालय के अध्यापक श्री गुरुमूर्ति सम्पेगोडु मुख्य अतिथि थे। परिसर में इस दौरान प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने शपथ ग्रहण की। डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट और श्रीमान रवीश एन् भट्ट ने कार्यक्रम का संचालन किया।

ix. **कन्नड़ राज्योत्सव–** परिसर में दिनांक 01 नवम्बर 2019 को कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रमेश बेगार ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट एवं डॉ. कविता ने किया।

x. **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस–** 11 नवम्बर 2019 को परिसर

में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो हरिनारायण तिवारी थे। इस अवसर पर कम्मारडी कलाशाला के प्राध्यापक श्री कृष्णमूर्ति हेगड़े ने शिक्षा विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नारायण वैद्य ने किया। इस कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. चन्द्रकान्त एवं धन्यवाद भाषण डॉ. दयानिधि शर्मा ने किया।

xi. **संविधान दिवस–** बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम– दिनांक 27 नवम्बर 2019 को परिसर में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष शृंगेरी न्यायालय के न्यायाधीश श्री. सूर्यनारायण थे। अनेक विधिवेत्ताओं ने इस कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट किये। डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट ने कार्यक्रम का संचालन किया।

xii. **गणतंत्र दिवस**- 26 जनवरी 2020 को परिसर में गणतंत्र दिवस का आचरण किया गया। परिसर प्राचार्य प्रो. ए.पि.सच्चिदानन्द ने प्रातः 8.30 बजे ध्वजारोहण किया। इसके उपरान्त सभागार में छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय भावों से परिपूर्ण होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. विनय कुमार कोप्पेल्ली ने किया।

xii. **मातृभाषा दिवस**- परिसर में 21 फरवरी 2020 को मातृभाषा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया था। डा. रामचन्द्रुल बालाजी इस कार्यक्रम के संयोजक थे।

xiv. **राष्ट्रीय संगोष्ठी–** परिसर में 27 एवं 28 जनवरी 2020 को मीमांसा विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक प्रो. सुब्राय वि. भट्ट एवं प्रो. सूर्यनारायण भट्ट थे। दिनांक 12 एवं 13 मार्च 2020 को शिक्षा विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके संयोजक डा. रामचन्द्रुल बालाजी एवं डॉ. नारायण वैद्य थे। दोनों संगोष्ठियों में 30 से अधिक विद्वानों एवं शोध छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण कर शोधपत्र वाचन किया।

xv. **आय-व्यय विवरण**- वित्तीय साल में 01-04-2019 से 31-03-2020 तक रु 81475300 को इस संस्थान की वार्षिक आय - व्यय स्वीकृत किया गया है। स्वीकृत की गयी राशि में परिसर का कुल आय- व्यय पूर्व राशि के साथ व्यय रु. 8024553.48 है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम– 2005 के अन्तर्गत 2019-20 में प्राप्त/उत्तरित

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	– 01
उत्तर प्रेषित	– 01

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भारतीय संसद के अधिनियम के द्वारा स्थापित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का वेदव्यास परिसर, जो कि पूर्व में नई दिल्ली के परिसर के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक 16.09.1997 को स्थापित हुआ है। वर्तमान में यह परिसर बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में संचालित है।

वेदव्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) उपाधि के लिए शोध भी उपलब्ध है। वर्तमान में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावनाएँ हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी, बगुलामुखी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :- परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्षता	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	+2 बारहवीं	व्याकरण/ साहित्य/ फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	व्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम. ए.	व्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त	-
4.	विद्यावारिधि		पी.एच.डी.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/ अद्वैत वेदान्त/ शिक्षाशास्त्र	-

5.	शिक्षा-शास्त्री 2 वर्ष	बी. एड.	संस्कृत शिक्षण, हिन्दी शिक्षण/अंग्रेजी शिक्षण/ सामाजिक विज्ञान शिक्षण

3.2 दूरस्थ पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	–
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–

4. अन्य गतिविधियाँ -

(क) परिसरीय पाठ्येतर कार्यक्रम-

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21.06.2019)

परिसर में प्राचार्य की अध्यक्षता में अध्यापकों व कर्मचारियों ने मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् ने किया। स्थानीय योग विशेषज्ञ श्री बलवीर सिंह पटियाल जी ने योग का महत्त्व बताया तथा योगासन व क्रियाओं का प्रयोग कराया तथा प्रो. विजयपाल शास्त्री ने सैद्धान्तिक पक्ष का प्रतिपादन किया।

संस्कृत सम्भाषण शिविर (04.8.2019 से 13.08. 2019)

परिसर में नये प्रविष्ट छात्रों में संस्कृत सम्भाषणाभ्यास के लिए तीन समूहों में (प्राक्शास्त्री प्रथम, शास्त्री प्रथम, आचार्य प्रथम एवं शिक्षाशास्त्री प्रथम) उक्त कार्यक्रम संचालित किया गया।

परिसर तथा परिसरीय गतिविधियों का परिचयात्मक एवं प्रेरणात्मक गोष्ठी (07.08.2019)

भावव्यक्तीकरण सभी प्रकार के विकास के लिये अनिवार्य साधन है। छात्रों में इस प्रवृत्ति को जगाने तथा विकसित करने हेतु वाग्वर्धिनी एवं अन्य परिषदों/क्लब का आयोजन किया जाता है। इस सत्र के परिषदों का औपचारिक उद्घाटन किया गया जैसे वाग्वर्धिनी परिषद्, व्याकरण परिषद्, साहित्य परिषद्, अद्वैतवेदान्त परिषद्, ज्यौतिष परिषद्, शिक्षाशास्त्र परिषद्, आधुनिक विषय परिषद्, संगणक मंच, पर्यावरण मंच, कलारञ्जनी मंच, संस्कृत प्रचार मंच, महिलाकेन्द्र, छात्रपरामर्श केन्द्र, स्वास्थ्य मंच, क्रीडापरिषद्, राष्ट्रिय सेवा योजना आदि। नव प्रविष्ट छात्रों के समक्ष इस अवसर पर सभी विभागों का परिचय तत्तद् विभागाध्यक्ष प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्रों का शिक्षण अभ्यास (08.08.2019 से 07.12.2019 तक)

यह कार्यक्रम निकटस्थ हि.प्र. शासकीय विद्यालयों में सम्पन्न हुआ।

संस्कृत सप्ताह (13.08.2019 - 19.08.2019)

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 13.08.2019 से 19.08. 2019 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। ग्राम मसोट को संस्कृत ग्राम बनाने हेतु प्रयास प्रारम्भ हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भगवान सामन्तराय थे।

स्वतन्त्रता दिवस (15.8.2019)

परिसर में स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15.08.2018 को "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" के अन्तर्गत बेटियों को सम्मान देने के उद्देश्य से कुमारी कीर्ति (साहित्याचार्य द्वितीय वर्ष) एवं कुमारी रेणु (व्याकरणाचार्य द्वितीय वर्ष)के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

स्वतन्त्रता पखवाड़ा (15.8.2019-30.08.2019)

स्वतन्त्रता पखवाड़ा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शिक्षक दिवस (05.09.2019)

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया। छात्रों द्वारा यह कार्यक्रम डॉ. पुरूषोत्तम के मार्गदर्शन में सम्पन्न कराया गया।

हिन्दी पखवाड़ा (13.09.2019 से 27.09.2019)

भारत सरकार के प्रयासों एवं निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा 13.09.2019 से 27.09.2019 तक मनाया गया। इस दौरान छात्रों के लिए भाषण, निबंध लेखन, कविता पाठ, कार्टून रचना तथा पेंटिग इत्यादि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। हिन्दी भाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन स्वरुप कार्यालय कर्मचारियों को नगद प्रोत्साहन राशि दी गयी। समापन कार्यक्रम में डॉ. उज्ज्वल राठौर तथा डॉ. मञ्जू राजकीय महाविद्यालय ढलियारा से विशिष्टातिथि एवं श्री आर.एस. डोगरा वनमण्डलाधिकारी, देहरा, मुख्यातिथि के रूप में सम्मिलत हुए। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रीति शर्मा ने किया।

स्थापना दिवस (16.09.2019)

परिसर का इक्कीसवां स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16.09.2019 को मनाया गया । इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी। इस उपलक्ष्य में "परिसर विकास" विषय पर परिसरीय सदस्यों का अन्त: क्रियात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसका संयोजन डॉ. पुरूषोत्तम ने किया।

स्वच्छता पखवाड़ा (02.10.2019 से)

दिनांक 02.10.2019 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर "स्वच्छता ही सेवा एवं फिट भारत" अभियान के तहत परिसर से निकटस्थ ग्राम तक दौड़ का आयोजन किया गया तथा वहां स्वच्छता कार्य किया गया। इसका संयोजन डॉ. संजय कुमार (सहा. निदेशक, शा.शि.) ने किया तथा इसमें अध्यापकों में डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, डा. रामनारायण ठाकुर, श्री अमित वालिया, डॉ. राजन मिश्र तथा कार्यालय से श्रीमती अनुराधा (अनुभागाधिकारी) श्रीमती अंजू गोस्वामी, श्री जगदीश कुमार तथा अन्य कर्मचारी एवं छात्रों ने भाग लिया। उसी दिन से स्वच्छ भारत बनाने का संकल्प लिया तथा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

एकता दिवस- (31.10.2019)

यह कार्यक्रम डॉ. पी.वी.बी सुब्रह्मण्यम् के संयोजन में सम्पन्न हुआ जिसमें सभी छात्र एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह- (31.10.2019 से 05. 11.2019)

दिनांक 31.10.2019 से 05.11.2019 तक परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके अन्तर्गत परिसर के सभी सदस्यों ने मिलकर भ्रष्टाचार उन्मूलन सम्बद्ध प्रतिज्ञा को दोहराया।

बचत जागरूकता कार्यक्रम- (05.11.2019)

नजदीकी बैंक के सहयोग से छात्रों में बचत प्रवृत्ति को बढावा देने के लिए उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस- (15.11.2019)

परिसरीय शिक्षाशास्त्री छात्रों की सहभागिता में यह कार्यक्रम डॉ. कृष्णानन्द दन्नाना के द्वारा समन्वित किया गया।

राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा (23.11.2019-24.11.2019)

अखिल भारतीय स्पर्धाओं हेतु हिमाचल प्रदेश के प्रतिभागियों का चयन करने के लिए राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पी. वी.बी. सुब्रह्मण्यम् तथा सह-संयोजक डॉ. भगवान सामन्तराय थे।

युवा प्रेरणा पखवाड़ा- (13.01.2020-30.01.2020)

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती से लेकर गांधीजी के निर्वाण दिवस पर्यन्त यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसके मध्य स्वामी विवेकानन्द तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकरजी की प्रेरणाओं को छात्रों में प्रसारित किया गया। "रामधुन" एवं "वैष्णवजन तो" का सामूहिक गान तथा परिसर स्वच्छता गतिविधि सम्पन्न हुए । कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपकुमार ने किया।

गणतन्त्र दिवस- (26.01.2020)

परिसर में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" अभियान के तहत बेटियों को सम्मान देने के उद्देश्य से परिसर की छात्राओं कु. शकुन्तला महापात्र (शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष) तथा कु. पूजा देवी (वेदान्ताचार्य द्वितीय वर्ष) के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया एवं कई देशभक्तिपरक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा (29.01.2020-01.02.2020)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलोहा में सम्पन्न हुई। बाह्य परीक्षक प्रो.सुरेन्द्र झा (लखनऊ) आन्तरिक परीक्षक प्रो. सोमनाथ साहू (शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष) तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ.पुरूषोत्तम थे।

नशा निवारण जागरूकता अभियान गोष्ठी- (11.02.2020)

परिसर में छात्रों को नशा निवारण हेतु समाज को जागरूक करने के लिए परिसर प्राचार्य ने प्रेरित किया।

मातृभाषा दिवस - (22.02.2020)

भाषा विविधता तथा बहुभाषावाद को संसाधन के रूप में प्रयोग करने की प्रेरणा देते हुए सभी भाषाओं का समादर भाव जागृत करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें परिसर के विभिन्न भाषा-भाषी छात्रों एवं अध्यापकों ने अपनी-अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हुए विशिष्टता प्रकट की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् थे ।

ख) राष्ट्रीय कार्यक्रम-

राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ -

दिनांक	विभाग	अतिथिगण/संसाधक	संयोजक
24.01.2020 से 25.01.2020	व्याकरण	प्रो. धनीन्द्र झा, प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. अशोक चन्द्र गौड़ शास्त्री	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्
27.02.2020 से 29.02.2020	साहित्य तथा राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली	राष्ट्रीय संगोष्ठी-नाटयशास्त्रस्य वाचनानिर्धारणम् प्रो.प्रतापानन्द झा, निदेशक राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली प्रो. एस. रामरत्नम्, कुलपति जगद्गुरुकृपालु विश्वविद्यालय, ओडिशा प्रो. सदशिव द्विवेदी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी डॉ. श्वेता प्रजापति, निदेशिका, प्राच्यविद्या संस्थान, म.शि विश्वविद्यालय बडोदरा गुजरात प्रो.दीप्ति भल्ला, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली प्रो. मनसुख मोलिया, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट श्रीमती समुद्यता भट्ट एवं श्रीमती समन्विता भट्ट, बेंगलूरु	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति
05.03.2020 से 06.03.2020	शिक्षा-शास्त्र	प्रो. मुरलीधर शर्मा, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, प्रो. वाई.एस.रमेश, जयपुर, प्रो. मदन मोहन झा, जम्मू	प्रो. सोमनाथ साहू

(ग) विस्तार कार्यक्रम-

संस्कृत सम्भाषण शिविर

परिसर के संस्कृत प्रचार मंच की ओर से संस्कृत सप्ताह के दौरान आस-पास के गाँवों में 32 सम्भाषण शिविरों का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम

गतवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिसमें कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् के मार्गदर्शन में परिसरीय छात्रों ने स्वयं सेवकों के रूप में अपना योगदान दिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान

भारत सरकार के आदेशानुसार परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के द्वारा उक्त कार्यक्रम हेतु केरल के आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बालिशेरी से सम्पर्क स्थापित किया गया।

शिक्षाशास्त्र परिषद कार्यक्रम

सामाजिक सद्भावना शोभा यात्रा एवं वीथी नाटक

शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों ने 08.02.2020 को संस्कृत ग्राम मसोट, में सामाजिक सद्भावना शोभा-यात्रा एवं वीथीनाटक प्रस्तुत किये। इसके दौरान नशामुक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सामाजिक अन्धविश्वास विषय पर लघु नाटक प्रस्तुत किये गए।

अन्य सहभागितायें

प्रागपुर में राज्यस्तरीय लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेला में सहभागिता।

(घ) शोध गतिविधियाँ-

षाण्मासिक स्थानीय शोध संगोष्ठी

षाण्मासिक स्थानीय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्रजी ने भाग लिया।

प्रथम - 17.08.2019 एवं 18.08.2019

द्वितीय - 18.01.2020 एवं 19.01.2020

(ङ) व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम एवं छात्र सुविधाएँ-

(क) शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं काल में चलाए जाते हैं। हर एक गतिविधि के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं।

सोमवार एवं मंगलवार -

विभागशः शास्त्र प्रबोधन कार्य एवं परामर्श।

बुधवार -

वाग्वर्धिनी परिषद् द्वारा शास्त्रीय भाषण का अभ्यास।

प्रथम एवं तृतीय बुधवार -विभागशः (शास्त्रीय)

द्वितीय एवं चतुर्थ बुधवार-

सभी आचार्य कक्षाओं का सामूहिक

आधुनिक विषय कक्षावार (प्रा.शा., शास्त्री)

गुरुवार एवं शुक्रवार -

स्वास्थ्य क्लब, पर्यावरण क्लब, मीडिया क्लब,

संस्कृत प्रचार मञ्च, कलारञ्जनी, छात्र परामर्श

केन्द्र के कार्यक्रम।

प्रत्येक गुरुवार -

प्रथम एवं तृतीय गुरूवार - शोध परिषद्

द्वितीय एवं चुतर्थ गुरूवार - शिक्षक परिषद्

छात्रावास -

किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है।

(1) पुरुष छात्रावास, बलाहर में 88 छात्र,

अधिष्ठाता- डॉ. पुरुषोत्तम,

सह-अधिष्ठाता- श्री. पीयूष कुमार त्रिपाठी

(2) महिला छात्रावास, नगरोटा में 96 छात्राएँ,

अधिष्ठात्री- डॉ. प्रतिज्ञा आर्या,

सह-अधिष्ठात्री -सुश्री. के.मनोज्ञा

परिसरीय बस व्यवस्था -

प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली,

प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक

डॉ. संजय कुमार के पर्यवेक्षण में होता है।

अन्नपूर्णा मन्दिर-कैन्टीन -

"अन्नपूर्णा मन्दिर"-कैण्टीन में अध्ययनार्थी छात्रों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन न्यून मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

(च) छात्र सहभागिता/उपलब्धियाँ

सप्तम दीक्षान्त समारोह में भाग ग्रहण (23.08.2019)

संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित सप्तम दीक्षान्त समारोह में परिसर के 93 छात्रों ने भाग लिया मार्गदर्शन डॉ. मनोज श्रीमाल एवं डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता (14-15.09.2019)

नालागढ़, सोलन में आयोजित राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता में परिसर के 06 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। छात्रों का मार्गदर्शन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

लघुसिद्धान्तकौमुदी कार्यशाला (11.09.2019 से 01.10.2019)

चेन्नई में आयोजित कार्यशाला में 13 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। डॉ. वैथी सुब्रह्मण्यन् मार्गदर्शक रहे।

विश्व संस्कृत सम्मेलन (09-11.11.2019)

दिल्ली में आयोजित विश्व संस्कृत सम्मेलन में 24 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। डॉ. पुरुषोत्तम मार्गदर्शक रहे।

राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता (09-12.11.2019)

जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में परिसर के 02 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। छात्रों का मार्गदर्शन डॉ. संजय कुमार ने किया।

अखिल भारतीय अन्तः विश्वविद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता (14-18.11.2019)

परिसर के 03 छात्रों ने भाग लिया। डॉ. गोपाल वर्मा मार्गदर्शक रहे।

राज्यस्तरीय शंतरज प्रतियोगिता (23-25.11.2019)

ठियोग, शिमला में आयोजित स्पर्धा में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र सलिल ने भाग ग्रहण किया।

वसन्तोत्सव-नाट्य प्रतियोगिता (30.11.2019 से 02.12.2019)

संस्थान के द्वारा अगरतला परिसर में आयोजित वसन्तोत्सव नाट्य प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों द्वारा 'आषाढस्य एको दिवसः' नाटक की प्रस्तुति की गई जिसकी सभी ने सराहना की। नाटक को सर्वश्रेष्ठ संगीत पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके निर्देशक श्री विनोद शर्मा एवं मार्गदर्शक डॉ. मनोज श्रीमाल एवं डॉ. पुरूषोत्तम थे।

अगरतला में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा (09-12.01.2020)

परिसर सहित हि.प्र.राज्य के 17 छात्रों का भाग ग्रहण। डॉ. राजन मिश्र मार्गदर्शक रहे।

तिरूपति में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह (27-31.01.2020)

परिसर के 12 छात्रों ने भाग लिया। कु. के. मनोज्ञा मार्गदर्शिका रहीं।

राष्ट्रीय स्तरीय महिला खो-खो प्रतिस्पर्धा

झारखण्ड में आयोजित इस स्पर्धा में हिमाचल की टीम में परिसर की छात्रा कुमारी मोनिका ने भाग लिया। मार्गदर्शन डॉ. भगवान सामन्तराय ने किया।

भजन प्रतियोगिता-देहरा, हिमाचल प्रदेश (02.02.2020)

राधाकृष्ण मन्दिर देहरा में आयोजित कमलावती सूद मैमोरियल भजन प्रतियोगिता में 07 छात्रों ने भाग लिया तथा विजयवैजयन्ती प्राप्त की। डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी एवं श्री अमित वालिया ने मार्गदर्शन किया।

युव महोत्सव-पुरी, ओडिशा (07-10.02.2020)

संस्थान द्वारा सदाशिव परिसर, पुरी में आयोजित अन्तः परिसरीय युव-महोत्सव में 48 छात्रों ने भाग लिया। मार्गदर्शक डॉ. भगवान सामन्तराय, डॉ. संजय कुमार, डॉ. गोपाल वर्मा, श्रीमती स्वागना रहे।

संस्कृत प्रतियोगिता-होशियारपुर, पंजाब (13.03.2020)

साधु आश्रम होशियारपुर द्वारा आयोजित संस्कृत प्रतियोगिता में 08 छात्रों ने भाग लिया तथा प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में चलवैजयन्ती प्राप्त किया।

(छ) विभिन्न परिषद कार्यक्रम

आन्तरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ (I.Q.A.C.)

मुख्यालय के निर्देशानुसार प्राचार्य , प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता में आन्तरिक गुणवता प्रत्यायन प्रकोष्ठ

का गठन हुआ। यह प्रकोष्ठ इस वर्ष भी परिसर में गुणवत्ता सुधार लाने हेतु सक्रिय है।

1. प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्राचार्य – अध्यक्ष
2. श्री हरीश गुलेरी, पूर्व डी.ई.ओ. (हि.प्र.) – बाह्य सदस्य
3. श्री कुलदीप सिंह, मसोट (सेवानिवृत्त, उ.पु.अ., पंजाब पुलिस) – बाह्य सदस्य
4. डॉ. भगवान सामन्तराय, सहायकाचार्य – सदस्य
5. डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, सहायकाचार्य – सदस्य
6. डॉ. संजय कुमार, सहायक निदेशक – सदस्य
7. डॉ. मनीष जुगरान, सहायकाचार्य – सदस्य
8. डॉ. प्रीती शर्मा, अनुबन्धित प्राध्यापिका – सदस्य
9. डॉ. पुरूषोत्तम, अनुबन्धित प्राध्यापक – सदस्य
10. श्रीमती अनुराधा, अनुभागाधिकारी – सदस्य
11. श्री विक्रमजीत, प्रोफेशनल सहा. पुस्तकालय – सदस्य
12. श्री जगदीश कुमार, वरिष्ठ लिपिक – सदस्य
13. श्री अतुल शर्मा – सदस्य (पूर्व छात्र)
14. डॉ. पी.वी.बी.सुब्रह्मण्यम्, सहाचार्य – संयोजक
15. श्री प्रमोद कुमार, ग्रुप 'सी' तदर्थ – कार्यालय सहयोग

5. भावी लक्ष्य एवं योजनाएँ-

1. वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश तथा समीपवर्ती राज्यों में उत्तम संस्कृत शिक्षा केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठापित होने की दिशा में अग्रसर रहेगा।
2. स्थानीय भाषाओं, लोककलाओं एवं संस्कृति का संस्कृत-भाषा के परिप्रेक्ष्य में अन्तः शास्त्रीय अध्ययन के लिए परियोजनाएँ परिकल्पित की जाएँगी।
3. दूरस्थ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षादि केन्द्रों के द्वारा स्थानीय लोगों में संस्कृत भाषा के व्यावहारिक प्रयोग के लिए व्यापक प्रचार किया जाएगा।
4. संस्कृत शिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं उत्तम चारित्रिक प्रेरणा द्वारा छात्रों को मानवीय गुणों से युक्त समाजोपयोगी उत्तम नागरिक के रूप में विकसित किया जाएगा।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 00

उत्तर प्रेषित – 00

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

परिसर परिचय

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अत: यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डा. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्सन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा. सं. सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्राय: दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह की घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकत-उल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्वज्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। तत्पश्चात् परिसर के विकास के लिए तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह के करकमलों से दिनांक 19 सितम्बर 2005 को शैक्षिक एवं प्रशासनिक मुख्य भवन का शिलान्यास सम्पन्न हुआ था।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन तथा आधुनिक विभाग सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में निरौपचारिक रूप से 'मुक्तस्वाध्यायपीठ' सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें अभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।
- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और 'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त

सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने लिए स्थान उपलब्ध होता है।

- 'नाट्य अनुसन्धान केन्द्र' भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

इस प्रकार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास के लक्ष्य के साथ प्रयासरत है।

1. उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	**उपलब्ध पाठ्यक्रम**
1.	प्राक्शास्त्री (+2)
2.	शास्त्री (बी.ए.)
3.	आचार्य (एम.ए.)
4.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)
5.	शिक्षाचार्य (एम.एड.)
6.	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)

2. अन्य क्रियाकलाप / समारोह / कार्यशालाओं पूर्ण विवरण

2.1 अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में दिनांक 21 जून 2019 को योग दिवस मनाया गया। योग दिवस के उपलक्ष्य में योग के आचार्य श्री रत्नेश पाण्डेय जी द्वारा 'योग एव उनकी उपयोगिता' पर प्रकाश डाला गया। परिसर के प्राचार्य जी ने इस विषय पर अपना विशेष वक्तव्य प्रदान किया। परिसर के प्राचार्य, अध्यापक एवं छात्रों ने योगदिवस के उपलक्ष्य में सम्मिलित रूप से योगासन में भाग लिया। आयोजन का समन्वयन श्री प्रताप शास्त्री जी द्वारा किया गया।

2.2 प्रो. प्रभादेवी चौधरी जी का विदाई समारोह- भोपाल परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. प्रभादेवी चौधरी जी का विदाई समारोह दिनांक 31 जुलाई 2019 को किया गया। जिसमें भोपाल परिसर के प्राचार्य जी द्वारा श्रीफल, शाल, स्मृति चिन्ह इत्यादि देकर सम्मान किया गया।

2.3. पद्मश्री चमूकृष्ण शास्त्री जी का व्याख्यान- दिनांक 02 अगस्त 2019 को पद्मश्री चमूकृष्ण शास्त्री जी का 'संस्कृत कक्ष्या संवर्धनम्' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसके अन्तर्गत छात्र-अध्यापक की कक्षा में संस्कृत माध्यम से संवाद पर एवं अध्यापन संस्कृत माध्यम से हो इस पर विशिष्ट चर्चा हुई।

2.4. संस्कृत सप्ताह महोत्सव- दिनांक 13 अगस्त 2019 से 19 अगस्त 2019 तक संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय शिक्षा के निदेशक डॉ. के.के.पाण्डेय, भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. विद्यानन्द झा, श्री दिनेश कामत, संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री, प्रो. रामलखन मिश्र, राँची विश्वविद्यालय एवं डॉ. विनायक पाण्डेय जी विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यमान थे। आचार्य प्रकाश पाण्डेय जी ने हेमाद्रि संकल्प वाचन में पुरस्कृत छात्र को प्रोत्साहित किया। संस्थान द्वारा छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें भोपाल के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं पुरस्कार प्राप्त किया।

2.5. स्वतन्त्रता दिवस समारोह- 15 अगस्त 2019 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर के प्राचार्य जी द्वारा परिसर झण्डोत्तोलन किया गया। जिसमें प्राचार्य जी का उद्बोधन एवं छात्रों द्वारा राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया।

2.6. केन्द्रीय विद्यालय पाठ्यचर्या कार्यक्रम- केन्द्रीय विद्याल के अध्यापकों के लिए दिनांक 19 अगस्त 2019 से 23 अगस्त 2019 तक पाठ्यचर्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तो से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. सोमनाथ साहू के समन्वयन में एवं प्राचार्य जी के नेतृत्व में कार्य का सम्पादन हुआ जिसमें एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कृष्णा त्रिपाठी एवं यतीन्द्र मोहन मिश्र उपस्थित हुए।

2.7. स्वच्छता पखवाड़ा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर द्वारा दिनांक 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2019 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत जल संरक्षण अभियान चलाया गया। प्लास्टिक

मुक्त भारत एवं जल संरक्षण के लिए रैली निकाली गई जिसमें प्रो. जे. भानुमूर्ति, प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. हंसधर झा, डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी, डॉ. अर्चना दूबे एवं अन्य अध्यापक और परिसर के छात्र-छात्राओं ने अपना विशिष्ट योगदान दिया। इस क्रम में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यथा-चित्र-निर्माण, भाषण-प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अशोक कछवाह एवं विवेक सिंह जी थे।

2.8. हिन्दी पखवाड़ा- भोपाल परिसर द्वारा हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 15 सितम्बर 2019 से 29 सितम्बर 2019 तक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आए प्रो. रमेश दबे एवं प्रो. आनन्द कुमार सिंह जी द्वारा विशिष्ट व्याख्यान दिया गया। इस क्रम में गीत प्रतियोगिता, हिन्दी काव्य गोष्ठी, भाषण-प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अर्चना दूबे थीं जो स्वयं आधुनिक विभाग की विभागाध्यक्षा भी हैं।

2.9. वार्षिक प्रतियोगिताएँ- परिसर स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 22 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2019 तक किया गया। परिसर प्राचार्य जी के निर्देशन एवं आचार्य सनन्दन कुमार त्रिपाठी जी के समन्वयन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रश्नमञ्च, वाद-विवाद, भाषण, एकलसंगीत इत्यादि कई प्रतियोगिताएँ सम्मिलित थीं।

2.10. राष्ट्रीय एकता दिवस- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटैल जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में एकता दिवस का आयोजन 31 अक्टूबर 2019 को किया गया। जिसके अन्तर्गत 'रन फॉर यूनिटी' एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में 'भारत की अखण्डता में सरदार वल्लभ भाई पटैल का योगदान' पर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस क्रम में प्रो. रामेश्वर मिश्र जी का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ एवं प्राचार्य प्रकाश पाण्डेय जी के नेतृत्व में सम्पूर्ण कार्यक्रम का समापन हुआ। परिसर के अध्यापक एवं कार्यालयीय कर्मचारी द्वारा विशेष योगदान इस कार्यक्रम में दिया गया।

2.11. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाएँ- विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर द्वारा राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में मुख्य चयनकर्ता के रूप में परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र, प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी उपस्थित हुए जिनेक नेतृत्व में कार्य सम्पादित हुआ। विभिन्न प्रतियोगिता यथा- भाषण, श्लोक कण्ठपाठ, प्रश्नमञ्च, वाद-विवाद, काव्यकण्ठ पाठ, शलाका, चित्र निर्माण आदि का आयोजन हुआ। इसमें ज्योतिष, व्याकरण, साहित्य विषय में छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं लिए किया गया।

2.12. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस- 11 नवम्बर 2019 को अब्दुल कलाम आजाद जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें 'भारत के उत्थान में अब्दुल कलाम के योगदान' पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. सुबोध शर्मा जी थे एवं इसमें प्रो. हंसधर झा तथा सुमित सक्सेना का विशिष्ट योगदान रहा।

2.13. शिक्षाशास्त्रीय शोध कार्यशाला- दिनांक 13 नवम्बर से 15 नवम्बर 2019 तक शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'शिक्षाशास्त्र में अनुसन्धान' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रो. मीनाक्षी मिश्रा ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। परिसर के प्राचार्य प्रकाश पाण्डेय जी की अध्यक्षता एवं प्रो. नीलाभ तिवारी एवं डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यशाला का सम्पादन हुआ।

2.14. विशिष्ट व्याख्यान माला- दिनांक 16 नवम्बर 2019 को प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी का विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। विशिष्ट व्याख्यान का विषय 'महामहोपाध्यायरामावतार-शर्मण: परमार्थदर्शनम्' था। परिसर प्राचार्य प्रकाश पाण्डेय जी की अध्यक्षता एवं डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी जी के समन्वयन में व्याख्यान का सम्पादन हुआ।

2.15. वार्षिक खेल प्रतियोगगिता- वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन 22 नवम्बर 2019 से 6 दिसम्बर 2019 तक भोपाल परिसर में सम्पन्न हुआ। जिसके अन्तर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। यथा- कबड्डी, योग, वालीवॉल, सतरंज इत्यादि।

2.16. अन्तः परिसर नाट्य महोत्सव– अन्तः परिसर नाट्य महोत्सव का आयोजन 30 नवम्बर 2019 से 2 दिसम्बर 2019 तक त्रिपुरा, अगरतला में आयोजित किया गया। जिसमें परिसर द्वारा 'अभिशाप' नाटक की प्रस्तुति की गई। भोपाल परिसर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी जी के संयोजन एवं डॉ. देवेन्द्र पाठक के निर्देशन में तथा मनोज मिश्र, मनोज पाटीदार द्वारा दिए गए योगदान से भोपाल परिसर को विभिन्न विधा में पुरस्कार प्राप्त हुए। आचार्य के छात्र सचिन मिश्र को श्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार मिला।

2.17. केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षकों का सेवावृत्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम– केन्द्रीय विद्यालयों के शिक्षकों हेतु दश दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 13 दिसम्बर 2019 से 1 जनवरी 2020 तक भोपाल परिसर द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री सोमेश श्रीवास्तव, श्रीमती ऋतु चौहान उपस्थित थी। परिसर प्राचार्य प्रकाश पाण्डेय जी एवं डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय जी के संयोजकत्व में प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

2.18. अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता में सहभागिता– संस्थान में भोपाल परिसर के छात्रों ने 09 जनवरी से 12 जनवरी 2020 तक त्रिपुरा के अगरतला में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में आचार्य, शास्त्री, प्रकाश शास्त्री और विद्यावारिधि के 19 छात्रों ने हिस्सा लिया। डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव और श्री सुमित सक्सेना द्वारा इस कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

2.19. अखिल भारतीय महाकवि भवभूति सामरोह ग्वालियर में सहभागिता– संस्थान में भोपाल परिसर के छात्रों ने ग्वालियर में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर और कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा आयोजित "अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह" में 5 से 8 जनवरी 2020 तक भाग लिया। शक्ति गौतम (शास्त्री प्रथम वर्ष) ने संस्कृत श्लोकपाठ में प्रथम पुरस्कार, और पीयूष जैन (प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष) ने वाद-विवाद में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में डॉ. मोहिनी अरोड़ा द्वारा छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

2.20. गणतंत्र दिवस– 26 जनवरी, 2020 को गणतंत्र दिवस का आयोजन परिसर प्राचार्य आचार्य प्रकाश पांडेय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इस कार्यक्रम में सभी छात्रों, शिक्षकों और आधिकारिक कर्मचारियों के सदस्यों ने भाग लिया। आचार्य पांडेय ने सभी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और उन्हें राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

2.21. शिक्षाविभाग के छात्रों द्वारा वीथिनाटक का आयोजन– परिसर के शिक्षा विभाग के छात्रों ने 14 फरवरी, 2020 को साक्षरता, स्वच्छता जागरूकता, पर्यावरण और जल संरक्षण, वृक्षारोपण, मोबाइल उपयोग के नकारात्मक प्रभाव के विषय में सामाजिक और राष्ट्रीय हितों के विभिन्न विषयों के आधार पर शहर के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इससे पहले छात्रों को प्रसिद्ध रंगमंच व्यक्तित्व श्री प्रेम गुप्ता और नाट्य शास्त्र अनुष्ठान केन्द्र, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के डॉ. देवेन्द्र पाठक, श्री मनोज पाटीदार, श्री हरीश मिश्रा, श्री मनोज मिश्रा और श्री आकाश गुणतिवार द्वारा प्रशिक्षित किया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला दिनांक २३, २४ और २५ जनवरी २०२० को हुई। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

2.22. राष्ट्रीय संगोष्ठियां– भोपाल परिसर के सभी विभागों ने अलग-अलग राष्ट्रीय संगोष्ठियां का आयोजन किया। 24 और 25 फरवरी 2020 को व्याकरण विभाग और जैन दर्शन विभाग द्वारा क्रमशः शब्दातत्त्वविमर्शः और जैनदर्शने तत्त्वमीमांसा ख्र इन विषयों पर किया गया। इन संगोष्ठियों में मुख्य अतिथि प्रो. जी. सी. त्रिपाठी, प्रो. राम नारायण दास, प्रो. आजाद मिश्रा, प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी, प्रो. कमलेश कुमार जैन, प्रो. सुदर्शन लाल जैन आदि थे।

26 और 27 फरवरी, 2020 को ज्योतिष विभाग और आधुनिक विषय विभाग द्वारा मानवजीवने ग्रहदशाप्रभावः और शास्त्रीय विषयों के अन्तर्राष्ट्रीय प्रसार मे आधुनिक विषयों का योगदान इन विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इन संगोष्ठियों में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो. रश्मि दुबे, डॉ. बिंदु, डॉ. राहुल सिद्धार्थ, सुश्री इंदिरा एम.ए. आदि उपस्थित रहे।

28 और 29 फरवरी 2020 को शिक्षाविभाग द्वारा संस्कृत

शिक्षा में रचनात्मक मूल्यांकन इस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन्द्र चतुर्वेदी, प्रो. अतुल मिश्रा, डॉ. आशीष डोंगरे और प्रो. अमिता पांडेय भारद्वाज उपस्थित थे। पुनः 2 और 3 मार्च को शिक्षा विभाग द्वारा स्वच्छ भारत अवधारणा के सन्दर्भ में पर्यावरण शिक्षा का महत्त्व- विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इन संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. बिंदेश्वर पांडे, प्रो. के. भारत भूषण और डॉ. रितु पल्लवी उपस्थित रही।

4 और 5 मार्च 2020 को साहित्य विभाग द्वारा काव्य दोष और छंदोविकास परम्परा पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रो. रामकुमार शर्मा, प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी आदि समुपस्थित रहे। इन संगोष्ठियों के संरक्षक प्रो. पी. एन. शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली थे और अध्यक्ष परिसर आचार्य प्रकाश पांडेय थे।

2.23. अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव में सहभागिता- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के छात्रों ने पुरी ओडिशा में दिनांक 7 से 11 तक आयोजित इंटर कैंपस यूथ फेस्टिवल में भाग लिया। प्रज्ञा ने शतरंज के खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, पीयूष पांड्या ने रचना में स्वर्ण पदक, मनीष कुमार और पीयूष ने प्रश्नमंच में रजत पदक और नरेश दत्त, शशांक मिश्रा और परमेश्वर साहू ने खेलों में कांस्य पदक प्राप्त किया। छात्रों के मार्गदर्शक दल में डा. प्रदीप कुमार पांडेय, डॉ. विवेक कुमार सिंह, श्री सुमित सक्सेना, डॉ. मंजू सिंह और श्री रमेंद्र रंजन कर्ण सम्मिलित थे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	- 00
उत्तर प्रेषित	- 00

4.2.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

1. परिसर परिचय

परोपकारी और एक महान दूरदर्शी पद्मभूषण से सम्मानित श्री करमशीभाई जेठाभाई सोमैया का शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महान योगदान था। उन्होंने सोमैया विद्याविहार में एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की, जिसे अब दुनिया भर में सबसे बड़े और सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक के रूप में जाना जाता है। सोमैया परिवार धार्मिक है और संस्कृत के प्रति असीम श्रद्धावान है। इसलिए श्री शांतिलाल सोमैया, सुपुत्र श्री के. जे. सोमैया ने सोमैया विद्याविहार में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.वि.) नई दिल्ली का एक परिसर स्थापित करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सोमैया ट्रस्ट, विद्याविहार, मुम्बई द्वारा प्रस्ताव को प्रस्तुत करने के परिणाम स्वरूप, भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने यहाँ विद्यापीठ की स्थापना हेतु एक निरीक्षण समिति का गठन हुआ था। मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, सरकार ने 31.03.2002 को परिसर को स्वीकृति प्रदान किया। क. जे. सोमैया ट्रस्ट ने संस्था को अपने भवन का उपयोग करने की अनुमति दी, जब तक कि परिसर के भवन का निर्माण पूरा नहीं हो। 16 मई 2002 के शुभ दिन पर, मानव संसाधन विकास के तत्कालीन माननीय मंत्री, सरकार, भारत का डॉ. मुरलीमनोहर जोशी मुंबई परिसर का निर्माण किया। इस भूमि पर नए भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

यह परिसर प्राक्शास्त्री (इंटरमीडिएट एवं 2 के समकक्ष), शास्त्री (समतुल्य बी.ए.) और आचार्य समकक्ष ए.एम. (संस्कृत) जैसे विषयों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण प्रदान करता है। पारम्परिक शास्त्राध्यापन के साथ-साथ संस्थान द्वारा निर्धारित आधुनिक विषय भी पढ़ाये जाते है। एन.सी.टी.ई. अनुमोदित शिक्षा - शास्त्री कोर्स (बी. एड. के समकक्ष) और स्वरूप, 2005 में परिसर में भी प्रारम्भ किया गया।

2. परिसर का स्थान

यह परिसर, महाराष्ट्र राज्य की राजधानी, मुंबई के विद्याविहार पूर्व में सोमैया शिक्षा संस्था ट्रस्ट के परिसर में स्थित है। वर्तमान में, विद्याविहार में के. जे. सोमैया ट्रस्ट ने विद्यापीठ के निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि प्रदान किया है। भवन निर्माण की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

वर्तमान में, शास्त्र कक्षाएं और शिक्षाशास्त्र कक्षाएं, अध्ययन-अध्यापन और अनुसंधान कार्य चाणक्य भवन में चल रहे हैं। प्राचार्य कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय परिसर के सुरुचि कला भवन में स्थित है। सुरुचि कला भवन के नजदीक तात्कालिक भवन में ग्रंथालय की व्यवस्था एवं प्रंबन्धन किया गया है।

3. पाठ्यक्रम विवरण

नियमित रूप से चार विभाग (शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य) हैं। इसके साथ-साथ परिसर में मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, दूरस्थ शिक्षण संस्था भी है। पाठ्यक्रमों का विवरण -

1. प्राक्शास्त्री (दो साल का पाठ्यक्रम)
2. शास्त्री (तीन साल का पाठ्यक्रम) (सत्रार्द्ध प्रणाली)
3. आचार्य (दो साल का पाठ्यक्रम) (सत्रार्द्ध प्रणाली)
4. शिक्षाशास्त्री (दो साल का पाठ्यक्रम)
5. विद्यावारिधि (पीएच.डी.)
6. मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, (दूरस्थ शिक्षण केन्द्र)

4. अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण।

विद्यापीठ प्रकाशन-

1. विद्यारश्मि:

इस शैक्षिक सत्र में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष इस शैक्षिक सत्र में वार्षिक शोध पत्रिकाविद्यारश्मि: भारत के विख्यात

विद्वानों का लेखों का संग्रह करके प्रकाशित किया गया है। इस वार्षिक शोध पत्रिका का ISSN : 2277.6443 है।

2. शिक्षारश्मि:

शिक्षाशास्त्र विभाग से शिक्षारश्मि: नाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका (ISSN : 2395.7921)का प्रकाशन किया गया। इस पत्रिका में विभागीय प्राध्यापक एवं अन्य विश्वविद्यालयीय विद्वानों तथा छात्राध्यापकों का विभिन्न प्रकार के शोध लेख के साथ विभागीय गतिविधियों का प्रकाशन किया।

3. वाग्वै ब्रह्म

इस शैक्षिक सत्र में व्याकरण विभाग द्वारा वाग्वै ब्रह्मनाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका (ISSN : 2457.0729) का प्रकाशन हर वर्ष की भाँति किया गया।

शैक्षणिक कार्यक्रम

1. शैक्षिक सत्रारम्भ

इस शैक्षिक सत्र का आरंभ 18.06.2019 को हुआ। दिनांक 10.07.2019 को सरस्वती पूजा का आयोजन परिसर में किया गया।

2. अन्तराष्ट्रिय योग दिवस

दिनांक 21.06.2019 को अन्तराष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। इस संदर्भ में परिसरीय सभी अध्यापक एवं सभी छात्रों ने योग शिक्षक श्रीमान् राजीव के मार्गदर्शन विविध योगासन प्रदर्शन किया।

3. गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में दिनांक 16.07.2019 को छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया। परिसरीय सभी छात्रों ने मिलकर गुरु वंदन किया।

4. स्वतन्त्रता दिवस

सोमैया परिसर में इस वर्ष सब मिलकर 15.08.2019 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।

5. संस्कृत सप्ताह समारोह

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 13. 08.2019 से 19.08.2019 तकमनाया गया। जिसमें शास्त्र परिचर्चा, शास्त्रीय भाषण और मुम्बई के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों के लिएविभिन्न स्पर्धाओं का अयोजन किया गया।

6. शिक्षक दिवस

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य मेंदिनांक 05.09.2019 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन विद्यापीठ में किया गया।

7. हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान के रूप में विद्यापीठ में 17 से 26सितम्बर 2019 तक हिन्दी पखवाड़ा पर्व मनाया गया। परिसर के छात्रों और कर्मचारियों के लिए कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन, हिन्दी काव्य पाठ और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

8. स्वच्छता पखवाड़ा

मुख्यालय के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 01. 09.2019 से 15.09.2019 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

9. राष्ट्रीय एकता दिवस

केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार इस सत्र में राष्ट्रिय एकता दिवस का आचरण दिनांक 31.10.2019 को शपथ ग्रहण करके किया गया। छात्रों ने निबन्ध प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद का आयोजन किया गया।

10. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

डॉ. मौलाना अबुकलाम आजाद के जन्म दिवस पर 11. 11.2019की स्मृति में राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के अवसर पर परिसर में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

11. गणतंत्र दिवस

सोमैया परिसर में 26 जनवरी, 2020 को सभी सदस्यों ने एवं हमारे परिसर के सभी सदस्योंने भी मिलकर गणतंत्र दिवस मनाया।

12. छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती

महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम दिनांक 19.02.2019 को परिसर में मनाया गया। इस संदर्भ में परिसर में भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

अन्य क्रियाकलाप

1. शिक्षाशास्त्री सत्रारम्भ

दिनांक 10.07.2019 को शिक्षाशास्त्री विभाग में सहर्ष

सत्रारम्भ का कार्यक्रम हुआ। प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को सम्बोधित करते हुये राष्ट्र के विकास में शिक्षक की भूमिका के विषय में बताया गया। परिसर के सभी सदस्य मिलकर सरस्वती पूजन किया।

2. संस्कृत भाषा बोधन वर्ग एवं सम्भाषण शिविर

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 05.08.2019 से 30.08. 2019 तक परिसर में भाषाबोधन वर्ग का आयोजन किया गया। इसके अंगभूत सम्भाषण शिविर का आयोजन दिनांक 20.08.2019 से 30.08.2019 तक परिसर के नवागत सभी छात्रों के लिए किया गया।

3. वाग्वर्धिनी परिषद्

दिनांक 05.08.2019 कोपरिसर में छात्रों के भाषण कौशल और शास्त्रार्थ कौशल के विकास हेतु वाग्वर्धिनी परिषद् के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4. शिक्षणाभ्यास कार्यक्रम

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 21.08 2019 से 13.12.2019 तक मुम्बई स्थित केन्द्रीय विद्यालय के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम संपादित किया। शिक्षाशास्त्रीा प्रथम वर्ष के छात्राअध्यापकों का विद्यालय अवबोध कार्यक्रम 15.11.2019 से 13.12.2019 तक केन्द्रीय विद्यालयों में किया गया

5. प्रायोगिक परीक्षा

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों का प्रायोगिक शिक्षणाभ्यास दिनांक 28-30 जनवरी 2020तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का आयोजन किया गया।

6. विभिन्न क्रीडा स्पर्धाएँ

परिसर में छात्रों के शारीरिक विकास हेतु विभिन्न क्रीडाओं का आयोजन 17 से 21 जनवरी 2020 तक किया गया। इस संदर्भ में युव महोत्सव में भाग लेने हेतु छात्रों का चयन भी किया गया।

सहशैक्षणिक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी

1. महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

इस शैक्षणिक सत्र में संस्थान के निर्देशानुसार महाराष्ट्र राज्य की राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई है। 57 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 13.11.2019 को महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा परिसर में आयोजित की गई, जिसमें महाराष्ट्र के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र/छात्रायेंस्पर्धा में भाग ग्रहण किए।

2. गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

इस शैक्षिक सत्र में संस्थान के निर्देशानुसार गोवा राज्य की राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा गोमंतक संस्कृतोत्तेजक मंडल, शांकर पाठशाला, कवले फोंडा, गोवामें आयोजित की गई। 57 वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 15.11.2019कोगोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित किया गया, जिसमें गोवा के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र/छात्रायें स्पर्धा में भाग ग्रहण किए।

3. कौमुदी महोत्सव (वसन्तोत्सव)-

दिनांक 30.11.2019 से 02.12.2019 तकसंस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला में सम्पन्न हुआ। 17वें संस्कृत नाट्य महोत्सव में परिसर के छात्रों ने उन्मत्त कीचकम् नाटक का मंचन अत्यन्त रोचकता के साथ प्रस्तुत करके सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार एवं अभिनव प्रयोग का पुरस्कार प्राप्त किया।

4. अखिल भारतीय प्रातिभ समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा दिनांक 28.01. 2020 से 31.01.2020तक अखिलभारतीय संस्कृत छात्र 14वां प्रातिभ समारोह आयोजित जिसमें छात्रों नेविभिन्न स्पर्धाओं में सहर्ष भाग लिया।

5. युव-महोत्सव

11वें अन्तः परिसरीय युव-महोत्सव का आयोजन श्री सदाशिव परिसर, पुरी में दिनांक 07.02.2020 से 10.02. 2020 तक आयोजित किया गया, जिसमें अपने परिसर के छात्रों ने अनेकपुरस्कार प्राप्त किया।

6. अखिल भारतीय शास्त्रीयवाक् स्पर्धा

दिनांक 09 से 12 जनवरी 2020 तक एकलव्य परिसर अगरतला में भाग लियापरिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण किया।

राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला-

आइ.क्यू.ए.सी. (IQAC) के मार्गदर्शन के अनुसार परिसर में स्थित विभिन्न विभागों में राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विवरण निम्नलिखित है।

शिक्षाशास्त्र विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट

व्याख्यान–दिनांक 26.02.2020 से 28.02.2020 तक शिक्षाशास्त्र विभागीय त्रिदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी संस्कृत शिक्षणे नवोन्मेष विषय पर आयोजित की गई एवं विशिष्ट व्याख्यान का भी समायोजन किया गया।

दिनांक 03.03.2020 को प्रो. एल.एन. पाण्डेय महोदय का विशिष्ट व्याख्यान का आयोजनशिक्षाशास्त्र विभाग में किया गया।

संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास पाठ्यक्रम।

- दिनांक 21 से 26 दिसम्बर 2019 तक एकलव्य परिसर, अगरतला में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम (नवोन्मेष कार्यक्रम) में डॉ. कुमार, डॉ. जितेन्द्र रायगुरु, डॉ. एस. कृष्णा, डॉ. दशरथ भरासागर इन सभी शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायाकाचार्यों ने भाग लिया।
- दिनांक 21 से 26 दिसम्बर 2019 तक एकलव्य परिसर, अगरतला में आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम (नवोन्मेष कार्यक्रम) में डॉ. आरती मीणा, सहायकाचार्या (साहित्य विभाग) ने भाग लिया।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त /उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना पत्र प्राप्त – 00

उत्तर प्रेषित – 00

4.2.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र इत्यादि भी हैं। परिसर की गतिविधियाँ अधोलिखित हैं–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. पत्राचार पाठ्यक्रम
3. मुक्त स्वाध्यायपीठम् के दिल्ली स्वाध्याय केन्द्र द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम।
4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं इत्यादि का संयोजन।
5. मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा लक्षित समूह की आवश्यकतानुसार अल्पकालीन शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
6. शोध गतिविधियों का संयोजन
7. अधोलिखित कार्यक्रमों का संगठन
    - संस्कृत सप्ताह
    - स्थापना दिवस
    - राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ
    - युवमहोत्सव
    - अन्त:परिसरीय नाट्य महोत्सव
    - अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिल्ली परिसर द्वारा संगठित/संयोजित कार्यक्रमों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 5वें अध्याय (वर्ष के मुख्य समारोह) में दिया गया है।

4.2.12 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

अखिल विश्व संस्कृत ज्ञानागार को प्रकाशित करने के लिए भुवनभास्कर-सदृश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा विभिन्न राज्यों की भांति ही पूर्वोत्तर राज्यों में भी अनवरत संस्कृत का चिार-प्रसार हो, ऐसी अभिलाषा से त्रिपुराराज्यस्थ अगरतला में भगवती माँ त्रिपुरेश्वरी के करकमलों के सानिध्य में 4 जून, 2013 को एकलव्य परिसर का समुद्घाटन किया गया। इस परिसर में संस्कृत-शास्त्रीय विषयों (यथा- व्याकरण, साहित्य, अद्वैत-वेदान्त, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन एवं शिक्षाशास्त्र) के अतिरिक्त आधुनिक (यथा - आंग्ल, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, संगणक एवं बांग्ला) विषयों में अध्ययन-अध्यापन सुचारू रूप से प्रचलित हो रहा है। इसके अतिरिक्त मुक्तस्वाध्यायपीठ द्वारा दूरस्थ-शिक्षा-प्रणाली से व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष विषयों में भी प्राक्शास्त्री से स्नातकोत्तरपर्यन्त अध्ययन-अध्यापन सुचारु रूप से चल रहा है।

नूतन सत्रारम्भ

ग्रीष्मावकाश के उपरान्त 18 जून, 2019 को वाग्देवी माँ सरस्वती की समर्चना से नूतन सत्र का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. रणजित् कुमार बर्मन सहित परिसर के समस्त प्राध्यापक एवं कार्यालयीय कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

वर्तमान सत्र 2019-2020 में एकलव्य परिसर में सभी विभागों में कुल मिलाकर 247 छात्रों ने प्रवेश लिया। वर्तमान में 17 शोधार्थी इस परिसर में शोधकार्य कर रहें हैं। परिसर प्राचार्य प्रो. रणजित कुमार बर्मन के मार्गनिर्देशन में एकलव्य परिसर के द्वारा इस सत्र में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका वर्णन निम्नलिखित हैं -

पाठ्यक्रम विवरण

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्ष	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, बांग्ला, सङ्गणक विज्ञान, राजनीति विज्ञान शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, बांग्ला, सङ्गणक विज्ञान, राजनीति विज्ञान शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा
3.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	--	
4.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन	
5.	विद्यावारिधि		पीएच.डी	व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन	

अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस

अगरतला स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में 21 जून, 2019 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन किया गया। मानव जीवन में योगाभ्यास की नितान्त आवश्यकता है तथा इसी योगाभ्यास के माध्यम से ही मनुष्य आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक शान्ति को प्राप्त करता है। इसी चिन्तन को परिलक्षित कर परिसर के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के द्वारा स्वास्थ्यवर्धक विभिन्न आसनों का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य प्रो. रणजित् कुमार बर्मन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आधुनिक समाज में "वसुधैव कुटुम्बकम्" इस भावना से प्रेरित होकर स्वामी श्रीरामदेवजी, श्री श्री रविशंकरजी एवं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी आदि महानुभाव योग का प्रचार-प्रसार करते हुए दृष्टिगोचर हो रहे हैं। इनके योगदान से वर्तमान में समस्त विश्व में अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का पालन हो रहा है। अन्त में शान्तिमन्त्र से यह कार्यक्रम सुसम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक परिसर के व्याकरण विभाग के सहायकाचार्य के. कुमार थे।

संस्कृत सप्ताह महोत्सव

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अगरतला स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में 13-19 अगस्त, 2019 तक संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए संघ-नृत्य, निबन्ध-लेकन, संस्कृत गीत-गायन, संस्कृत-भाषण तथा श्लोकोच्चारण इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ति-समारोह 19 अगस्त, 2019 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि के रूप में आचार्य श्रीरामेश्वर भट्टाचार्य ने श्रोताओं को त्रिपुरा राज्य में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया तथा अन्त में सभाध्यक्ष परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार बर्मन एवं मुख्यातिथि महोदय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

परिसर में 15 अगस्त, 2019 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह सोत्साहपूर्वक पालन किया गया। प्रातः 8 बजे राष्ट्रध्वजारोहण करने के पश्चात् परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने अपने उद्बोधन में सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को राष्ट्र सेवा के लिए एकजुट होना चाहिए तथा निरन्तर राष्ट्र हित का ही चिंतन करना चाहिए। इसके उपरान्त परिसर छात्रों के द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्यादि का प्रदर्शन किया गया।

शिक्षक दिवस

इस वर्ष शिक्षा-शास्त्र विभाग के द्वारा 5 सितम्बर, 2019 को शिक्षक दिवस का पालन किया गया। इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती एवं समस्त विभागीय प्राध्यापक उपस्थित हुए।

स्वच्छता पखवाड़ा

परिसर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत परिसर में 11 सितम्बर, 2019 को परिसर के छात्रों, प्राध्यापकों द्वारा सामूहिक स्वच्छता निमित्त श्रमदान किया गया।

राष्ट्रिय एकता दिवस

मानव-संसाधन-विकास-मन्त्रालय के निर्देशानुसार अगरतलास्थित एकलव्य परिसर में सरदार बल्लभ भाई पटेल का जयन्ती महोत्सव (21 अक्टूबर 2019) मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी तथा शिक्षा-शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती के मार्गनिर्देशन में परिसर के सभी छात्रों एवं प्राध्यापकों ने नगर में शोभायात्रा का आयोजन किया।

हिन्दी पखवाडा

16 सितम्बर, 2019 को हिन्दी पकवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार बर्मन की अध्यक्षता में तथा राजभाषा क्षेत्रिय कार्यालय की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता श्रीवास्तव के मुख्यातिथ्यत्व में सुसम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि महोदया ने पूर्वोत्तर राज्यों में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता के विषय में सम्बोधित किया। यह क्रार्यक्रम व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय के संयोजकत्व में तथा हिन्दी विषयाध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र के संचालकत्व में सुसम्पन्न हुआ। इसके पश्चात् विद्यार्थियों के लिए हिन्दी निबन्ध-लेकन, पत्र-लेकन, हिन्दी-भाषण, वाद-विवादादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। अन्त में सम्पूर्ति समारोह के अन्तर्गत परिसर के कार्यवाहक प्राचार्य आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी के द्वारा

विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक 4.11.2019-25.11.2019 को सुप्रसिद्ध बंगकवि श्री रविन्द्रनाथ ठाकुर के द्वारा विरचित तथा आचार्य के.पी. पांडुरंगी महोदय के द्वारा अनुदित "नृपः महिषी च" नाटक को अभिलषित कर एकलव्य परिसर में नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका समन्वय साहित्यविभागाध्यक्ष आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी ने किया। इनका सहयोग डॉ नरसिंहुलु, डॉ मन्जु ठेमदेव, डॉ जितेन्द्र तिवारी, डॉ दीपकुमार एवं डॉ उत्तम सिंह ने किया। इस कार्यशाला के अन्तर्गत त्रिपुरा से नाट्यप्रशिक्षक गौतमदास अभिनय-प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु आये तथा इस कार्यशाला में परिसर के 19 छात्रों ने पूर्ण मनोयोग से भागग्रहण किया।

शिक्षा दिवस

11 नवम्बर, 2019 को एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्र-विभाग द्वारा शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के लिए भाषण निबन्ध लेकन स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं अन्य विभाग के प्राध्यापकों ने अपने व्यक्तव्य उपस्थापित किये। अन्त में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूर्वोत्तर-राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

परिसर में 15 नवम्बर, 2019 को पूर्वोत्तर-राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन स्पर्धाओं में परिसर के प्रायः समस्त विभागों के विद्यार्थियों ने भागग्रहण किया। अन्त में परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार बर्मन द्वारा समायोजित व्याकरण-भाषण, साहित्य-भाषण, ज्योतिष-भाषण, अद्वैतवेदान्त-भाषण, जैन बौद्धदर्शन-भाषण, धर्मशास्त्र-भाषण, काव्यकण्ठपाठ, साहित्य-शलाकाादि स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये हुए छात्रों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन शिक्षा-विभाग के आचार्य पवन कुमार ने किया।

अन्तः परिसरीय नाट्य महोत्सव

इस वर्ष एकलव्य परिसर में 30 नवम्बर, 2019 - 2 दिसम्बर, 2019 तक अन्तः परिसरीय नाट्य महोत्सव का समायोजन अत्यन्त वैभव के साथ मनाया गया। इस महोत्सव के समुद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री साजू वाहीद ए. (निदेशक, उच्चशिक्षा-विभाग, त्रिपुरा) सारस्वतातिथि के रूप में आचार्य भारतरत्न भार्गव (प्रसिद्ध नाटकविद्, नाट्यकुलम्, जयपुर) तथा सभाध्यक्ष के रूप में आचार्य एस. सुब्रह्मण्यम् शर्मा (कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नवदेहली) ने समुस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। इस उत्सव में परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार वर्मन के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् मुख्यातिथि ने अपने उद्बोधन में सोदाहरण सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतदेश की सर्वसम्पत्ति संस्कृत भाषा में ही निहित है। सारस्वतातिथि आचार्य भारत रत्न भार्गव ने साभिनय भारतीय पाश्चात्य नाट्कों के मध्य में स्थित भेद को प्रदर्शित किया। सभाध्यक्ष आचार्य एस. सुब्रह्मण्यम् ने वर्तमान काल में नाट्य महोत्सव के योगदान तथा उसके आयोजन के विषय में सारगर्भित विचार व्यक्त किये तत्पश्चात् तीन दिवसों में क्रमशः श्रृंगेरी स्थित राजीवगान्धी-परिसर के द्वारा पूर्वरङ्ग, पुरीस्थ श्रीसदाशिव-परिसर द्वारा भीष्मायनम्, जम्मूस्थित श्रीरणवीर-परिसर के द्वारा कारगिलविजयम्, मुम्बईस्थित के. जे. सौमया-परिसर के द्वारा उन्मत्तकीचकम्, हिमाचलस्थ वेदव्यास-परिसर के द्वारा आषाढस्य एको दिवसः, उत्तरप्रदेशस्थ लखनऊ-परिसर के द्वारा वासन्तिकास्वप्नम्, प्रयागराजस्थ श्रीगंगानाथझा-परिसर के द्वारा कर्णभारम्, देवप्रयागस्थ श्रीरघुनाथकीर्ति-परिसर के द्वारा अनारकली, मध्यप्रदेशस्थ भोपाल-परिसर के द्वारा अभिशापम्, केरलास्थ गुरुवायुर-परिसर के द्वारा समुद्रमंथनम्, राजस्थानस्थ जयपुर-परिसर के द्वारा पंचरात्रम्, त्रिपुरास्थ एकलव्य-परिसर के द्वारा नृपः महिषी च, कर्णाटकस्थ राजीवगान्धी-परिसर के द्वारा सैरन्ध्रीः इत्यादि नाटकों का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम के सम्पूर्ति-सत्र में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा-राज्यसरकार के उच्चशिक्षामन्त्री श्री रतनलाल नाथ ने त्रिपुरा राज्य में संस्कृत की स्थिती को वर्णित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा के विकास के लिए सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए तथा उसके लिए त्रिपुरा राज्य सरकार से सर्वविधसहयोग भी प्राप्त होने का आश्वासन दिया। विशिष्टातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य सरकार के राजस्वमन्त्री श्री नरेन्द्र चन्द्र देववर्मा ने संस्कृत भाषा की प्राचीनता एवं नूतनता के विषय में अपने उद्गार व्यक्त किये। सारस्वतातिथी के रूप में उपस्थित अगरतलास्थित एम.बी.बी. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गौतम कुमार वसु ने भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के योगदान के विषय में अपना उद्बोधन दिया। तत्पश्चात् राष्ट्रिय

संस्कृत संस्थान के कुलपति आचार्य परमेश्वर नारायण शास्त्री ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में परमपरागत संस्कृति एवं संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु ही अगरतला में एकलव्य परिसर की स्थापना की गई है। अन्त में शिक्षाशास्त्री विभाग के आचार्य पवनकुमार ने समागत अथितियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नवोन्मेष कार्यक्रम

भारत सरकार के मानव-संसाधन-विकास-मन्त्रालय के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा विभिन्न विषयों में नवनियुक्त सहायकाचार्यों के प्रशिक्षण हेतु एकलव्य परिसर में नवोन्मेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभिविन्यास कार्यक्रम 21-26 दिसम्बर, 2019 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य विधानसभा उपाध्यक्ष श्री विश्वबन्धु सेन, अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति आचार्य परमेश्वर नारायण शास्त्री, सारस्वतातिथि के रूप में महर्षि पाणिनी वैदिक संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य पंकज जानी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रबन्ध परिषद् के सदस्य कार्यक्रम के निदेशक आचार्य चान्दकिरण सलूजा, एकलव्य परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार बर्मन, शिक्षा-शास्त्री संकायाध्यक्ष प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, शिक्षा-शास्त्र के विद्वान् आचार्य वाई. एस. रमेश की गौरवमयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य के द्वारा समुपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि विधानसभा उपाध्यक्ष श्री विश्वबन्धु सेन ने संस्कृत भाषा के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए त्रिपुरा राज्य में शासन द्वारा संस्कृत भाषा के लिए कल्पित व्यवस्थाओं के विषय में अपना उद्बोधन दिया। इस कार्यक्रम के निदेशक आचार्य चान्दकिरण सलूजा ने अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य एवं लक्ष्य को स्पष्ट किया। कार्यक्रम के सारस्वतातिथी आचार्य पंकज जानी ने नवनियुक्त सहायकाचार्यों के दायित्व तथा सर्वकार नियमों के बारे में प्रकाश डाला। इसके पश्चात् इस कार्यक्रम में प्रो. बी. महोदवन (भारतीय प्रबन्ध संस्थान, बेंगलुरु), डॉ. रुचिता त्रिपाठी (नेक, बेंगलुरु), लेफ्टिनेन्ट जनरल डॉ. मोहन भण्डारी (उत्तराकण्ड), श्री चमू कृष्ण शास्त्री (संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नवदेहली), प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी (गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज) प्रो. श्रीनिवास वरकेडी (कुलपति, कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय नागपुर) इत्यादि विद्वानों ने उपस्थित होकर नवनियुक्त सहायकाचार्यों को प्रशिक्षित किया तथा राजेश एच. के., बेंगलुरु एवं श्री सुश्रुत शिवन्ना, पुणे आदि योगविशेषज्ञों ने योगाभ्यास करवाया। इस कार्यक्रम के सम्पूर्ति-सत्र में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य सर्वकार के उच्चशिक्षा परिषद् के उपाध्यक्ष आचार्य अरुणोदय शाह, सारस्वतातिथि के रूप में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य गोपबन्धु मिश्र ने समुपस्थित होकर नवनियुक्त प्रशिक्षाणिर्थियों का मार्गदर्शन किया।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में दिनांक 9 जनवरी, 2020 से 12 जनवरी, 2020 तक 58 वां अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का समायोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री असिम शाह, SDM, पश्चिम त्रिपुरा ने मुख्यातिथि पद को विभूषित करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि भारतीय एकता सम्पादन में संस्कृत भाषा ही मुख्य भूमिका वहन करती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मधुकेश्वर भट्ट ने अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का परिचय, उद्देश्य तथा प्रणाली से अवगत करवाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य सुकान्त कुमार सेनापति ने 'शास्त्र' शब्द के विभिन्न अर्थों को सोदाहरण प्रस्तुत किया। परिसर प्राचार्य आचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने अतिथियों का स्वागत किया। अन्त में परिसर के शिक्षाशास्त्र के आचार्य पवन कुमार के धन्यवाद समर्पण के साथ कार्यक्रम सुसम्पन्न हुआ। इसके उपरान्त 4 दिवस पर्यन्त विभिद् शास्त्रीय स्पर्धाएं सकलित की गई, जिनमें भारत के अनेक राज्यों के 350 प्रतिभागियों ने भागग्रहण किया। इस स्पर्धा कार्यक्रम के सम्पूर्ति-सत्र में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री अरविन्द लोथ ने समुस्थित होकर आधुनिक समाज में संस्कृत भाषा की आवश्यकता के विषय में अपने उद्बोधन दिये। विशिष्टातिथि के रूप में पुरीस्थ जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति प्रो. किशोर पाढी ने शास्त्र संरक्षण के विषय में अपने विचार रके। सारस्वतातिथि के रूप में भाग्यनगरस्थ तेलुगु विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. श्रीपाद सुब्रह्मण्यम् ने स्पर्धाओं में छात्रों के द्वारा प्रदर्शित प्रतिभाओं को सराहा। तत्पश्चात् मकसीन अतिथि-गण ने विविध स्पर्धाओं में विजेता छात्रों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्यादि पदकों से विभूषित किया। इन स्पर्धाओं में अत्यधिक पुरस्कार प्राप्त करके कर्णाटक राज्यस्थित राजीवगान्धी परिसर के छात्रों ने विजयवैजयन्ती प्राप्त की। इस सत्र में परिसर प्राचार्य प्रो. रणजित् कुमार वर्मन ने गणमान्य अतिथियों

का स्वागत किया तथा अन्त में साहित्य विभाग के अध्यापक डॉ. जितेन्द्र तिवारी के कृतज्ञता-ज्ञापन से कार्यक्रम सुसम्पन्न हुआ।

गणतन्त्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2020 को एकलव्य परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन सोत्साह किया गया। प्रातः आठ बजे परिसर प्राचार्य रणजित् कुमार बर्मन ने राष्ट्रध्वजारोहण करते हुए स्वतन्त्रता संग्राम में वीरगति को प्राप्त किये देशभक्तों को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि समर्पित की। इसके पश्चात् परिसर के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत-नृत्यादि कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

योगप्रशिक्षण

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग ने "स्वस्थे शरीरे स्वस्थं मनः" इस उक्ति को चरितार्थ कर दिनांक 31.01.2020 से 03.02.2020 पर्यन्त योगप्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें योग प्रशिक्षक श्री सभ्य सरकार, इकफाई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा ने उपस्थित होकर छात्रों के द्वारा विभिन्न योग-आसनादि का अभ्यास करवाया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

इस वर्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्तस्वाध्यायपीठ के द्वारा 14-15 फरवरी, 2020 को "आधुनिक-विद्वत्-समवाय (विदूषां परिचयः-व्यक्तित्वं कृतित्व)" इस विषय पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुक्तस्वाध्यायपीठ के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति ने संगोष्ठी का उद्देश्य एवं आवश्यकता के विषय में प्रकाश डाला। तत्पश्चात् मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. किशोरचन्द्र पाढी ने अनेक संस्कृत विद्वानों का परिचय प्रदान किया। सारस्वतातिथि के रूप में उपस्थित त्रिपुरा विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के पूर्वाध्यक्ष प्रो. सीतानाथ दे ने त्रिपुराराज्य में संस्कृत भाषा की उन्नति के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरणा प्रदान की। परिसर प्राचार्य प्रो. रणजित कुमार बर्मन ने स्वाध्यक्षीय भाषण में कहा कि विद्वानों का एकत्रीकरण पुण्य का विषय है। इस संगोष्ठी में विभिन्न प्रदेशों के विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

कार्यशाला

इस वर्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्तस्वाध्यायपीठ के द्वारा एकलव्य परिसर में 15 फरवरी से 21 फरवरी, 2020 तक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के साहित्य विभाग के आचार्य प्रो. भागीरथी नन्दा ने उपस्थित होकर अपने उद्बोधन में कहा कि साहित्य शास्त्र का लोककल्याण के लिए जिस प्रकार भी उपयोग हो उसके लिए सतत् चिन्तन एवं मन्थन करना चाहिए। सारस्वतातिथि के रूप में जयपुर परिसर के साहित्यविभागाध्यक्ष प्रो. रामकुमार शर्मा ने साहित्य के शास्त्रत्व को अनेक युक्तियों के द्वारा प्रतिपादित किया।

वार्षिक स्पर्धा

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एकलव्य परिसर के द्वारा मार्च मास के प्रथम सप्ताह में वार्षिक प्रतियोगिताओं (शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं क्रीडास्पर्धा) का आयोजन किया गया। जिनमें शैक्षिक एवं सांस्कृतिक स्पर्धाओं में संस्कृत-निबन्ध, भाषण, वाद-विवाद, सस्वरश्लोकोच्चारण, संस्कृत समूहगीत, संस्कृत एककगीत, संघ-नृत्य, एकक-नृत्य, आशु-चित्रण तथा क्रीडा-स्पर्धाओं में धावन, लम्बीकूद, उंची-कूद, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, बालीबाल इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन सभी स्पर्धाओं में परिसरीय छात्रों ने सोत्साह भाग-ग्रहण किया। सांस्कृतिक एवं शैक्षिक स्पर्धाओं का संयोजन ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल एवं अद्वैतवेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ. संवित् महापात्रा ने तथा क्रीडा-स्पर्धाओं का संयोजन क्रीडाविभागाध्यक्ष डॉ. राजीव घोष ने किया।

परिसर की विभिन्न उपलब्धियाँ

1. अन्तः परिसरीय नाट्य महोत्सव में एकलव्य परिसर के द्वारा "नृपः महिषी च" नाटक का मंचन किया गया। जिसमें परिसर के द्वारा द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया गया। आचार्य प्रथमवर्ष की छात्रा सुश्री सुस्मिता दास ने उत्तमा अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त किया।
2. परिसर के शिक्षा-शास्त्र प्रथमवर्ष के छात्र पलाश दास JRF, शिक्षा-शास्त्र प्रथम की छात्रा सुश्री लावणी बैरागी NET एवं शिक्षा-शास्त्र द्वितीयवर्ष के छात्र निताई विश्वास NET परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

3. पुरीस्थ श्रीसदाशिव परिसर में समायोजित युवमहोत्सव में शास्त्री तृतीयवर्ष की छात्रा सुश्री स्वस्तिका शर्मा ने आशुचित्रण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार तथा आचार्य प्रथमवर्ष के छात्र भास्कर व्यानर्जी ने सस्वर श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

वर्ष 2019 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किये छात्र -

1. प्राक्शास्त्री - पुष्पारानी दास
2. शास्त्री - विकास सरकार
3. आचार्य - मणिकंकना वरा
4. शिक्षाशास्त्री - प्रियंका शर्मा

नवागमन

इस सत्र परिसर में शिक्षाशास्त्र विभाग में प्रो. पवनकुमार आचार्य पद में, डॉ. शिवराम कृष्ण सिंह, डॉ. लक्ष्मी नारायण, श्री नन्ददुलाल मण्डल, श्री अनूप विस्वास सहायकाचार्य पद में नवनियुक्ति प्राप्त कर पदग्रहण किये। इसी प्रकार धर्मशास्त्र विभाग में डॉ. श्रीमती कृष्णा शर्मा सहाचार्यपद में, अद्वैतवेदान्त विभाग में डॉ. श्रीकर जी. एन., व्याकरण विभाग में डॉ. गणेशवर नाथ झा, ज्योतिषविभाग में डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, डॉ. मनोज श्रीमाल, आंग्लविषम में डॉ. सुमन आचार्जी सहायकाचार्य पद पर नवनियुक्ति प्राप्तकर पदग्रहण किये।

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त /उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.13 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

परिसर परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16-06-2016 को अधिगृहीत किया गया। इस परिसर का नामकरण दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाडों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गङ्गा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16- 06- 2016 को इस परिसर का उद्घाटन किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी परिसरस्थ 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। दिनांक 06.05.2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डा. के.के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। दिनांक 8.11.17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारतसरकार के मानव संसाधनविकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड़ भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीय भवन (बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (ऑडिटोरियम), खेल-मैदान (स्टेडियम) आदि के निर्माण-कार्य उत्तराखण्ड के राज्यपाल के द्वारा शिलान्यास के पश्चात् मई 2017 से प्रारम्भ हो कर प्रगति पर है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2019-20 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लगभग 100 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान की जा रही है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ - साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

- प्राक-शास्त्री (इंटरमीडिएट)
- शास्त्री (स्नातक)
- आचार्य (स्नातकोत्तर)
- विद्यावारिधि (पीएच.डी.)

अग्रिम-पाठ्ययोजना

अग्रिम वर्षों में यहाँ शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) कक्षा भी खोलने की सम्भावना है।

संस्कृत-सम्भाषण-पाठ्यक्रम- संस्कृत में बोलने को प्रोत्साहित करने के लिए अनौपचारिक रूप से यहाँ सम्भाषण-संस्कृत की कक्षा भी चलाई जाती है जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रथम दीक्षा एवं द्वितीय दीक्षा का पाठ्यक्रम पढाया जाता है। आगे भी परिसर में ऐसे अनेक कर्यक्रम चलाने की योजना है।

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सार्टीफिकेट कोर्स)- भविष्य योजना के रूप में यहाँ ज्योतिष, वास्तु एवं योग आदि विषयों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे।

- **परिसर के विविध क्रियाकलाप / समारोह / कार्याशालाओं का पूर्ण विवरण**
- **राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यान-माला**- प्रतिवर्ष इस परिसर में प्रत्येक विभाग की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का भी आयोजन किया जाता है। परिसर में गत वर्ष भी कार्यक्रम आयोजित हुये थे। इस प्रसंग में इस वर्ष की यह विशेषता रही है कि इस वर्ष सर्वदर्शन एवं व्याकरण इन दो विभागों ने अलग अलग अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया।

- **विशिष्ट-व्याख्यानमाला**- इस परिसर में विविध-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमालाएं 24-02-2020 से 02-03-2020 तक सम्पन्न हुई।

1. **सर्वदर्शन (रा.सं.सं. द्वारा प्रायोजित) में विशिष्ट-व्याख्यान**- माला 24-02-2020 को सम्पन्न हुई। व्याख्यानविषय- मीमांसाशास्त्रस्योपयोगिता, मुख्यवक्ता- प्रो.कमलाकान्त त्रिपाठी(वाराणसी)।
2. **वेदान्तविभागीय विशिष्ट- व्याख्यानमाला** 25-02-2020 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानविषय- विशिष्टाद्वैतवेदान्त परिचयः, मुख्यवक्ता- प्रो.के.अनन्त(नई दिल्ली)।
3. **व्याकरणविभागीय विशिष्ट- व्याख्यानमाला** 26-02-2020 को सम्पन्न हुई। व्याख्यानविषय- व्याकरणपरम्परायामाधुनिकवैयाकरणनां योगदानम्, मुख्य वक्ता- प्रो. अशोकचन्द्रगौड़ा।
4. **साहित्य-विभागीय विशिष्ट- व्याख्यानमाला** 28-02-2020 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानविषय- अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकस्य काव्यशास्त्रीयपक्षः, मुख्यवक्ता- प्रो.भागीरथिनन्द (नई दिल्ली)।
5. **वेद-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला** 01-02-2020 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यानविषय-वेदाध्ययनदृशा प्रातिशाख्यानां महत्त्वम्, मुख्यवक्ता-प्रो. मनोजमिश्रा (जम्मूपरिसर)।

अन्तःराष्ट्रियसंगोष्ठी

1. सर्वदर्शन में (रा.सं.सं. द्वारा प्रायोजित) द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 24-02-2020 से 25-02-2020 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय -'अद्यतनसन्दर्भे दर्शनशास्त्राणां प्रासंगिकता'।

2. व्याकरणविभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 27-02-2020 से 28-02-2020 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय-'संस्कृतव्याकरणपरम्परायामाधुनिकविदुषां योगदानम्'।

राष्ट्रियसंगोष्ठी -

1. वेदान्तविभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 26-02-2020 से 27-02-2020 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय-'अद्वैतवेदान्ते दर्शनान्तराणां योगदानम्'।
2. साहित्यविभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 29-02-2020 से 01-03-2020 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय-'आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये नूतनप्रवृत्तयः'।
3. वेद-विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 01-03-2020 से 02-03-2020 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- "वैदिकवाङ्मये विष्णुतत्त्वम्"।

- **राष्ट्रिय संस्कृत-कविसम्मेलन**- दिनांक 29-02-2020 को परिसर के प्राचार्यजी की अध्यक्षता में एवं प्रो. बनमाली विश्वाल जी के संयोजकत्व में 'आधुनिक संस्कृतसाहित्य एवं अनुसन्धान केन्द्र' के द्वारा एक अखिल भारतीय कविसम्मेलन अनुष्ठित हुआ जिसमें भारत के प्रतिष्ठित संस्कृत कवि डॉ. निरंजनमिश्र, प्रो. बनमालीबिश्वाल, प्रो. भागीरथिनन्द, प्रो. विजयपालशास्त्री, डा.कृपाशंकरशर्मा, डा. शैलेन्द्रप्रसादउनियाल,डा. अनिलकुमार, डा. वीरेन्द्रबर्त्वाल, डा. दिनेशपाण्डेय, डा. अवधेशबिजलवानआदि ने काव्यपाठ किया। संचालन हिन्दीविभाग के अध्यापक वीरेन्द्रबर्त्वाल जी ने किया।

• शोध परियोजना

1. **स्वीकृत**- बौद्ध तर्कभाषाविषयक एक रिसर्च प्रोजेक्ट यहाँ चल रहा है जो पूर्णता की ओर है।
2. **प्रस्तावित**- अष्टादशी के अन्तर्गत गत वर्ष अधोलिखित दो अन्य रिसर्च प्रोजेक्ट के लिये संस्थान को प्रस्ताव भेजा गया है।

- समकालिक संस्कृत साहित्य विवरणात्मक ग्रन्थसूची (Descriptive Catalogue of Contemporary Sanskrit Literature)
- पालि भाषा-स्वाध्याय पाठ्यसामग्री (Self study materials in Pali)
- परिसरीय अन्तर्जाल (website)-परिसरीय अन्तर्जाल (वेबसाइट) dkswww.srkcampus.org में देखा जा सकता है
- **संस्कृत पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन**- परिसर में अधोलिखित नियमित पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रस्तावित था इनमें से सभी पत्रिकाओं का कार्य प्रगति पर है।

1. **देवभूमि-सौरभम्**- एक अन्ताराष्ट्रिय वार्षिक शोधपत्रिका
2. **संस्कृतगङ्गा**- परिसरीय शोधपत्रिका

3. **रघुनाथ-कीर्ति-पताका**- परिसरीय वार्षिक पत्रिका (एक अंक प्रकाशित)
4. **रघुनाथ-वार्तावली**- परिसरीय त्रैमासिक वार्ता-पत्रिका (11 अंक तक प्रकाशन हो चुका है, 12-14 संयुक्तांक अब प्रेस में है।)

- **विभागीय पत्रिका**- इसके अतिरिक्त सभी विभागों की ओर से 06 विभागीय पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है। इस वर्ष भी पुनः 07 विभागीय पत्रिकाओं का प्रकाशन संकल्पित है।

1. **व्याकरण** शाब्दी त्रिपथगा (दो अंक प्रकाशित, वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।
2. **साहित्य** साहिती (दो अंक प्रकाशित, वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।
3. **ज्योतिष** दैवी (वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।
4. **वेद** आम्नाय हैमवती(एक अंक प्रकाशित, दो अंक प्रकाशनाधीन)।
5. **आधुनिक** आधुनिक शोध त्रिवेणी (दो अंक प्रकाशित, वर्तमान अंक प्रकाशित)।
6. **न्याय** न्यायशास्त्रार्थप्रकर्षः (वर्तमान अंक प्रकाशनाधीन)।

विविध साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव एवं समारोह

दिनांक 06.05.2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डा. के.के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। दिनांक 8.11.17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारतसरकार के मानव संसाधनविकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रिय योगदिवस- परिसर में योगदिवस 21-06-2019 को मनाया गया।

संस्कृत-सप्ताहोत्सव- श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर 16-08-2019 से 22-08-2019 तक संस्कृत-सप्ताहोत्सव मनाया गया। 16-08-2019 को उद्घाटन समारोह में माननीय अध्यक्ष श्रीमान् बद्रीविशालदास विशिष्टातिथि के रूप में, श्रीमान् नवीनजी (नगरप्रचारक) मुख्यातिथि के रूप में एवं परिसर के प्राचार्य प्रो.के.बी.सुब्बरायुडु अध्यक्ष्य के रूप में उपस्थित थे। दिनांक 22-08-2019 को सम्पूर्तिसमारोह में व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली-विश्वाल विशिष्टातिथि के रूप में तथा परिसरप्राचार्य प्रो. के.बी.सुब्बरायुडु अध्यक्ष के रूप में उद्बोधित किये।

हिन्दी-पखवाड़ा- 14-09-2019 से 28-09-2019 तक मनायागया। उद्घाटनसमारोह में सम्मानितातिथि के रूप में श्रीजयन्ती प्रसाद नौटियाल (महानिदेशक वैश्विकहिन्दीशोधसंस्थान, देहरादून) एवं मुख्यातिथि के रूप में श्रीधनसिंहरावत (उच्चशिक्षा राज्यमन्त्री) उपस्थित थे।

स्वतन्त्रता दिवस- 15 अगस्त 2019 को मनाया गया। जिसमें परिसरप्राचार्यद्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

राष्ट्रिय एकता-सप्ताह- सरदार बल्लभभाई पटेल-जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 31-10-2019 से 06-11-2019 तक राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह मनाया गया। तथा सरदार बल्लभभाई पटेल के जीवन से सम्बन्धित अनेक कार्यक्रम छात्रों के द्वारा किये गये।

स्वच्छतादिवस- गान्धी जयन्ती के अवसर पर 2-10-2019 को परिसर में स्वच्छतादिवस मनाया गया।

सतर्कतादिवसोत्सव- 25-11-2019को परिसर में सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day) मनाया गया।

वसन्तपंचमी- 29-01-2020 को परिसर में बसन्त-पंचमी मनाई गयी।

गणतन्त्रदिवस- 26-01-2020 को परिसर में गणतन्त्रदिवस मनाया गया। जिसमें परिसर प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

मातृभाषादिवस- 21-02-2020 को परिसर में मातृभाषादिवस मनाया गया।

वार्षिकोत्सव- 16-04-2019 को परिसर प्राचार्य जी की अध्यक्षता में परिसर का वार्षिकोत्सव मनाया गया जिस में श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि. के कुलपति प्रो.रमेश कुमार पाण्डेय मुख्यातिथि एवं उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. देवीप्रसादत्रिपाठी विशिष्टातिथि थे। विविध प्रतियोगिताओं में प्रतिभावान् छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इन प्रतियोगिताओं का

संचालन परिसर के विभिन्न अध्यापकों ने किया।

छात्र-प्रतिभागिता

षोडश- अन्त:परिसरीय नाट्योत्सव में भागग्रहण 30.11.19 से 02.12.19 तक संस्थान के अगरतला परिसर में आयोजित षोडश अन्त:परिसरीयनाट्योत्सव में परिसर के छात्र डॉ. श्रीओमशर्मा एवं डा. अरविन्दगौर के सान्निध्य मे वी. राघवनविरचित "अनारकली" नाटक प्रदर्शित कर प्रशंसित हुये। नाट्यप्रस्तुति के निदेशक एवं मार्गदर्शक के रूप में परिसर के डा. कृपाशंकर, डॉ. अनिलकुमार, डा.शैलन्द्रप्रसादउनियाल, डा. दिनेशचन्द्र-पाण्डेय, श्रीपंकज कोटियाल तथा सर्वोपरि परिसर के प्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे।

राज्यस्तरीयशास्त्रस्पर्धा में भागग्रहण- दिनांक 17.10. 19 से 18.10.2019 तक परिसर में आयोजित राज्यस्तरीय-शास्त्रीय स्पर्धा के अन्तर्गत परिसर के छात्रों ने उत्तम प्रदर्शन किया। उद्घाटनसत्र में मुख्यातिथि श्रीविनोद-कण्डारीमहोदय (विधायक देवप्रयाग), विशिष्टातिथि डॉ. भोलाझामहोदय और अध्यक्ष के रूप में परिसर के प्राचार्य प्रो.के.बी. सुब्बारायुडुमहोदय उपस्थित थे। सम्पूर्तिकार्यक्रम में मुख्याातिथि के रूप में श्रीप्रतापसिंह (क्षेत्रीयसंगठनमन्त्री, संस्कृतभारती, उत्तराखण्ड) विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. कञ्चनतिवारी एवं डॉ. मञ्जुनाथतिवारी, डॉ. रतनलालशर्मा उपस्थित रहे। इन राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में अखिलभारतीय स्पर्धा के लिए चयनित परिसरीय प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार-

1. **काव्यकण्ठपाठ** प्रथम तेजवीरआर्य, द्वितीय सिमरनकुमारी, तृतीय दीपककुमार।
2. **अष्टाध्यायीकण्ठपाठ** प्रथम जयप्रकाश, द्वितीय विश्वामित्र, तृतीय अङ्किता।
3. **अमरकोषकण्ठपाठ** प्रथम जयप्रकाश, द्वितीय पीयूषतिवारी।
4. **व्याकरणशलाका** प्रथम श्यामदेव।
5. **गीताश्लोककण्ठपाठ** प्रथम वेदभानु , द्वितीय अन्तिम, तृतीय दीक्षा।
6. **धातुरूपकण्ठपाठ** प्रथमआकाश, द्वितीय पङ्कजकुमारजोशी, तृतीय सुनीलदत्त।
7. **व्याकरणभाषण** प्रथम पुनीतकुमार, द्वितीय मोहितउनियाल।
8. **सांख्ययोगभाषण** प्रथम राजेशकुमार।
9. **वेदभाष्यभाषण** प्रथम आकाशभट्ट तथा भारतकुमार, द्वितीय देवेन्द्रकुमार, तृतीय आकाशउनियाल।
10. **धर्मशास्त्रभाषण** प्रथम ईश्वर।
11. **समस्यापूर्ति** प्रथम आकाश, द्वितीय भारतकुमार, तृतीय देवेन्द्रआर्य।
12. **साहित्यशलाका** प्रथम कैलाश, द्वितीय देवेशपन्त, तृतीय अभिषेकसती।
13. **प्रश्नमंच** प्रथम कालिदासगण, द्वितीय पाणिनिगण, तृतीय दण्डीगण।
14. **अन्त्याक्षरी** प्रथम अजयआर्य, द्वितीय ऋतेश।

अखिलभारतीयशास्त्रस्पर्धा- अगरतला परिसर में दिनांक से 09.01.2020 से 12.01.2020 तक आयोजित अखिलभारतीयशास्त्रस्पर्धा के अन्तर्गत परिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण किया।

एकादश अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव- 07-01-2020 से 10-01-2020 तक श्रीसदाशिव परिसर, पुरी में आयोजित राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान के दशम अन्त:परिसर युवमहोत्सव में परिसरीय छात्रोंने सोत्साह भाग लिया। जिसमें आकाश गैरोला छात्र ने संगणकशिक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना- आवासीय कैंप - गतवर्ष परिसर के छात्रों ने राष्ट्रीयसेवायोजना (आवासीय कैंप) में भागग्रहण किया। इसका आयोजन देवप्रयाग के निकट 'सौंड़' गांव में हुआ जिसका संयोजन डॉ - सुरेश शर्मा, डा. वीरेन्द्र बर्त्वाल ने किया। इस राष्ट्रिय सेवायोजना में कुल 25 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु तथा समापन-समारोह प्रो. बनमाली बिस्वाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें ग्रामप्रधान एवं श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के पूर्वप्रधानाचार्य विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

भावी योजनाएं

(क) परिसरीय समृद्ध ग्रन्थालय- वर्तमान में परिसरीय पुस्तकालय में विविध-विषयक कई हजार पुस्तकें संगृहीत हैं। भविष्य में परिसर में एक समृद्ध पुस्तकालय (पुस्तक एवं हस्तलेखों का) स्थापित करने की योजना है।

पुस्तकालय के अन्तर्गत 03 अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्रों का सञ्चालन -

1. **आधुनिक संस्कृत-साहित्य-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र**- भारत वर्ष के किसी भी पुस्तकालय में आधुनिक संस्कृत-साहित्य के विविध विधाओं की पुस्तकों का सामग्रिक संकलन नहीं है। अत: परिसरीय शोधसमिति द्वारा निर्णय के अनुसार प्रो. बनमाली बिश्वाल के समन्वयकत्व में एवं परिसर प्राचार्य के संरक्षण में परिसर के पुस्तकालय में आधुनिक संस्कृत-साहित्य का एक विशेष विभाग प्रतिष्ठित किया गया जिसका उद्घाटन माननीय उच्च शिक्षामन्त्री डॉ. सत्यपालसिंह के हाथ से दिनांक 8.11.17 को आधुनिक संस्कृत-साहित्य-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र के नाम से हुआ है। इस केन्द्र में अब अनेक सम्बद्ध पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का संकलन हुआ है। प्रो. बनमाली बिश्वाल द्वारा समकालिक संस्कृत-साहित्य- विवरणात्मक ग्रन्थसूची का जो प्रोजेक्ट प्रस्तावित है उसे इसी केन्द्र के माध्यम चलाया जाना है।
2. **पाण्डुलिपि-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र**- पुस्तकालय में प्राचीन, दुर्लभ एवं महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियों का संग्रह एवं संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। एतदर्थ परिसर में पाण्डुलिपि-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र की संकल्पना है पर इस दिशा में कार्य होना अपेक्षित है।
3. **बौद्ध-संस्कृत-साहित्य-संसाधनकेन्द्र**- गतवर्ष डा. प्रफुल्ल गडपाल के संयोजकत्व में बौद्ध-संस्कृत-साहित्य-संसाधनकेन्द्र का उद्घाटन हुआ। इस केन्द्र के माध्यम से पुस्तकालय में बौद्ध-संस्कृत-साहित्य का संकलन एवं उस पर अनुसन्धान कार्ययोजनाएं बनाई जायेगी।

(ख) अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी

परिसर में उत्तराखण्डविद्यावैभवम् विषयक एक त्रिदिवसीय अन्ताराष्ट्रिया संगोष्ठी प्रस्तावित है। अनुदान मिलते ही उक्त संगोष्ठी का आयोजन व्यापक स्तर से किया जाना है।

राष्ट्रीय कार्यशाला-

2. आनेवाले समय में परिसर में कवि-शिक्षा एवं अनुवाद प्रविधि तथा अन्य विषयों पर अलग अलग कार्यशालाएं प्रस्तावित हैं।

शोध एवं प्रकाशन

संस्थान के सभी उपाधियों के लिये नियमित शिक्षण के अतिरिक्त यह परिसर विविध शोध एवं प्रकाशन के लिये भी समर्पित है

- शोध एवं प्रकाशन समिति के विविध उपवेशन- परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु की अध्यक्षता में, शोधविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली बिश्वाल के संयोजकत्व में डा. आर बाल मुरुगन जैसे आन्तरिक सदस्यों के समेत एक स्थानीय शोधसमिति की देख-रेख में परिसरीय विविध शोधयोजना (प्रोजेक्ट, संगोष्ठी आदि) एवं प्रकाशन (पत्र-पत्रिका एवं पुस्तक) आदि कार्य को गति दी जाती है। इस वर्ष कई बिन्दुओं पर इस समिति की एक दो बैठक सम्पन्न हुई।

संकाय सदस्यों की सारस्वत उपलब्धि

इस वर्ष परिसर-प्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बारायुडू एवं प्रो. बनमाली बिश्वाल, प्रो.विजयपालशास्त्री, डा. सच्चिदानन्द स्नेही, डा. आर. बालमुरुगन्, डा. कृपाशंकरशर्मा, डा.अनिलकुमार डा.शैलेन्द्रप्रसादउनियाल समेत परिसर के सभी स्थायी एवं संविदा संकाय सदस्यों के द्वारा विविध राष्ट्रिय अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलनों, कविसम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में भाग ग्रहण सुनिश्चित हुआ। अपनी सारस्वत उपलब्धि के लिये प्रो. बनमाली बिश्वाल, डा. वीरेन्द्र बर्त्वालसमेत कुछ प्राध्यापक एवं कुछ छात्र राष्ट्रिय एवं प्रान्तीय स्तर से सम्मानित भी हुये।

संसाधन

परिसर में स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर लैब, इंटरनेट आदि की सुविधा उपलब्ध है।

शैक्षिक सदस्यों का रिफ्रेसर कोर्स एवं ओरियेंटेसन कोर्स - शून्य

सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के अन्तर्गत प्राप्त /उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

5. वर्ष 2019-2020 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2019-2020 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान (16.08.2019)

डॉ. गोविन्द यलगलवाडी

डॉ. गोविन्द यलगलवाडी, जो अमेरिका देश में रहते हैं, संस्कृत से मोहित हो के 1995वर्षे में संस्कृत संभाषणवर्ग में भाग लिया। अब अमेरिका देशे के संस्कृतभारती समन्वयक के रूप में काम कर रहे हैं। अमेरिका देश के प्रमुख 40 शहरों में संस्कृत प्रचार कर रहे है। इनके प्रयासों के कारण अमेरिका में सहस्राधिक लोग संस्कृत का अभ्यास कर रहे है। नागरिकों को संस्कृत में रुचि उत्पादन के लिए संस्कृत केंद्र की स्थापित किया। लघु बालकों के लिए बाल केंद्र कार्यक्रम आयोजन करके संस्कृत सीख रहे हैं। युवा लोगों के लिए संस्कृत पश्चिमी भाषा, केम्पस संस्कृत नेटवर्क आवासीय संभाषण व्रग इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। पिछले वर्ष में संस्कृत से संबंधित 57 कार्यक्रमों को आयोजित किये हैं।

श्री संपत कुमार

श्री संपत कुमार का जन्म मैसूर में श्रीमतिश्री-सीतालक्ष्मी-वरदराज अयंगर दंपति के दूसरे पुत्र के रूप में हुआ था। आधुनिक पद्धति में बी.काम स्नातक पदवी प्राप्त किया। 1988 वर्ष में श्रीकांत एन्टरप्रैसस संस्था का स्थापना की और मैसूर शहर में पेहिली बार डीटीपी की शुरुआत की। महेदय ने पिछले 29 साल से संस्कृत पत्रिका सुधर्मा के संपादक के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा कई संस्कृत ग्रंथों के संस्कृत संस्करण प्रकाशित करते रहे हैं। 2010 वर्ष में एक संस्कृत पुस्तक मेले की आयोजन की। वेदांतदेशिक के ग्रंथों के प्रचार के लिए श्रीवेंकटेश सभा महासचिव के रूप कार्य कर रहे हैं। उनकी संस्कृत सेवा को देख के माध्यम भीष्म से सम्मानित किये है।

डॉ दन्तू मुरलीकृष्ण

डॉ दन्तू मुरलीकृष्ण भारत के एक प्रसिद्ध दवा कंपनी लुपिन लिमिटेड में कार्यरत है। उनका जन्म आंध्र प्रदेश राज्य के राजामहेंद्र में हुआ। आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री और रसायन शास्त्र में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से पीएचडी उपाधि प्राप्त किये। अब भोपाल में रहकर विवध रोगनिरोधक औषध निर्माण काम कर रहे हैं। वैज्ञानिक क्षेत्र में 35 वर्षों का अनुभव है। भगवद्गीता की प्रचार प्रसार के लिए संभवामि युगे युगे शीर्षकान्वित एक करोड अधिक धनराशि व्यय कर के ध्वनि मुद्रक और पुस्तको का निर्माण और वितरण किया है। इस ध्वनिमुद्रिका में प्रबन्धन सिद्धांत और आध्यात्मिक पहलू सन्निहित हैं। भगवद्गीता अभियान के और से निशुल्क भगवद्गीता के वितरण कर रहे हैं ।

5.2 संस्कृत सप्ताहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में दिनाङ्क 12.08.2019 से 18.08.2019 तक संस्कृत सप्ताह का उल्लास पूर्वक आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह का विशिष्ट समारोह मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ सहित अन्य संस्कृत के प्रतिष्ठित संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 16.08.2019 को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस समारोह के अध्यक्ष के रूप में माननीय संसधान विकास मंत्रालय, संयुक्त सचिव भाषा (एच.ई) श्री संजय कुमार सिन्हा उपस्थित थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति महोदय, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ के

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
राष्ट्रियमूल्याङ्कन-प्रत्यायनपरिषदा 'ए'-श्रेण्या प्रत्यायितः
नवदेहली
शुक्रवासरः

॥ संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः ॥
विशिष्टसमारोहः

कुलपति महोदय के तत्त्वाधान में कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृतेतर संस्कृत के प्रचार–प्रसार में संलग्न विद्वानों डॉ. गोविन्द यलगलवाडी, श्री संपत कुमार तथा डॉ. दन्तू मुरलीकृष्ण को विशिष्ट सेवाव्रती सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्थान मुख्यालय में विद्यालय, महाविद्यालय, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सुभाषित कण्ठपाठ, स्तोत्रपाठ, भाषण स्पर्धा, निबन्ध लेखन इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस समारोह में दिल्लीस्थन विभिन्न संस्थाओं के छात्र–छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया।

दिनांक 19.08.2019 को सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. विजयलक्ष्मी, सचिव केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली तथा अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री महोदय रहे। प्रो. सुब्रह्मण्यम् शर्मा, कुलसचिव तथा प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, निदेशक मुक्तस्वाध्यायपीठ भी उपस्थिति रहे। इस अवसर पर छात्रों को पुरस्कार वितरित किया गया।

5.3 स्थापना दिवस

दिनांक 15.10.2019 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 50वाँ स्थापना दिवस संस्थान के मुख्यालय में बहुत ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय परम्परा के अनुसार दीपप्रज्वलन और सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. गोपीरमण मिश्र, पूर्व परीक्षा नियंत्रक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री जी उपस्थित रहे।

5.4 58वाँ अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

58वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरूकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है।

राष्ट्रीय स्तर की 58वाँ अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 09.01.2020 से 12.01.2020 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 350 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोष एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 35 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु.2000/- एवं रु.1500/- प्रदान किये गये। कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की।

श्री असीम साह, जिलाधिकारी, अगरतला, त्रिपुरा सरकार, ने सत्र का उद्घाटन किया। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. श्रीपादसुब्रह्मण्यम्, सेवानिवृत्त आचार्य, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद तथा सारस्वत अतिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्त स्वाध्याय पीठ के निदेशक, प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति जी उपस्थित थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर के प्राचार्य प्रो. आर.के.बर्मन भी उद्घाटन सत्र उपस्थित थे।

समापन समारोह अपराह्न दिनांक 12.01.2020 को जिसमें मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा राज्य की उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माननीय अरिंदम लोध तथा विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. के.सी. पाढ़ी, पूर्व कुलपति, श्रीजगन्नाथविश्वविद्यालय, पुरी समुपस्थित थे।

5.5 अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस

संस्थान में दिनांक 21.06.2019 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सोत्साह भाग लिया।

5.6 सत्रहवाँ अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्यस्पर्धा के रूप में सोलहवाँ संस्कृत नाट्य महोत्सव एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में दिनांक 30.11.2019 से 02.12.2019 तक आयोजित किया गया। इस उत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में श्री भारतरत्न भार्गव, कुलगुरु नाट्यकुलम् संस्था, जयपुर, विशिष्टातिथि के रूप में सज्जू वाहिद, जिलाधिकारी, त्रिपुरा तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान उपस्थिति रहे। इस उत्सव में 12 नाटकों/रूपकों की प्रस्तुति की गई।

समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री नरेन्द्रचन्द्र देबबर्मा, राजस्व मन्त्री, त्रिपुरा सरकार, विशिष्टातिथि के रूप में श्री रतनलाल नाथ, शिक्षामन्त्री, त्रिपुरा सरकार, सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. गौतमकुमार बसु, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला तथा संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री ने अध्यक्ष पद को अलङ्कृत किया।

नाट्योत्सव में राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी परिसर (कर्नाटका), भोपाल परिसर, भोपाल (मध्यप्रदेश) तथा गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर (केरला) और लखनऊ परिसर (लखनऊ) ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

5.7 एकादश अन्तः परिसरीय युवा महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का एकादश युवा महोत्सव दिनांक 07.02.2020 से 10.02.2020 तक श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा में आयोजित किया गया। इस युवा महोत्सव में साहित्य-संगीत-कला-क्रीडादि स्पर्धाओं में परिसरीय छात्रों ने उत्साह सहित भाग लिया। युवा महोत्सव के उद्घाटन सत्र में पुरी शहर में भव्य शोभा यात्रा की गई। उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, पूर्व कुलपति एवं किस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी एवं अध्यक्ष के रूप में प्रो. पी.एन्. शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तथा सभी परिसरों के प्राचार्यगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. पी.एन्. शास्त्री ने कहा गीता में कहा है कि- 'जय और पराजय को समान रूप से स्वीकार करना चाहिए तथा जय और पराजय लक्ष्यसाधन के लिए सोपान हैं। अतः सभी छात्र सोत्साह भागग्रहण करें तद् द्वारा शारीरिक-मानसिक विकास होगा।

इस तीन दिनों के उत्सव में विभिन्न प्रकार की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिनमें सांस्कृतिक स्पर्धाओं में एककसंगीत, शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, अभिनय तथा चित्रकला स्पर्धाओं में आशुचित्रण, भित्तिपत्र निर्माण, व्यङ्ग्य चित्र निर्माण तथा रंगवल्ली चित्रण का आयोजन किया गया। शैक्षिक स्पर्धाओं में कण्ठ-पाठ, वादविवाद, संगणकीय स्पर्धा तथा स्फूर्ति स्पर्धा आयोजित हुई। इस प्रकार शारीरिक स्पर्धाओं खो-खो, कबड्डी, हस्तकन्दुक, धावन, कूद, कुन्तक्षेपण, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, योगासन इत्यादि स्पर्धाएं हुई।

दिनांक 10.02.2020 को अपराह्न में युवा महोत्सव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन समारोह में ओडिशा राज्य के राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। युवा महोत्सव की स्पर्धाओं में श्रीसदाशिव परिसर, पुरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एकादश: अन्त:परिसरीय: युवमहोत्सव:
11th Inter Campus Youth Festival
०७ - १० फरवरी, २०२०

एकादश: अन्त:परिसरीय: युवमहोत्सव:
11th Inter Campus Youth Festival

एकादश: अन्त:परिसरीय: युवमहोत्सव:
11th Inter Campus Youth Festival
०७ - १० फरवरी, २०२०
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालय:)

5.8 हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु बहुत ही मनोयोग से हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 14.09.2018 से 28.09.2018 तक किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

5.9 एकता दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा राष्ट्रीय एकता सम्पादन हेतु दिनांक 31.10.2018 को एकता दिवस का आयोजन बहुत ही उत्साह से किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं देश भक्ति के जागरण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सोत्साह भाग लिया।

5.10 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण के प्रयास हेतु सतर्कता जागरूकता सप्ताह उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन बहुत ही उत्साह से दिनांक 29.10.2018 से 03.11.2019 तक किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

5.11 6ठवां दीक्षान्त समारोहः

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 6ठवां दीक्षान्त समारोह दिनांक 24.08.2019 को सिरिफोर्ट प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इसा समारोह में भारत सरकार में मानव संसाधन विकास मन्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलाध्यक्ष डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्ष संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान एवं पूर्व मुख्य न्यायाधिपति भारत श्री रमेशचन्द्र लाहोटी ने दीक्षान्त भाषण दिया। संस्कृतभाषा सभी भाषाओं की जननी है, इस भाषा में ऋषियों के तपोबल से प्राप्त ज्ञान राशी विद्यमान है, वेद पुराण, शास्त्र और सर्वसमता भाव और विश्वशान्ति का उपदेश देती है। यही भाषा कहती है कि "विश्वं भवत्येकनीडम्" अर्थात् जहाँ पर सम्पूर्ण विश्व एक है, "मा गृधः कस्यस्विद्धनम्" सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु

निरामया: सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दु:खभाग भवेत् इस प्रकार वेद कहता है इन प्रमुख विषयों पर डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने अपने भाषण में कहा। ऋषियों के निरन्तर तपस्या से यह हमारी ज्ञानराशी और शास्त्र परम्परा आज भी जीवित है, आज यह महत्वपूर्ण दिन है, कि आज आप सब अपनी दीक्षा को पाकर समाज में जायें इसलिए आपका स्वागत है, संस्कृत भाषा लोकभाषा थी यह "प्रयुक्तानाम् अन्वाख्यानम् इदं व्याकरणम्" इस कथन से ज्ञात होता है। काव्यसाहित्य में प्रयुक्त शब्दों का अन्वख्यान व्याकरण नही होता अपितु व्यवहार में अर्थात् लोक में विद्यमान शब्दों का अन्वाख्यान व्याकरण करता है। संस्कृत भाषा ही राष्ट्रभाषा होनी चाहिए, ऐसा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था। इस वैज्ञानिक युग में संस्कृत भाषा में विद्यमान नवीन तथ्यों का अन्वेषण बहुत अपेक्षित है, तभी हम सब आगे बढ़ेगे, इस प्रकार भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा। दीक्षान्त समारोह में शास्त्रादि आचार्य गोविन्दचन्द्र मिश्र एवं वेद-शास्त्रादि निष्णात आचार्य सदाशिव रामकृष्ण भट्ट को 'महामहोपध्याय' उपाधि दी गई। इस समारोह में प्रबन्ध परिषद् के सदस्य और विद्वत परिषद् के सदस्य उपस्थित थे। संस्थान के सम्पूर्ण परिसरों के छात्रों ने स्नातक, विद्या वारिधि उपाधि को प्राप्त किया।

5.12 राष्ट्रपति सम्मान समारोह
(04-05.04.2019)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष संस्कृत, पालि, प्राकृत, फ़ारसी तथा अरबी भाषा में निपुणता एवं शास्त्रीय पाण्डित्य के लिए विद्वानों का **राष्ट्रपति सम्मान** हेतु चयन किया जाता है साथ ही महर्षि बादरायण व्यास सम्मान से युवा विद्वानों को प्रोत्साहित करने हेतु भी राष्ट्रपति सम्मान के लिए चयन किया जाता हैं। इस सम्मान की घोषणा प्रत्येक वर्ष स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व सन्ध्या पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा की जाती हैं। कार्यक्रम में संस्कृत, पालि, प्राकृत फ़ारसी, अरबी, शास्त्रीय तमिल, तेलुगु, कन्नड़ एवं उड़िया के राष्ट्रपति सम्मान विद्वानों को पांच लाख रूपये की एकमुश्त धनराशि, प्रशास्ति पत्र सम्मान के रूप में दिया जाता है। इसी प्रकार महर्षि बादरायण व्यास सम्मान के रूप में युवा विद्वान् को एक लाख रूपये की एकमुश्त धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाता हैं। उक्त सम्मान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक संस्कृत विद्वान् को भी संस्कृत में अपने योगदान के लिए राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

वर्ष 2016, 2017 एवं 2018 का राष्ट्रपति सम्मान समारोह दिनांक 04 अप्रैल 2019 अशोका होटल एवं 05 अप्रैल 2019 को राष्ट्रपति भवन स्थित अशोक सभागार में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द एवं उप-राष्ट्रपति वेंकैया नायडू महोदय द्वारा संस्कृत, पालि, प्राकृत फ़ारसी, अरबी, शास्त्रीय तमिल, तेलुगु, कन्नड़ एवं उड़िया भाषा के युवा विद्वानों को भी महर्षि बादरायण सम्मान से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान वर्ष 2016

संस्कृत

1. श्री आर. वेंकटारमन
2. श्री विश्वनाथ गोपाला कृष्ण
3. श्री जिया लाल काम्बोज
4. डॉ. भवेन्द्र झा
5. प्रो. प्रियतम चन्द्र शास्त्री
6. प्रो. गुरुपाद के. हेगड़े
7. प्रो. एस.टी. नागराज
8. श्री सनातन मिश्रा
9. श्री सृष्टि लक्ष्मी प्रसन्नाञ्जनेय शर्मा
10. प्रो. (श्रीमती) लक्ष्मी शर्मा
11. प्रो. बिश्वनाथ भट्टाचार्य
12. प्रो. रामनारायण दास
13. डॉ. रामशंकर अवस्थी
14. श्री हृदय रंजन शर्मा
15. डॉ. जानकी प्रसाद द्विवेदी

संस्कृत (अन्तर्राष्ट्रीय)

16. श्री फर्नाण्डो टोला

अरबी

17. श्री अब्दुल मुसब्बिर भूयां
18. श्री सैय्यद असद रजा हुसैनी
19. श्री बद्र-ए-जमाल इस्लाही

फारसी

20. हाकिम सैय्यद गुलाम मेंहदी राज
21. चौधरी वहाज अहमद अशरफ
22. मौलवी एच. रेहमान काबली

पालि

23. श्रीमती बेला भट्टाचार्य

प्राकृत

24. डॉ. दामोदर शास्त्री

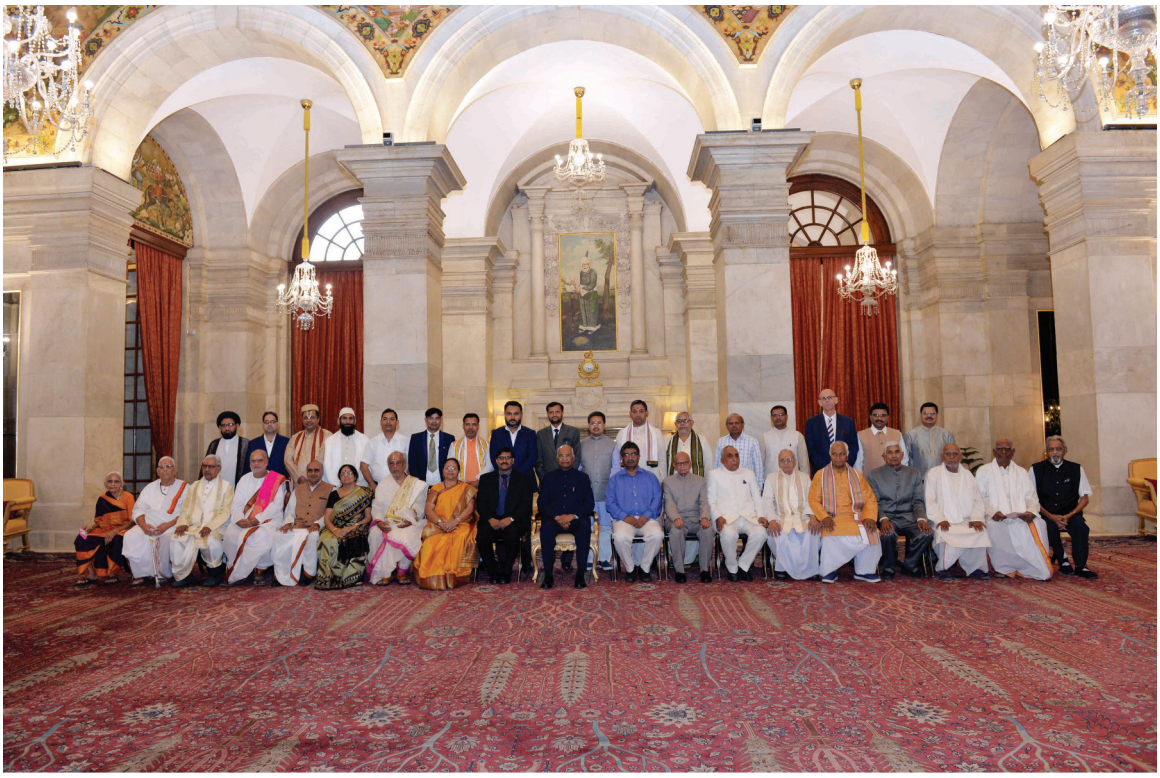

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान 2016

25. श्री महानन्द झा
26. डॉ. सुन्दर नारायण झा
27. डॉ. जी.एस.वी. दत्तात्रेय मूर्ति
28. डॉ. विश्वनाथ धीताल
29. डॉ. शंकर राजारमन

अरबी

30. डॉ. मोहम्मद कुतुबुद्दीन

फारसी

31. डॉ. हसीन उज जमान

पालि

32. डॉ. उज्जवल कुमार जैन

प्राकृत

33. डॉ. योगेश कुमार जैन

राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान वर्ष 2017

संस्कृत

1. प्रो. (डॉ.) के.वी. रामकृष्णामाचार्युलु
2. प्रो. रामचन्द्र झा
3. प्रो. दीप्ति शर्मा त्रिपाठी
4. श्री अनन्था शर्मा भुवनगिरि
5. प्रो. पी.सी. मुरलीमाधवन
6. प्रो. केदार नारायण जोशी
7. प्रो. उमा वैद्य
8. प्रो. (डॉ.) गोपीनाथ मोहापात्रा
9. डॉ. सृष्टि लक्ष्मीनरसिंह
10. डॉ. जगदीश प्रसाद सेमवाल
11. प्रो. बद्री नारायण पंचोली
12. श्री एस. राममूर्ति शास्त्री
13. प्रो. बी. नरसिंहचार्युलु
14. प्रो. राधेश्याम चतुर्वेदी
15. प्रो. प्रभु नाथ द्विवेदी

संस्कृत (अन्तर्राष्ट्रीय)

16. डॉ. चिरापत प्रपन्दविद्या

अरबी

17. प्रो. मोहम्मद नूमान खान
18. प्रो. मकसूद अहमद
19. मौलाना नूर आलम आमिनी

पालि

23. प्रो. हरि शंकर शुक्ला

प्राकृत

24. प्रो. सागरमल जैन

कन्नड़ (उत्कृष्ट)

25. डॉ. टोगेर वेंकटासुब्बु शास्त्री वेंकटाचार्य शास्त्री

मलयालम (उत्कृष्ट)

26. डॉ. वी.आर. प्रबोधचन्द्र नैयर

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान 2017

27. डॉ. कन्दाला कदाम्बिनी
28. डॉ. गायत्री मुरलीकृष्ण रेवुरी
29. डॉ. उमेश नेपाल
30. डॉ. रामनारायण द्विवेदी
31. डॉ. शिवशंकर मिश्रा

फारसी

20. प्रो. (डॉ.) सैय्यद अनुल हसन
21. प्रो. (डॉ.) सैय्यदा रुकैय्या
22. डॉ. मोहम्मद फिरोज

अरबी

32. डॉ. मसूद आलम

फारसी

33. डॉ. अब्दुल सलाम जीलानी

पाली

34. डॉ. ग्यानादिय शाक्य

प्राकृत

35. डॉ. मसूद आलम

राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान वर्ष 2018

संस्कृत

1. डॉ. समुद्रला वेंकट आर. रामानुजचार्युलु
2. डॉ. रघुवीर वेदालंकार
3. प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी
4. डॉ. वसंतकुमार एम. भट्ट
5. डॉ. बलदेवानन्द सागर
6. डॉ. वीरेन्द्र कुमार मिश्रा
7. श्री विनायक उडुपा
8. डॉ. गंगाधरन नैय्यर जी
9. प्रो. (डॉ.) वेद प्रकाश उपाध्याय
10. डॉ. शिव सागर त्रिपाठी
11. डॉ. वांगीपुरम नवनीतम वेदांत देशिकन
12. प्रो. कृष्णकान्त शर्मा
13. डॉ. नरेन्द्र नाथ पाण्डेय
14. प्रो. (डॉ.) महावीर अग्रवाल
15. श्री मृणाल कान्ती बन्धोपाध्याय

पालि

16. डॉ. करमतेज सिंह सराओ

प्राकृत

17. प्रो. फूल चन्द जैन

अरबी

18. डॉ. गुलाम याहया अंजुम
19. प्रो. (डॉ.) एन.ए. मोहम्मद अब्दुल कादिर
20. मोहम्मद बदीउर रहमान

फारसी

21. डॉ. गुलाम याहया अंजुम
22. श्रीमती सैय्यदा खुर्शीद फातिमा हुसैनी
23. डॉ. (श्रीमती) शाइस्ता अख्तर खान

कन्नड़ (उत्कृष्ट)

24. डॉ. एम. चिदानन्द मूर्ति

तेलुगु (उत्कृष्ट)

25. डॉ. बेतावोलु रामब्राह्मम

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान 2018

संस्कृत

26. श्री मुरली नन्दी

प्राकृत

27. डॉ. आनन्द कुमार जैन

अरबी

28. डॉ. के. अली नौफुल

फारसी

29. प्रो. अखलाक अहमद अंसारी (अहान)

6. संलग्नक

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

(1.04.2019 से 31.03.2020)

1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष, पदेन
2.	प्रो. पंकज लक्ष्मण लाल जैनी कुलपति, महर्षि पाणिनी संस्कृत और वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्यप्रदेश	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
3.	डॉ. चाँद किरण सालूजा अकादमिक निदेशक, संस्कृत प्रोत्साहन फॉउण्डेशन, नई दिल्ली	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
4.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय प्रो. संस्कृत विभाग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
5.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषाएं) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन)
6.	संयुक्त सचिव एवं (वित्त सलाहकार) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन)
7.	प्रो. श्रीनिवास वारखड़ी कुलपति, कविकुलगुरू कालिदास संस्कृत विश्वविद्यलाय माउदा रोड़, रामटेक, (महाराष्ट्रा) जिला-नागपुर-441006	सदस्य (06.06.2022)
8.	प्रो. वासुदेव शर्मा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (26.04.2019)
9.	प्रो. विजय कुमार जैन प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य (26.04.2019)

क्रमशः....

10.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा संकायाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्र) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ प्रथम तल, सुरुची कला भवन, विद्या विहार (पूर्वी), मुम्बई-400077	सदस्य
11.	प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश (प्रो. धर्मशास्त्र), राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
12.	श्री शरत् चन्द्र शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर (अंग्रेजी) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) श्रीरणबीर परिसर, ग्राम पोस्ट कोट-भलवाल, (नजदीक सेन्ट्रल जेल) तहसील एवं जिला जम्मू)181122	(सदस्य)
13.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सचिव (पदेन)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(07 जनवरी 2020 के अनुसार)

1. कुलपति — अध्यक्ष
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

संकायाध्यक्ष

2. प्रो. सुदेश कुमार शर्मा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र,
के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई

3. प्रो. अर्कनाथ चौधरी — सदस्य
संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग (वेद, व्याकरण, ज्यौतिष,
पुराणेतिहास एवं धर्म शास्त्र)
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
जयपुर-302018 (राजस्थान)

4. प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
जयपुर-302018 (राजस्थान)

5. श्री शरत् चन्द्र शर्मा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

6. प्रो. के.पी. केशवन — सदस्य
संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

क्रमशः....

7. प्रो. सुब्राय वेंकटरमन भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, दर्शन (अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
संख्या योग और न्याय दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. श्रृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

8. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्ष

9. प्रो. (श्रीमती) सी.एल. सिसली — सदस्य
अध्यक्ष, व्याकरण,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

10. प्रो. अतुल कुमार नन्दा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

11. प्रो. श्रीमती सन्तोष मित्तल — सदस्य
विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

12. प्रो. विजय कुमार जैन
विभागाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ

13. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय — सदस्य
विभागाध्यक्ष, हिन्दी,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ

14. प्रो. विजयपाल शास्त्री — सदस्य
विभागाध्यक्ष, साहित्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ

15. प्रो. मीनाति रथ — सदस्य
विभागाध्यक्ष, पुराणेतिहास,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

16. प्रो. भारत भूषण मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, ज्यौतिष,
के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई

17. प्रो. रंजीत कुमार बर्मन — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेदान्त,
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

18. प्रो. सत्यम कुमारी — सदस्य
विभागाध्यक्ष, न्याय
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

19. प्रो. (श्रीमती) गौरी प्रिया दास — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सर्वदर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

20. प्रो. कमलेश कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

21. प्रो. मनोज कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद विभाग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

22. श्री शरत् चन्द्र शर्मा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

23. डॉ. सूर्य नारायण भट्ट — सदस्य
विभागाध्यक्ष, मीमांसा संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

24. डॉ. अशोक कुमार मीणा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सांख्य योग,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

25. प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल, (उत्तराखण्ड)

26. प्रो. भगवती सुदेश — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

27. प्रो. एच.के. मोहापात्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

28. प्रो. लोकमान्य मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

29. प्रो. फतह सिंह — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

30. प्रो. राजन ई.एम. — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

31. प्रो. रमाकान्त पाण्डेय — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

32. प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज (उ.प्र.)

33. प्रो. बनमाली बिश्वाल — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल, (उत्तराखण्ड)

34. प्रो. कमल चन्द्र योगी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

35. डॉ. उदय नाथ झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

36. डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्य — सदस्य
वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

37. डॉ. रामचन्द्रुलु बालाजी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. शृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

38. डॉ. बत्तीलाल मीणा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

39. डॉ. विष्णुकान्त निर्मल — सदस्य
वेद व्यास परिसर, बलाहार
(हिमाचल प्रदेश)

40. डॉ. गणेश शंकर — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ

तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं

41. प्रो. आर्. एन्. शर्मा — सदस्य
14, जीवनकृष्णपथ, हेंग्राबारी
गुवाहाटी-781036

42. प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री — सदस्य
3/127, इन्द्रा विहार, ओल्ड जॉनीपुर,
जम्मू तवी-180007

43. प्रो. वीरुपाक्ष वी. जड्डीपाल — सदस्य
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान
चिन्तामणि गणेश मार्ग, जवासिया,
उज्जैन, पिन-456006 (म.प्र)

तीन सदस्य जो शैक्षणिक नहीं थे, विद्वत् परिषद् की मीटिंग में शामिल नहीं थे

44.
45. } विद्वत् परिषद् द्वारा चुने जाने पर
46.

47. कुलसचिव — सचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020)

1.	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	डॉ. पंकज लक्ष्मण जानी कुलपति डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय अहमदाबाद - 382481 (गुजरात)	सदस्य
3.	प्रो. चान्द किरण सलूजा संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान 11204/5, द्वितीय तल, गौशाला मार्ग, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली	सदस्य
4.	श्री नवीन सोई निदेशक (सेवानिवृत्त) वित्त विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, वाई-34, हौजखास, नई दिल्ली-110016	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य (पदेन)
6.	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य (पदेन)
7.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा कुलसचिव (प्र.), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2020 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन.आर. कन्नन	प्राचार्य	
2.	डॉ. शैल कुमारी मिश्रा	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
4.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
5.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
9.	डॉ. मोनाली दास	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	प्राचार्य (प्र.)	
2.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
5.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
6.	प्रो. ललित कुमार साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पुरुस्थी	आचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. (श्रीमती) गौराप्रिय दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	प्रो. विजय पाल कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	प्रो. देवदत्त सरोडे	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
12.	प्रो. के. हरिप्रसाद	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	प्रो. शम्भुनाथ महालिक	आचार्य	वेदान्त
14.	प्रो. मखलेश कुमार	आचार्य	पुराणेतिहास
15.	डॉ. उदयनाथ झा	सहाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. रमाकान्त मिश्रा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. ऋषि राज	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सहायकाचार्य	सांख्ययोग
20.	डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
22.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहायकाचार्य	साहित्य
23.	डॉ. महेश झा	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
24.	डॉ. गणपति शुक्ल	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
25.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सहायकाचार्य	ज्योतिष
26.	डॉ. श्रीमती अनुराधामणि प्रतिहारि	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
27.	डॉ. (श्रीमती) सावित्री शतपथी	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
28.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सहायकाचार्य	इतिहास
29.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
30.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. सुशान्त कुमार राय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. ओम नारायण मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. सागरिका नन्दा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
34.	डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
35.	डॉ. रमाकान्त झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
36.	डॉ. नन्दीघोष महापात्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
37.	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी महापात्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
38.	डॉ. नेपाल दास	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्राचार्य(प्र.)	

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
2.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य	वेद
4.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्रा	आचार्य	ज्योतिष
5.	प्रो. कुलदीप शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. सतीश कुमार कपूर	आचार्य	साहित्य
7.	प्रो. शरत् चन्द्र शर्मा	सहाचार्य	अंग्रेजी
8.	प्रो. सच्चिदानन्द शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
9.	डॉ. राम दास संगोत्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
10.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्य	ज्योतिष
11.	डॉ. घनश्याम मिश्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
12.	डॉ. मदन कुमार झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. चन्द्रधर मेहर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. बिजया कुमार जेना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. रानी दाधीच	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
17.	डॉ. इन्द्र कुमार मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. गौतम कुमार चौधरी	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा
19.	डॉ. पंकज	सहायकाचार्य	साहित्य

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सी.एच.एल.एन. शर्मा	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. ई.एम. राजन	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. अशोक कुमार कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. नवीन होल्ला	आचार्य	न्याय
5.	डॉ. आर्. प्रतिभा	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
6.	डॉ. के.के. शाइन	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहाचार्य	शिक्षा शास्त्र
8.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. एन्.आर्. श्रीधरन्	सहाचार्य	न्याय

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
10.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा एच.	सहायकाचार्या	साहित्य
12.	डॉ. ई.आर. नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
14.	श्रीमती के.ए. जेस्सी	सहायकाचार्य	आधुनिक
15.	डॉ ललिता चन्द्रन	सहायकाचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
17.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. (श्रीमती) राधिका पी.आर्.	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
19.	डॉ. शीबा एम.के.	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
20.	डॉ. विजयानन्दा अदीगा बी.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
21.	डॉ. श्रीनिवासन पी.के.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
22.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्राचार्य (प्र.)	
2.	प्रो. भगवती सुदेश	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. संतोष मित्तल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. फतेह सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. गजेन्द्र शर्मा	आचार्य	शारीरिकशिक्षा
7.	प्रो. शिवकान्त झा	आचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. रामकुमार शर्मा	आचार्य	साहित्य
9.	प्रो. श्रीधर मिश्र	आचार्य	व्याकरण
10.	प्रो. सत्यम कुमारी	आचार्य	सर्वदर्शन
11.	प्रो. रमाकान्त पण्डया	आचार्य	साहित्य
12.	प्रो. वाई.एस. रमेश	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
14.	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
15.	प्रो. श्यामदेव मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
16.	प्रो. शुभस्मिता मिश्रा	सहाचार्य	ज्योतिष
17.	प्रो. किशोर कुमार दलाई	सहाचार्य	साहित्य
18.	प्रो. कमल चन्द्र योगी	आचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. शीशराम	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
23.	डॉ. रेखा कुमारी	सहायकाचार्य	हिन्दी
24.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सहायकाचार्य	राजनीतिविज्ञान
25.	डॉ. हरिओम शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. अमृता कौर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. अञ्जू चौधरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. मनीष कुमार चण्डाक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
30.	डॉ. बलवीर सिंह मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. पवन व्यास	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
32.	डॉ. मनोज कुमार साहु	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
33.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सहायकाचार्य	ज्योतिष

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. विजय कुमार जैन	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. सर्व नारायण झा	आचार्य	ज्योतिष
3.	प्रो. लोक मान्य मिश्र	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य	आधुनिक
6.	प्रो. हरि नारायण तिवारी	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य	ज्योतिष
8.	प्रो. (श्रीमती) अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
9.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. (श्रीमती) ग़ज़ाला अंसारी	आचार्य	साहित्य
13.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायकाचार्य	बौद्धदर्शन
16.	श्री जगन्नाथ झा	सहायकाचार्य	राजनीति-शास्त्र
17.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायकाचार्य	अर्थशास्त्र
18.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. प्रफुल्ल गडपाल	सहायकाचार्य	साहित्य
20.	श्री प्रमोद कुमार शुक्ल	सहायकाचार्य	व्याकरण
21.	डॉ. नीरज तिवारी	सहायकाचार्य	साहित्य
22.	डॉ. दे. दयानाथ	सहायकाचार्य	वेद
23.	डॉ. कृष्ण कुमारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ए.पी.सच्चीदानन्द	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
3.	प्रो. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
4.	प्रो. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	आचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. गोरांग बाग	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. सूर्यनारायण भट्ट	आचार्य	मीमांसा
7.	डॉ. चन्द्रकान्त	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदान्त
10.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
11.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. के.ए. पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
14.	डॉ. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
15.	डॉ. गणेश टी. पण्डित	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. वेंकटेश तातार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा
17.	डॉ. नारायण वैद्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. पी. अरविन्द कुमार सोमदत्त	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. दयानिधि शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. कोमपेल्ली विनय कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
21.	डॉ. प्रमोद भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
22.	डॉ. विश्वनाथ हेगड़े	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. सोमाथ साहू	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहाचार्य	ज्योतिष
4.	डॉ. मञ्जूनाथ एस.जी.	सहाचार्य	अद्वैतवेदान्त
5.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त
6.	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. हरि नारायण धर द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. संजय कुमार	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा
10.	डॉ. मनीष जुगरान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. सत्यदेव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. प्रतिज्ञा आर्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. कृष्णानन्द दनान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
14.	डॉ. बी. नरेश कुमार नाईक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. राजकुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. रागिनी शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
17.	डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी	सहायकाचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. सुभाष चन्द्र	सहायकाचार्य	हिन्दी
19.	डॉ. गोपाल वर्मा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
20.	डॉ. महिपाल सिंह	सहायकाचार्य	साहित्य

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	
2.	प्रो. भानूमूर्ति	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य	ज्योतिष
5.	प्रो. नीलाभ तिवारी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. नागेन्द्रनाथ झा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	सहाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. अर्चना दूबे	सहाचार्य	हिन्दी
10.	डॉ. आर.एल. नारायण सिम्हा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. वेंकटरमण एस. भट्ट	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. योगेश कुमार जैन	सहाचार्य	जैनदर्शन
13.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. प्रदीप कुमार पण्ड्या	सहाचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	डॉ. मोहनी अरोड़ा	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	हिन्दी

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
20.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
21.	श्री प्रताप	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
22.	डॉ. नितिन कुमार जैन	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
23.	डॉ. कृष्णकान्त तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. दाताराम पाठक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. कलिकाप्रसाद शुक्ल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. दम्ब्रूधर पति	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. रमन मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. रजनी वी.जी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. राकेशकुमार वर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
30.	डॉ. गोविन्द सरकार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. रजनी	सहायकाचार्य	साहित्य

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	आचार्य	ज्योतिष
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. लीना सखरवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. आरती मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. एस. कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. दशरथ भारसागर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरु	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. सुभाषचन्द्र मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण

क्रमशः....

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	आचार्य	सर्वदर्शन
3.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य	ज्योतिष
4.	प्रो. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	आचार्य	शिक्षा शास्त्र
5.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
7.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	आचार्य	बौद्ध दर्शन
5.	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. कृष्ण शर्मा	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	वेदान्त
10.	डॉ. जी. नरसिंहुलु	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त
11.	डॉ. आर. शिवरामकृष्णासिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. बी. वेंकटा लक्ष्मी नारायण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. नन्ददूलाल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. अनूप बिश्वास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. श्रीकारा जी.एन.	सहायकाचार्य	अद्वैतवेदान्त
16.	डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
17.	डॉ. गनेश्वर नाथ झा	सहायकाचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. सुमन अचारजी	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
19.	डॉ. मनोज श्रीमल	सहायकाचार्य	ज्योतिष

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	प्राचार्य(प्र.)	
2.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही	सहाचार्य	न्याय
5.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहायकाचार्य	न्याय
6.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. शेलेन्द्र प्रसाद उनियाल	सहायकाचार्य	वेद

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01.04.2019 से 31.03.2020 तक)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	अजय कुमार 1503	इलाहाबाद परिसर	संस्कृतभक्तिकाव्यपरम्परायां पुरुषोत्तमकविप्रणीतायाः विष्णुभक्तिकल्पलतायाः साहित्यिकं परिशीलनम्	साहित्य
2.	मनीष कुमार त्रिपाठी 1539	इलाहाबाद परिसर	अद्वैतयतिप्रणीतस्य राघवोल्लासमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमनुशीलनम्	साहित्य
3.	सस्मिता वन्दर नायक 1537	पुरी परिसर	उत्कलमणिपण्डितगोपबन्धुदाससाहित्ये दार्शनिकतत्त्वानां समीक्षणम्	सर्वदर्शनम्
4.	तेज प्रकाश 1522	लखनऊ परिसर	आचार्यअभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतस्य "लीलाभोजराजम्" नाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
5.	जितेन्द्र जोशी 1542	जयपुर परिसर	महाकवि हरिरामाचार्यविरचितानां ध्वनिरूपकाणां समीक्षणम्	साहित्य
6.	अखिलेश कुमार त्रिपाठी 1598	भोपाल परिसर	छात्राणां सांस्कृतिकवैविध्यसम्बन्धे आक्रामकता आध्यात्मिकविश्वासयोरध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
7.	अनमोल शर्मा 1649	जम्मू परिसर	ध्वनिस्थापने व्याकरणदर्शनशास्त्रयोरवदानम्	साहित्य
8.	बृजेश चन्द्र उपाध्याय 1538	लखनऊ परिसर	पौराणिकपृष्ठभूमौ गङ्गासंरक्षणोपायविमर्शः	साहित्य
9.	चन्द्र बल्लभ नैनवाल 1551	लखनऊ परिसर	प्रो. सुधीकान्तभारद्वाजविरचितपरशुरामोदयमहाकाव्यस्यानुशीलनम्	साहित्य
10.	दीपक कुमार मिश्र 1508	इलाहाबाद परिसर	अभिधानचिन्तामणौ 'व्युत्पत्तिरत्नाकर'-टीकायाः सम्पादनम् अनुशीलनं च	साहित्य
11.	मंजू सिंह 1556	गरली परिसर	श्रीअरविन्दघोषस्य महामना पं. मदनमोहनमालवीयस्य च शिक्षादर्शनस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
12.	श्रीकृष्ण शर्मा 1526	जयपुर परिसर	राजस्थानप्रान्तस्थ-माध्यमिकविद्यालयीय संस्कृतपाठ्यपुस्तकानां मानवीयमूल्यान्याश्रित्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
13.	मनोज श्रीमाल 1565	जयपुर परिसर	अग्निपुराणे प्रतिपादितानां त्रिस्कन्धज्यौतिषतत्त्वानां समालोचनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
14.	बालकिशोर तिवारी 1516	जयपुर परिसर	ज्योतिषशास्त्रे सवीजातकस्याधुनिकसन्दर्भे विमर्शः	ज्योतिष
15.	घनश्याम हरदेनियाँ 1590	जयपुर परिसर	पुराणेषु सिद्धान्तग्रन्थेषु कालतत्व विमर्शः	ज्योतिष

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
16.	प्रकाश नारायण मिश्र 1557	भोपाल परिसर	राजशेखरस्य रूपकाणां साहित्यिकमनुशीलनम्	साहित्य
17.	संगीता 1558	भोपाल परिसर	डॉ. पूर्णचन्द्रशास्त्रिविरचितस्य अपराजितवधूमहाकाव्यस्य साहित्यशास्त्रीयमनुशीलनम्	साहित्य
18.	मञ्जू देवी 1545	लखनऊ परिसर	अभिराजयशोभूषणाऽभिनवरसमीमांसयोः प्रतिपादितानां काव्यशास्त्रीयसिद्धान्तानां पर्यालोचनम्	साहित्य
19.	गीतु प्रेमन 1471	गुरुवायूर परिसर	चरकसंहितायाः चतुर्ष्वध्यायेषु विद्यमानानां कृदन्तानां क्रियारूपाणाञ्च व्याकरणशास्त्ररीत्या समीक्षणम्	व्याकरण
20.	जस्टिन् पि.जि. 1563	गुरुवायूर परिसर	मेल्पत्तूर-नारायणभट्टपादस्य महाभारताधारितानां प्रबन्धानां समीक्षणम्	साहित्य
21.	रेखा मल्ल 1571	इलाहाबाद परिसर	योगसूत्र-किरणान्वित-राजमार्तण्डवृत्तेः परिशीलनम्	दर्शन
22.	पूजा 1426	भोपाल परिसर	सैरन्ध्रीनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
23.	रजनी कटोच 1496	गरली परिसर	काव्यप्रकाश-टीकानां प्रकाशिताप्रकाशितानां काव्यप्रकाश-सम्बद्धानां निबन्धानां च सर्वाङ्गीणम् इतिवृत्तविवेचनम्	साहित्य
24.	नागेश 1534	शृंगेरी परिसर	रङ्गनाथशर्मविरचित श्रीबाहुबलिविजयरूपकस्य नाट्यशास्त्रीयम् अनुशीलनम्	साहित्य
25.	मधुकेश्वर शास्त्री 1540	शृंगेरी परिसर	श्रीशङ्करभगवत्पादकृतस्तोत्रेषु काव्यतत्त्वसमीक्षणम्	साहित्य
26.	यज्ञदत्त शुक्ल 1573	लखनऊ परिसर	विविधशिक्षास्तरीयच्छात्राणां स्वबोध-आकाङ्क्षास्तरयोः सन्दर्भे जीवनकौशलाधारित शिक्षायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
27.	श्रीकान्त शतपथी 1531	पुरी परिसर	मणिवर्द्धनकृत-भैरवानन्दनाटकस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
28.	प्रसन्न हेगड़े 1546	शृंगेरी परिसर	श्री विजयीन्द्रभिक्षुकृतन्यायाध्वदीपिकायाः सम्पादनमध्ययनञ्च	मीमांसा
29.	आकांक्षा सिंह 1582	इलाहाबाद परिसर	दशकुमारकथासारस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	साहित्य
30.	षिबु एन्.डि. 1552	गुरुवायूर परिसर	रसास्वादनक्रियायां मानसिकप्रभावः	साहित्य
31.	रामजियावन 1570	मुम्बई परिसर	औत्तरभारतीयप्रसिद्धशास्त्रविदुषां शास्त्राधिगमे मनोवैज्ञानिककारकाणामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
32.	इन्द्रसेन यादव 1597	इलाहाबाद परिसर	नलोदयकाव्यस्य हरिभट्टकृतभावबोधिनीटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
33.	सुब्रह्मण्य भट्ट 1550	शृंगेरी परिसर	विद्यामाधवीयायाः मुहूर्तपदव्याश्च तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
34.	ईशान्त 1564	गरली परिसर	वासुदेवविजयकाव्यस्य आद्य-सर्गपञ्चकस्य व्याकरणशास्त्रदिशा विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	व्याकरण

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
35.	कुलदीप 1562	शृंगेरी परिसर	सामुद्रिकशास्त्रदृशा कालिदासकृतिष्वङ्गलक्षणानां विमर्शात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
36.	सुश्री शुभस्मिता महापात्र 1561	पुरी परिसर	श्रीगोपीनाथवाजपेयिकृत पण्डितसर्वस्वस्य समीक्षात्मक सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
37.	विश्वेश्वर शर्मा 1587	मुख्यालय परिसर	माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां संस्कृतभाषाधिगमविकासे संस्कृत-हिन्दीभाषामाध्यमयोः प्रयोगः	शिक्षाशास्त्र
38.	विद्याशेखर के.एस्. 1587	शृंगेरी परिसर	षोडशाध्याय्याः आद्याध्यायषट्कस्य सम्पादनमध्ययनञ्च	मीमांसा
39.	महेश भट्ट आर्. 1530	शृंगेरी परिसर	क्षेमेन्द्रविरचितरामायणमञ्जर्याः अलङ्कारशास्त्रदृष्ट्यां समालोचनात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
40.	जयन्त कुमार चौधरी 1577	लखनऊ परिसर	सिद्धान्तकौमुद्याः पञ्चसन्धेः प्रौढ़मनोरमा-शेखरकुचमर्दिनीदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
41.	महेन्द्र कुमार शर्मा 1566	जयपुर परिसर	कातन्त्रव्याकरणस्य कारकप्रकरणस्य शब्दकौस्तुभदृष्ट्या समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	व्याकरण
42.	चक्रधर मेहेर 1613	पुरी परिसर	मानसिकक्लेशापनयने मानवीयमूल्यविकासे च श्रीमद्भगवद्गीता एकमध्ययनम्	शिक्षा
43.	नवीन तिवारी 1524	भोपाल परिसर	कृषिपाराशरग्रन्थस्य वैज्ञानिक-दृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
44.	गोविन्दन् एन्. 1502	गुरुवायूर परिसर	शिवलीलार्णवहालास्यमहात्म्ययोराधारेण शिवलीलानामध्ययनम्	साहित्य
45.	पंकज कुमार बालाण 1659	मुख्यालय परिसर	काव्यप्रकाशस्य कविचन्द्रविश्वनाथकृतविवरणटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
46.	मनोज कुमार 1568	मुख्यालय परिसर	कविवरश्रीरामेश्वरदयालुविरचितस्य 'शान्तामङ्गलम्' इति नाटकस्य अनुशीलनम्	साहित्य
47.	आनन्द पण्ड्या 1619	शृंगेरी परिसर	लघुपाणिनीयस्य आदितः नामरूपावलिपर्यन्तभागस्य सिद्धान्तकौमुद्या साकं तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
48.	गायत्री देवी जि. 1661	गुरुवायूर परिसर	वेदान्तसिद्धान्तस्य संस्थापने संप्रसारणे च वाग्भटानन्दस्य योगदानम्	अद्वैतवेदान्त
49	संजीव कुमार त्रिपाठी 1609	लखनऊ परिसर	आधुनिकसंस्कृतवाङ्मये नारीसामर्थ्यसंवर्धनोपायानां समीक्षणम्	साहित्य
50.	रचना श्रीवास्तव 1650	इलाहाबाद परिसर	सेतुचन्द्रिका-टीकायाः सम्पादनम् अनुशीलनं च	साहित्य
51.	अनीता अग्रवाल 1588	जयपुर परिसर	धर्मशास्त्रग्रन्थेषु राजधर्मस्य समीक्षात्मकमाध्ययनम्	साहित्य
52.	चाँदनी 1567	मुख्यालय परिसर	चन्द्रप्रभचरितमहाकाव्यस्य दार्शनिकमाध्ययनम्	साहित्य
53.	गिरीश शर्मा 1572	लखनऊ परिसर	महामहोपाध्यायबटुकनाथशास्त्रिखिस्तेविरचितस्य कल्लोलिनीकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयानुशीलनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
54.	अजय कुमार 1575	भोपाल परिसर	पार्थचरितामृतमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं परिशीलनम्	साहित्य
55.	प्रदीप जैन 1592	भोपाल परिसर	आचार्यश्रीविद्यासागरस्य संस्कृतकृतीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
56.	किरण खींची 1626	जयपुर परिसर	वाञ्छाभट्टकृतायाः वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीटीकायाः शाब्दिकलीलावत्याः सम्पादनमनुशीलनञ्च	व्याकरण
57.	विद्या 1614	जयपुर परिसर	शाकटायनपाणिनीयव्याकरणयोः तद्धितप्रकरणस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
58.	काना राम कुमावत 1610	जयपुर परिसर	ढूँढाड़ीलोकवाचः संस्कृतव्याकरणदृष्ट्या भाषाविज्ञानदृष्ट्या च समीक्षणम्	व्याकरण
59.	अरुण गौतम 1579	जयपुर परिसर	आधुनिकसन्दर्भे दैवज्ञवल्लभाग्रन्थोक्तप्रश्नोत्तरसिद्धान्तानां समालोचनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
60.	रश्मि गुप्ता 1583	जयपुर परिसर	एकविंशशतकस्य प्रथमदशके संस्कृतमहाकाव्यपरम्परायाः विकासः	साहित्य
61.	लोकेश कुमार शर्मा 1589	जयपुर परिसर	राजभाषा-हिन्द्याः शब्दनिर्माणे पाणिनीयव्याकरणस्य योगदानम्	व्याकरण
62.	रामचन्द्र भट्ट 1544	शृंगेरी परिसर	सप्तकाण्डाशीर्वादमन्त्राः-सव्याख्या इति ग्रन्थस्य सम्पादनम्-विमर्शश्च	वेद
63.	सस्मिता साहु 1608	पुरी परिसर	आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये हरेकृष्णमेहेरस्य काव्यकृतीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
64.	हेमचन्द्र जोशी 1595	लखनऊ परिसर	दीक्षितपुष्पाप्रणीतस्य अष्टाध्यायी सहजबोधस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
65.	का.वे. शङ्करनारायण भट्ट - 1554	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर, बैंगलूरु	श्रीवादिराजतीर्थविरचितानि 'स्तोत्राणि' - एकं विमर्शात्मकम् अध्ययनम्	द्वैतवेदान्तः
66.	अभिषेक पाण्डेय 1601	इलाहाबाद परिसर	मौनिश्रीकृष्णभट्टविरचितायाः तर्कचन्द्रिकायाः समीक्षात्मकमनुशीलनम्	व्याकरण
67.	रामकृष्ण 1586	शृंगेरी परिसर	रामदैवज्ञकृतमुहूर्तचिन्तामणेः विद्यामाधवकृतविद्यामाधवीयस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
68.	प्रभु लाल नेगी 1543	लखनऊ परिसर	आचार्य-नेगीलामामहाभागनां बौद्धपरम्परायामवदानम्	बौद्धदर्शन
69.	विवेक कुमार 1580	लखनऊ परिसर	सतत व्यापकमूल्यांकनप्रणालीं प्रति शिक्षकाणां अभिवृत्तेः विवेचनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
70.	प्रताप भोई 1606	पुरी परिसर	विवेकचूडामणि-आत्मानात्मविवेकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
71.	पुण्यप्रभा पात्र 1532	पुरी परिसर	राधानाथरायकृतिषु दार्शनिकतत्त्वानां समीक्षणम्	दर्शन
72.	चेतन कुमार 1605	जम्मू परिसर	ब्रह्मामृतवर्षिणीनाम्न्याः ब्रह्मसूत्रवृत्तेः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	दर्शन

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
73.	नवीन कुमार 1611	गरली परिसर	विष्णुकूर्मपुराणयोः सांख्यतत्त्वानां विमर्शः	दर्शन
74.	कृष्णा मीणा 1483	जयपुर परिसर	रामानुजवल्लभाचार्ययोः दार्शनिकदृष्ट्या तुलनात्मकमध्ययनम्	दर्शन
75.	स्वाति जैन 1510	भोपाल परिसर	जैनमुनिज्ञानसागरविरचितजयोदयमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनमिति	साहित्य
76.	देवस्मिता दास 1638	पुरी परिसर	श्रीशम्भुकरवाजपेयिकृतदुर्बलकर्मपद्धतेः समीक्षणात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
77.	सौरभ दूबे 1664	शृंगेरी परिसर	प्राचीनार्वाचीनालङ्कारिकाणां लक्षणावृत्तिविवेचने मतभेदविमर्शः	साहित्य
78.	पापूराणी सासमल 1560	पुरी परिसर	बङ्गीयसंस्कृतविदुषामाधुनिकसंस्कृतसाहित्यं प्रति अवदानम्	साहित्य
79.	विनोद कुमार शर्मा 1699	जयपुर परिसर	सवाईजयसिंहवेधशालानां निर्माणप्रक्रिया, सिद्धान्तज्यौतिषग्रन्थानुसारं तत्रस्थयन्त्राणां प्रयोगात्मकज्ञानसमीक्षा च	ज्यौतिष
80.	नारायण बि. रायकर 1622	शृंगेरी परिसर	सिद्धान्तलक्षणगादाधर्याः कृष्णम्भट्टीयव्याख्यानस्य विवृतिन्यायरत्नाभ्यां साकं विमर्शात्मकमध्ययनम्	न्याय
81.	श्रीओम शर्मा 1668	भोपाल परिसर	सिद्धान्तकौमुद्याः कारकान्तभागस्य विशेषपङ्क्तीनां सिद्धान्त-रत्नाकरकौमुदीमूलार्थविद्योतिनीदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
82.	कविता रानी 1527	भोपाल परिसर	उपनिषदामालोके छात्राणां सर्वांगीणविकासस्य आधुनिकसिद्धान्तानां समीक्षणम्	शिक्षाशास्त्र
83.	दीपक चन्द्र पंगरिया 1627	जयपुर परिसर	उत्तराखण्डराज्यस्य संस्कृतमहाविद्यालयेषु अध्ययनरतच्छात्राणाम् अन्तर्मुखबहिर्मुखव्यक्तित्वस्याधारेण शैक्षिकोपलब्धौ प्रभावस्य अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
84.	सुजाता राणी रथ 1628	पुरी परिसर	श्रीहरिभक्तिरसामृतसिन्धौ श्रीमद्भागवतस्योपजीव्यत्वम्	पुराणेतिहास
85.	सतीश कुमार 1637	गरली परिसर	हिमाचलप्रदेशे राजभवनानां वास्तुशास्त्रदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
86.	मधु बाला 1596	गरली परिसर	पण्डितराजजगन्नाथ विरचिते लहरीपञ्चके अलङ्कारयोजनायाः समीक्षणम्	साहित्य
87.	आरती मीणा 1604	जयपुर परिसर	ध्वन्यालोकस्य दीधितिलोचनटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
88.	प्रियाङ्का चन्द्र 1663	शृंगेरी परिसर	व्यक्तित्वविकासे श्रीमद्भगवद्गीतान्तर्निहितानां प्रभावोत्पादकानां विविधोपागमानामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
89.	प्रशांत गांव्कर 1625	शृंगेरी परिसर	श्रीमद्वेङ्कटनारायणविरचितस्य विधिभूषणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनञ्च	मीमांसा
90.	दिव्या पी. चन्द्रन 1648	गुरुवायूर परिसर	नैषधीयचरिते अलङ्कारसन्निवेशस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
91.	बि.एस्. हयवदन 1555	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर, बैंगलूरु	श्रीकृष्णाचार्यकृतमहैतरेयखण्डार्थस्य संशोधनं विमर्शात्मकमध्ययनं च	द्वैतवेदान्त

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
92.	पवन कुमार शर्मा 1576	गुरुवायूर परिसर	किरातार्जुनीयस्य प्रकाशवर्ष-जोनराजकृतटीकयोः त्रिसर्गपर्यन्तं समीक्षणम्	साहित्य
93.	आशीष डोगरा 1639	गरली परिसर	अर्जुनरावणीमहाकाव्यस्य षोडशसर्गाद्विंशसर्गपर्यन्तं व्याकरणशास्त्रदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
94.	मंगलदेव त्रिपाठी 1630	इलाहाबाद परिसर	आधुनिक-संस्कृत-कथासाहित्ये उत्कलस्य योगदानम्	साहित्य
95.	संदीप कुमार 1594	गरली परिसर	कांगडाजनपदस्थपुरातनभवनानां वास्तुशास्त्रीयमध्ययनम्	ज्यौतिष
96.	मनीष कुमार 1585	गरली परिसर	अर्जुनरावणीयम् महाकाव्यस्य षष्ठात् दशमसर्गपर्यन्तं व्याकरणशास्त्रीयं भाषावैज्ञानिकञ्च समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
97.	कृष्ण वन्दना जि. 1618	गुरुवायूर परिसर	तर्कभाषाप्रकाशिकायाः श्रीवेङ्कटाद्रिबुधकृतस्य व्याख्यानस्य तर्कसारस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	न्याय
98.	सुखबीर सिंह 1569	मुख्यालय परिसर	संस्कृतवाङ्मये सम्राडशोकचरिताश्रितसाहित्यस्य विकासः	साहित्य
99.	मुकेश चन्द 1645	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य भरतपुरसंभागस्य संस्कृतविद्यालयानां छात्रेषु समायोजनक्षमतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
100.	जितेन्द्र कुमार पारीक 1670	जयपुर परिसर	जयपुरबाड़मेरमण्डलयोः राजकीयविद्यालयेषु कार्यरतानाम् अध्यापकानां बालमनोविज्ञानदृष्ट्या कार्यसम्पादनरीतेः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
101.	रोहिताश्व कुमार गुर्जर 1655	जयपुर परिसर	विधानपारिजातस्य प्रथमस्तबकस्य समीक्षात्मकं-सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
102.	दयाराम दास 1641	जयपुर परिसर	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः समासाधिकारीयसूत्राण्यधिकृत्य बालमनोरमासिद्धान्तरत्नाकर-टीकयोस्तुलनात्मकं समीक्षणम्	नव्यव्याकरण
103.	जीवन कुमार 1666	जम्मू परिसर	श्री ज्योतिषरत्नकोशग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
104.	नवीन भट्ट 1464	शृंगेरी परिसर	अभिनयदृशा नाट्यशास्त्राभिनयदर्पणयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
105.	कविता के. 1633	गुरुवायूर परिसर	श्रीपादसप्ततेः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
106.	बलवीर सिंह 1697	गरली परिसर	पञ्चतन्त्रकथासु निहितानां शैक्षिकतत्त्वानां परिशीलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
107.	रत्नेश कुमार त्रिवेदी 1687	लखनऊ परिसर	आदितो हलन्तनपुंसकलिङ्गपर्यन्तायाः सिद्धान्तकौमुद्याः लक्ष्मीरत्नाकरटीकयोः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
108.	सोनू गोयल 1672	जयपुर परिसर	कविवररतिनाथ प्रणीतकाव्यानां काव्यशास्त्रीयाध्ययनम्	साहित्य
109.	सत्यराज रेग्मी 1657	मुम्बई परिसर	पाणिनीयव्याकरणव्युत्पत्तिदृशा शुक्लयजुर्वेदीयरुद्राष्टाध्यायीमन्त्राणां परिशीलनम्	व्याकरण
110.	रवीन्द्र यादव 1634	इलाहाबाद परिसर	अमरुशतकस्य नन्दनाटीकायाः सम्पादनमनुशीलनं च	साहित्य

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
111.	शरद कुमार सिंह 1599	इलाहाबाद परिसर	श्रीमदनन्तरामदेवप्रणीतायाः वेदान्तरत्नमालायाः परिशीलनम्	दर्शन
112.	राजेन्द्र भट्ट 1642	शृंगेरी परिसर	श्रीगोपालकृष्णशास्त्रिकृतमहाभाष्यव्याख्यानस्य शाब्दिकचिन्तामणेः अष्टमनवमाह्निकयोः सम्पादनम् अध्ययनं च	व्याकरण
113.	आशुतोष शर्मा 1656	जयपुर परिसर	नीलकण्ठकृतस्य आचारमयूखस्य मनुस्मृत्युक्ताचारप्रकरणेन सह तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
114.	नन्दिघोष महापात्र 1660	पुरी परिसर	संस्कृतवाङ्मये स्मृतिशक्तिविकासार्थं विहितोपायानां समीक्षणम्	शिक्षाशास्त्र
115.	सुषमा 1674	गरली परिसर	पाणिनीयगणपाठगतानां विशिष्टपदानामर्थप्रयोगयोरनुशीलनम् (चतुर्थाध्यायपर्यन्तम्)	साहित्य
116.	सीमा चौधरी 1669	जयपुर परिसर	कविवररमाकान्तशुक्लानूदितस्य अमीनोपन्यासस्य समीक्षणम्	साहित्य
117.	त्रिलोकीनाथ मिश्र 1647	मुम्बई परिसर	महाराष्ट्रस्थ ठाणेजनपदान्तर्गतसर्वकारीयासर्वकारीय-माध्यमिकविद्यालयेषु अध्ययनरतानां छात्राणां संस्कृताध्ययने अभिरुचेः तौलनिकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
118.	मनोज कुमार पयासी 1621	इलाहाबाद परिसर	इन्द्रदत्तोपाध्याय-विरचितस्य शब्दतत्त्वप्रकाशाख्यप्रकाशितहस्तलेखस्य समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	व्याकरण
119.	हरिराम मीना 1654	जयपुर परिसर	पं. रामावतारशर्म्मविरचित परमार्थदर्शनम् इत्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	दर्शन
120.	श्यामा के.एस्. 1629	गुरुवायूर परिसर	धातुकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
121.	प्रवीण कुमार 1688	मुख्यालय परिसर	अर्वाचीनसंस्कृतपत्रिकायां प्रकाशितस्य कथासाहित्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
122.	ममता पाठक 1677	मुख्यालय परिसर	नैषधीयचरितस्य उत्तरनैषधीयचरितस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
123.	दिनेश कुमार 1679	मुख्यालय परिसर	(आर्ष) महाकाव्ययोः स्त्रीशिक्षा सम्मानञ्च	साहित्य
124.	जगदीश चन्द्र काला 1685	मुख्यालय परिसर	आधुनिकमहाकाव्येषु डॉ. निरञ्जनमिश्रविरचितस्य 'गङ्गापुत्रावदानम्' इति महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
125.	अनुराधा शर्मा 1705	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य माध्यमिकस्तरीयसंस्कृतसंस्कृतेतरच्छात्रेषु विभिन्नशैक्षिकरुचीनामाधारेण आत्मसम्प्रत्ययस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
126.	मूलचन्द्र शुक्ल 1653	इलाहाबाद परिसर	समकालिक (1970 तः) संस्कृत-गीतिकाव्यानां भाषाभावयोर्वैशिष्ट्यानुशीलनम्	साहित्य
127.	उर्मिला कटेवा 1632	जयपुर परिसर	काव्यप्रकाशस्य पञ्चमोल्लासं यावत् सारबोधिनीबालचित्तानुरञ्जनी-टीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
128.	हिमांशु गौड़ 1646	भोपाल परिसर	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी नव्यसिद्धान्तकौमुद्योः स्वरप्रक्रियायास्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
129.	सुनीता ठक्कर 1715	जयपुर परिसर	काशिकान्तर्गत-न्यासटीका-काशिकावृत्तिसारग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
130.	सोहन लाल मीना 1713	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्ये विद्यमानानां पारम्परिकविद्यालयानां महाविद्यालयानाञ्च कार्यशैल्याः सर्वेक्षणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
131.	षेरिन्. पि.एस्. 1616	गुरुवायूर परिसर	डॉ. पि.के. नारायणपिल्लविरचितस्य विश्वभानुमहाकाव्यस्य डॉ. गणेशदत्तशर्माविरचितस्य विवेकानन्दचरितामृतमहाकाव्यस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
132.	मृणाल मण्डल 1640	पुरी परिसर	आचार्यपद्मनाभदत्तप्रणीतप्रयोगदीपिकायाः समीक्षात्मकं संपादनम्	व्याकरण
133.	सुस्मन्त कुमार द्विवेदी 1717	पुरी परिसर	भाट्टतन्त्ररहस्यपरमलघुमञ्जूषयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
134.	वन्दना कुमारी 1693	जयपुर परिसर	उत्तरसीताचरितवैदेहीचरितयोः काव्ययोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
135.	अमृता कौर 1704	जयपुर परिसर	साहित्यशास्त्राधिगमे सङ्गणकसहकृतकूटचित्रशिक्षणप्रतिमानस्य विकासः	शिक्षाशास्त्र
136.	सुरेन्द्र सिंह राजावत 1701	जयपुर परिसर	शिक्षाशास्त्रिच्छात्राणां शैक्षिकोपलब्धिसम्बन्धे व्यावसायिक-परिपक्वताया: काङ्क्षास्तरस्य चाध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
137.	स्वाति जैन 1578	जयपुर परिसर	सोमसेनविरचितस्य रामपुराणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	जैनदर्शन
138.	विनय एच्.वि. 1703	शृंगेरी परिसर	काव्यप्रकाशव्याख्यानयोः काव्यप्रदीप-काव्यप्रकाशखण्डनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
139.	अभिशेखर शर्मा 1682	जयपुर परिसर	जातकशेखरस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
140.	प्रवीण कुमार 1681	जयपुर परिसर	प्राचीनसंस्कृतनाट्यसाहित्ये समुल्लिखितानां गणिकानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
141.	नन्द किशोर 1710	जयपुर परिसर	आधुनिकरङ्गमञ्चे विहितानां प्रयोगाणां विमर्शः	साहित्य
142.	ओम प्रकाश 1690	गरली परिसर	हिमाचलप्रदेशस्य-चम्बाजनपदस्य संस्कृतमूलकाभिलेखानां सर्वेक्षणात्मकमध्ययनम्	साहित्य
143.	गुरचरण सिंह 1692	मुख्यालय परिसर	परशुरामोदयमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयानुशलनम्	साहित्य
144.	शालू शर्मा 1673	गरली परिसर	श्रीमद्भागवतशिवपुराणयोः दार्शनिकतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	दर्शन
145.	दिनेश चन्द्र पाण्डेय 1691	जयपुर परिसर	शून्यवादाद्वैतवेदान्तयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
146.	शिवशंकर तिवारी 1615	भोपाल परिसर	बृहत्संहितायां वर्णितानां प्राकृतिकापदां वर्तमान सन्दर्भे समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
147.	ज्ञानेश्वर शर्मा 1623	गरली परिसर	ज्योतिर्विज्ञानदृष्ट्या ग्रहबिम्बीयविमर्शः	ज्यौतिष

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
148.	पवन कुमार गुप्ता 1671	इलाहाबाद परिसर	महाकाव्यश्वघोषविरचितस्य बुद्धचरितमहाकाव्यस्य शिक्षाशास्त्रीयमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
149.	विनय दुर्गेश 1602	इलाहाबाद परिसर	सुभाषितसुगममिति मातृकायास्सम्पादनमध्ययनञ्च	साहित्य
150.	वेविना पण्डा 1756	पुरी परिसर	वायुपुराणे विद्यमानानां दार्शनिकतत्त्वानामनुचिन्तनम्	सर्वदर्शन
151.	विष्णु दत्त शर्मा 1581	जयपुर परिसर	निम्बार्कभूषणकविसत्यनारायणशास्त्रिविरचिताया: श्रीसंस्कृतदोहासप्तशत्या: समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
152.	श्रीकर वि. 1726	शृंगेरी परिसर	कर्नाटकराज्यस्य दक्षिणप्रान्तस्य माध्यमिकविद्यालयीयसंस्कृताध्यापकानां (सांवेगिकबुद्धे: मानसिकस्वास्थ्यस्य च परिप्रेक्ष्ये) वृत्तिभारस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
153.	रमाकान्त शर्मा 1729	भोपाल परिसर	राजस्थानप्रान्ते अध्ययनरतमाध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां जीवनमूल्यानां सामाजिकसमायोजनक्षमतानाञ्च विकासे भारतीय-पाश्चात्यदर्शनयो: प्रभावात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
154.	झुमा कुण्डु 1719	पुरी परिसर	पारम्परिकधारायां संस्कृतशिक्षणे प्रस्ताव-प्रेरक-वैविध्यशिक्षणोपकरण-प्रयोग कौशलानां विकासे सूक्ष्मशिक्षणस्य प्रभाव:	शिक्षाशास्त्र
155.	राजलक्ष्मी राउत 1722	पुरी परिसर	ओडिशाराज्ये माध्यमिकविद्यालयाध्यापकेषु मानवाधिकाराणां विषये जागरुकताया: अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
156.	विकास कोठारी 1695	मुख्यालय परिसर	गिरिजाशङ्करशास्त्रिप्रणीतप्रसन्नभारतमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयानुशीलनम्	साहित्य
157.	भारती शर्मा 1631	जयपुर परिसर	श्रीगोपीनाथदाधीचकविवरविरचितानां काव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय)
से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. कोलहण्टा पटोरी, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, फलित एवं सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय,

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला–दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612, दरीबा कलाँ, दिल्ली–110006	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
19.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
20.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
21.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
22.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
23.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
24.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
25.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
26.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
27.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
29.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	झारखण्ड	
30.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
	कर्नाटक	
31.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
	केरल	
32.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
33.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
34.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
35.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
36.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
37.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
39.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
40.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
41.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय संगईपेटए सेरीकल्चर प्रोजेक्ट के सामने, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
42.	राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
43.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
44.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो. खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
45.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तर-प्रदेश		
46.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
47.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
48.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
51.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तरांचल		
53.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
54.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला–पौडी गढ़वाल–246279 (उत्तरांचल)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
55.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय (विद्यालय स्तर) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
56.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
57.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
58.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
59.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
60.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
61.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
62.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-छ

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

संलग्नक-ज

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/ 2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	वाचस्पति	डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।
		शास्त्री आचार्य	शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

संलग्नक-झ

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 2019-20

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या	क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	05	11.	मध्य प्रदेश	20
2.	बिहार	08	12.	महाराष्ट्र	06
3.	छत्तीसगढ़	16	13.	मणिपुर	02
4.	दिल्ली	06	14.	ओड़िशा	02
5.	गुजरात	01	15.	पंजाब	03
6.	हरियाणा	15	16.	राजस्थान	22
7.	हिमाचल प्रदेश	03	17.	सिक्किम	10
8.	जम्मू और कश्मीर	01	18.	उत्तर प्रदेश	74
9.	कर्नाटक	07	19.	उत्तराखंड	43
10.	केरल	08	20.	पश्चिम बंगाल	163
				कुल	**415**

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ. सन्तोष कुमार पाण्डेय	जयन्तभट्ट का प्रमेय चिन्तन	32,761/-
2.	डॉ. जैस्मीन एम्.एम्.	भारतीयदर्शनेषु प्रत्यक्षप्रमाणनिरूपणम्	21,499/-
3.	डॉ. मनीश पाण्डेय	शांकरवेदान्त में साधना	26,502/-
4.	राधेश्याम गंगवार	श्रद्धानन्दचरितम्	49,922-
5.	डॉ. प्रणव शास्त्री	मृच्छकटिकम् का पात्र मनोविज्ञान	29,335/-
6.	डॉ. दीपशिखा पराशर	भर्तृहरि के आलोक में मानवाधिकार : एक विमर्श	26,505/-
7.	डॉ. देवानन्द शुक्ल	श्रीमद्भागवद् गीता का पदार्थ कोष	86,214/-
8.	डॉ. सुप्रिया सञ्जू	विष्णुपुराणे दार्शनिकतत्वम्	55,626/-
9.	डॉ. ब्रह्मानन्द शुक्ल	व्याकरणभास्कर	63,305/-
10.	डॉ. अशोकचन्द्र गौड़ शास्त्री	संस्कृत भाषा वैज्ञानिक प्रबन्ध मुक्तावली	47,294/-
11.	डॉ. गायत्री शुक्ला	वेदसूक्त मीमांसा	80,110/-
12.	डॉ. नारायण दाश	संस्कृते अनुदित साहित्यम्	44,563/-
13.	डॉ. कल्पना झा	कौण्डभट्ट एवं नागेश का लकारार्थ विवेचन	28,896/-
14.	डॉ. के. विष्णु नम्बूदरि	सारस्वतं (महाकाव्य)	24,166/-

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	योग्यता रानी मौहल्ला-कटरा बरुलिया टोला, अत्रौली, अलीगढ़, यू.पी.	A Study of Mahavastu	25,062/-
2.	प्रो. आजाद मिश्रा 2/239, विक्रम खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ	व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी रत्नाकर	1,12,000/-

क्रमशः....

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
3.	डॉ. जगदीश शर्मा संस्कृत विभाग, गुवाहाटी युनिवर्सिटी, गुवाहाटी	Prajapati in the Vedic and the Purani Literature - A Study	48,000/-
4.	डॉ. अनीता राजपाल डी/4, स्टॉफ क्वॉर्टर्स, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली वि.वि.	न्यायमञ्जरी में बुद्ध एवं मीमांसक सम्मत प्रमाणविमर्श	41,200/-
5.	डॉ. देवानन्द शुक्ल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	पाणिनीय-धातुवृत्ति कोष	1,83,760/-
6.	डॉ. प्रीति शुक्ला द्वारा देवानन्द शुक्ल, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली	श्रीमद्भागवद्गीता शांकरीविवृत्ति:	1,35,960/-
7.	डॉ. राघव के.एल. शोध सहायक, श्री मेधदक्षिणामूर्ति वेदभवन संस्कृत कॉलेज, गोकुर्ण, जिला-उत्तर कन्नड़, कर्णाटक	यज्ञपत्युपद्धत्य विरचितानुम अनन्तवाचिन्त्य मणिप्रभा अध्ययनम्	29,995/-
8.	डॉ. संजय त्रिपाठी बी-21/154, टीचर्स फ्लैट नं. 1, कनाचा, महमूरगंज, वाराणसी (यू.पी.)	महामहोपाध्याय पण्डित नारायण शास्त्री खिस्ते का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	58,625/-
9.	डॉ. शिवशंकर मिश्र श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि., नई दिल्ली	महर्षि अगत्स्य विरचित अगत्स्य संहिता का हिन्दी भाषानुवाद	46,125
10.	डॉ. श्रेयांश द्विवेदी डॉ. बी.आर. आम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, जगदीशपुरा, कैथल (हरियाणा)	कृत्प्रत्ययविमर्श	22,320/-
11.	श्री के. हनुमंथ राव 20, ओ.यू. टीचर्स कॉलोनी, सैनिक पुरी, सिकन्दराबाद, आन्ध्र प्रदेश	महाभारत	74,200/-

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
तेलंगाना	1.	संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	श्रीस्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला (रोहड़ू), तहसील-चढ़गाँव जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम् आदर्श शोध संस्थान, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लूरु, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन आदर्श शोध संस्थान, आदि शंकरा नीलियम, आदिशंकर मार्ग, पोस्ट-वेलियनाड, एरनाकुलम्, केरल-682313

क्रमशः....

राज्यों के नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
महाराष्ट्र	15. वैदिक संशोधन मंडल, आदर्श शोध संस्थान, टी.एम.वी. कॉलोनी, मुकुन्द नगर, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-411037
	16. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17. श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18. मद्रास संस्कृत कॉलेज, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19. श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि, 53 गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221003
	22. श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121
पश्चिम बंगाल	24. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2-ए, पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035
राजस्थान	26. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान, पिन कोड-311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

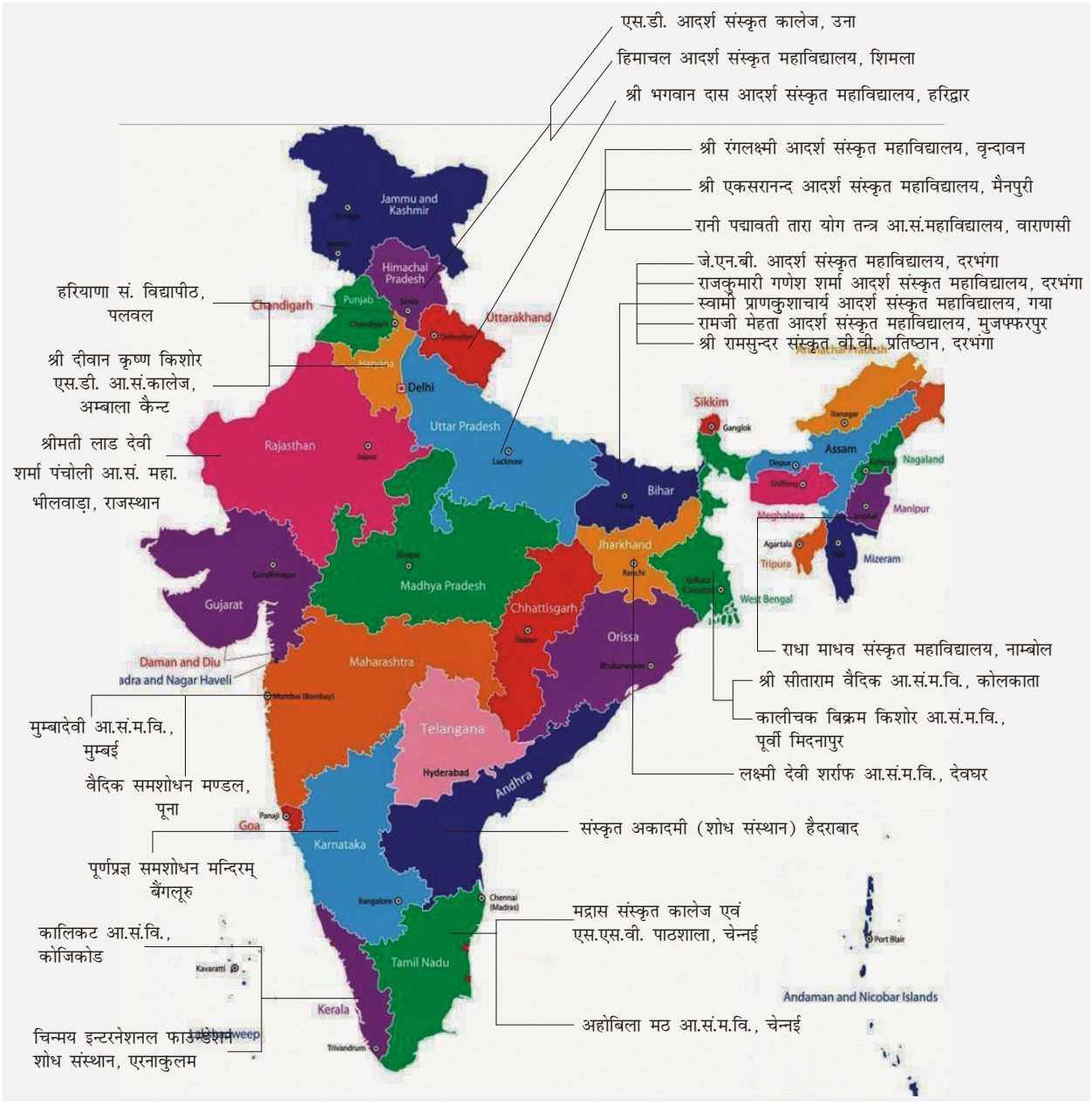

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2020 का तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
समग्र/पूंजी निधि	1	3549514233.00	3355194063.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	172196246.00	23838627.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	249,549,748.00	111,490,335.00
योग		**3971260227.00**	**3490523025.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
मूर्त परिसम्पत्तियाँ	4	623508760.00	633637126.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		0.00	222180.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		2885426024.00	2483014945.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि	5	709226.00	936391.00
निवेश - अन्य	6	172000734.00	206164381.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	279110680.00	156288578.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि (जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)	8	10504803.00	10259424.00
योग		**3971260227.00**	**3490523025.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2020 का आय एवं व्यय लेखा

राशि ₹ में

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	12670186.00	9882589.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1938478357.00	1648799000.00
निवेश से आय	11	0.00	606743.00
अर्जित ब्याज	12	7851124.00	7660275.00
अन्य आय	13	24077118.00	24262851.00
पूर्व अवधि आय	14	5216299.00	536,459.00
योग (ए)		**1988293084.00**	**1691747917.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	936108174.00	913052077.00
शैक्षिक व्यय	16	749487678.00	671650760.00
प्रशासनिक व्यय	17	240910683.00	132390673.00
यात्रा व्यय	18	3291525.00	3309904.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	10162552.00	11702496.00
वित्तीय लाग	20	0.00	
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	30275426.00	29581710.00
अन्य व्यय	21	0.00	
पूर्व अवधि व्यय	22	(1,482,255.00)	0.00
योग (बी)		**1968753783.00**	**1761687620.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		19,539,301.00	(69,939,703.00)
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानांतरण		0.00	0.00
		0.00	0.00
		0.00	0.00
भवन निधि में स्थानान्तरण		0.00	0.00
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		0.00	0.00
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**19,539,301.00**	**(69,939,703.00)**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	25		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	3355194063.00	2847872155.00
जमा : योजना निधि का योगदान	0.00	0.00
जमा : आय एवं व्यय खाते से शुद्ध आय का शेष	19,539,301.00	(69,939,703.00)
जमा : यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय का उपयोग	508428000.00	510960013.00
समग्र राशि विविध देनदारियों के लिए	(39,025,378.00)	63498648.00
दान पुस्तक में जमा		0.00
वर्ष 2019-20	46107.00	580.00
पूर्व वर्ष समायोजन		
घटा : समग्र फंड से भूलवश राशि का स्थानांतरण भूलवश पेंशन फंड से किया गया जो अब अनुसूची-4 के हस्तांतरण के लिए है	(168,536,644.00)	2802370.00
अनुसची-4 में सी.डब्ल्यू.आई.पी. की दोहरी बुकिंग	(126,131,216.00)	-
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**3549514233.00**	**3355194063.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/विन्यास निधि		निधि-वार ब्रेक-अप							योग	
		पेंशन फंड	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के.शर्मा	आर. देवनाथन	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए)										
ए)	धन का प्रारंभिक शेष	22744662.00	208862.00	8453.00	352221.00	6711.00	467646.00	50072.00	**23838627.00**	16807275.00
बी-1	वर्ष के दौरान जोड़-पेंशन हेतु सरकार से प्राप्त अनुदान	137019437.00						0.00	**137019437.00**	50000.00
बी-2	वर्ष के दौरान जोड़-आय एवं व्यय खाते से आबंटित रकम	0.00							**0.00**	0.00
सी	निधि में निवेश से आय	3757623.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00		**3757623.00**	83018.00
डी	अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज	3994520.00	10,103.00	409.00	17,040.00	368.00	18,382.00	3,736.00	**4044558.00**	0.00
ई	बचत बैंक खाते पर ब्याज								**0.00**	
एफ	अन्य प्राप्तियां	3,594,396.00							**3594396.00**	6898334.00
	योग (ए)	**171110638.00**	**218965.00**	**8862.00**	**369261.00**	**7079.00**	**486028.00**	**53808.00**	**172254641.00**	**23838627.00**
बी)										
	निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय									
	i) पूंजीगत व्यय									0.00
	ii) वर्ष के दौरान राजस्व व्यय	0.00	49,773.00	2,400.00	-	2,262.00	2,828.00	1,132.00	**58395.00**	0.00
	iii) राजस्व व्यय (विगत वर्षों का व्यय जिसे पूर्व वर्ष समायोजन व्यय से समायोजित किया गया)								**0.00**	0.00
	योग (बी)	**0.00**	**49773.00**	**2400.00**	**0.00**	**2262.00**	**2828.00**	**1132.00**	**58395.00**	**0.00**
	वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**171110638.00**	**169192.00**	**6462.00**	**369261.00**	**4817.00**	**483200.00**	**52676.00**	**172196246.00**	**23838627.00**

उपस्थापित कर्ता :

नकद एवं बैंक में शेष		0.00	0.00	0.00		0.00		0.00	0.00
निवेश		148226.00	6000.00	250000.00	5000.00	250000.00	50000.00	709226.00	709226.00
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं		20966.00	462.00	119261.00	(183.00)	233200.00	2676.00	373706.00	384667.00
योग		**169192.00**	**6462.00**	**369261.00**	**4817.00**	**483200.00**	**52676.00**	**1082932.00**	**1093893.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) वर्तमान देनदारियां		
1. कर्मचारियों द्वारा जमा	0.00	-
2. छात्रों द्वारा जमा		
3. विविध देनदार		
ए) सामान हेतु	0.00	-
बी) अन्य	0.00	-
4. अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	909270.00	1023170.00
5. वैधानिक देनदारियां	0.00	0.00
ए) अतिदेय	0.00	0.00
बी) अन्य	0.00	0.00
6. अन्य वर्तमान देनदारियां		
ए) वेतन (पूर्व 74147980+73723858+9011892-2262717-63262388)	91358625.00	74147980.00
बी) प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	0.00	0.00
सी) शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ संलग्नक संलग्न - पृष्ठ 6	101195333.00	30757497.00
डी) अनुपयोगी अनुदान	50,549,997.00	-
ई) अग्रिम अनुदान		
एफ) अन्य निधियाँ		39251.00
7. अन्य देनदारियां (पृष्ठ 6 में संलग्न विवरण के अनुसार)	5536523.00	5522437.00
योग (ए)	**249,549,748.00**	**111,490,335.00**
बी) प्रावधान		
1. कर हेतु	0.00	
2. ऐच्छिक दान	0.00	
3. अधिवर्षिता/पेंशन	0.00	
4. संचित छुट्टियों का नकदीकरण	0.00	
5. व्यापार वारंटी/दावा	0.00	
6. अन्य (निर्दिष्ट)	0.00	-
योग (बी)	**0.00**	**-**
योग (ए+बी)	**249,549,748.00**	**111,490,335.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2020

राशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	सा.भ.नि.	(11,724.00)	58493753.00	58478029.00	4,000.00
2	(सी.पी.एफ.) अ.भ.नि.	0.00			0.00
3	जी.आई. प्रीमियम	379721.00	385515.00	393694.00	371542.00
4	मुम्बई परिसर देनदारियां	100000.00	69803.00		169803.00
5	जी.आई.एस.	366936.00	742856.00	740539.00	369253.00
6	आय कर	115814.00	80495260.00	80495460.00	115614.00
7	एल.आई.सी.	(50,767.00)	1125290.00	716662.00	357,861.00
8	परिसरों को प्रेषण	5276437.00	6585934.00	8518059.00	3344312.00
9	एन.पी.एस.	(769,945.00)	14685278.00	13210770.00	704,563.00
10	छात्रकोश	97900.00			97900.00
11	पेशेवर कर				-
12	टी.डी.एस.	18,065.00	445381.00	461771.00	1,675.00
13	पी.एल.आई.				0.00
	योग	**5522437.00**	**163029070.00**	**163014984.00**	**5536523.00**

संलग्नक ई.एम.डी./जमानती राशि 31.03.2020

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	ई.एम.डी.	655063.00	620000.00	733900.00	541163.00
2	जमानती राशि	368107.00			368107.00
	योग	**1023170.00**	**620000.00**	**733900.00**	**909270.00**

संलग्नक प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति 31.03.2020

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	यू.जी.सी. जे. आर. फैलोशिप	101000.00			101000.00
2	एम.एस.पी.	4368993.00	15285729.00	19070462.00	584260.00
3	परिसरों की अक्षय निधि	301.00	511520.00	103568.00	408253.00
4	विविध देनदारियों हेतु समग्र निधि	3435748.00	96207049.00	23811526.00	75831271.00
5	छात्र कोष	22851455.00	49366203.00	50976462.00	21241196.00
6	भवन कोष		44662402.00	41633049.00	3029353.00
	योग	**30757497.00**	**206032903.00**	**135595067.00**	**101195333.00**

संलग्नक ऋण एवं अग्रिम 31.03.2020

	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	अग्रिम भुगतान	1801596.00	16997108.00	16598034.00	2200670.00
2	एल.टी.सी. अग्रिम	1231420.00	976188.00	904488.00	1303120.00
3	एच.बी. अग्रिम	836187.00	162400.00	404333.00	594254.00
4	कम्प्यूटर अग्रिम	403139.00	205800.00	479316.00	129623.00
5	टी.ए. अग्रिम	1058821.00	1853569.00	2357029.00	555361.00
6	यात्रा वाहन अग्रिम	302734.00	795.00	157916.00	145613.00
7	चिकित्सकीय अग्रिम	143394.00	10000.00	25000.00	128394.00
8	त्यौहार अग्रिम	(674,327.00)	677577.00	825.00	2,425.00
9	भविष्य निधि अग्रिम		2306700.00	2306700.00	0.00
	योग	**5102964.00**	**23190137.00**	**23233641.00**	**5059460.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

राशि ₹ में

		ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
क्र.सं.	परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2019	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2020	31.03.2019
1	i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व (गुरुवायूर, जयपुर, जम्मू, अगरतला एवं शृंगेरी)	3595156.00			3595156.00		0%	0.00		0	3595156.00	3595156.00
	ii. भूमि - पट्टे पर (लखनऊ, इलाहाबाद, भोपाल, गरली, मुम्बई, पुरी, दिल्ली मुख्यालय एवं देवप्रयाग)	5170175.00			5170175.00	2408152.00	Lease Period	55525.00		2463677.00	2706498.00	2762023.00
2	साइट का विकास				0.00		0%	0.00		0	0	0.00
3	भवन	610021031.00	13050185.00		623071216.00	97151615.00	2%	12461424.00		109613039.00	513458177.00	512869416.00
4	सड़क एवं पुल				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
5	ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई		407389.00		407389.00		2%	8148.00		8148.00	399241.00	0.00
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
7	पाण्डुलिपियाँ	747000.00			747000.00		0%	0.00		0.00	747000.00	747000.00
8	बिजली संस्थापन एवं उपकरण	5330903.00	874622.00		6205525.00	568675	5%	310276.00		878951.00	5326574.00	4762228.00
9	यंत्र एवं मशीनरी	11492083.00	1537765.00		13029848.00	1545025	5%	651492.00		2196517.00	10833331.00	9947058.00
10	जेनरेटर	37534461.00			37534461.00	16245026.00	5%	1876723.00		18121749.00	19412712.00	21289435.00
11	प्रयोगशाला उपकरण	2084889.00	18000.00		2102889.00	769686.00	8%	168231.00		937917.00	1164972.00	1315203.00
12	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण				0.00		8%	0.00		0.00	0.00	0.00
13	कार्यालय उपकरण	3602958.00	336800.00		3939758.00	284502.00	7.50%	295482.00		579984.00	3359774.00	3318456.00
14	दृश्य श्रव्य उपकरण	1003764.00	753650.00		1757414.00	217218.00	7.50%	131806.00		349024.00	1408390.00	786546.00
15	कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	19708395.00	108111.00		19816506.00	14794929.00	20%	3963301.00		18758230.00	1058276.00	4913466.00
16	फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	99614810.00	2097210.00		101712020.00	38480771.00	7.50%	7628402.00		46109173.00	55602847.00	61134039.00
17	लकड़ी के विभाजन	838927.00			838927.00	398493.00	7.50%	62920.00		461413.00	377514.00	440434.00
18	वाहन	4330191.00			4330191.00	2814624.00	10%	433019.00		3247643.00	1082548.00	1515567.00
19	पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ (रु. 695041+46107)	19323818.00	741148.00		20064966.00	15082719.00	10%	2006497.00		17089216.00	2975750.00	4241099.00
20	कम मूल्य सम्पत्तियां				0.00		100%	0.00		0.00	0.00	0.00
	योग (ए)	**824398561.00**	**19924880.00**	**0.00**	**844323441.00**	**190761435.00**		**30053246.00**	**0**	**220814681.00**	**623508760.00**	**633637126.00**
21	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)**	**2483014945.00**	541592480.00	139181401.00	**2885426024.00**	0.00	0%	0.00	0.00	0	**2885426024.00**	**2483014945.00**
	अमूर्त संपत्तियाँ	**प्रारंभिक शेष 01.04.2019**	**समायोजन**	**कटौती**	**अन्तिम शेष**	**प्रारंभिक शेष ह्रास**		**वर्ष में ह्रास**	**ह्रास/समायोजन**	**कुल ह्रास/ समायोजन**	**31.03.2020**	**31.03.2019**
22	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	288345.00	0.00		288345.00	288345.00	40%	0.00		288345.00	0.00	0.00
23	ई-जरनल	999463.00			999463.00	999463.00	40%	0.00		999463.00	0.00	0.00
24	पेटेंट	717354.00			717354.00	495174.00	9 years	222180.00		717354.00	0.00	222180.00
	योग (सी)	**2005162.00**	**0.00**	**0**	**2005162.00**	**1782982.00**		**222180.00**	**0**	**2005162.00**	**0.00**	**222180.00**
	कुल योग (ए+बी+सी)	**3309418668.00**	**561517360.00**	**139181401.00**	**3731754627.00**	**192544417.00**		**30275426.00**	**0**	**222819843.00**	**3508934784.00**	**3116874251.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.		53,100.00
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	0.00	-
4. शेयर	0.00	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	0.00	-
6. बैंक में अवधि जमा	0.00	-
जिंदल ट्रस्ट	148226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250000.00	250,000.00
शुक्ला अवार्ड	5000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250000.00	250,000.00
आर. देवनाथन	50000.00	50,000.00
7. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	0.00	-
योग	**709226.00**	**936,391.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	-	-
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. सार्वजनिक क्षेत्र संघ की प्रतिभूतियाँ	-	-
4. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
5. बैंक सावधि जमा	159,764,099.00	142,665,733.00
6. शेयर		
7. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र		
8. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा) एम.एस.पी. सावधि जमा	3,742,692.00	3,498,648.00
9. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा) एच.डी.एफ.सी. जमा	8,493,943.00	60,000,000.00
योग	**172,000,734.00**	**206,164,381.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
(क) वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. स्टॉक	0.00	
गोदाम एवं पुर्जे		-
खुले औजार		
प्रकाशन	9698122.00	13,287,994.00
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय		
भवन निर्माण सामग्री		-
बिजली सामग्री		-
लेखन सामग्री		
पानी सप्लाई मैटिरीयल		
2. विविध टेनयर		
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक		
अन्य		-
		-
3. नगद एवं बैंक में शेष		
हाथ में नकद	188136.00	364331.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	44443.00	78717.00
बैंक में शेष	218217.00	545301.00
ए) अनुसूचित (बैंकों के साथ)		
-नगद खाते		
-अवधि जमा	147147.00	10000.00
-बचत खाते		0.00
-यू.जी.सी./जे.आर.एफ.	164138592.00	111130156.00
-एम.एस.पी.	101000.00	101000.00
-बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	764888.00	5029177.00
-एस.ए. (छात्र फंड)	75831271.00	3435748.00
-एस.ए. (परियोजना)	21022979.00	22306154.00
-भवन कोष	3926532.00	
बी) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	3029353.00	
-नगद खाते		0.00
-जमा खाते		0.00
-बचत खाते		0.00
4. डाक घर बचत खाते		
योग	**279110680.00**	**156288578.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1. कर्मचारियों को अग्रिम		
ए) वेतन		
बी) त्यौहार		
सी) चिकित्सा हेतु अग्रिम		
डी) अन्य (निर्दिष्ट) पृष्ठ सं. 6	5059460.00	5102964.00
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि हेतु अग्रिम		
ए) वाहन ऋण		
बी) घर लोन		
सी) अन्य (निर्दिष्ट)		
3. अग्रिम एवं अन्य वसूली योग्य नकद रकम		
ए) मुख्य खाता		
बी) आपूर्तिकर्ताओं को		
सी) अन्य		
4. पेशगी खर्च		
ए) बीमा		
बी) अन्य		
5. अर्जित आय		
ए) निवेश पर चिह्नित/अक्षय निधि	4044558.00	4321538.00
बी) निवेश - अन्य एम.एस.पी. एवं एच.डी.एफ.सी.		39251.00
सी) ऋण एवं अग्रिम		
डी) अन्य (टी.डी.एस. बैंक द्वारा) अर्जित ब्याज		
6. जमा		
दूरभाष, पट्टा किराया एवं बिजली	174,065.00	
डी.ए.वी.पी.	53,100.00	
7. दावा		
सस्पेंस खाता	723000.00	723000.00
सस्पेंस खाता नकद	59122.00	59122.00
6. यू.जी.सी. से प्राप्त करने योग्य नकद सम्पत्तियां		
प्रायोजित परियोजनाएँ		
प्रायोजित परियोजनाओं में जमा राशि		
परिसरों की अक्षय निधि	377949.00	0.00
अनुदान प्राप्त		
अन्य प्राप्तियां	13549.00	13549.00
योग (बी)	**10504803.00**	**10259424.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
प्रशासन		
1. शिक्षा शुल्क		
2. प्रवेश शुल्क	1084918.00	346686
3. नामांकन शुल्क		
4. पुस्तकाल प्रवेश शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला एवं शिल्प शुल्क		
7. एन. एफ. एस. ई.	49980.00	1,973,413.00
8. दान खाता		
9. जे.आर.एफ.		
योग (ए)	**1134898.00**	**2320099.00**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	135000.00	406400
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	5162043.00	4333806.00
3. अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क		
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	6036970.00	2370224.00
5. फार्म की बिक्री		0
योग (बी)	**11334013.00**	**7110430.00**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क		
2. दण्ड/विविध शुल्क		
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवहन शुल्क		
5. छात्रावास शुल्क	9500.00	261100.00
6. एम.एस.पी.		
योग (सी)	**9500.00**	**261100.00**

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

प्रकाशनों का विक्रय		
1. प्रवेश फार्म की बिक्री		
2. पाठ्यक्रम एवं प्रशनपत्रों की बिक्री		
3. फार्म सहित विवरणिका की बिक्री		0.00
योग (डी)	**0.00**	**0.00**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
1. कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों हेतु पंजीकरण		
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महाविद्यालय)		
3. पी.एस.एस.टी.	1400.00	0.00
4. पत्राचार प्राप्तियाँ	190375.00	190960.00
योग (ई)	**191775.00**	**190960.00**
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई)	**12670186.00**	**9882589.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

राशि ₹ में

विवरण	अनुदान			चालू वर्ष योग (2019-20)	पूर्व वर्ष योग (2018-19)
	भारत सरकार	गैर एन.ई.आर.	एन.ई.आर.		
शेष लाया गया	27528354.00		27528354.00	27,528,354.00	15960013.00
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	2469928000.00	2234500000.00	235428000.00	2469928000.00	2143799000.00
योग	**2497456354.00**	**2234500000.00**	**262956354.00**	**2497456354.00**	**2159759013.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी					
शेष	-			-	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	508428000.00	390014416.00	118413584.00	508428000.00	510960013.00
शेष	**1989028354.00**	**1844485584.00**	**144542770.00**	**1989028354.00**	**1648799000.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	1938478357.00	1833114823.00	105363534.00	1938478357.00	1648799000.00
शेष ले जाया गया (सी)	**50,549,997.00**	**11,370,761.00**	**39,179,236.00**	**50,549,997.00**	**-**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

राशि ₹ में

विवरण	यू.जी.सी.		चालू वर्ष योग (2019-20)	पूर्व वर्ष योग (2018-19)
	एम.एस.पी.	जे.आर.एफ.		
शेष लाया गया	4368993.00	101000.00	4469993.00	2473689.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	15285729.00	0.00	15285729.00	13390546.00
योग	**19654722.00**	**101000.00**	**19755722.00**	**15864235.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी				
शेष	-	-	-	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)			0.00	0.00
शेष	**19654722.00**	**101000.00**	**19755722.00**	**15864235.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	19070462.00	0.00	19070462.00	11394242.00
शेष ले जाया गया (सी)	**584260.00**	**101000.00**	**685260.00**	**4469993.00**

*As per practice utilization Certificate of NER and Non-NER grant was being forwarded in Single format up to FY 2017-18 but this practice has been dispensed with from the FY 2018-19 as per instructions of Ministry. So separate utilization Certificates of Govt. grant has to be submitted to the Ministry. Unutilized grant at NER region was in Rs. 2,75,28,354/- and Non-NER region was Rs. Nil in the FY 2018-19. Actually unutilized grant amount leftwith NER region was Rs.2,75,28,354/- (Plus figure) and in Non-NER region it was of Rs. Nil (in a minus figure) resulting in Zero unutilized grant was shown in Schedule 10 of our combined Balance Sheet for the FY 2018-19.

As per instruction of Auditors/Ministry Sansthan is forwarding separate Opening balance and Closing balance of unutilized grant at NER & Non-NER Region to the Ministry at the same time separate Opening and Closing balances have been shown against both NER & Non-NER regions in our balance sheet also.

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 11 - निवेश से आय	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1) ब्याज		-	-	-
ए) सरकारी प्रतिभूतियों पर		-	-	-
बी) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर		-	-	-
2) अवधि जमा पर ब्याज	0.00	5,379,154.00	-	-
		-	-	-
3) ब्याज अर्जित किए गए किन्तु अवधि जमा पर कोई देनदारी नहीं		-	-	-
4) बचत खाता पर ब्याज				
5) अन्य (निर्दिष्ट)		-	-	-
योग (ए)	**0.00**	**5379154.00**	**-**	**-**
चिह्नित दान खाता में स्थानांतरित - रु. 4295228/-	**0.00**	**-3337330.00**		
31.03.2020 तक सा.ज. खाता पर कम अर्जित ब्याज रु. 3783933/-	**0.00**	**-1435081.00**		
योग (बी)	**0.00**	**-4772411.00**		
योग (ए - बी)	**0.00**	**606743.00**		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1) बचत खाता :		
ए) अनुसूचित बैंक	5888962.00	6682726.00
बी) गैर अनुसूचित बैंक		
सी) डाक घर बचत खाता		
डी) अन्य	0.00	0.00
2) ऋण		
ए) कर्मचारी	1962162.00	977549.00
बी) दान (शृंगेरी)	0.00	-
सी) अन्य		
3) अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
योग	**7851124.00**	**7660275.00**
नोट - स्त्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) जमीन एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया		
2. लाइसेंस शुल्क	273588.00	261540.00
3. प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सममेलन कक्ष आदि		
4. बिजली शुल्क वापिस		
5. पानी शुल्क वापिस		
बी) संस्थान प्रकाशन बिक्री		
सी) होल्डिंग इवेंट्स से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय		
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च		
2. मेलों से प्राप्त कुल राशि		
घटा : मेलों पर होने वाला खर्च		
3. शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि		
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च		
4. अन्य (अलग से निर्दिष्ट)		
मन्त्रालय प्रकाशन		679978.00
डी) अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आर.टी.आई. शुल्क	70.00	90.00
3. रायल्टी से आय		
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)		
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)		
6. बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान		
ए) सम्पत्ति स्वामित्व		

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय क्रमश:.....	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
7. अनुदान/संस्थाओं से प्राप्त दान (कल्याणकारी संगठन) एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन		
8. अन्य (निर्दिष्ट) (प्राप्तियां एवं भुगतान की विस्तृत रिपोर्ट पृष्ठ 34-35)	23500388.00	23016171.00
9. अवकाश वेतन एवं पी.सी.	303072.00	305,072.00
योग	**24077118.00**	**24262851.00**

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ		
2. निवेश से आय		
3. अर्जित ब्याज		
4. अन्य आय	338,770.00	9,512,047.00
5. अन्य आय (अतिरिक्त देय 2018-19)	4,877,529.00	(8,975,588.00)
योग	**5,216,299.00**	**536,459.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) वेतन एवं मजदूरी	586863142.00	729432020.00
बी) भत्ते एवं बोनस		
सी) भविष्य निधि को योगदान		
डी) अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)		
एन.पी.एस.	25130138.00	11451318.00
सी.पी.एफ.	549081.00	
जी.पी.एफ. ब्याज		74244.00
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च	16224.00	0.00
एफ) सेवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभ (रु. 143561923+4365319+2909149+229944)	151066335.00	60337123.00
जी) पेंशन (रु. 155513732+1507480)	157021212.00	89395181.00
एच) एल.टी.सी. सुविधा	3387635.00	9676945.00
आई) चिकित्सा सुविधा	6421731.00	7058581.00
जे) बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	4609502.00	4751327.00
के) मानदेय	1031680.00	875338.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	11494.00	
योग	**936108174.00**	**913052077.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
प्रशासनिक व्यय		
ए) प्रयोगशाला व्यय		
बी) क्षेत्र कार्य/सम्मेलन सहभागिता		0.00
सी) सेमिनार खर्च/कार्यशाला	3339248.00	5972081.00
डी) अभ्यागत संकाय भुगतान		
ई) परीक्षा	18982621.00	17371412.00
एफ) छात्र कल्याण खर्च	342708.00	184933.00
जी) प्रवेश खर्च		
एच) दीक्षांत समारोह खर्च	5476273.00	45436
आई) प्रकाशन	509485.00	216902.00
जे) वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति	8086821.00	
के) अनुसंधान खर्च	2288727.00	658527.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	4584611.00	0.00
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	7661286.00	323387.00
वार्षिक उत्सव	172025.00	1067709.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	10694049.00	9670327.00
कम्प्यूटर शिक्षा		701681.00
दूरस्थ शिक्षा		
सी.सी. आकस्मिकता	271079.00	468895.00
ई-टेक्स्ट	364556.00	0.00
ई-ग्रन्थालय		66000.00
कौमुदी महोत्सव		4535344.00
उपहार		159969.00
पी.एस.एस.टी.-शुल्क		202366.00
संस्कृत आयोग		
संस्कृत दिवस समारोह	1111164.00	1241199.00
संस्कृत विश्वविद्यालय		
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र		

विवरण	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
हिन्दी दिवस समारोह	933206.00	251971.00
महिला अध्ययन केन्द्र		205159.00
ग्लोरी फेस्टिवल	44401.00	
प्रतियोगिताएँ		
विश्व संस्कृत सम्मेलन		3170475.00
भाषा मन्दाकिनी		
ज्ञान दर्शन		
बसन्त महोत्सव	6300608.00	397048.00
पालि प्राकृत		
आइ.क्यू.ए.सी.	557597.00	62714.00
विस्तृत व्याख्यान	164066.00	1109487.00
मूल्यांकन कार्य	207377.00	992743.00
रोड मैप विकास		
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छ माह)	3624172.00	5457991.00
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	200000.00	2463344.00
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद्		298523.00
अष्टादशी परियोजना	200000.00	11783498.00
साहित्य शास्त्र प्रशिक्षण		639085.00
मु.स्वा.पी. (मुख्य खाता)	16828879.00	12919172.00
भारतीय विश्वविद्यालय का संघ		
योजना खर्च		
छात्रवृत्ति	43583390.00	54251138.00
एन.एफ.एस.ई.	14594141.00	20456342.00
शास्त्र चूड़ामणि	4017516.00	5652624.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक शिक्षा	52500.00	2004203.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3000043.00	338800.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)		2859120.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	896924.00	4094095.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	3500000.00	3000000.00
राष्ट्रपति सम्मान	17197373.00	51766617.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	394881055.00	289083680.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	35906543.00	17525206.00
ऐच्छिक संस्कृत संगठन	73411128.00	85998521.00
उत्तर पूर्वी राज्य	22466405.00	14272535.00

विवरण	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ऐच्छिक संस्कृत संगठन/ऐच्छिक संस्कृत संगठन विश्वविद्यालय	2486500.00	637500.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	18051871.00	14982035.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनीयर सेकेन्डरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	1692000.00	2220000.00
सम्मान राशि	6144000.00	7479118.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान	265608.00	331297.00
पंचांग परियोजना	233549.00	220774.00
समायोजन प्रविष्टि		
पालि एवं प्राकृत	8677657.00	7832561.00
राष्ट्रीय संस्कृत गोष्ठी		124315.00
ई.पाठशाला पुस्तक		
परियोजनाएँ	2878519.00	1274910.00
जगन्नाथ वी.के. परियोजनाएँ		9510.00
ज्योतिष परियोजनाएँ		292946.00
यू.जी.सी./नैक		97934.00
नाट्य शास्त्र परियोजना	1105997.00	707601.00
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद् सम्मेलन	1500000.00	1500000.00
योग	**749487678.00**	**671650760.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) आधारभूत संरचना		
a) बिजली एवं पावर	16645117.00	18979210.00
b) पानी शुल्क	1254350.00	395163.00
c) बीमा		
d) किराया, दर एवं टैक्स (सम्पत्ति कर सहित)	11318821.00	8145194.00
बी) संचार		
e) डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	1339486.00	1715869.00
f) दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	1322339.00	1610970.00
सी) अन्य		
g) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	2056635.00	2566819.00
h) यात्रा एवं वाहन खर्च	14284123.00	14311876.00
i) अतिथि-सत्कार		
j) लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	545730.00	387235.00
k) पेशेवर प्रभार	39780.00	
l) विज्ञापन एवं प्रचार	1706652.00	3683653.00
m) वर्दी	155000.00	174160.00
n) अन्य (निर्दिष्ट) आउटसोर्सिंग	29586871.00	19354938.00
आकस्मिक खर्च	5206038.00	663522.00
संविदा मजदूर	107946698.00	5727525.00
कानूनी खर्च	4732775.00	1862607.00
बैंक प्रभार	8533.00	8689.00
सुरक्षा हाउस कीपींग	25977659.00	4820065.00
विविध खर्च	12414812.00	20250664.00
भारत सरकार को दी गई रकम (वापसी ब्याज की रकम 2018-19 के लिए)	4369264.00	27732514.00
योग	**240910683.00**	**132390673.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
ए) रनिंग व्यय	841380.00	1415669.00
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	440745.00	52759.00
सी) बीमा व्यय	119510.00	30720.00
डी) स्टाफ कार व्यय	38338.00	68788.00
2. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		
ए) किराया/लीज व्यय	938072.00	1186827.00
3. वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	913480.00	555141.00
योग	**3291525.00**	**3309904.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) भवन	2304326.00	800488.00
बी) फर्नीचर एवं फिक्सर	345602.00	1095529.00
सी) प्लांट एवं मशीनरी	362565.00	243912.00
डी) कार्यालय उपकरण	1911191.00	2207787.00
ई) कम्प्यूटर	739404.00	548010.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण		
जी) दृश्य श्रव्य उपकरण	58401.00	23174.00
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	3785490.00	3353018.00
आई) पुस्तक जिल्द शुल्क	200.00	4817.00
जे) बागवानी	103428.00	235338.00
के) जायदाद रखरखाव	247371.00	104448.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	304574.00	484391.00
एम) मरम्मत एवं रखरखाव		2,601,584.00
योग	**10162552.00**	**11702496.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) बैंक प्रभार	0.00	
बी) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**0.00**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
ए) बैड एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान/अग्रिम		
बी) अप्रतिलभ्य शेष बट्टे खाते में डाला गया		
सी) अन्य संस्थाओं/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2019-20)	पूर्व वर्ष (2018-19)
1. स्थापना व्यय	(2,262,717.00)	0.00
2. शैक्षिक व्यय		0.00
3. प्रशासनिक व्यय		0.00
4. परिवहन व्यय		
5. मरम्मत एवं रखरखाव		
6. अन्य (निर्दिष्ट) छात्रवृत्ति (भोपाल)	780462.00	0.00
7. अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)		
8. अन्य (ऋणमुक्ति ..... ई-बुक)		
9. अन्य (ऋणमुक्ति ..... एकस्व अधिकार)		
योग	**(1,482,255.00)**	**0.00**

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसची 23 - महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण आद्य लागत अवधारणा और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से शुल्क (शिक्षा शुल्क को छोड़कर) प्रवेश फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियो को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों पर मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं। जहाँ मूल्य मुद्रित नहीं है उसकी कीमत का आंकलन अनुमानित है।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगाया गया है–

मूर्त संपत्ति

1. भूमि	0%
2. साइट का विकास	0%
3. भवन	2%
4. सड़क एवं पुल	2%
5. ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6. सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7. विद्युत स्थापना और उपकरण	5%

8. संयंत्र और मशीनरी	5%
9. वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10. कार्यालय उपकरण	7.5%
11. दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%
12. कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13. फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
14. वाहन	10%
15. पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1. ई-पत्रिका	40%
2. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3. पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसंपत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई-पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में स्टॉक में दर्ज की जाती है। संस्कृत के अग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची-4)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शामिल हैं। पूर्व वर्ष में पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण वास्तविक कीमत के अनुसार गणना की गई। उसकी कुल मूल्य वर्ष 2018-19 में रु. 4,11,93,98,935/- आंकी गई है।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.07.2017 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 1000/- दिया जा रहा है।

6.3 संस्थान के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित निधि, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि एवम् खर्चों का लेखांकन किया गया है। (अनुसूची-2)

6.5 170 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सावधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित / दान निधि

8.1 संस्थान में पेंशन के लिये एक चिह्नित निधि है एवं पांच दान निधि जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट और आर. के. शर्मा के नाम पर हैं। अनुसूची-2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं निधि में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नही दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान

9.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य का लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदार्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित निधि एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना संस्थान में चल रही है जिसका लाभ वरिष्ठ शोध अध्येता/कनिष्ठ शोध अध्येता (वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधानकर्त्ता) जिसका लाभ ले रहें हैं।

12. आयकर

12.1 संस्थान एक मानित विश्वविद्यालय है और पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रवाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2020

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

न्यायालय मुकदमा खर्च - रुपये 35,00,000/- (पूर्व वर्ष - रुपये 35,00,000/-)

2. स्थायी संपत्तियाँ

2.1 वर्ष 2019-20 में रुपये 50,86,45,877/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 खाते में रुपये 46,107/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

3. विदेशी मुद्रा में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	शून्य
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा साहित	शून्य

4. तुलनपत्र में मुंबई परिसर में गबन से संबधित 7,82,122 रुपये की राशि, संदिग्ध खाते (संदर्भ अनुसूची-8) में दर्शाई गई है क्योंकि अभी तक मामले को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, केवल संदिग्ध हैड में राशि जब्द है। 4.27 लाख की लेखा परीक्षा में प्रविष्टि के अवलोकन के अनुसार, सा.भ.नि. शेष राशि और मुख्य खाते में 1.54 लाख रु. हैं।

5. वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 30.06.2020 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

6. पिछले साल के आकड़े जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

7. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2020 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

9. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2019-20 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

2019-20 को प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

राशि ₹ में

क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**पूर्व बकाया**			**1**	**व्यय**		
a)	नकदी शेष		1020003.00	a)	**स्थापना व्यय**	922712938.00	849789689.00
i	हाथ में रोकड़	364331.00		b)	शैक्षिक व्यय	115526312.00	94031620.00
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	78717.00	84165.00	c)	प्रशासनिक व्यय	231411180.00	132390673.00
iii	नकदी शेष (एस. निधि)	558714.00		d)	यातायात व्यय	3291525.00	3309904.00
b)	**बैंक में शेष**			e)	मरम्मत एवं देखभाल	10162552.00	11702496.00
	i) बचत खाता	111130156.00		f)	पूर्व अवधि व्यय	160593.00	0.00
	ii) बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	5029177.00		g)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		
	iii) कनिष्ठ अध्येतावृत्ति (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)	101000.00	94445315.00	**2**	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**	298344.00	0.00
	iv) चालू खाता	10000.00	2610424.00	**3**	**छात्र निधि व्यय भुगतान**	50976462.00	19985960.00
	v) बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	3435748.00	101000.00				
	vi) बचत खाता (एस. निधि)	25314832.00	375435.00	**4**	**परिसरों को अनुदान**	1627721146.00	1369638142.00
	v) बचत खाता (परियोजना)	5892244.00	22365419.00	**5**	**प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	655931987.00	589013382.00
2	**अनुदान प्राप्त**			**6**	**कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	0.00	0.00
a)	भारत सरकार से प्राप्त	2469928000.00	2143799000.00	**7**	**निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	153329006.00	58336724.00
b)	राज्य सरकार से प्राप्त				**मु.स्वा.पी. सावधि जमा निधि**	3742692.00	3498648.00
c)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त				**एच.डी.एफ.सी. सावधि जमा निधि**	16393943.00	60000000
d)	परिसर अनुदान	1627721146.00	1369638142.00	**8**	**पूर्व में किए गए व्यय**		0
e)	(पूंजी एवं राजस्व व्यय अनुदान में अलग से दिखाया जाएगा)			**9**	**महाराष्ट्र सरकार को भुगतान एम.सी.जी.एम.**	41633049.00	
f)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (वि.अ.आ.)		0.00	**10**	**स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर**		
3	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**	14751657.00	12614783.00	a)	स्थायी सम्पत्ति	7440897.00	9412911.00
a)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	36239724.00	34287609.00	b)	कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	501817289.00	501547102.00
b)	पूर्व अवधि आय		-	c)	सी.पी.डब्ल्यू.डी. (वापसी)		0.00
c)	छात्र निधि प्राप्तियाँ	46344112.00	20,096,561.00	**11**	**अन्य भुगतान संवैधानिक भुगतान सहित**	163748884.00	343088895.00
d)	एच.डी.एफ.सी. प्राप्तियाँ	28307049.00	63435748.00				
4	**निर्धारित प्राप्तियाँ चिह्नित/अक्षय निधि**		0.00	c)	**जमा एवं अग्रिम**	22517285.00	25065428.00

राशि ₹ में

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
a)	अक्षय निधि पुरस्कार			**12**	**शेष राशि**		
5	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**				हाथ में रोकड़	188136.00	364331.00
a)	मुख्यालय से प्राप्त				हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	44443.00	78717.00
b)	अन्य स्रोत से आय				बैंक में शेष	218217.00	545301.00
6	**प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ**			a)			
a)	**कनिष्ठ शोध अध्येता**		0.00	b)	i) चालू खाते में	147147.00	10000.00
7	**निवेश से आय**			c)	ii) जमा खाते में		
a)	चिह्नित/अक्षय निधि	95000.00	0.00		iii) बचत खाते में	164138592.00	111130156.00
b)	अन्य निवेश	100049845.00	62963630.00	d)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	764888.00	5029177.00
c)	एच.डी.एफ.सी. सावधि जमा	67900000.00		e)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	101000.00	101000.00
d)	मु.स्वा.पी. सावधि जमा	3498648.00	6864436.00	f)	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	75831271.00	3435748.00
8	**ब्याज प्राप्त**			g)	बचत खाता (एस. निधि)	21022979.00	22306154.00
a)	बैंक में जमा	8578413.00	5379154.00	h)	बचत खाता (परियोजना)	3926532.00	
b)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	1962162.00	977549.00	i)	भवन खाता	3029353.00	
c)	बैंक बचत खाता	5888962.00	6682726.00				
d)	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)	0.00	0.00				
e)	दान पर ब्याज	21810.00	178057.00				
9	**नकद में निवेश**						
	स्थायी सम्पत्ति बिक्री						
10	कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी	48601900.00	0.00				
11	**अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)**	338770.00	0.00				
12	**जमा एवं अग्रिम**	23233641.00	25269604.00				
13	**वापसी योग्य प्राप्तियाँ संवैधानिक प्राप्तियाँ (भेजी हुई रकम)**	162852884.00	340623398.00				
	योग	**4798228642.00**	**4213812158.00**		**योग**	**4798228642.00**	**4213812158.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2019-20 के लिए प्राप्तियाँ की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**														
a)	**नकदी शेष**														
i	हाथ में रोकड़	4658.00	9438.00		8827.00	10004.00	1456.00		106858.00	30713.00	497.00	158619.00		33261.00	**364331.00**
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	61962.00	16755.00												**78717.00**
iii	हाथ में रोकड़ (एस. निधि)		122972.00		11216.00	31677.00	2084.00	17797.00			3846.00	340706.00	7700.00	20716.00	**558714.00**
b)	**बैंक में शेष**														
i	बचत खाता	56012356.00	3802036.00	2950347.00	2217305.00	4756344.00	3946751.00	8523432.00	4459903.00	2385194.00	6154047.00	5750185.00	1346878.00	8825378.00	**111130156.00**
ii	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	4307031.00	722146.00												**5029177.00**
iii	बचत खाता (शोधछात्रवृत्ति)	101000.00													**101000.00**
iv	चालू खाता	10000.00													**10000.00**
v	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	3435748.00													**3435748.00**
vi	बचत खाता (छात्र निधि)		6927229.00	1211039.00	1345697.00	1681912.00	2169363.00	305852.00	1533113.00		2403.00	5511220.00	385691.00	4241313.00	**25314832.00**
vii	बचत खाता (परियोजना)		2466056.00		1130478.00				2250000.00					45710.00	**5892244.00**
viii	रखरखाव	2469928000.00													**2469928000.00**
ix	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)														**0.00**
x	परिसरों को अनुदान		97506101.00	57140305.00	68532290.00	81475300.00	202373500.00	212849305.00	97838146.00	88675300.00	176342300.00	112045981.00	238591000.00	194351618.00	**1627721146.00**
xi	पूर्व अवधि आय				210,610.00						128160.00				**338770.00**
	योग	**2533860755.00**	**111572733.00**	**61301691.00**	**73456423.00**	**87955237.00**	**208493154.00**	**221696386.00**	**106188020.00**	**91091207.00**	**182631253.00**	**123806711.00**	**240331269.00**	**207517996.00**	**4249902835.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**														
i	प्रवेश पत्र	769930.00		77310.00					128975.00		5653.00	103050.00			**1084918.00**
ii	परीक्षा प्राप्तियाँ	5148253.00		13190.00							600.00				**5162043.00**
iii	प्रकाशनों की बिक्री	4143896.00			22704.00			49831.00	21955.00	18337.00	6329.00	54827.00	83560.00	1139.00	**4402578.00**
iv	एन.एफ.एस.सी.	47340.00										2640.00			**49980.00**
v	छात्रावास शुल्क										9500.00				**9500.00**
vi	पी.एस.एस.टी.	1400.00													**1400.00**
vii	पत्राचार प्राप्तियाँ	190375.00													**190375.00**
viii	विद्यावारिधि शुल्क	135000.00													**135000.00**
ix	अन्य शैक्षिक प्राप्तियाँ	2330356.00		56465.00				949340.00	12004.00					222749.00	**3570914.00**
x	अक्षयनिधि पुरस्कार										144949.00				**144949.00**
	योग	**12766550.00**	**0.00**	**146965.00**	**22704.00**	**0.00**	**0.00**	**999171.00**	**162934.00**	**18337.00**	**167031.00**	**160517.00**	**83560.00**	**223888.00**	**14751657.00**
3	**विविध प्राप्तियाँ**														**0.00**
i	संस्थान प्रकाशन (पुनर्मुद्रण)	375525.00													**375525.00**
ii	ज्ञान दर्शन														

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
iii	कनिष्ठ शोध अध्येता (परिसरों से धन-वापसी)														0.00
iv	आर.टी.आई.				10.00					10.00		50.00			70.00
v	मुक्त स्वाध्याय पीठ (मुख्य नकद खाता)	15327770.00												75000.00	15402770.00
vi	मुक्त स्वाध्याय पीठ (नकद खाता)	11787081.00													11787081.00
vii	अन्य विविध प्राप्तियाँ	3069681.00	350500.00	11533.00	1225.00	51603.00	324245.00	1618887.00	30170.00	1563060.00	29706.00	852008.00	300.00	194700.00	8097618.00
viii	सी.पी.डब्ल्यू. द्वारा वापसी														0.00
ix	छुट्टियों की तन्ख्वाह एवं पेंशन अंशदान	303072.00													303072.00
x	छात्र निधि		4158657.00	4425667.00	559521.00	6711536.00	982816.00	15283047.00	3305519.00		5542922.00	1779231.00	175488.00	3419708.00	46344112.00
xi	एच.डी.एफ.सी.	28307049.00													28307049.00
xii	लाइसेंस शुल्क		6765.00			2490.00		3720.00	33115.00	3240.00	172405.00	20203.00		31650.00	273588.00
	योग	**59170178.00**	**4515922.00**	**4437200.00**	**560756.00**	**6765629.00**	**1307061.00**	**16905654.00**	**3368804.00**	**1566310.00**	**5745033.00**	**2651492.00**	**175788.00**	**3721058.00**	**110890885.00**
4	**ब्याज**														**0.00**
i	बचत खाते पर ब्याज	4073135.00	346351.00		70740.00	66061.00	428634.00	377400.00	119365.00	62030.00	5000.00	70352.00	189325.00	80569.00	5888962.00
ii	सावधि जमा रसीद पर ब्याज	8079161.00			499252.00										8578413.00
iii	ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर ब्याज	1485098.00	20790.00			17933.00		91517.00	24324.00		70992.00	243400.00		8108.00	1962162.00
iv	बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)														0.00
v	दान राशि पर ब्याज					13242.00					8568.00				21810.00
	योग	**13637394.00**	**367141.00**	**0.00**	**569992.00**	**97236.00**	**428634.00**	**468917.00**	**143689.00**	**62030.00**	**84560.00**	**313752.00**	**189325.00**	**88677.00**	**16451347.00**
5	**भेजी हुई रकम**														
i	आय कर		7896583.00		2840600.00	5763700.00		14282905.00	5842367.00	5064308.00	11576646.00	10262680.00	1835462.00	15130009.00	80495260.00
ii	सा.भ.नि.		3807820.00		1923000.00	2901175.00		13590900.00	4756685.00	3499100.00	7731095.00	8070900.00	942100.00	11255254.00	58478029.00
iii	एन.पी.एस.		1625687.00		781352.00	1694741.00		1967059.00	796954.00	1030233.00	2876619.00	1071526.00	538815.00	1521830.00	13904816.00
iv	जी.आई.एस.		71554.00	59308.00	22260.00	58920.00		102840.00	50971.00	94638.00	62160.00	65820.00	69365.00	85020.00	742856.00
v	जी.आई.पी.	385515.00													385515.00
vi	अन्य विभागों को प्रेषण	1242000.00	600000.00			48990.00	19106.00	608600.00	52560.00	186492.00	1324390.00	1271647.00		1232149.00	6585934.00
vii	एल.आई.सी.							432893.00			408628.00	102024.00	3178.00	178567.00	1125290.00
viii	पुस्तकालय/छात्रावास जमानत राशि														0.00
ix	टी.डी.एस.				7250.00	97030.00			76551.00			69227.00	195323.00		445381.00
x	पी.एल.आई.														0.00
xi	मुम्बई परिसर देनदारी	69803.00													69803.00
xii	एस.डी. अग्रिम धन							590000.00	30000.00						620000.00
	योग	**1697318.00**	**14001644.00**	**59308.00**	**5574462.00**	**10564556.00**	**19106.00**	**31575197.00**	**11606088.00**	**9874771.00**	**23979538.00**	**20913824.00**	**3584243.00**	**29402829.00**	**162852884.00**
6	**सावधि जमा रसीद**														
i	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित	100049845.00													100049845.00
ii	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित मु.स्वा.पी.	3498648.00													3498648.00
iii	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित अक्षयनिधि					95000.00									95000.00
iv	सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित HDFC	67900000.00													67900000.00
	योग	**171448493.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**95000.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**171543493.00**
7	**रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर**	4438750.00			44163150.00		0.00	0.00							**48601900.00**
	योग	**4438750.00**	**0.00**	**0.00**	**44163150.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**48601900.00**

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
8	**अग्रिम खाता**														
i	एल.टी.सी.				35500.00		155100.00					336150.00	90000.00	287738.00	**904488.00**
ii	टी.ए.		45000.00		592476.00	427000.00	119000.00	75000.00	628453.00	21700.00		334500.00		113900.00	**2357029.00**
iii	त्यौहार	450.00		375.00											**825.00**
iv	वाहन	14540.00			4800.00			16200.00	21576.00		18000.00	24800.00		58000.00	**157916.00**
v	आकस्मिक व्यय		450000.00		1287070.00	465000.00	2825000.00	5014000.00	790764.00	787800.00	224900.00	1578000.00	1177500.00	1998000.00	**16598034.00**
vi	एच.बी.ए.	168947.00								162400.00		29330.00		43656.00	**404333.00**
vii	चिकित्सा					10000.00	15000.00								**25000.00**
viii	जी.पी.एफ.													2306700.00	**2306700.00**
ix	कम्प्यूटर	291196.00		18000.00	22800.00	13000.00		48390.00	12000.00	18000.00	15930.00	22000.00		18000.00	**479316.00**
	योग	**475133.00**	**495000.00**	**18375.00**	**1942646.00**	**915000.00**	**3114100.00**	**5153590.00**	**1452793.00**	**989900.00**	**258830.00**	**2324780.00**	**1267500.00**	**4825994.00**	**23233641.00**
9	गबन रकम की वापसी														**0.00**
	कुल योग	**2797494571.00**	**130952440.00**	**65963539.00**	**126290133.00**	**106392658.00**	**213362055.00**	**276798915.00**	**122922328.00**	**103602555.00**	**212866245.00**	**150171076.00**	**245631685.00**	**245780442.00**	**4798228642.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 के लिए समेकित भुगतान लेखा

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
व्यय														
A) स्थापना व्यय														
a) वेतन एवं मजदूरी	70171359.00	26518621.00	24608362.00	46501555.00	25921485.00	55739747.00	71359275.00	31140074.00	51844891.00	17159912.00	36305775.00	11505987.00	65535062.00	**534312105.00**
b) कर्मचारी कल्याण व्यय			16224.00											**16224.00**
c) एल.टी.सी. सुविधा	632304.00	494532.00	14858.00	52595.00	142282.00	228863.00	530081.00	64788.00	366571.00	53190.00	167637.00	99250.00	540684.00	**3387635.00**
d) चिकित्सा सुविधा	1755249.00	117680.00	357158.00	216439.00	256537.00	252711.00	906327.00	262492.00	858381.00	90000.00	298469.00		1050288.00	**6421731.00**
e) बच्चों की शिक्षा हेतु भत्ता	1039500.00	144168.00	184522.00	379665.00	52991.00	378000.00	277825.00	387330.00	270000.00	100082.00	412371.00	27000.00	748540.00	**4401994.00**
f) मानदेय	582500.00	16000.00		5000.00	178000.00	146440.00		39940.00	63800.00					**1031680.00**
g) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)	18910962.00		19086518.00	10762480.00	1693779.00	21890335.00	8921265.00	10280152.00	12980908.00		10576087.00		26716647.00	**141819133.00**
h) पेंशन	41566414.00		18594494.00	4373669.00	1979319.00	17256041.00	13669303.00	16503863.00	9828546.00		3189630.00		21473714.00	**148434993.00**
i) एन.पी.एस.	3252583.00	1415113.00	1410524.00	2345303.00	1476610.00	2026796.00	2087303.00	1406037.00	1446987.00	659018.00	2319485.00	1346794.00	2749456.00	**23942009.00**
j) सी.पी.एफ. परिसर	549081.00													**549081.00**
k) जी.पी.एफ./एन.पी.एस. पर ब्याज					11494.00									**11494.00**
k) मार्च 2019 को दी गई तनख्वाह	7884677.00	3025857.00	2083519.00	3777529.00	2787251.00	5962321.00	8025951.00	3496601.00	5521364.00	2163209.00	4646019.00	861574.00	8148987.00	**58384859.00**
योग (ए)	**146344629.00**	**31731971.00**	**66356179.00**	**68414235.00**	**34499748.00**	**103881254.00**	**105777330.00**	**63581277.00**	**83181448.00**	**20225411.00**	**57915473.00**	**13840605.00**	**126963378.00**	**922712938.00**
(बी) शैक्षिक व्यय														
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	17973.00	643313.00											7000000.00	**7661286.00**
वार्षिक समारोह		34754.00		13804.00	3965.00			105515.00		10963.00	3024.00			**172025.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा		10694049.00												**10694049.00**
कम्प्यूटर शिक्षा														**0.00**
परीक्षा	6973577.00	9526979.00		253813.00	236620.00		386981.00	459530.00	227995.00	177702.00		45785.00	693639.00	**18982621.00**
पत्राचार आकस्मिकता	143476.00										127603.00			**271079.00**
ई-टैक्स्ट											316556.00		48000.00	**364556.00**
डी.ई.ओ./ई-ग्रन्थालय														**0.00**
संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय	400000.00	605008.00		101285.00	409444.00	786586.00	144100.00	100270.00	200000.00	88451.00	99534.00	305009.00	99561.00	**3339248.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता														**0.00**
कौमुदी महोत्सव														**0.00**
अन्य शैक्षणिक व्यय		3489810.00			15878.00		1029208.00			5452.00			44263.00	**4584611.00**
उपहार														**0.00**
प्रकाशन/पत्रिका		33142.00	166857.00	19937.00					60000.00	24175.00	135824.00		69550.00	**509485.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क														**0.00**
संस्कृत आयोग														**0.00**
संस्कृत दिवस समारोह	593177.00	17621.00		61305.00	12730.00	61701.00	37801.00	52394	39440.00	57513.00	40895.00	36587.00	100000.00	**1111164.00**
ग्लोरी फेस्टिवल												44401.00		**44401.00**
छात्र कल्याण व्यय					169491.00	73827.00			36580.00		62810.00			**342708.00**

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
हिन्दी दिवस समारोह	686491.00				28133.00	9030.00	22758.00	43188.00	12007.00	38778.00	15055.00	43046.00	34720.00	**933206.00**
महिला अध्ययन केन्द्र														**0.00**
अनुसंधान सक्रियता			541527.00		42055.00	415809.00					721471.00		567865.00	**2288727.00**
विश्व संस्कृत सम्मेलन														**0.00**
भाषा मन्दाकिनी														**0.00**
वसंत महोत्सव		6300608.00												**6300608.00**
आई.क्यू.ए.सी.				557597.00										**557597.00**
विस्तृत व्याख्यान			44356.00	5000.00		18933.00		26000.00	15000.00		54777.00			**164066.00**
आंकलन कार्य													207377.00	**207377.00**
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद														**0.00**
शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम (6 माह)			1768337.00	737856.00					723523.00		394456.00			**3624172.00**
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता							200000.00							**200000.00**
दीक्षांत समारोह	5476273.00													**5476273.00**
अष्टादशी परियोजना				200000.00										**200000.00**
छात्रकोष व्यय		422558.00		8731132.00	3729176.00	5456414.00	2442345.00	3442427.00	2825311.00	1607288.00	8222660.00	17000.00	14080151.00	**50976462.00**
साहित्य शास्त्र प्रशिक्षण														**0.00**
शोध छात्रवृत्ति	156914.00		5377841.00					635573.00					1916493.00	**8086821.00**
एच.डी.एफ.सी.	7417583.00													**7417583.00**
मु.स्वा.पी. (मुख्य रोकड़ बही)	4814461.00	2822740.00	597849.00	713830.00	428666.00	899214.00	1426343.00	492944.00	613432.00	433552.00	1297198.00		2124650.00	**16664879.00**
मु.स्वा.पी. (रोकड़ बही)	15327770.00													**15327770.00**
योग (बी)	**42007695.00**	**34590582.00**	**8496767.00**	**11395559.00**	**5076158.00**	**7721514.00**	**5689536.00**	**5357841.00**	**4753288.00**	**2443874.00**	**11491863.00**	**491828.00**	**26986269.00**	**166502774.00**
(सी) प्रशासनिक व्यय														
विद्युत आपूर्ति	2247790.00	322913.00	669159.00	2472101.00	976652.00	1092451.00	2145883.00	1283556.00	2657016.00		779252.00	332664.00	1665680.00	**16645117.00**
जल शुल्क	84418.00			160000.00	63900.00	2549.00	13472.00	799218.00	107522.00			23271.00		**1254350.00**
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)	213739.00		8380997.00	468502.00	782572.00				107523.00		65288.00	1300200.00		**11318821.00**
डाक व्यय एवं स्टेशनरी	688495.00	14479.00	28241.00	100470.00	46969.00	53106.00	90483.00	72050.00	53507.00	35741.00	42831.00	15847.00	97267.00	**1339486.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय	144062.00	72119.00	102276.00	45123.00	133082.00	86275.00	47968.00	101354.00	22247.00	13366.00	434178.00	56717.00	63572.00	**1322339.00**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1002527.00	15578.00	33042.00	40600.00	147650.00	50923.00	91333.00	100296.00	81290.00	24385.00	68837.00	239330.00	160844.00	**2056635.00**
यात्रा एवं भत्ता व्यय	8851809.00	434906.00	179353.00	445408.00	181790.00	561150.00	309288.00	970533.00	332733.00	199705.00	458594.00	168539.00	1190315.00	**14284123.00**
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	376470.00				125640.00	18970.00				24650.00				**545730.00**
प्रोफेशनल व्यय		24780.00											15000.00	**39780.00**
विज्ञापन एवं प्रचार	1144176.00	34436.00	6174.00	69429.00	65589.00	100051.00	45448.00	17285.00	25694.00	50826.00	45959.00	25101.00	76484.00	**1706652.00**
अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय	3289542.00					429499.00		1135401.00					351596.00	**5206038.00**
संविदा श्रमिक		8442619.00		8042953.00	7667456.00	6284599.00	12995448.00	11382609.00	6743189.00	7638193.00	9458982.00	4222372.00	16841532.00	**99719952.00**
कानूनी व्यय	3989009.00	25000.00	8142.00	33500.00	70874.00	319750.00	19930.00	106200.00	20274.00			6400.00	133696.00	**4732775.00**
वर्दियाँ	90000.00				35000.00			30000.00						**155000.00**
सुरक्षा हाउस कीपिंग	2233190.00				2175863.00	7288205.00	3782833.00		2956011	60999.00	4220810.00		3259748.00	**25977659.00**
विविध व्यय	1840932.00	702257.00	463588.00	982133.00	1926892.00	8568.00	1199484.00	357234.00	535775.00	521151.00	439731.00	299987.00	3145648.00	**12423380.00**
बैंक प्रभार	6432.00	619.00	47.00	89.00						1346.00				**8533.00**
बाहरी ठेका	9034234.00	3172502.00	3090216.00				2682387.00	3271227.00		871581.00		3774923.00	2408476.00	**28305546.00**
सी.वी.टी.टी.														**0.00**
मंत्रालय को जमा ब्याज	4369264.00													**4369264.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
योग (सी)	**39606089.00**	**13262208.00**	**12961235.00**	**12860308.00**	**14399929.00**	**16296096.00**	**23423957.00**	**19626963.00**	**13642781.00**	**9441943.00**	**16014462.00**	**10465351.00**	**29409858.00**	**231411180.00**
d) यातायात व्यय														
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)														**0.00**
a) रनिंग व्यय	234005.00				607375.00									**841380.00**
b) मरम्मत एवं रख-रखाव	217965.00		61937.00		135972.00	24871.00								**440745.00**
c) बीमा खर्च	26788.00		11798.00		69286.00	11638.00								**119510.00**
d) स्टॉफ कार खर्च						38338.00								**38338.00**
2. किराए के वाहन/लीज पर वाहन														**0.00**
a) किराया/लीज व्य	518678.00				5000.00							414394.00		**938072.00**
3. वाहन (टेक्सी) किराया खर्च		371305.00		22295.00					49643.00	381987.00	33200.00		55050.00	**913480.00**
योग (डी)	**997436.00**	**371305.00**	**73735.00**	**22295.00**	**817633.00**	**74847.00**	**0.00**	**0.00**	**49643.00**	**381987.00**	**33200.00**	**414394.00**	**55050.00**	**3291525.00**
e) मरम्मत एव रखरखाव														
मरम्मत एव रखरखाव														**0.00**
a) भवन	211055.00			12730.00	23470.00	1690029.00	276212.00		19156.00		24258.00		47416.00	**2304326.00**
b) फनीचर		8000.00			47070.00			92335.00	3542.00		66706.00		127949.00	**345602.00**
c) मशीनरी एवं उपकरण				47846.00	53403.00			7112.00	20589.00		45588.00		188027.00	**362565.00**
d) कार्यालयीय उपकरण	1614986.00	14680.00	96089.00	12215.00				68692.00	93449.00		11080.00			**1911191.00**
e) कम्प्यूटर			118506.00	87875.00	73242.00	70071.00	105398.00	7670.00	64233.00		80996.00		131413.00	**739404.00**
f) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण														**0.00**
g) दृश्य-श्रव्य उपकरण				42350.00									16051.00	**58401.00**
h) सफाई सामग्री एवं सेवाएं				3644679.00	38056.00	23545.00			41679.00				37531.00	**3785490.00**
i) पुस्तक जिल्द प्रभार													200.00	**200.00**
j) बागवानी देखभाल			13500.00		2950.00		940.00		15564.00		5804.00		64670.00	**103428.00**
k) भूमि रखरखाव					58142.00	71679.00							117550.00	**247371.00**
l) अन्य (निर्दिष्ट)				75420.00			0.00	11156.00		217998.00				**304574.00**
योग (ई)	**1826041.00**	**22680.00**	**228095.00**	**3923115.00**	**296333.00**	**1855324.00**	**382550.00**	**186965.00**	**258212.00**	**217998.00**	**234432.00**	**0.00**	**730807.00**	**10162552.00**
F) पूर्व अवधि व्यय	160593.00													**160593.00**
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ														
छात्रवृत्ति	10253924.00	2289556.00	376000.00	4636118.00	4490711.00	2499172.00	4856288.00	1326840.00	3594534.00	693189.00	2495695.00	610940.00	5460423.00	**43583390.00**
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	14556667.00	4484.00		4500.00		4500.00		4350.00	7140.00	4500.00	3500.00		4500.00	**14594141.00**
शास्त्र चूड़ामणि	4017516.00													**4017516.00**
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण	52500.00													**52500.00**
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3000043.00													**3000043.00**
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)														**0.00**
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	896924.00													**896924.00**
डेक्कन कॉलेज, पुणे	3500000.00													**3500000.00**
राष्ट्रपति सम्मान	17197373.00													**17197373.00**
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	394881055.00													**394881055.00**
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	35906543.00													**35906543.00**
स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	73411128.00													**73411128.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
एन.ई.आर.	22466405.00													**22466405.00**
एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	2486500.00													**2486500.00**
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	18051871.00													**18051871.00**
उच्चमाध्यमिक/उच्च विद्यालयों को अनुदान	1692000.00													**1692000.00**
सम्मान राशि	6144000.00													**6144000.00**
विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	265608.00													**265608.00**
पंचांग परियोजना				213549.00										**213549.00**
गुरुकुल संकल्पना														**0.00**
पालि एवं प्राकृत	1583935.00						3039294.00		3633696.00					**8256925.00**
राष्ट्रीय संस्कृत सेमिनार														**0.00**
ई-पाठशाला पुस्तक														**0.00**
परियोजना	750000.00			51389.00			126279.00	1484980.00		465871.00				**2878519.00**
जगन्नाथ वी.के. परियोजना														**0.00**
ज्योतिष परियाजना														**0.00**
यू.जी.सी./नैक														**0.00**
नाट्यशास्त्र परियोजना				935997.00										**935997.00**
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद सम्मेलन	1500000.00													**1500000.00**
योग (एफ)	**612613992.00**	**2294040.00**	**376000.00**	**5841553.00**	**4490711.00**	**2503672.00**	**8021861.00**	**2816170.00**	**7235370.00**	**1163560.00**	**2499195.00**	**610940.00**	**5464923.00**	**655931987.00**
V. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को भुगतान														**0.00**
कनिष्ठ शोध अध्येता														**0.00**
VI. चिह्नित/अक्षय निधि का भुगतान	58395.00					144949.00					95000.00			**298344.00**
VII. परिसरों को अनुदान	1627721146.00													**1627721146.00**
VIII. राष्ट्रकृत बैंकों में अवधि जमा	153329006.00													**153329006.00**
मुक्त स्वाध्याय पीठ के लिए	3742692.00													**3742692.00**
एच.डी.एफ.सी. के लिए	16393943.00													**16393943.00**
एम.सी.जी.एम., महाराष्ट्र सरकार को भुगतान										41633049.00				**41633049.00**
VII. स्थाई सम्पत्तियों एवं कैपिटल कार्य प्रगति पर व्यय	1982400.00	118328000.00		2633801.00		46700000.00	52464718.00	9798800.00	5062680.00	33375000.00		210000000.00	21471890.00	**501817289.00**
स्थायी सम्पत्तियां														**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण				68411.00									39700.00	**108111.00**
फर्नीचर, फिक्सर एवं फिटिंग्स				47531.00					33525.00				2016154.00	**2097210.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाऐं		76085.00		15000.00	100000.00	98207.00	83875.00		84054.00		96017.00	41803.00	100000.00	**695041.00**
प्लांट एवं मशीनरी	636866.00	9499.00		336800.00									554600.00	**1537765.00**
प्रकाशन	557482.00								54827.00					**612309.00**
पाण्डुलिपियां														**0.00**
प्रयोगशाला उपकरण									18000.00					**18000.00**
विद्युत स्थापन एवं उपकरण			336800.00			336800.00							201022.00	**874622.00**
दृश्य श्रव्य उपकरण									336800.00		336800.00		80050.00	**753650.00**
कार्यालयीय उपकरण					336800.00									**336800.00**
इन्टेन्जीबल (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर)														**0.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
इन्टेन्जीबल (जरनल)														**0.00**
आई.क्यू.ए.सी.													407389.00	**407389.00**
योग (एफ)	**1194348.00**	**85584.00**	**336800.00**	**467742.00**	**436800.00**	**435007.00**	**83875.00**	**0.00**	**527206.00**	**0.00**	**432817.00**	**41803.00**	**3398915.00**	**7440897.00**
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित														
आय कर			5064308.00	7896583.00		11576646.00	15130009.00	5842367.00	10262680.00	2840800.00	5763700.00	1835462.00	14282905.00	**80495460.00**
सा.भ.नि.			3499100.00	3807820.00		7731095.00	11255254.00	4756685.00	8070900.00	1923000.00	2901175.00	942100.00	13590900.00	**58478029.00**
जी.आई.एस.		19056.00	94638.00	71554.00	61559.00	60240.00	85020.00	50971.00	65820.00	22260.00	70020.00	86259.00	53142.00	**740539.00**
जी.आई.पी.	343996.00												49698.00	**393694.00**
एन.पी.एस.			1030233.00	1625687.00		2876619.00	1521830.00	796954.00	1071526.00	626121.00	1694741.00		1967059.00	**13210770.00**
सी.पी.एफ.														**0.00**
प्रोफेशनल कर														**0.00**
एल.आई.सी. वेतन							178567.00		102024.00			3178.00	432893.00	**716662.00**
पुस्तकालय/छात्रावास जमानती राशि														**0.00**
अग्रिम राशि/एस.डी.							123900.00	20000.00					590000.00	**733900.00**
अन्य परिसरीय विभागों से प्राप्त राशि	1045800.00	24506.00	1290620.00	600000.00	29401.00	1733018.00	1144715.00	54260.00	1931549.00	6600.00	48990.00		608600.00	**8518059.00**
पी.एल.आई.														**0.00**
टी.डी.एस.								76551.00	69227.00		97030.00	218963.00		**461771.00**
योग (जी)	**1389796.00**	**43562.00**	**10978899.00**	**14001644.00**	**90960.00**	**23977618.00**	**29439295.00**	**11597788.00**	**21573726.00**	**5418781.00**	**10575656.00**	**3085962.00**	**31575197.00**	**163748884.00**
X. जमा एवं अग्रिम														
वाहन				795.00										**795.00**
त्यौहार अग्रिम	4725.00													**4725.00**
एल.टी.सी. अग्रिम		155100.00	21700.00				287738.00		336150.00	85500.00		90000.00		**976188.00**
टी.ए.		119000.00		45000.00			113900.00	797453.00	84500.00	191716.00	427000.00		75000.00	**1853569.00**
कम्प्यूटर अग्रिम	150000.00		49800.00				6000.00							**205800.00**
आकस्मिक व्यय	73500.00	3845000.00	787800.00	220000.00			1998000.00	366711.00	1578000.00	1478597.00	465000.00	1170500.00	5014000.00	**16997108.00**
चिकित्सा अग्रिम											10000.00			**10000.00**
सा.भ.नि.							2306700.00							**2306700.00**
एच.बी.ए.			162400.00											**162400.00**
योग (एच)	**228225.00**	**4119100.00**	**1021700.00**	**265795.00**	**0.00**	**0.00**	**4712338.00**	**1164164.00**	**1998650.00**	**1755813.00**	**902000.00**	**1260500.00**	**5089000.00**	**22517285.00**
XII. अन्तिम शेष														
a) हाथ में रोकड़														
हाथ में रोकड़	20213.00		15468.00	59325.00		10395.00			51742.00	21248.00	9745.00			**188136.00**
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	30527.00			13916.00										**44443.00**
हाथ में रोकड़ (एस. फंड)				42672.00		3843.00	13224.00		117381.00	11843.00	681.00	17050.00	11523.00	**218217.00**
b) बैंक में शेष														
i. चालू खाता	147147.00													**147147.00**
ii. जमा खाता														**0.00**
iii. बचत खाता	71214254.00	5781318.00	2757677.00	5898215.00	3947737.00	9172812.00	10545590.00	6631135.00	7030484.00	6177514.00	5986350.00	4868423.00	24127083.00	**164138592.00**
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	553733.00			211155.00										**764888.00**
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	75831271.00													**75831271.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
बचत खाता (एस. फंड)		2731705.00		2435054.00	1907530.00	88914.00	5226168.00	1396205.00	4688465.00	297303.00	201784.00	534829.00	1515022.00	**21022979.00**
बचत खाता (परियोजना)				2466056.00				765020.00		695456.00				**3926532.00**
भवन खाता										3029353.00				**3029353.00**
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति	101000.00													**101000.00**
योग (आई)	**147898145.00**	**8513023.00**	**2773145.00**	**11126393.00**	**5855267.00**	**9275964.00**	**15784982.00**	**8792360.00**	**11888072.00**	**10232717.00**	**6198560.00**	**5420302.00**	**25653628.00**	**269412558.00**
कुल योग	**2797494571.00**	**213362055.00**	**103602555.00**	**130952440.00**	**65963539.00**	**212866245.00**	**245780442.00**	**122922328.00**	**150171076.00**	**84657084.00**	**106392658.00**	**245631685.00**	**276798915.00**	**4798228642.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 के लिए निर्धारित सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन-पत्र

राशि ₹ में

देनदारियाँ	वर्तमान वर्ष 31.03.2020		पूर्व वर्ष 31.03.2019		सम्पत्तियाँ	वर्तमान वर्ष 31.03.2020		पूर्व वर्ष 31.03.2019	
					निवेश				
पिछले वर्ष तक आरक्षित और अधिशेष	15,003,797.00		20,061,795.00		केन्द्र सरकार प्रतिभूतियाँ	-		-	
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	(2,842,718.00)		(5,057,998.00)		राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-		-	
पिछले वर्ष के दौरान सा.भ.नि. पर ब्याज से हानि परिसरों में	7,344,949.00		-		सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-		-	
पिछले वर्ष के दौरान अतिरिक्त/कम राशि का हिसाब नहीं	2,808,218.00		-						
रिजर्व और अतिरिक्त का वर्तमान संतुलन		22,314,246.00	-	15,003,797.00					
सामान्य भविष्य निधि									
प्राविडेंट फंड सदस्य योगदान	-		-	-	सावधि जमा	408,484,313.00		354,231,070.00	
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	415,943,181.00	-	373,617,949.00				408,484,313.00		354,231,070.00
सा.भ.नि. अंशदान की लेखा परीक्षा के अनुसार पिछले वर्ष के खाते	3,535,500.00	-							
पिछले वर्ष की शेष राशि से संबधित ओपनिंग लोन बकाया	(305,568.00)		427,000.00						
जोड़ें : स्वैच्छिक पी.एफ. योगदान सहित वर्ष के दौरान किए गए	75,764,750.00		71,895,508.00		31.3.2019 को अर्जित ब्याज	12,679,309.00		10,376,237.00	
जोड़ें : अन्य परिसरों से स्थानांतरण पर प्राप्त योगदान और ब्याज	22,787,260.00		51,139,012.00				12,679,309.00		10,376,237.00
जोड़ें : वर्ष के दौरान बकाया सा.भ.नि. शेष राशि पर ब्याज	31,612,214.00		29,613,612.00						
घटा : अन्य परिसरों के लिए स्थानांतरण	(32,285,522.00)		(50,941,406.00)		**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम** पिछले वर्ष तक बकाया राशि	10,031,997.00		10,347,150.00	
घटा : गैर वापसी योग्य निकासी	(29,931,215.00)		(19,671,761.00)						
घटा : अंतिम भुगतान	(50,410,811.00)		(40,136,733.00)		जोड़ें-घटा : पिछले वर्ष के ऋण का अग्रिम शेष/ अग्रिम किए गए कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानांतरण	3,283,997.00			
जोड़ें-घटा : अन्य परिसरों में कर्मचारियों का बाहर से तबादला/ स्थानान्तरण में ऋण/अग्रिमों का अंतर	909,250.00	437,619,039.00		415,943,181.00	जोड़ें : वर्ष के दौरान सदस्यों को देने वाला अग्रिम	11,069,913.00		10,410,984.00	
					घटा : वर्ष के दौरान समायोजित वसूली	(10,824,859.00)		(10,726,137.00)	
सी.पी.एफ.									
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	48,607.00		46,944.00	-	वर्ष के अंत में अग्रिम बकाया		13,561,048.00		10,031,997.00
जोड़ें : कॉन्ट्री वर्ष के दौरान बनाया गया	-		-						
जोड़ें : वर्ष के दौरान ब्याज	1,676.00		1,663.00		**अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि**			-	
घटा : अंतिम भुगतान	-		-		जोड़ें : वर्ष के लिए योगदान	-		-	
	-		-	-	घटा : वर्ष के समायोजन के दौरान प्राप्त राशि	-		-	
		50,283.00		48,607.00	**सस्पेंस खाता** - अतिरिक्त सा.भ.नि. राशि अन्य परिसर/ कर्मचारी हस्तांतरित की गई, वापिस मुंबई परिसर में	427,000.00	-		-
जयपुर परिसर द्वारा मुख्यालय को हस्तांतरित किया गया	62,611.00				जयपुर परिसर ने मुख्यालय से वसूल किया	62,611.00		427,000.00	
अतिरिक्त स्थानांतरण						2,641.00	492,252.00		427,000.00
		62,611.00		-	**हाथ में रोकड़ एवं बैंक में जमा**				
पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि को सम्मानजनक परिसरों/	599,838.00		-		सूचित और राष्ट्रीयकृत बैंकों में सा.भ.नि. के साथ	25,378,812.00		55,880,674.00	
मुख्यालय में वापस स्थानांतरित कर दिया गया		599,838.00		-	बैंक में रोकड़ - सी.पी.एफ. खाता	50,283.00		48,607.00	
		-		-	वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी		25,429,095.00		**55,929,281.00**
				-		-	-	-	
31.3.2019 को देनदारियां		**460,646,017.00**		**430,995,585.00**			**460,646,017.00**		**430,995,585.00**

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय और व्यय स्थिति

राशि ₹ में

व्यय का विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2020	पूर्व वर्ष 31.03.2019	आय का विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2020	पूर्व वर्ष 31.03.2019
सदस्यों को ब्याज देने के लिए			बैंक बचत खाते पर ब्याज	1,609,697.00	3,511,995.00
कर्मचारी योगदान पर	31,612,214.00	29,613,612.00	**निवेश पर ब्याज**		
			केन्द्रीय सरकार प्रतिभूति	-	-
बैंक प्रभार	1,384.00	23,141.00	राज्य सरकार प्रतिभूति	-	-
प्रतिभूति के मूल्यांकन पर हानि	-	-	भारत सरकार विशेष जमा	-	-
अधिक ब्याज के उलट के दौरान व्यापक वर्ष के लिए जिम्मेदार हैं	222,385.00	-	सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-	-
			सावधि जमा	14,704,259.00	10,690,523.00
व्यय से अधिक आय रिजर्व फंड में हस्तांतरित	-	-	31.3.2019 को दिया गया ब्याज	12,679,309.00	10,376,237.00
			अन्य आय		
			निवेश पर आय	-	-
			रिजर्व फंड में स्थानांतरित आय से अधिक व्यय	2,842,718.00	5,057,998.00
	31,835,983.00	29,636,753.00		31,835,983.00	29,636,753.00

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ				भुगतान				राशि ₹ में
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	55,953,300.00	74,642,758.00	1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	50,410,811.00	42,686,733.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	75,732,000.00	64,692,316.00	2	अन्तिम भुगतान (बिना वापसी योग्य)	29,931,215.00	17,121,761.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	10,824,859.00	11,063,207.00	3	सा.भ.नि. अग्रिम	11,069,913.00	10,227,984.00
4	सावधि जमा परिपक्वता	241,262,670.00	143,537,919.00	5	सावधि जमा की खरीद	290,298,007.00	189,458,521.00
5	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	23,146,084.00	17,563,614.00	6	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	32,285,522.00	50,735,611.00
6	बचत खाता पर ब्याज	1,609,697.00	3,522,855.00	7	अतिरिक्त राशि की वापसी	29,028.00	-
7	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	22,787,260.00	51,139,012.00	8	बैंक प्रभार	1,384.00	23,141.00
8	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	-	-		अशंदायी को देय ब्याज		-
9	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	7,344,949.00	63,870.00		**नगद शेष**	-	
10	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	672,464.00	-		बैंक में रोकड़	25,378,812.00	55,971,800.00
11	पूर्व वर्ष त्रुटियां	71,409.00	-		बैंक में शेष	-	
	कुल योग	**439,404,692.00**	**366,225,551.00**		**कुल योग**	**439,404,692.00**	**366,225,551.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का विस्तृत लेखा विवरण

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	कुल योग	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	शृंगेरी
1	आदि शेष	**55,953,300.00**	1,995,540.00	731,039.00	1,161,823.00	1,668,702.00	17,268,234.00	4,590,418.00	347,780.00	1,829,186.00	8,902,778.00	5,228,156.00	6,835,382.00	5,026,973.00	367,289.00
2	सा.भ.नि. सदस्यता	**75,732,000.00**	12,302,192.00	3,138,500.00	3,540,979.00	850,000.00	3,000,000.00	2,190,000.00	5,858,800.00	9,274,180.00	4,123,972.00	7,191,000.00	1,783,000.00	10,913,000.00	11,566,377.00
3	सा.भ.नि. की अग्रिम वसूली	**10,824,859.00**	563,503.00	454,600.00	263,820.00	92,100.00	-	258,988.00	1,983,295.00	2,269,000.00	979,618.00	879,900.00	140,000.00	2,677,900.00	262,135.00
5	सा.भ.नि. परिपक्वता	**241,262,670.00**	41,293,083.00	21,125,918.00	19,000,000.00	-	-	7,295,162.00	13,118,714.00	72,587,838.00	31,851,725.00	8,424,587.00	6,835,618.00	8,000,000.00	11,730,025.00
6	सा.भ.नि. परिपक्वता ब्याज	**23,146,084.00**	4,117,234.00	990,885.00	1,219,117.00	216,000.00	510,270.00	1,079,385.00	847,179.00	4,956,916.00	1,698,102.00	2,595,469.00	235,596.00	3,892,201.00	787,730.00
7	बचत खाता ब्याज	**1,609,697.00**	79,913.00	31,701.00	77,822.00	77,287.00	281,864.00	140,075.00	45,647.00	110,245.00	93,528.00	181,369.00	73,945.00	393,476.00	22,825.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	**22,787,260.00**	6,211,977.00	1,287,280.00	142,095.00	544,128.00	-	981,897.00	-	4,378,594.00	-	8,115,728.00	-	1,125,561.00	-
9	संस्थान का योगदान में हिस्सा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	सा.भ.नि. ब्याज मुख्या. में स्थानान्तरण	**7,344,949.00**	2,141,501.00	-	941,190.00	195,301.00	489,685.00	631,570.00	145,517.00	623,711.00	-	-	946,852.00	1,229,622.00	-
11	पूर्व वर्ष की त्रुटियाँ	**71,409.00**	-	-	-	-	-	-	-	42,381.00	29,028.00	-	-	-	-
12	सा.भ.नि. पर पूर्व वर्ष का ब्याज	**672,464.00**	-	**72,626.00**	-	-	-	-	-	599,838.00	-	-	-	-	-
	योग	**439,404,692.00**	**68,704,943.00**	**27,832,549.00**	**26,346,846.00**	**3,643,518.00**	**21,550,053.00**	**17,167,495.00**	**22,346,932.00**	**96,671,889.00**	**47,678,751.00**	**32,616,209.00**	**16,850,393.00**	**33,258,733.00**	**24,736,381.00**
देनदारियाँ															
1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	**50,410,811.00**	13,412,211.00	7,945,658.00	4,521,708.00	-	-	540.00	9,299,477.00	3,475,757.00	1,460,978.00	1,691,368.00	-	7,142,302.00	1,460,812.00
2	अन्तिम भुगतान (वापसी योग्य नहीं)	**29,931,215.00**	2,909,808.00	2,500,000.00	699,376.00	-	-	2,933,623.00	6,514,980.00	1,200,000.00	50,000.00	2,983,428.00	6,892,000.00	2,600,000.00	648,000.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम	**11,069,913.00**	475,800.00	478,000.00	552,000.00	140,150.00	-	532,000.00	638,790.00	2,350,150.00	1,238,123.00	1,133,900.00	-	2,876,500.00	654,500.00
4	सा.भ.नि. की खरीद	**290,298,007.00**	44,046,053.00	14,601,348.00	17,600,000.00	-	15,000,000.00	8,374,547.00	5,743,797.00	82,578,959.00	34,406,619.00	24,032,108.00	8,000,000.00	14,000,000.00	21,914,576.00
5	अन्य परिसरों को राशि का हस्तांतरण	**32,285,522.00**	3,622,452.00	2,210,285.00	39,260.00	142,095.00	3,665,875.00	4,282,559.00	-	3,792,537.00	8,905,459.00	184,469.00	21,878.00	5,418,653.00	-
6	सा.भ.नि. ब्याज का मुख्य खाते में हस्तांतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	अतिरिक्त राशि की वापसी	**29,028.00**	-	-	-	-	-	-	-	-	29,028.00	-	-	-	-
8	बैंक संग्रह प्रभार	**1,384.00**	38.00	89.00	-	722.00	177.00	358.00	-	-	-	-	-	-	-
9	शेष राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	बैंक में नकद	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	बैंक में राशि	**25,378,812.00**	4,238,581.00	97,169.00	2,934,502.00	3,360,551.00	2,884,001.00	**1,043,868.00**	149,888.00	3,274,486.00	1,588,544.00	2,590,936.00	1,936,515.00	1,221,278.00	58,493.00
	योग	**439,404,692.00**	**68,704,943.00**	**27,832,549.00**	**26,346,846.00**	**3,643,518.00**	**21,550,053.00**	**17,167,495.00**	**22,346,932.00**	**96,671,889.00**	**47,678,751.00**	**32,616,209.00**	**16,850,393.00**	**33,258,733.00**	**24,736,381.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, वर्ष 2019-20 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित जाँच हेतु लेखा विवरण

राशि ₹ में

देनदारियाँ	कुल योग	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	श्रृंगेरी
पिछले वर्ष तक आरक्षित शेष	15,003,797	4,261,812	4,246,493	(612,053)	(116,216)	(512,144)	(550,447)	181,344	1,495,387	5,771,005	1,327,937	(414,887)	(943,848)	869,414
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	(2,842,718)	(55,909)	44,288	(279,715)	(282,006)	(28,242)	(163,177)	(171,295)	(670,405)	81,216	126,597	(307,463)	(732,042)	(404,565)
पिछले वर्ष के बकाया सा.भ.नि. की शेष राशि पर ब्याज	7,344,949	2,141,501	-	941,190	195,301	489,685	631,570	145,517	623,711	-	-	946,852	1,229,622	-
पिछले वर्ष की शेष राशि गलती के हिसाब से ठीक कर दी गई	2,808,218	(340,362)				40,100			1,563,072	(454,592)		2,000,000		
आरक्षित और अधिशेष घाटे का वर्तमान संतुलन	**22,314,246**	**6,007,042**	**4,290,781**	**49,422**	**(202,921)**	**(10,601)**	**(82,054)**	**155,566**	**3,011,765**	**5,397,629**	**1,454,534**	**2,224,502**	**(446,268)**	**464,849**
सा.भ.नि.														
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार प्रारंभिक शेष	415,943,181	68,466,738	16,457,132	21,107,949	5,864,068	17,779,448	13,386,834	30,960,669	75,537,700	34,714,869	37,155,946	18,215,199	64,546,209	11,750,420
पिछले तुलन-पत्र में दिखाया गया कम योगदान	3,535,500	-	-	-	-	-	-	-	-	3,505,500	-	-	30,000	-
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार ऋण बकाया खाता अंतर	(305,568)	340,362	12,135	-	349,450	(40,100)	(60,239)	397,095	(1,523,441)	875,256	(345,938)	(427,000)	-	116,852
जोडें : स्वैच्छिक योगदान सहित वर्ष के दौरान किया गया योगदान	75,764,750	12,302,192	3,138,500	3,540,979	850,000	3,000,000	2,200,000	5,858,800	9,276,930	4,123,972	7,191,000	1,803,000	10,913,000	11,566,377
जोडें : अन्य परिसरों से स्थानांतरण पर प्राप्त सदस्यता और ब्याज	22,787,260	6,211,977	1,287,280	142,095	544,128	-	981,897	-	4,378,594	-	8,115,728	-	1,125,561	-
जोडें : वर्ष के दौरान कर्मचारी सा.भ.नि. पर देय ब्याज	31,612,214	5,284,847	904,725	1,544,181	495,421	1,296,089	930,275	1,850,712	5,777,544	2,230,595	3,178,776	1,298,833	5,276,559	1,543,657
कम : अन्य परिसरों को स्थानांतरण	(32,285,522)	(3,622,452)	(2,210,285)	(39,260)	(142,095)	(3,665,875)	(4,282,559)	-	(3,792,537)	(8,905,459)	(184,469)	(21,878)	(5,418,653)	-
कम : अंतिम निकासी	(29,931,215)	(2,909,808)	(2,500,000)	(699,376)	-	-	(2,933,623)	(6,514,980)	(1,200,000)	(50,000)	(2,983,428)	(6,892,000)	(2,600,000)	(648,000)
कम: अंतिम निकासी सेवानिवृत्ति	(50,410,811)	(13,412,211)	(7,945,658)	(4,521,708)	-	-	(540)	(9,299,477)	(3,475,757)	(1,460,978)	(1,691,368)	-	(7,142,302)	(1,460,812)
कर्मचारी स्थानांतरण समायोजन	909,250	(1,401,244)	112,135	(46,680)		3,571	234,988	1,063,470	873,963	(18,222)	199,838	(60,007)	45,100	(97,662)
सी.पी.एफ.														
पिछले तुलनपत्र के अनुसार अंतिम शेष	48,607	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	48,607	-	-
वर्ष के दौरान किए गए योगदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जोड़ें : वर्ष के दौरान ब्याज	1,676	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1,676	-	-
घटा : अंतिम भुगतान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिसरों को अधिक भुगतान	62,611	-	-	-	-	-	-	-	62,611	-	-	-	-	-
पूर्व वर्ष की गलत वापसी	599,838	-	-	-	-	-	-	-	599,838	-	-	-	-	-
कुल देनदारियां 31.3.2019	**460,646,017**	**77,267,443**	**13,546,745**	**21,077,602**	**7,758,051**	**18,362,532**	**10,374,979**	**24,471,855**	**89,527,210**	**40,413,162**	**52,090,619**	**16,190,932**	**66,329,206**	**23,235,681**

राशि ₹ में

परिसम्पत्तियाँ	वर्ष 2019-20 के लिए समेकित	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	शृंगेरी
निवेश														
केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सार्वजनिक क्षेत्र बाँड	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सावधि जमा	408,484,313	68,352,735	12,532,661	17,600,000	4,000,000	15,000,000	8,374,547	21,300,750	81,233,537	35,484,556	47,573,315	13,183,422	61,934,214	21,914,576
31.3.2019 तक अर्जित ब्याज	12,679,309	4,288,627	249,245	105,600	-	475,890	448,564	1,113,452	1,759,076	1,447,949	997,468	593,712	544,614	655,112
वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण एवं अग्रिम राशि														
पिछले वर्ष तक का बकाया	10,031,997	1,876,447	532,135	196,000	-	(930)	(266,930)	2,188,800	2,242,387	(109,178)	475,062	200,007	2,385,400	312,797
परिसरों के कर्मचारियों के स्थानांतरण पर अग्रिम राशि	3,283,997	(1,401,244)	112,135	(46,680)	349,450	930	501,918	1,063,470	873,963	1,742,786	199,838	(60,007)	45,100	(97,662)
जोड़ें : वर्ष के दौरान अग्रिम	11,069,913	475,800	478,000	552,000	140,150	-	532,000	638,790	2,350,150	1,238,123	1,133,900	-	2,876,500	654,500
घटा : वर्ष के दौरान वसूली	(10,824,859)	(563,503)	(454,600)	(263,820)	(92,100)	-	(258,988)	(1,983,295)	(2,269,000)	(979,618)	(879,900)	(140,000)	(2,677,900)	(262,135)
वर्ष के अंत में अग्रिम शेष	**13,561,048**	**387,500**	**667,670**	**437,500**	**397,500**	**-**	**508,000**	**1,907,765**	**3,197,500**	**1,892,113**	**928,900**	**-**	**2,629,100**	**607,500**
सी.पी.एफ. अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि														
जोड़ें : वर्ष के लिए योगदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम : वर्ष के समायोजन के दौरान प्राप्त राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सस्पेंस खाता : अतिरिक्त सा.भ.नि. राशि को कर्मचारियों के लिए परिसरों को स्थानांतरित किया	492,252	-	-	-	-	2,641	-	-	62,611	-	-	427,000	-	-
नकद एवं बैंक में शेष														
सूचित राष्ट्रीयकृत बैंको के साथ	25,378,812	4,238,581	97,169	2,934,502	3,360,551	2,884,001	1,043,868	149,888	3,274,486	1,588,544	2,590,936	1,936,515	1,221,278	58,493
बैंक में शेष सी.पी.एफ. खाता	50,283	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	50,283	-	-
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल परिसम्पत्तियाँ	**460,646,017**	**77,267,443**	**13,546,745**	**21,077,602**	**7,758,051**	**18,362,532**	**10,374,979**	**24,471,855**	**89,527,210**	**40,413,162**	**52,090,619**	**16,190,932**	**66,329,206**	**23,235,681**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, वर्ष 2019-20 के लिए सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय और व्यय विवरण डेटा राशि ₹ में

विवरण	वर्ष 2019-20 के लिए समेकित	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	शृंगेरी
व्यय मद														
सा.भ.नि. सदस्यों को दिया ब्याज	31,612,214	5,284,847	904,725	1,544,181	495,421	1,296,089	930,275	1,850,712	5,777,544	2,230,595	3,178,776	1,298,833	5,276,559	1,543,657
बैंक प्रभार	1,384	38	89	-	722	177	358	-	-	-	-	-	-	-
प्रतिभूति के मूल्यांकन पर हानि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अतिरिक्त जमा ब्याज की वापसी	222,385	-	-	-	79,150	-	-	-	-	-	-	-	-	143,235
मौजूदा वर्ष के दौरान व्यय से अधिक आय प्रतिभूतियाँ/ प्रतिभूतियों में हस्तांतरित	252,101	-	44,288	-	-	-	-	-	-	81,216	126,597	-	-	-
कुल व्यय	**32,088,084**	**5,284,885**	**949,102**	**1,544,181**	**575,293**	**1,296,266**	**930,633**	**1,850,712**	**5,777,544**	**2,311,811**	**3,305,373**	**1,298,833**	**5,276,559**	**1,686,892**
आय मद	**वर्ष 2019-20 के लिए समेकित**	**मुख्यालय**	**इलाहाबाद**	**भोपाल**	**देवप्रयाग**	**एकलव्य**	**गरली**	**गुरुवायूर**	**जयपुर**	**जम्मू**	**लखनऊ**	**मुम्बई**	**पुरी**	**शृंगेरी**
बचत खाते पर ब्याज	1,609,697	79,913	31,701	77,822	77,287	281,864	140,075	45,647	110,245	93,528	181,369	73,945	393,476	22,825
सावधि जमा ब्याज	14,704,259	860,436	668,156	1,081,044	216,000	510,270	178,817	520,318	3,237,818	770,334	2,126,536	323,713	3,606,427	604,390
31.3.2019 तक अर्जित ब्याज	12,679,309	4,288,627	249,245	105,600	-	475,890	448,564	1,113,452	1,759,076	1,447,949	997,468	593,712	544,614	655,112
बेहिसाब पिछले वर्ष की आय को अब ध्यान में रखा गया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विविध व्यय के लिए समग्र निधि से हस्तांतरित आय से अधिक व्यय	3,094,819	55,909	-	279,715	282,006	28,242	163,177	171,295	670,405	-	-	307,463	732,042	404,565
कुल आय	**32,088,084**	**5,284,885**	**949,102**	**1,544,181**	**575,293**	**1,296,266**	**930,633**	**1,850,712**	**5,777,544**	**2,311,811**	**3,305,373**	**1,298,833**	**5,276,559**	**1,686,892**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का विस्तृत लेखा विवरण

राशि ₹ में

क्र.सं.	कार्यालय नाम	आदि शेष	सा.भ.नि. योगदान	अतिरिक्त वी.पी.एफ. योगदान	निकासी/ऋण की वापसी	चालू वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	अंतिम वापसी गैर-वापसी योग्य	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरित किया गया	अंतिम निबटान भुगतान	31.3.2020 को अंतिम शेष राशि
1	मुख्यालय	66,930,653	12,302,192	6,142,707	563,503	475,800	2,909,808	69,270	5,284,847	3,622,452	13,412,211	**70,872,901**
2	इलाहाबाद परिसर	15,937,132	3,138,500	464,406	454,600	478,000	2,500,000	13,441	904,725	1,400,852	7,945,658	**8,588,294**
3	भोपाल परिसर	20,911,949	3,683,074	-	263,820	552,000	699,376	-	1,544,181	39,260	4,521,708	**20,590,680**
4	देवप्रयाग परिसर	5,864,068	850,000	472,831	92,100	140,150	-	71,297	495,421	142,095	-	**7,563,472**
5	एकलव्य परिसर	17,741,989	3,000,000	-	-	-	-	-	1,296,089	3,665,875	-	**18,372,203**
6	गरली परिसर	13,326,595	2,200,000	981,897	258,988	532,000	2,933,623	-	930,275	4,282,559	540	**9,949,033**
7	गुरुवायूर परिसर	29,168,964	5,858,800	-	1,983,295	638,790	6,514,980	-	1,850,712	-	9,299,477	**22,408,524**
8	जयपुर परिसर	71,771,872	9,276,930	4,197,673	2,269,000	2,350,150	1,200,000	180,921	5,777,544	3,792,537	3,475,757	**82,655,496**
9	जम्मू परिसर	37,443,795	958,830	3,165,142	979,618	1,238,123	50,000	-	2,230,595	8,905,459	1,460,978	**33,123,420**
10	लखनऊ परिसर	36,334,946	7,191,000	7,730,142	879,900	1,133,900	2,983,428	385,586	3,178,776	184,469	1,691,368	**49,707,185**
11	मुम्बई परिसर	17,608,192	1,783,000	-	140,000	-	6,892,000	-	1,298,833	21,878	-	**13,916,147**
12	पुरी परिसर	62,190,809	10,913,000	1,007,052	2,677,900	2,876,500	2,600,000	118,509	5,276,559	5,418,653	7,142,302	**64,146,374**
13	शृंगेरी परिसर	11,554,475	2,660,918	8,905,459	262,135	654,500	648,000	-	1,543,657	-	1,460,812	**22,163,332**
	कुल योग	**406,785,439.00**	**63,816,244.00**	**33,067,309.00**	**10,824,859.00**	**11,069,913.00**	**29,931,215.00**	**839,024.00**	**31,612,214.00**	**31,476,089.00**	**50,410,811.00**	424,057,061.00

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

31.03.2020 को सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	कैपिटल निधि			**1.**	सावधि जमा	2282405.00	2882405.00
i)	आदि शेष	901014.00	1123491.00	**i)**	वर्तमान परिसम्पत्तियां	2282405.00	2882405.00
ii)	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	15925744.00	17377604.00	**2.**	बैंक में रोकड़	2443979.00	901014.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00				
iv)	घटाया - अन्य परिसरों को सा.भ.नि. के अग्रिम एवं निकासी का स्थानान्तरण	15207226.00	17080035.00				
v)	31.03.2019 को देनदारियां	2882405.00	2190545.00				
vi)	जोड़ा - आय से अधिक व्यय	224447.00	171814.00				
	कुल योग	**4726384.00**	**3783419.00**		**कुल योग**	**4726384.00**	**3783419.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रु.	रु.	क्र.सं.	लेखा शीर्ष		
1	मुख्य खाते में समायोजित ब्याज	0.00	0.00		**अर्जित ब्याज**		
2	बैंक संग्रह प्रभार	376.00	392.00	1	सा.भ.नि. पर ब्याज	53290.00	127914.00
3	अंशदायी को अधिक रकम की वापसी	68707.00	0.00	2	बचत खाते पर ब्याज	240240.00	44292.00
	कुल योग - बी	**69083.00**	**392.00**				
आय से अधिक व्यय (ए-बी)		**224447.00**	**171814.00**				
अतिरिक्त शेष राशि मुख्य/समग्र निधि में जमा		**224447.00**	**171814.00**		**कुल योग - ए**	**293530.00**	**172206.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2019-20 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**			1	सावधि जमा क्रय	2000000.00	1091860.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	763081.00
i)	आदि शेष	901014.00	1123491.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	6757893.00	8555506.00	4	बैंक प्रभार	376.00	392.00
iii)	संस्थान का योगदान	9165851.00	8677967.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	240240.00	44292.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	68707.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	15207226.00	16316954.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	144131.00	9	**बैंक में शेष**	2443979.00	901014.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	2600000.00	400000.00				
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	53290.00	127914.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	अन्य प्राप्तियाँ	2000.00	0.00				
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
	कुल योग	**19720288.00**	**19073301.00**		**कुल योग**	**19720288.00**	**19073301.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योग
i)	आदि शेष	32155.00	151678.00	108409.00		70024.00				538748.00				**901014.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	664078.00	2118737.00	796954.00		1483383.00				1694741.00				**6757893.00**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	664078.00	2749456.00	1406037.00		2026795.00				2319485.00				**9165851.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज													**0.00**
v)	पूर्व शेष													**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	3561.00	35671.00			8683.00				192325.00				**240240.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि													**0.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व					1000000.00				1600000.00				**2600000.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज					53290.00								**53290.00**
ix)	ब्याज का अन्तर													**0.00**
x)	अन्य प्राप्तियाँ		2000.00											**2000.00**
xi)	पूर्व त्रुटि													**0.00**
	कुल योग	**1363872.00**	**5057542.00**	**2311400.00**	**0.00**	**4642175.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**6345299.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**19720288.00**
	भुगतान													
i)	सावधि जमा क्रय									2000000.00				**2000000.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि													**0.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज													**0.00**
iv)	बैंक प्रभार	24.00	24.00							328.00				**376.00**
v)	अन्तिम भुगतान													**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W													**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी			68707.00										**68707.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	1328156.00	3262289.00	2232208.00		4467559.00				3917014.00				**15207226.00**
	बैंक में शेष	35692.00	1795229.00	10485.00		174616.00				427957.00				**2443979.00**
	कुल योग	**1363872.00**	**5057542.00**	**2311400.00**	**0.00**	**4642175.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**6345299.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**19720288.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष
1	**आदि शेष**		1	**स्थापना व्यय**	
i	हाथ में रोकड़	61962.00	i	वेतनादि एवं भत्ते	0.00
ii	बैंक में जमा (एस.बी.आई.)	4200598.00		**योग**	**0.00**
iii	बैंक में जमा (आई.ओ.बी.)	69225.00	2	**प्रशासनिक व्यय**	
iv	चालू खाता	37208.00			
v	प्राप्त अनुदान	0.00		डाक एवं तार	0.00
	विविध प्राप्तियाँ			मरम्मत एवं रखरखाव	
i	पंजीकरण शुल्क	11077465.00		बैंक प्रभार	0.00
ii	ब्याज	323928.00		विज्ञापन	0.00
iii	एस.एल.एम. प्रप्तियां	60332.00		स्टेशनरी एवं मुद्रण	0.00
iv	सावधि जमा परिपक्व	3498648.00		मु.स्वा.पी. के मुख्य खाते से आंतरिक स्थानान्तरण	15327770.00
v	विक्रय	325356.00		परीक्षा आकस्मिकता	0.00
	योग	**19654722.00**		दूरभाष खर्च	0.00
				वसूलीयोग्य अग्रिम	0.00
				सा.भ.नि. खरीद	3742692.00
				संस्थान प्रकाशन	0.00
				योग	**19070462.00**
			3	**अन्तिम शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	30527.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता (एस.बी.आई.)	125399.00
			ii	बचत खाता (आई.ओ.बी.)	262770.00
			iii	चालू खाता	165564.00
				योग	**584260.00**
	कुल योग	**19654722.00**		**कुल योग**	**19654722.00**

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 30 जून, 2020

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 हेतु समग्र निधि का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष
1	**आदि शेष**		**1**	**स्थापना व्यय**	
i	हाथ में रोकड़	0.00	i	वेतनादि एवं भत्ते	0.00
ii	बैंक में जमा	3435748.00		**योग**	**0.00**
			2	**प्रशासनिक व्यय**	
				सा.भ.नि. ब्याज का परिसरों को अन्तर	5276074.00
	विविध प्राप्तियाँ			सा.भ.नि. ब्याज का मुख्यालय को अन्तर	2141501.00
i	पंजीकरण शुल्क	471135.00		बैंक प्रभार	8.00
ii	ब्याज	4831008.00		विज्ञापन	0.00
iii	सावधि जमा परिपक्व	67900000.00		स्टेशनरी एवं मुद्रण	0.00
iv	अन्य विविध प्राप्तियाँ	23004906.00		मु.स्वा.पी. के मुख्य खाते से आंतरिक स्थानान्तरण	0.00
				परीक्षा आकस्मिकता	0.00
	योग	**99642797.00**		दूरभाष खर्च	0.00
				वसूली योग्य अग्रिम	0.00
				सा.भ.नि. खरीद	16393943.00
				संस्थान प्रकाशन	0.00
				योग	**23811526.00**
			3	**अन्तिम शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	0.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता (एस.बी.आई.)	75831271.00
			ii	बचत खाता (आई.ओ.बी.)	0.00
			iii	चालू खाता	0.00
				योग	**75831271.00**
	कुल योग	**99642797.00**		**कुल योग**	**99642797.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2019-20 हेतु प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष
1	**आदि शेष**		1	**स्थापना व्यय**	
i	हाथ में रोकड़	0.00	i	वेतनादि एवं भत्ते	0.00
ii	बैंक में जमा	10000.00		**योग**	**0.00**
			2	**प्रशासनिक व्यय**	
				सा.भ.नि. ब्याज का परिसरों को अन्तर	0.00
	विविध प्राप्तियाँ			सा.भ.नि. ब्याज का मुख्यालय को अन्तर	0.00
i	पंजीकरण शुल्क	140936.00		बैंक प्रभार	3789.00
ii	ब्याज	0.00		विज्ञापन	0.00
iii	सावधि जमा परिपक्व	0.00		स्टेशनरी एवं मुद्रण	0.00
iv	अन्य विविध प्राप्तियाँ	0.00		मु.स्वा.पी. के मुख्य खाते से आंतरिक स्थानान्तरण	0.00
				परीक्षा आकस्मिकता	0.00
	योग	**150936.00**		दूरभाष खर्च	0.00
				वसूली योग्य अग्रिम	0.00
				सा.भ.नि. खरीद	0.00
				संस्थान प्रकाशन	0.00
				योग	**3789.00**
			3	**अन्तिम शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	0.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता (एस.बी.आई.)	147147.00
			ii	बचत खाता (आई.ओ.बी.)	0.00
			iii	चालू खाता	0.00
				योग	**147147.00**
	कुल योग	**150936.00**		**कुल योग**	**150936.00**

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 30 जून, 2020

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

31 मार्च 2020 को समाप्त हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के 31 मार्च 2020 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों एवं प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2022-23 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबन्धन का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के बारह परिसर एककों के लेखे सम्मिलित हैं। इनमें से तीन इकाईयाँ की लेखा परीक्षा की गई और उनकी टिप्पणियाँ इस रिपोर्ट में समाहित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के आधार पर राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी)की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारी राय को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

i) हमने लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आदेश संख्या 29-4/2012-एफ.डी. दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:-

क. तुलन पत्र

क.1 दायित्व

क.1.1 वर्तमान देयताएँ और प्रावधान (अनुसूची -3) - रू 24.95 करोड़

उपर्युक्त में रुपये के लिए छात्र निधि की रु 2.12 करोड़ देयताएं शामिल हैं। जैसा कि छात्र निधि एर्मार्कड फंड की प्रकृति में है, इसे एर्मार्कड फंड्स के तहत दिखाया जाना चाहिए। ऐसा करने में विफलता के कारण वर्तमान देयताएं और प्रावधान समाप्त हो गए और एर्मार्कड फंड्स की समझ में रु 2.12 करोड़ है।

क.2 परिसंपत्तियाँ

क.2.1 निवेश अन्य (अनुसूची 6) - रु 17.20 करोड़

उपर्युक्त में रु 1.61 करोड़ का निवेश शामिल नहीं है (जम्मू कैंपस का- रु 14.35 लाख, पुरी कैंपस का- रु 84.14 लाख, शृंगेरी कैम्पस का- रु 50.90 लाख और मुम्बई कैम्पस का- रु 12 लाख) जो छात्र निधि से संबंधित है। इससे अन्य लोगों के साथ-साथ करंट देयताएँ एवं प्रोविजन्स छात्र निधि में रु 1.61 करोड़ है।

ख. आय और व्यय खाते

ख.1 ब्याज अर्जित - रु 78.51 लाख

उपर्युक्त में सहायता से वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज शामिल है जो रु 31.73 लाख मंत्रालय को वापस करने योग्य है। करंट देनदारियों के तहत इसे दिखाया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देयताएं और प्रावधान और उपार्जित रु 31.73 लाख ब्याज की अधिकता को समझा गया है।

ग. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और लेखा (अनुसूची 24)

खाता संख्या 6 के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और नोट्स के अनुसार, 31/3/2019 को बीमांकित मुल्याकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए देयताएं रु 411.94 करोड़ है, लेकिन खातों के लिए प्रावधान नहीं किए गए हैं जो लेखा मानक 15 और शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित खातों के प्रारूप का उल्लंघन है। वर्ष 2019-20 के लिए बीमांकिक मूल्यांकन नहीं किया गया है।

घ. नई पेंशन योजना खाते

घ.1 परिसंपत्तियाँ

घ.1.1 वर्तमान संपत्ति - रु 22.82 लाख

उपर्युक्त एफडीआर में निवेश का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन विवरण के अनुसार और एफडीआर के भौतिक प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए लेखा-परीक्षा के लिए उपलब्ध कराए गए थे, एफडीआर की राशि रु 24.42 लाख थी इससे निवेश में रु 1.60 लाख की कमी आई है। पिछले वर्ष की रिपोर्ट में इस अंतर को इंगित किया गया था लेकिन उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

घ.2 प्राप्तियां और एनपीएस के भुगतान खाते

लखनऊ कैंपस के कर्मचारी सदस्यता और संस्थान / कैंपस योगदान के प्राप्तियां और भुगतान में क्रमशः रु 10.72 लाख और रु 14.47 लाख के रूप में दिखाया गया है, जबकि संस्थान के प्राप्तियों और भुगतान खातों में, लखनऊ परिसर के संबंध में शून्य दिखाया गया है। इसी तरह एनपीएस ट्रस्ट फंड को भुगतान में लखनऊ कैंपस का रकम शामिल नहीं है। इसके परिणामस्वरूप रसीद और भुगतान की रु 25.19 लाख है।

ङ. सहायता अनुदान राशि

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने वर्ष 2019-20 के दौरान रु 246.99 करोड़ की सहायता प्राप्त की। (गैर एनईआरः रु 223.45 करोड़ और एनईआरः रु 23.54 करोड़) और रु 2.75 करोड़ की सहायता का प्रारंभिक संतुलन था। (गैर एनईआरः निल और एनईआरः 2.75 करोड़)। रु 249.74 करोड़ की कुल अनुदान सहायता में से रु 244.69 करोड़ का उपयोग किया। (गैर एनईआरः रु 222.31 करोड़ और एनईआरः रु 22.38 करोड़) 31 मार्च 2020 तक बिना अनुदान के रु 5.05 करोड़ (गैर एनईआरः रु 1.14 करोड़ और एनईआरः रु 3.91 करोड़) है।

च. प्रबंधन पत्र

जिन समितियों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा सुधारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से लाया गया है।

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन रहते हुए, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते खातों की पुस्तकों के साथ अनुबंध में हैं।

vi. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दी गई व्याख्याओं के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरणों को लेखांक नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ पठित और अन्य पूर्वोक्त महत्वपूर्ण मामलों के अधीन और इसके लिए अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामले लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुरूप एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है।

क. जहाँ तक यह 31 मार्च 2020 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है। एवं

ख. जहाँ तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखो से सम्बद्ध है।

कृते तथा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से

ह०

स्थानः नई दिल्ली **महानिदेशक लेखा परीक्षा**

दिनांक 14.01.2021 **(गृह, शिक्षा और कौशल विकास)**

नोटः 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

ऑडिट रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- कोई आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली नहीं है और लेखा अधिकारी (आंतरिक लेखा परीक्षा) का पद रिक्त है।
- मंत्रालय द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा भी नहीं की जा रही है।
- कोई आंतरिक लेखापरीक्षा मैनुअल नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

- संस्थान मुख्यालय की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित कारणों से अपर्याप्त है:

(i) लेखा अधिकारी का पद फरवरी 2015 से रिक्त है।

(ii) संस्थान मुख्यालय के 25 ऑडिट पैरा 31/3/2020 तक बकाया थे।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- संस्थान मुख्यालय के फिक्स्ड संपत्ति का भौतिक सत्यापन 2019-20 तक आयोजित किया गया है।
- संस्थान मुख्यालय की पुस्तकालय पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2018-19 तक नहीं किया गया है। इसके अलावा, 1781 नग की गुमशुदा किताबों की कीमत 1 लाख 78 हजार रुपये है जो आज तक नहीं लिखी गई है।
- संस्थान के परिसरों की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है।

4. इन्वेंट्री के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- संस्थान मुख्यालय के स्टेशनरी और उपभोग्य सामग्रियों जैसे इन्वेंट्री का भौतिक सत्यापन क्रमश: वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए नहीं किया गया है।
- संस्थान के परिसरों के इन्वेंट्री का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से नहीं किया जा रहा है।

5. बकाए के भुगतान में नियमितता

खातों के अनुसार, वैधानिक बकाया के संबंध में छह महीने से अधिक का कोई भुगतान 31.03.2020 को बकाया नहीं था।